



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-एम.एच.-अ.-01102026-276666
CG-MH-E-01102026-276666

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 567]

नई दिल्ली, मंगलवार सितम्बर 22, 2026/भाद्र 31, 1948

No. 567]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 22, 2026/BHADRA 31, 1948

भारतीय बीमांकक संस्थान

(संसद के अधिनियम के अंतर्गत स्थापित एक सांविधिक निकाय)

अधिसूचना

मुंबई, 21 अगस्त, 2026

वार्षिक रिपोर्ट और लेखा, 2025—26

भारतीय बीमांकिक पेशा

जनहित के निमित्त सेवारत

फा. सं. IAI/2025-26 रिपोर्ट संख्या 001.—भारतीय बीमांकिक संस्थान

बीमांकक अधिनियम, 2006 की धारा 13 के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली

20वीं वार्षिक साधारण बैठक की सूचना

सेवा में,
संस्थान के सभी सदस्य।

बीमांकक अधिनियम, 2006 की धारा 13 के अनुसार संस्थान की वार्षिक साधारण बैठक निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी:

तिथि	21 अगस्त, 2026
समय	प्रातः 10:00 बजे से 11:00 बजे तक
स्थान	होटल कोर्टयार्ड बाय मैरियॉट, मुंबई सीटीएस 215, अंधेरी – कुर्ला रोड, कार्निवल सिनेमा के सामने, हनुमान नगर, अंधेरी ईस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र 400093

कार्यसूची

कार्यसूची 1: निम्नलिखित सदस्यों के देहांत पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन, जिनसे संबंधित सूचना 26 जुलाई, 2025 को आयोजित पिछली एजीएम के पश्चात संस्थान के संज्ञान में आई:

उक्त अवधि के दौरान किसी सदस्य का देहांत नहीं हुआ है।

कार्यसूची 2 :

26 जुलाई 2025 को आयोजित 19वीं वार्षिक साधारण सभा की बैठक के कार्यवृत्त को अभिलेख में शामिल करना।

कार्यसूची .3 :

परिषद निर्वाचन – 2025 के परिणाम का अंगीकरण करना।

हस्ताक्षर

आशा मुरली
मानद सचिव

19वीं वार्षिक साधारण बैठक का कार्यवृत्त

बीमांकक अधिनियम, 2006 की धारा 13 के अनुसार संस्थान की वार्षिक साधारण बैठक निम्नवत आयोजित की गयी थी:

तिथि	26 जुलाई 2025
समय	प्रातः 10:00 बजे से 11:00 बजे तक
स्थान	भारतीय बीमांकक संस्थान, बोर्ड कक्ष, यूनिट सं. एफ-206, दूसरा तल, टॉवर 2 में "एफ" विंग, सीवूड ग्रैंड सेंद्रल, प्लॉट सं. आर-1, सीवूड, सीवूड रेलवे स्टेशन के निकट, नवी मुंबई - 400 706

अपेक्षित कोरम की अनुपलब्धता के कारण बैठक आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी गयी थी, जैसा कि वार्षिक साधारण बैठक (एजीएम) की कार्यवाही प्रक्रियाविधि द्वारा निर्धारित किया गया है। स्थगित बैठक प्रातः 10:30 बजे उसी स्थान पर शुरू हुई जिसके लिए किसी कोरम की आवश्यकता नहीं थी।

सुश्री प्रीति चन्द्रशेखर ने इस बैठक की अध्यक्षता की और सभी सदस्यों व संस्थान के कर्मचारियों का स्वागत किया।

उपस्थित सदस्य

क्र. सं.	सदस्यता प.सं.	नाम	श्रेणी
1	310	सुश्री प्रीति चन्द्रशेखर	फेलो
2	810	सुश्री आशा मुरली	फेलो
3	175	श्री साकेत सिंघल	फेलो
4	1380	श्री तनय चन्द्रा	फेलो
5	24820	श्री अनुभव चट्टोराज	फेलो

आईएआई के उपस्थित कर्मचारीगण

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	श्री योगेश पंडित	सहायक-अनुपालना
2	सुश्रीबिनिता रावतेला	महाप्रबंधक

कार्यसूची सं. 1 : निम्नलिखित सदस्यों की मृत्यु पर शोक व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

निम्नलिखित सदस्यों और कर्मचारियों के देहांत पर संवेदना व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया;

क्रम सं.	सदस्यता सं.	नाम	एसोसिएट / फेलो	देहावसान की तिथि
..	..	..	..	..

कार्यसूची 2 : 30 सितंबर 2024 को आयोजित 18वीं वार्षिक साधारण बैठक के कार्यवृत्त को अभिलेख में शामिल करना।

30 सितंबर 2024 को आयोजित 18 वीं वार्षिक साधारण बैठक के कार्यवृत्त अभिलेख में शामिल किया गया।

कार्यसूची 3 : परिषद निर्वाचन 2025 के परिणामों का अंगीकरण

अध्यक्षा ने परिषद को बताया कि निर्वाचन अधिकारी ने 'बीमांकक (परिषद चुनाव) नियम, 2021' की अनुसूची 5 के खंड 4 के अनुसार अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। चुनाव प्रक्रिया 5 जुलाई 2025 को पूरी हुई।

परिषद में 3 खाली पदों को भरने के लिए कुल 8 नामांकन मिले थे। चूंकि उम्मीदवारों की संख्या खाली पदों की संख्या से ज़्यादा थी, इसलिए लागू नियमों के अनुसार चुनाव कराए गए।

निर्वाचन अधिकारी ने निम्नलिखित परिणाम की घोषणा की :

उम्मीदवार का नाम	दर्ज किए गए मत
श्री खुशवंत पहवा	185
सुश्री योगिता अरोड़ा	168
श्री प्रवीर चन्द्र	151
श्री तनय चन्द्र	148
श्री के. टी. जयासागर	142
श्री अनुभव चट्टोरज	136
श्री के सुब्रह्मण्यम	77
श्री भव्य मुकेश साह	31

दर्ज मतों की संख्या के आधार पर निम्नलिखित तीन उम्मीदवारों को परिषद के लिए निर्वाचित घोषित किया गया :

श्री खुशवंत पहवा
सुश्री योगिता अरोड़ा
श्री प्रवीर चन्द्र

यह संकल्प श्री साकेत सिंघल द्वारा प्रस्तुत किया गया और श्री अनुभव चट्टोरजी ने इसका समर्थन किया।

यह बैठक अध्यक्ष को साधुवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हो गया।

1. संस्थान के कार्यकलापों पर अध्यक्ष का अद्यतन



प्रीति चन्द्रशेखर
अध्यक्ष

“भविष्य उनका है जो आज उसके लिए तैयारी करते हैं।”

— मैल्कम एक्स

वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए ‘भारतीय बीमांकक संस्थान’ (आईआई) का वार्षिक रिपोर्ट एवं लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत सम्मान, कृतज्ञता तथा उत्तरदायित्व की गहन भावना की अनुभूति हो रही है।

विगत वर्ष और वस्तुतः अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल का सिंहावलोकन करते हुए, मुझे इस बात का अत्यंत गर्व है कि हमारे संस्थान ने प्रगति के मार्ग पर कितनी लंबी यात्रा तय की है। यह वर्ष संकल्प, दृढ़ता और युगांतरकारी रूपांतरण का वर्ष रहा है। तीव्र तकनीकी प्रगति, बदलती आर्थिक वास्तविकताओं और समाज की निरंतर विकसित होती अपेक्षाओं द्वारा सृजित नए अवसरों को आत्मसात करते हुए, हमने एकजुट होकर अपने पेशे की नींव को और अधिक सुदृढ़ किया है।

विश्व की सबसे तीव्र गति से विकास करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में भारत निरंतर अपनी स्थिति को सुदृढ़ कर रहा है। सतत आर्थिक विकास, द्रुत डिजिटल रूपांतरण, बढ़ते वित्तीय समावेशन तथा बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार में व्यापक निवेश के साथ, हमारा राष्ट्र ‘विकसित भारत 2047’ के दृष्टिकोण की दिशा में अपनी यात्रा अनवरत जारी रखे हुए है। इन विकास-कार्यों ने सुदृढ़ जोखिम प्रबंधन, दीर्घकालिक वित्तीय सुदृढ़ता तथा साक्ष्य-आधारित निर्णय-प्रक्रिया के महत्व को और अधिक बढ़ा दिया है, ये वे क्षेत्र हैं जहाँ बीमांककों को उत्तरोत्तर अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

इस परिवर्तनशील परिदृश्य में, बीमांकिक पेशा अपनी पारंपरिक सीमाओं से परे जाकर निरंतर पल्लवित व विकसित हो रहा है। आज, बीमांकक केवल बीमा और पेंशन के क्षेत्र में ही नहीं, अपितु स्वास्थ्य सेवा, बैंकिंग, निवेश, जलवायु-अनुकूलन, उद्यम जोखिम प्रबंधन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संधारणीयता एवं सार्वजनिक नीति के निर्माण में भी अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं। विश्वसनीय पेशेवरों के रूप में, यह हमारा सौभाग्य और परम उत्तरदायित्व दोनों है कि हम निरंतर बढ़ती अनिश्चितताओं वाले इस विश्व में, संस्थानों को सुविचारित व तथ्यपरक निर्णय लेने में सहायता प्रदान करें।

भारतीय बीमांकक संस्थान ने इस क्रमिक विकास को पूर्ण आत्मविश्वास के साथ अंगीकार किया है। संपूर्ण वर्ष के दौरान, हम बीमांकिक शिक्षा को उन्नत करने, पेशेवर मानकों को सुदृढ़ बनाने, शोध को प्रोत्साहित करने, आपसी सहयोग को बढ़ावा देने तथा सदस्यों के लिए मूल्य-संवर्धन करने के अपने मूल ध्येय के प्रति पूर्णतः संकल्पबद्ध रहे हैं। इस वर्ष के दौरान आरंभ की गई प्रत्येक पहल केवल एक ही उद्देश्य से निर्देशित रही है — एक ऐसे सुदृढ़ पेशे का निर्माण करना, जो सत्यनिष्ठा, उत्कृष्टता और एक सोद्देश्य भावना के साथ समाज की निरंतर सेवा करता रहे।

सोदेश्य नवाचार

प्रौद्योगिकी हमारे पेशे के प्रत्येक पहलू को निरंतर पुनर्परिभाषित कर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, उन्नत विश्लेषिकी और स्वचालन, जोखिम की पहचान, मापन एवं प्रबंधन के दृष्टिकोण को आमूलचूल रूप से परिवर्तित कर रहे हैं। इन विकास-क्रमों को एक व्यवधान के रूप में देखने के स्थान पर, हमने इन्हें पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ नवाचार करने के सुअवसरों के रूप में अंगीकार करने का निर्णय लिया है।

संस्थान ने यह सुनिश्चित करते हुए कि पेशेवर मानकों के साथ तनिक भी समझौता न हो, अपने शैक्षिक ढांचे, परीक्षा प्रणालियों तथा सदस्य-सेवाओं के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को अबाध रूप से जारी रखा है। हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि प्रौद्योगिकी को बीमांकिक विवेक व निर्णय-क्षमता का स्थान लेने के बजाय उसे और अधिक परिष्कृत करना चाहिए, और वर्ष के दौरान हमारे प्रयासों ने इसी दर्शन को ही प्रतिबिंबित किया है।

सामूहिक विकास हेतु सहकार

किसी भी पेशेवर निकाय की प्रगति आपसी सहयोग की आधारशिला पर ही निर्मित होती है। इस वर्ष के दौरान, संस्थान ने शैक्षणिक संस्थानों, नियामकों, अन्य पेशेवर निकायों, नियोक्ताओं तथा अंतर्राष्ट्रीय बीमांकिक संगठनों के साथ अपनी सहभागिता को और अधिक सुदृढ़ किया है। ये भागीदारियाँ भारत में बीमांकिक पेशे के विकास में अपना अमूल्य योगदान देने के साथ-साथ, हमारे छात्रों एवं सदस्यों के लिए अवसरों का निरंतर विस्तार कर रही हैं।

हमारे स्वयंसेवकों का असाधारण योगदान भी समान रूप से महत्वपूर्ण रहा है। हमारी परिषद के सदस्यों, सलाहकार समूहों, समितियों, कार्य-समूहों तथा असंख्य स्वयंसेवकों ने संस्थान के उद्देश्यों को फलीभूत करने की दिशा में अपनी विशेषज्ञता और समय का अत्यंत उदारतापूर्वक योगदान दिया है। उनकी यह अप्रतिम प्रतिबद्धता आईएआई की सर्वोत्कृष्ट शक्तियों में से एक बनी हुई है।

बीमांकक दिवस 2026

भारत के प्रथम बीमांकक, स्वर्गीय श्री एल. एस. वैद्यनाथन जी की जयंती के उपलक्ष्य में 21 अगस्त 2026 को 'बीमांकक दिवस 2026' मनाया गया। "एक पेशा। अनंत संभावनाएँ। असीम प्रभाव।" की विषय-वस्तु (थीम) पर आधारित इस आयोजन ने सदस्यों, छात्रों, वरिष्ठ बीमांकक, पेशेवरों, शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं तथा उद्योग के हितधारकों को प्रत्यक्ष एवं आभासी (वर्चुअल), दोनों रूपों में एक मंच पर एकत्र किया। इसने हमारे पेशे की समृद्ध विरासत का उत्सव मनाने के साथ-साथ, अत्यंत तीव्र गति से विकसित हो रहे विश्व में बीमांकक की बदलती भूमिका पर गहन चिंतन करने का एक सुअवसर प्रदान किया।

इस समारोह को भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के अपर सचिव, श्री देबाशीष प्रुस्टी के मुख्य उद्बोधन तथा 'इंटरनेशनल बीमांकिक एसोसिएशन' के अध्यक्ष, श्री माइक लोम्बार्डी के एक विशेष संदेश द्वारा गौरवान्वित किया गया। उनकी यह सहभागिता राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय, दोनों स्तरों पर बीमांकिक पेशे की निरंतर बढ़ती मान्यता तथा व्यापार, सार्वजनिक नीति व समाज में इसके बहुमूल्य योगदान को रेखांकित करती है।

इस कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बैंकिंग एवं निवेश, जलवायु जोखिम, समावेशी बीमा तथा व्यवहारिक अर्थशास्त्र जैसे क्षेत्रों में बीमांकक की निरंतर विस्तृत होती भूमिकाओं का भी अन्वेषण किया गया। इन परिचर्चाओं में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि सत्यनिष्ठा, परिशुद्धता तथा सुदृढ़ निर्णय-क्षमता जैसे पेशे के मूलभूत मूल्यों को अक्षुण्ण रखते हुए, बीमांकक को अपने कौशल का विस्तार करने, नवाचार को अपनाने तथा परिवर्तनशील परिस्थितियों के अनुकूल बने रहने की नितांत आवश्यकता है।

बीमांकक दिवस 2026 ने आईएआई द्वारा कई महत्वपूर्ण पहलों को भी चिन्हित किया। इनमें आईएआई 'ब्रांड बाइबिल' का अनावरण, बीमांकिक जॉब्स पोर्टल का शुभारंभ, तथा कार्बन क्रेडिट एवं कार्बन बाजारों पर एक प्रमाणन कार्यक्रम के लिए आईएआई और 'बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी' (बिमटेक) के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर शामिल थे। इस अवसर ने पेशे में अपने दीर्घकालिक योगदान के लिए एक वरिष्ठ बीमांकक को सम्मानित और अभिनंदित करने का सुअवसर भी प्रदान किया।

पेशे की विरासत के उत्सव से कहीं अधिक, बीमांकक दिवस 2026 भविष्य में निहित संभावनाओं का एक प्रतिबिंब था। इस आयोजन ने बीमांकक के पेशेवर विकास में सहयोग देने, सहभागिता के नए मार्ग प्रशस्त करने तथा यह सुनिश्चित करने के प्रति आईएआई की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया कि यह पेशा व्यापार, सार्वजनिक नीति और समाज में सार्थक रूप से अपना योगदान देना जारी रखे। जैसे-जैसे बीमांकिक परिदृश्य का निरंतर विकास हो रहा है, आईएआई अपने सदस्यों को नई संभावनाओं को अंगीकार करने तथा आगामी वर्षों में और भी व्यापक प्रभाव उत्पन्न करने हेतु सक्षम बनाने के लिए तत्पर है।

● 25वां वैश्विक बीमांकक कॉन्फ्रेंस 2026

वैश्विक बीमांकक कॉन्फ्रेंस (जीसीए) 2026 एवं बीमांकिक गाला फंक्शन एंड अवार्ड्स (एजीएफए) इस वर्ष का एक सर्वप्रमुख आकर्षण 22 से 24 फरवरी 2026 तक जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, मुंबई में आयोजित 25वें 'वैश्विक बीमांकक कॉन्फ्रेंस' (जीसीए) तथा 'बीमांकिक गाला फंक्शन एंड अवार्ड्स' (एजीएफए) 2026 का सफल आयोजन रहा। संस्थान के इस प्रमुख वार्षिक आयोजन के रजत जयंती संस्करण का उत्सव मनाते हुए, यह सम्मेलन "विकसित भारत के लिए बीमांकिक मार्ग: समावेशी सामाजिक एवं आर्थिक विकास हेतु जोखिमों का प्रबंधन" विषय-वस्तु (थीम) के अंतर्गत आयोजित किया गया था। इस विषय-वस्तु ने प्रभावी जोखिम प्रबंधन, वित्तीय सुदृढ़ता तथा तथ्यपरक निर्णय-प्रक्रिया के माध्यम से भारत के विकास-एजेंडे को सहयोग प्रदान करने में बीमांकिक पेशे की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। इस आयोजन को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया प्राप्त हुई, जिसमें 1,726 पंजीकरण, 1,458 विशिष्ट सहभागियों तथा 3,230 प्रतिनिधियों की उपस्थिति दर्ज की गई। इसके साथ ही, मुख्य, पूर्ण और विशिष्ट सत्रों के माध्यम से 17 देशों के 61 प्रतिष्ठित वक्ताओं को एक मंच पर लाया गया, जिन्होंने पेशे के समक्ष उभरते अवसरों एवं चुनौतियों पर विचारोत्तेजक परिचर्चाओं का मार्ग प्रशस्त किया।

इस सम्मेलन ने वित्तीय सेवा पारि-प्रणाली के विविध खंडों का प्रतिनिधित्व करने वाली 11 साझेदारी श्रेणियों में 47 भागीदारों के समर्थन के माध्यम से संस्थान तथा बीमांकिक पेशे की निरंतर बढ़ती गरिमा को और अधिक प्रदर्शित किया। 'फ्यूचर टैलेंट पैट्रन पार्टनरशिप' (भावी प्रतिभा संरक्षक साझेदारी), शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग, आईसीएआई एवं आईसीएसआई के साथ एक संयुक्त सत्र, तथा प्रतिनिधियों के उन्नत सहभागिता अनुभवों सहित कई अभिनव पहलों ने इस सम्मेलन की शानदार सफलता में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। तकनीकी विचार-विमर्श को पूर्णता प्रदान करते हुए, 'बीमांकिक गाला फंक्शन एंड अवार्ड्स' (एजीएफए) 2026 ने पेशेवर उत्कृष्टता, शैक्षणिक उपलब्धियों, स्वयंसेवकों के योगदान तथा भागीदारों के समर्थन का उत्सव मनाया, जिससे गर्व, एकता और सामुदायिक भावना को गहरा बल मिला। इस रजत जयंती संस्करण ने न केवल जीसीए की पच्चीस वर्षों की उल्लेखनीय यात्रा का स्मरण किया, अपितु बीमांकिक उत्कृष्टता को उन्नत करने, नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा भारत की आर्थिक व सामाजिक प्रगति में इस पेशे के योगदान को सुदृढ़ बनाने के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

परीक्षाएँ

बीमांकिक शिक्षा की उन्नति 'भारतीय बीमांकक संस्थान' की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक बनी हुई है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, संस्थान ने भावी बीमांकक को सुलभ, समावेशी तथा वैश्विक स्तर पर समतुल्य शैक्षिक अवसर प्रदान करने के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को निरंतर बनाए रखा। घर-आधारित ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली के सफल संचालन ने

उम्मीदवारों को विश्व भर में किसी भी स्थान से निर्बाध रूप से बीमांकिक मूल्यांकन में भाग लेने में सक्षम बनाया, जिससे अनुकूलता, सुलभता और परिचालन उत्कृष्टता के प्रति संस्थान के समर्पण को और अधिक बल मिला।

तैयारियों और परीक्षा के लिए तत्परता के महत्व को स्वीकार करते हुए, संस्थान ने प्रत्येक परीक्षा चक्र से पूर्व कई अभ्यास परीक्षाएँ (मॉक परीक्षाएँ) आयोजित कीं। इन पहलों ने उम्मीदवारों को परीक्षा मंच से परिचित कराया, उनके आत्मविश्वास में वृद्धि की, तथा मूल्यांकन के दौरान प्रभावी समय प्रबंधन में सहायता प्रदान की। इसके अतिरिक्त, परीक्षा प्रक्रिया के विषय में उम्मीदवारों का मार्गदर्शन करने तथा एक सुगम परीक्षा अनुभव सुनिश्चित करने हेतु व्यापक उन्मुखीकरण सत्र आयोजित किए गए।

शैक्षणिक प्रशासन को सुदृढ़ करने तथा मूल्यांकन गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के अपने निरंतर प्रयासों के एक अंग के रूप में, संस्थान ने 'बीमांकिक परीक्षाओं हेतु प्रश्न-पत्र निर्माण प्रक्रिया' विषय पर परीक्षकों के लिए एक वेबिनार का आयोजन किया। इस पहल ने परीक्षा की रूपरेखा और मूल्यांकन में सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ अधिक एकरूपता, पारदर्शिता एवं सामंजस्य को सुगम बनाया, जिससे संस्थान के मूल्यांकन ढांचे की विश्वसनीयता और सुदृढ़ता को और अधिक बल मिला।

वर्ष के दौरान, संस्थान ने अपनी परीक्षा-संबंधी प्रक्रियाओं में कई महत्वपूर्ण सुधार भी प्रस्तुत किए। नवंबर 2025 की बीमांकिक परीक्षा से प्रभाव में आते हुए, 'समाधान चुनौती' एवं 'पुनर्मूल्यांकन' प्रणालियों को समाप्त कर दिया गया और उनके स्थान पर एक सुव्यवस्थित 'अपील प्रक्रिया' को प्रतिस्थापित किया गया। इस महत्वपूर्ण सुधार की रूपरेखा परिणाम-पश्चात समीक्षा के लिए एक अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और कुशल ढांचा स्थापित करने के उद्देश्य से तैयार की गई थी, जिससे उम्मीदवारों के लिए निष्पक्षता एवं प्रक्रियात्मक स्पष्टता सुनिश्चित करते हुए परीक्षा प्रणाली में उनके विश्वास को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

संस्थान ने अगस्त 2025 और जनवरी 2026 में आयोजित 'बीमांकिक सामान्य प्रवेश परीक्षा' (एसीईटी) के साथ-साथ, मई 2025 तथा नवंबर 2025 सत्रों की बीमांकिक परीक्षाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इन परीक्षाओं में व्यापक सहभागिता देखी गई, जो बीमांकिक पेशे में निरंतर बढ़ती रुचि तथा संस्थान द्वारा प्रस्तुत शैक्षिक मार्गों में छात्रों के अटूट विश्वास को परिलक्षित करती है।

वर्ष के दौरान आयोजित एसीईटी परीक्षाओं में कुल 2,656 उम्मीदवार सम्मिलित हुए, जिनमें से 2,325 उम्मीदवारों ने सफलतापूर्वक अर्हता प्राप्त की, जिसके परिणामस्वरूप 87.54 प्रतिशत का अत्यंत प्रभावशाली समग्र उत्तीर्ण प्रतिशत प्राप्त हुआ। यह उत्साहजनक परिणाम संस्थान की प्रारंभिक (तैयारी संबंधी) पहलों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है तथा बीमांकिक पेशे में प्रवेश करने वाले उम्मीदवारों की निरंतर बढ़ती गुणवत्ता पर प्रकाश डालता है।

इसी प्रकार, बीमांकिक परीक्षाओं के दोनों परीक्षा चक्रों में पर्याप्त सहभागिता दर्ज की गई। मई 2025 में, 5,397 उम्मीदवार परीक्षाओं में सम्मिलित हुए, जिनमें से 2,287 ने अर्हता प्राप्त की, जिसके परिणामस्वरूप उत्तीर्ण प्रतिशत 42.38 प्रतिशत रहा। नवंबर 2025 के परीक्षा सत्र में 6,158 उम्मीदवार सम्मिलित हुए, जिसमें 2,256 उम्मीदवारों ने अर्हता प्राप्त की और 36.64 प्रतिशत का उत्तीर्ण प्रतिशत अर्जित किया। ये आँकड़े बीमांकिक अर्हता प्रक्रिया की कठोरता (परिशुद्धता) तथा पेशेवर उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु प्रयासरत छात्रों की अडिग प्रतिबद्धता, दोनों को ही परिलक्षित करते हैं।

संस्थान अपने हितधारकों की बात सुनने और उनसे सीखने पर भी समान रूप से केंद्रित रहा। उम्मीदवारों के परीक्षा अनुभवों के संबंध में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि एकत्र करने तथा निरंतर सुधार के अवसरों की पहचान करने हेतु, उम्मीदवारों के साथ परीक्षा-पश्चात प्रतिक्रिया (फीडबैक) सत्र आयोजित किए गए। इस प्रकार की सहभागिताएँ संस्थान के 'निरंतर संवर्धन' के दर्शन का एक अभिन्न अंग हैं, जो यह सुनिश्चित करने में सहायता करती हैं कि इसकी शैक्षिक एवं मूल्यांकन प्रक्रियाएँ उत्तरदायी, पारदर्शी तथा पेशे की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप बनी रहें।

इन पहलों के माध्यम से, संस्थान ने शैक्षणिक सत्यनिष्ठा, पेशेवर प्रासंगिकता तथा शिक्षार्थी-केंद्रित उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए, भारत में बीमांकिक शिक्षा की आधारशिला को निरंतर सुदृढ़ किया है। भविष्य की ओर दृष्टिपात करते हुए, हम शैक्षिक पारि-प्रणाली को और अधिक उन्नत करने, भावी बीमांकिक प्रतिभाओं को पोषित करने, तथा बीमांकिक पेशे के सतत विकास एवं इसकी वैश्विक प्रतिष्ठा को समर्थन देने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं।

● शिक्षा

शिक्षा नीति 2026 की शुरुआत

शिक्षा नीति 2026 'भारतीय बीमांकिक संस्थान' के शैक्षिक ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होती है। रणनीतिक दृष्टिकोण, सुदृढ़ प्रशासन, वैश्विक समतुल्यता और उद्योग की प्रासंगिकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, इस नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बीमांकिक शिक्षा भविष्य के लिए तत्पर और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनी रहे।

यह नीति 'मूल शिक्षा कार्यक्रम' और 'प्रमाणन कार्यक्रम' को समाहित करने वाले एक व्यापक ढांचे को प्रस्तुत करती है, जिसे 2028 तक पाठ्यक्रम संवर्धन हेतु एक चरणबद्ध रूपरेखा का समर्थन प्राप्त है। नवीन विषयों, सुविचारित पुनर्गठन तथा अंतर्राष्ट्रीय बीमांकिक मानकों के साथ सामंजस्य स्थापित करने के माध्यम से, यह वर्तमान और भावी बीमांकिक को निरंतर विकसित हो रहे वित्तीय और जोखिम परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और अनुकूलन क्षमता से सुसज्जित करने का प्रयास करती है।

यह भविष्योन्मुखी पहल एक सुदृढ़, विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त बीमांकिक पेशे के निर्माण तथा बीमांकिक की भावी पीढ़ी को आगामी अवसरों और चुनौतियों के लिए तैयार करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करती है।

संगोष्ठियाँ (सेमिनार), वेबिनार एवं व्यावसायिक विकास

संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान संगोष्ठियों और वेबिनार के एक व्यापक कार्यक्रम के माध्यम से आजीवन सीखने तथा पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर सुदृढ़ किया। वर्ष के दौरान, 9 संगोष्ठियों और 13 वेबिनार का आयोजन किया गया, जिन्होंने 109.5 'सतत व्यावसायिक विकास' (सीपीडी) घंटे प्रदान किए और विविध अभ्यास क्षेत्रों से 1,587 प्रतिभागियों को आकर्षित किया। इन कार्यक्रमों ने पारंपरिक बीमांकिक विषयों और जलवायु जोखिम, संधारणीय वित्त, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आंकड़ा विश्लेषण, उद्यम जोखिम प्रबंधन तथा वित्तीय रिपोर्टिंग जैसे उभरते क्षेत्रों, दोनों को संबोधित किया, जो बीमांकिक पेशे के निरंतर विस्तृत होते दायरे तथा व्यापार, विनियमन और सार्वजनिक नीति में इसके बढ़ते योगदान को परिलक्षित करता है।

वर्ष के अधिगम (सीखने के) एजेंडे का एक प्रमुख केंद्र, उभरते विनियामक विकास-क्रमों, तकनीकी नवाचारों और संधारणीयता से संबंधित चुनौतियों पर परिचर्चाओं के माध्यम से सदस्यों को अत्यंत तीव्र गति से बदलते जोखिम परिदृश्य में आगे बढ़ने हेतु सक्षम बनाना था। बीमा क्षेत्र के सुधारों, कर्मचारी लाभों तथा विकसित होते विनियामक ढांचों पर विशिष्ट परिचर्चाओं के साथ-साथ, जलवायु जोखिम और संधारणीय वित्त पर विशेष बल दिया गया। आभासी (वर्चुअल) और व्यक्तिगत (इन-पर्सन) प्रारूपों के मिश्रण के माध्यम से प्रस्तुत किए गए इन कार्यक्रमों ने सुलभता को बढ़ाया, ज्ञान के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया, तथा सदस्यों, छात्रों, नियामकों, उद्योग विशेषज्ञों और अंतर्राष्ट्रीय विचारकों के मध्य सार्थक सहभागिता को पोषित किया। संस्थान उन सभी वक्ताओं, पैनलिस्टों (मंच के वक्ताओं) और स्वयंसेवकों के प्रति कृतज्ञ है, जिनके योगदान ने इन पहलों को समृद्ध किया और पेशे की निरंतर सीखने व सहयोग करने की संस्कृति को सुदृढ़ बनाया।

● सदस्यता

हमें यह घोषणा करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि वर्ष 2025–26 के लिए कुल सदस्यता अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुँच गई है, जिसमें सदस्यता में 24.8 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

हमारी सदस्यता में अब 891 फेलो, 6 मानद फेलो, 3 संबद्ध (एफिलिएट) सदस्य, 291 सहयोगी (एसोसिएट) सदस्य, और 11,005 छात्र सम्मिलित हैं, जिससे सदस्यों की कुल संख्या 12,186 हो गई है।

यह उल्लेखनीय वृद्धि हमारे निरंतर बढ़ते सदस्यता समुदाय के अनवरत विश्वास, सहभागिता और समर्थन का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

प्रत्यायन : शैक्षणिक मार्गों का सुदृढ़ीकरण

वर्ष के दौरान एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर संस्थान के 'प्रत्यायन ढांचे' की निरंतर प्रगति रहा, जिसे बीमांकिक शिक्षा को सुदृढ़ करने और भावी बीमांकिक के लिए सुव्यवस्थित मार्ग प्रशस्त करने हेतु 2024 में आरंभ किया गया था। इस पहल के माध्यम से, संस्थान का उद्देश्य शैक्षणिक मानकों को उन्नत करना, शिक्षण एवं मूल्यांकन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना, तथा उच्च शिक्षा कार्यक्रमों को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त बीमांकिक दक्षताओं के समतुल्य बनाना है। वर्ष के दौरान, संस्थान ने संपूर्ण भारत में चार अग्रणी संस्थानों को सफलतापूर्वक प्रत्यायित (मान्यता प्राप्त) किया, जिनके कार्यक्रमों को आईएआई के पाठ्यक्रम के साथ व्यापक रूप से संरेखित किया गया है, ताकि शैक्षणिक परिशुद्धता एवं पेशेवर मानकों के साथ सामंजस्य सुनिश्चित किया जा सके। ये प्रत्यायित कार्यक्रम वर्तमान में 150 से अधिक छात्रों को बीमांकिक पेशे की ओर उनकी यात्रा में सहयोग प्रदान कर रहे हैं, जिससे भावी प्रतिभाओं की शृंखला सुदृढ़ हो रही है और उच्च गुणवत्ता वाली बीमांकिक शिक्षा तक सुलभता का विस्तार हो रहा है।

इस ढांचे के सफल शुभारंभ को आधार बनाते हुए, संस्थान ने छह अतिरिक्त उच्च शैक्षणिक संस्थानों को सम्मिलित करते हुए प्रत्यायन पहल के 'द्वितीय चरण' का आरंभ किया है। इसके साथ ही, आईआईटी, आईआईएम और केंद्रीय विश्वविद्यालयों सहित राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के लिए 'श्रेणी बी' प्रत्यायन, तथा आईसीएआई, आईसीएसआई, आईसीएमएआई और भारतीय बीमा संस्थान जैसे प्रमुख पेशेवर निकायों के साथ सहयोग के माध्यम से 'श्रेणी सी' प्रत्यायन द्वारा इस ढांचे का विस्तार करने के प्रयास भी प्रगति पर हैं। ये पहलें बीमांकिक शिक्षा के लिए एक अधिक व्यापक, बहु-विषयी और भविष्य के लिए तत्पर पारि-प्रणाली बनाने के संस्थान के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को परिलक्षित करती हैं, जो शैक्षणिक-उद्योग संपर्कों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ संपूर्ण देश के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए इस पेशे को उत्तरोत्तर सुलभ बनाती हैं।

● वित्तीय मुख्य अंश :

- संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान सुदृढ़ वित्तीय एवं परिचालन निरंतरता का प्रदर्शन करना जारी रखा, जो इसकी शैक्षिक, व्यावसायिक विकास तथा सदस्य-केंद्रित पहलों की सतत वृद्धि को परिलक्षित करता है। शुल्क, परीक्षाओं, संगोष्ठियों और संबंधित गतिविधियों से प्राप्त होने वाले राजस्व में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि हुई, जो पिछले वित्तीय वर्ष के ₹ 18.79 करोड़ की तुलना में बढ़कर ₹ 28.06 करोड़ हो गया। यह संस्थान के संचालन के बढ़ते पैमाने तथा सदस्यों, छात्रों एवं हितधारकों की निरंतर बढ़ती सहभागिता को रेखांकित करता है। संस्थान ने विवेकपूर्ण राजकोष प्रबंधन (ट्रेजरी मैनेजमेंट) से भी लाभान्वित होकर वर्ष के दौरान ₹ 6.05 करोड़ की सकल निवेश आय अर्जित की।

- इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के परिणामस्वरूप, संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ₹ 8.07 करोड़ का निवल अधिशेष (नेट सरप्लस) दर्ज किया, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 में ₹ 2.39 करोड़ था। इससे संस्थान की वित्तीय स्थिति तथा बीमांकिक पेशे की उन्नति में सहयोग देने वाली रणनीतिक पहलों में निवेश करने की क्षमता और अधिक सुदृढ़ हुई है। 31 मार्च 2026 को समाप्त हुए वर्ष के लिए संस्थान के खातों का लेखा-परीक्षण और प्रमाणन सनदी लेखाकार 'मेसर्स जैन जगवात कामदार एंड कंपनी' द्वारा किया गया। विस्तृत वित्तीय विवरण, अनुसूचियों तथा लेखाओं पर टिप्पणियों के साथ, इस वार्षिक रिपोर्ट का एक अभिन्न अंग हैं।

• भविष्य की ओर दृष्टिपात करते हुए मूल्य-सृजन

जैसे-जैसे हम भविष्य की ओर दृष्टिपात करते हैं, मैं भारतीय बीमांकक संस्थान के समक्ष आने वाली यात्रा को लेकर गहन आशावाद से परिपूर्ण हूँ। अर्थव्यवस्थाओं, उद्योगों और समाजों में परिवर्तन की गति निरंतर तीव्र हो रही है, जो अभूतपूर्व अवसरों और जटिल चुनौतियों, दोनों को ही प्रस्तुत कर रही है। इस परिवर्तनशील परिवेश में, अनुकूली संस्थानों, संधारणीय व्यवसायों और सुविचारित सार्वजनिक नीति को आकार देने में बीमांकिक पेशा उत्तरोत्तर एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा।

एक व्यक्तिगत चिंतन

भारतीय बीमांकक संस्थान के अध्यक्ष के रूप में कार्य करना मेरी पेशेवर यात्रा के सर्वोच्च सौभाग्यों में से एक रहा है। इस भूमिका ने मुझे उस असाधारण समर्पण, प्रतिभा और सत्यनिष्ठा को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर प्रदान किया, जो हमारे पेशे को परिभाषित करते हैं। इसने मेरे इस विश्वास को भी पुनः सुदृढ़ किया है कि हमारे संस्थान की वास्तविक शक्ति केवल इसकी उपलब्धियों में ही नहीं, अपितु इसके लोगों में निहित है।

इस यात्रा के दौरान, मुझे एक असाधारण परिषद, प्रतिबद्ध स्वयंसेवकों, विशिष्ट सदस्यों, छात्रों, भागीदारों तथा भारतीय बीमांकक संस्थान की पूरी टीम के साथ कार्य करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ है। हमने जो भी मील का पत्थर पार किया है, वह भारत में बीमांकिक पेशे को उन्नत करने के प्रति हमारे सामूहिक प्रयास, साझा उद्देश्य तथा अडिग प्रतिबद्धता का ही प्रतिफल रहा है।

जैसे-जैसे अध्यक्ष के रूप में मेरा कार्यकाल पूर्णता की ओर अग्रसर है, मैं इस पूर्ण आत्मविश्वास के साथ विदा ले रही हूँ कि संस्थान भविष्य के लिए अत्यंत सुदृढ़ स्थिति में है। आज हम जिस आधारशिला का निरंतर निर्माण कर रहे हैं, वह बीमांकक की भावी पीढ़ी को सक्षमता, सत्यनिष्ठा और नवाचार के साथ नेतृत्व करने हेतु सशक्त बनाएगी।

मैं संस्थान के प्रत्येक सदस्य, परिषद, हमारी समितियों व सलाहकार समूहों, हमारे स्वयंसेवकों, आईएआई की कार्यकारी निदेशक डॉ. रुचिता वर्मा के नेतृत्व वाले हमारे स्टाफ, हमारे नियामकों, उद्योग-भागीदारों तथा हमारे सभी हितधारकों के प्रति, इस संपूर्ण यात्रा में उनके प्रोत्साहन, समर्थन और विश्वास के लिए, अपना हार्दिक आभार प्रकट करती हूँ।

संस्थान की कहानी निरंतर प्रगति की एक गाथा है, और मुझे इस अध्याय का हिस्सा होने पर अत्यंत गर्व है। यद्यपि नेतृत्व में परिवर्तन होता रहता है, परंतु हमारा उद्देश्य अडिग है—जनहित की सेवा करना, उच्चतम पेशेवर मानकों को बनाए रखना तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए बीमांकिक पेशे को और अधिक सुदृढ़ बनाना।

मैं इस कार्यालय से गहन आशावाद, कृतज्ञता तथा इस अटल विश्वास के साथ विदा ले रही हूँ कि 'भारतीय बीमांकक संस्थान' के सर्वश्रेष्ठ अध्यायों का लिखा जाना अभी शेष है।

प्रीति चंद्रशेखर

अध्यक्षा,

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

'भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम वर्तमान में क्या करते हैं।'

— महात्मा गांधी

2. सदस्यता डेटा

2.1 सदस्यता सांख्यिकी:

सदस्यता की श्रेणी	वर्ष के 31 मार्च 2026 को यथास्थिति सदस्यता														
	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	2024	2025	2026
फेलो	246	259	278	290	324	344	379	439	464	473	515	569	654	758	891
एफिलिएट	21	18	19	15	12	10	15	9	7	8	6	3	3	3	3
एसोसिएट्स	134	124	151	158	159	160	160	153	165	184	210	231	254	269	281
एसोसिएट्स के अलावा अन्य छात्र	7864	8161	8804	9846	10140	9183	8628	8569	8148	8653	8184	7409	7186	8723	11005
कुल	8265	8562	9252	10309	10635	9696	9182	9170	8784	9318	8915	8212	8097	9753	12180
मानद फेलो	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6
सकल योग	8271	8568	9258	10315	10641	9702	9188	9176	8790	9324	8921	8218	8103	9759	12186

2.2 सदस्यों के 31 मार्च 2026 तक के उम्रवार आंकड़े (मानद अध्येताओं को छोड़ कर) :

आयु	फेलो	एसोसिएट्स	एफिलिएट	छात्र	सकल योग
20 वर्ष से कम	0	0	0	984	984
20 — 24	2	9	0	3272	3283
25 — 29	158	74	0	2553	2785
30 — 34	149	58	0	1697	1904
35 — 39	173	33	0	952	1158
40 — 44	153	24	0	720	897
45 — 49	73	7	1	371	452
50 — 54	70	23	1	226	320
55 — 59	51	33	1	185	270
60 — 64	16	6	0	27	49
65 — 69	5	4	0	11	20
70 — 74	4	4	0	1	9
75 — 79	8	3	0	3	14
80 — 84	10	0	0	1	11
85 — 90	11	2	0	1	14
90 >	8	1	0	1	10
सकल योग	891	281	3	11005	12180

*मानद फेलो को इस गिनती में शामिल नहीं किया गया है।

2.3 वर्ष के दौरान दिवंगत हुए सदस्य

यह संस्थान खेद के साथ अप्रैल, 2025 से मार्च 2026 के बीच संज्ञान में आये अपने निम्नलिखित सदस्यों के देहावसान की सूचना देता है।

इस अवधि के दौरान किसी सदस्य का देहावसान नहीं हुआ।

2.4 फेलों के रूप में प्रवेश प्राप्त सदस्य

निम्नलिखित सदस्यता संख्या वाले 67 सदस्यों को परीक्षा के माध्यम से 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि के दौरान फेलो के रूप में प्रवेश दिया गया :

क्रम सं.	स. सं.	सदस्य के नाम	प्रवेश तिथि
1	23774	श्री अंकित कुमार	14 अप्रैल, 2025
2	33230	सुश्री भारती सिंगला	30 अप्रैल, 2025
3	37143	श्री सारांश गर्ग	2 मई, 2025
4	33039	श्री संजय कान्हा	6 मई, 2025
5	20285	श्री उदित अग्रवाल	15 मई, 2025
6	31571	श्री नीतेश कुमार कंसारा	15 मई, 2025
7	34174	श्री उमंग कनोडिया	13 जून, 2025
8	30603	सुश्री आंचल अग्रवाल धानुका	15 जून, 2025
9	1244	सुश्री नेहा बिरला	15 जुलाई 2025
10	30794	श्री दिव्याशु रस्तोगी	09 अगस्त 2025
11	23702	श्री गुंजन गुप्ता	09 अगस्त 2025
12	2603	श्री प्रसाद सुब्रह्मण्यम	09 अगस्त 2025
13	27284	श्री नीतिन पोद्दार	09 अगस्त 2025
14	24444	सुश्री मनाली कीर्ति उडानी	09 अगस्त 2025
15	30894	श्री हर्ष बोरा	6 सितंबर, 2025
16	36527	श्री गुलशन बैद	6 सितंबर, 2025
17	27427	श्री अक्षय अजय डांडे	6 सितंबर, 2025
18	38896	श्री शुभम जितेन देधिया	6 सितंबर, 2025
19	29256	सुश्री राशि अग्रवाल	6 सितंबर, 2025
20	33112	श्री हर्षवर्द्धन गुप्ता	16 सितंबर 2025
21	35438	सुश्री हर्षिता मनीष गोयल	16 सितंबर 2025
22	245	सुश्री किशोरी शैलेश धुरि	16 सितंबर 2025
23	27198	श्री सुमित गौरीशंकर हेडा	16 सितंबर 2025
24	32516	सुश्री श्रेया गोयल	16 सितंबर 2025
25	30494	सुश्री श्रुति कुमार	16 सितंबर 2025
26	40678	सुश्री आशि गुप्ता	16 सितंबर 2025
27	11183	श्री साहिल कटारिया	16 सितंबर 2025
28	33738	श्री पार्श्व गडा	16 सितंबर 2025
29	20430	श्री आयुष शर्मा	30 सितंबर 2025
30	30721	सुश्री मोनाल छाबरा	30 सितंबर 2025
31	35631	सुश्री आयुषि मुरारका	30 सितंबर 2025
32	21970	सुश्री झनानी महालिंगम	30 सितंबर 2025
33	6009	श्री विकास रामजन्म सिंह	30 सितंबर 2025

34	22169	श्री सत्य नारायण यादव	30 सितंबर 2025
35	30941	श्री अक्षय विजय मोरे	30 सितंबर 2025
क्रम सं.	स. सं.	सदस्य के नाम	प्रवेश तिथि
36	34915	श्री क्रिया जिग्नेश कोराडिया	17 अक्टूबर 2025
37	35579	श्री भास्कर विरमानी	17 अक्टूबर 2025
38	33667	श्री साहिल अनिल अडवानी	17 अक्टूबर 2025
39	31301	श्री अभिषेक मित्तल	17 अक्टूबर 2025
40	19372	श्री हितेश जैन	17 अक्टूबर 2025
41	32859	सुश्री निधी मानिकंडन नायर	17 अक्टूबर 2025
42	28341	श्री स्वर्गेश कांत त्रिपाठी	17 अक्टूबर 2025
43	36005	श्री अनमोल प्रताप सिंह हीरा	17 अक्टूबर 2025
44	30496	सुश्री श्रुति जैन	17 अक्टूबर 2025
45	32745	श्री सतीश थुवाल	17 अक्टूबर 2025
46	30443	श्री शुभम गोयल	17 अक्टूबर 2025
47	34714	श्री शमोइल औनाली लोलिवाला	17 अक्टूबर 2025
48	34976	सुश्री सुरभि हांडा	29 अक्टूबर 2025
49	33684	श्री विनायक रावत	29 अक्टूबर 2025
50	35358	श्री दक्ष संजय विकमानी	29 अक्टूबर 2025
51	34207	श्री अपूर्व चारुपा	17 नवंबर 2025
52	34265	सुश्री निधि युगल सोमानी	17 नवंबर 2025
53	37673	सुश्री सिद्धी जैन	17 नवंबर 2025
54	35203	श्री मोहित अग्रवाल	3 दिसंबर 2025
55	25394	श्री सिवाराम गनेशन	3 दिसंबर 2025
56	39161	श्री ऋषभ चौहान	3 दिसंबर 2025
57	34794	श्री देवांशु गोयल	25 दिसंबर 2025
58	8320	सुश्री सुबानी गोयल	25 दिसंबर 2025
59	28504	सुश्री पूर्वा भुतोरिया	25 दिसंबर 2025
60	34451	श्री अमन ब्रजेश लोहारुका	6 जनवरी 2026
61	34621	श्री अजय अग्रवाल	6 जनवरी 2026
62	19999	सुश्री ऋचा चुरिवाल	6 जनवरी 2026
63	38723	श्री दिवस थरेजा	6 जनवरी 2026
64	31909	श्री निखिल संदीप मुदबिदरी	6 जनवरी 2026
65	8884	श्री रोहित कुमार जायसवाल	17 मार्च, 2026
66	9790	सुश्री पूजा मोहता	28 मार्च, 2026
67	32162	सुश्री पायल घनश्याम असावा	28 मार्च, 2026

2.5 फेलो के रूप में प्रवेश प्राप्त सदस्य (एमआरए मार्ग)

निम्नलिखित 61 सदस्यों को 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि के दौरान एमआरए मार्ग से फेलो के रूप में प्रवेश दिया गया :

क्रम सं.	सदस्य आईडी	सदस्य का नाम	प्रवेश तिथि
1	28074	श्री अमरनाथ राजकुमार	06 मई 2025
2	37700	सुश्री नागा साई शिवानी मुडिगोंडा	15 मई 2025
3	34954	सुश्री सृष्टि गुप्ता	15 मई 2025
4	27616	सुश्री प्रिया झुनझुनवाला	28 मई 2025
5	10460	सुश्री अत्रेयी भट्टाचार्य	10 जून 2025

6	8422	श्री अवनित आनंद	15 जून 2025
7	31892	सुश्री आस्था बांका	15 जून 2025
8	9008	सुश्री आकाक्षा जैन	15 जून 2025
क्रम सं.	सदस्य आईडी	सदस्य का नाम	प्रवेश तिथि
9	23987	सुश्री आकाक्षा सिंघल	15 जून 2025
10	34240	श्री तनुजबीर सिंह	15 जून 2025
11	31711	श्री राजुल दिलीप शाह	24 जून 2025
12	37121	सुश्री दृष्टि गोयल	25 जून 2025
13	24957	श्री साहिल पारेख	25 जून 2025
14	1475	श्री वेंकट यगेश्वर हनुमंथा कुमारा दत्ता गोपाराजू	09 अगस्त 2025
15	10175	सुश्री पौलामी गून	09 अगस्त 2025
16	35869	श्री निशिल नीरव शाह	06 सितंबर 2025
17	29467	श्री महेन्द्र मालवीय	16 सितंबर 2025
18	30809	श्री प्रशांथ मुरलीधर	16 सितंबर 2025
19	35581	श्री सानिध्य बाहेटी	16 सितंबर 2025
20	43237	श्री सोहम सुबोध शाह	30 सितंबर 2025
21	33399	श्री सर्वज्ञ बछुका	30 सितंबर 2025
22	23829	श्री अमन खैतान	30 सितंबर 2025
23	23648	श्री शिल्पान आशीष शाह	30 सितंबर 2025
24	29335	सुश्री रिद्धि बर्फीवाला	17 अक्टूबर 2025
25	11857	श्री अंकुर जैन	17 अक्टूबर 2025
26	46143	श्री हर्षित सिंघल	17 अक्टूबर 2025
27	36337	सुश्री वंशिका अग्रवाल	17 अक्टूबर 2025
28	26994	सुश्री स्निग्ध चतुर्वेदी	17 अक्टूबर 2025
29	30906	श्री तरुण अग्रवाल	29 अक्टूबर 2025
30	46051	श्री अक्षय भुटानी	29 अक्टूबर 2025
31	45953	श्री ऋषभ जालान	29 अक्टूबर 2025
32	34891	सुश्री मेघा गुलाटी	29 अक्टूबर 2025
33	32891	सुश्री अनीषा सिंगला	17 नवंबर 2025
34	33816	श्री हर्षिल रुस्तगी	17 नवंबर 2025
35	31130	श्री ऋषभ नागोरी	17 नवंबर 2025
36	23333	श्री जील मनीष शाह	17 नवंबर 2025
37	38916	श्री चल्सी अग्रवाल	17 नवंबर 2025
38	25295	श्री विनित गिरिश देधिया	03 दिसंबर 2025
39	19598	श्री कशीश तनेजा	25 दिसंबर 2025
40	30303	श्री राघव अग्रवाल	25 दिसंबर 2025
41	46332	श्री वत्सल गोम्बर	25 दिसंबर 2025
42	19274	सुश्री हीना अरोड़ा	25 दिसंबर 2025
43	47353	सुश्री सिद्धी के मारु	25 दिसंबर 2025
44	27531	सुश्री अंचल नारवानी	25 दिसंबर 2025
45	23713	सुश्री शिखा भारद्वाज	25 दिसंबर 2025
46	39770	सुश्री सिमरन जिंदल	25 दिसंबर 2025
47	30428	श्री स्लोक अग्रवाल	25 दिसंबर 2025
48	35592	श्री साहिल शिंघल	06 जनवरी 2026
49	2724	श्री राहुल जैन	06 जनवरी 2026

50	47454	श्री केयी लि	06 जनवरी 2026
51	3165	श्री प्रवीण कुमार कावाला	06 जनवरी 2026
52	47458	श्री अर्जुन के व्यास	06 जनवरी 2026
क्रम सं.	सदस्य आईडी	सदस्य का नाम	प्रवेश तिथि
53	34960	सुश्री आशी गुप्ता	30 जनवरी 2026
54	46315	सुश्री आरुणि मित्तल	30 जनवरी 2026
55	38534	सुश्री दिशा निहार पापावाला	30 जनवरी 2026
56	30475	सुश्री वेदाग्नि सिंह	30 जनवरी 2026
57	30347	सुश्री पूर्वा गोडबोले	30 जनवरी 2026
58	37706	सुश्री अन्नी कक्कर	17 मार्च 2026
59	35983	श्री अपूर्व गुप्ता	17 मार्च 2026
60	38535	सुश्री जैनी अल्पेश तम्बोली	17 मार्च 2026
61	2771	श्री यशवंत मंगल जैन	17 मार्च 2026

2.6 एफिलिएट से फेलो के रूप में प्रवेश प्राप्त सदस्य

1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि के दौरान एफिलिएट मार्ग से फेलो के रूप में किसी सदस्य को प्रवेश नहीं दिया गया था।

2.7 एसोसिएट के रूप में प्रवेश प्राप्त सदस्य

1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि के दौरान किसी भी सदस्य को एफिलिएट के रूप में प्रवेश नहीं दिया गया।

2.8 फेलो के रूप में पुनः प्रवेश प्राप्त सदस्य

निम्नलिखित 44 सदस्यों को 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि के दौरान फेलो के रूप में पुनः प्रवेश दिया गया।

क्रम सं.	सदस्य पहचान संख्या	सदस्य का नाम	प्रवेश तिथि
1	28315	श्री आयुष अग्रवाल	13 अप्रैल, 2025
2	12602	श्री राहुल गुप्ता	13 अप्रैल, 2025
3	3767	सुश्री शगुन मल्होत्रा	13 अप्रैल, 2025
4	11706	श्री राहुल सहगल	13 अप्रैल, 2025
5	10557	सुश्री खुशबू हमिरबसिया	13 अप्रैल, 2025
6	596	श्री आदित्य अजमानी	13 अप्रैल, 2025
7	20859	सुश्री मानसी पंत	13 अप्रैल, 2025
8	36189	श्री रमन मंगला	8 मई, 2025
9	2891	सुश्री अक्षदा माधव जोशी	24 जून, 2025
10	5392	श्री प्रसूनकुमार सरकार	24 जून, 2025
11	337	श्री गौतम रजनीकांत शाह	24 जून, 2025
12	4	सुश्री अनुराधा श्रीराम	25 जून, 2025
13	5486	सुश्री अनुराधा सहगल	25 जून, 2025
14	4451	श्री अभिजीत पाल	25 जून, 2025
15	650	श्री अमृथ कृष्णन	25 जून, 2025
16	22465	श्री नेलियस बेझुइडेनहाउट	25 जून, 2025
17	5509	श्री मनीष सेन	25 जून, 2025
18	24869	श्री श्रेयान बैद	25 जून, 2025
19	3838	श्री मनोज कुमार	25 जून, 2025
20	30920	सुश्री साझी रावत	03 जुलाई, 2025

21	12325	श्री सन्नी अग्रवाल	16 जुलाई, 2025
22	3571	श्री असीम किरॉन कुम्टा	16 जुलाई, 2025
23	32990	सुश्री नीतिका मनचन्दा	25 जुलाई, 2025
24	34734	श्री अनुज मेहता	29 जुलाई, 2025
क्रम सं.	सदस्य पहचान संख्या	सदस्य का नाम	प्रवेश तिथि
25	1157	सुश्री सोनम भाटिया	9 अगस्त, 2025
26	25141	श्री सार्थक गुप्ता	9 अगस्त, 2025
27	31762	श्री सुनित सुबोध कोलाबकर	9 अगस्त, 2025
28	8868	श्री प्रदीप कुमार जी	9 अगस्त, 2025
29	3915	श्री अमित मेहरा	16 सितंबर, 2025
30	3714	श्री प्रांशु माहेश्वरी	27 सितंबर, 2025
31	2633	श्री आदित्य जैन	29 अक्तूबर 2025
32	21763	श्री अरुण विजय एस	16 नवंबर, 2025
33	37029	सुश्री धृति धमेश वादोर	16 नवंबर, 2025
34	31758	सुश्री शौर्य भल्ला	16 नवंबर, 2025
35	30695	श्री अर्थितो रॉय	16 नवंबर, 2025
36	6	सुश्री विभा एस बागारिया	24 दिसंबर 2025
37	634	श्री वामसीधर अम्बाटिपुडी	24 दिसंबर 2025
38	2356	सुश्री नान्सी गुप्ता	24 दिसंबर 2025
39	37708	श्री नमन गुप्ता	24 दिसंबर 2025
40	4349	श्री गौरव नौटियाल	24 दिसंबर 2025
41	23892	श्री जिष्णु भाटिया	24 दिसंबर 2025
42	29068	सुश्री श्रीविद्या चन्द्रशेखर	24 दिसंबर 2025
43	22300	सुश्री राधिका बिजलानी	24 दिसंबर 2025
44	33098	श्री लासिल जैसिंट दियास	30 जनवरी 2026

2.9 एसोसिएट के रूप में प्रवेश प्राप्त सदस्य

निम्नलिखित 56 सदस्यों को 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि के दौरान एसोसिएट के रूप में प्रवेश दिया गया।

क्रम सं.	सदस्य पहचान संख्या	सदस्य का नाम	प्रवेश तिथि
1	19576	सुश्री मानसी मलिक	02 मई 2025
2	37190	सुश्री दिव्यानी मेहता	06 मई 2025
3	28751	श्री कौशिक रमेश	06 मई 2025
4	36118	श्री चिराग	06 मई 2025
5	480	सुश्री विनीता अग्रवाल	15 मई 2025
6	6544	सुश्री गरिमा राठी	06 जून 2025
7	30852	श्री उज्जवल गुप्ता	06 जून 2025
8	39994	सुश्री शिवानी तुली	06 जून 2025
9	3999	श्री संतोष कुमार मिश्रा	06 जून 2025
10	23185	श्री अशोक दरक	06 जून 2025
11	6481	सुश्री नेहा रामदास तिवारी	15 जून 2025
12	32031	सुश्री अनिशा केडिया	06 सितंबर 2025
13	30477	श्री प्रखर काला	06 सितंबर 2025
14	35840	श्री कोराँगनबा फुरिश्शाबम	06 सितंबर 2025
15	34617	श्री अभिषेक कुमार शुक्ला	16 सितंबर 2025
16	27698	सुश्री हंसा गुप्ता	16 सितंबर 2025

17	43616	श्री आर्यन घनश्याम जाम्बवलीकर	16 सितंबर 2025
18	35747	श्री आयुष गुप्ता	16 सितंबर 2025
19	28090	सुश्री कुमुदिनी जवाहरभाई दोशी	16 सितंबर 2025
20	34658	श्री अनिकेत गुप्ता	16 सितंबर 2025
क्रम सं.	सदस्य पहचान संख्या	सदस्य का नाम	प्रवेश तिथि
21	40191	सुश्री दीपिका	30 सितंबर 2025
22	5520	सुश्री सौम्या सेनगुप्ता	30 सितंबर 2025
23	40261	श्री हर्षित जैन	30 सितंबर 2025
24	34887	सुश्री श्वेता गुप्ता	30 सितंबर 2025
25	32997	श्री कुंज भरत जैन	30 सितंबर 2025
26	28433	सुश्री सिमरन कौर	30 सितंबर 2025
27	32997	श्री कुंज जैन	30 सितंबर 2025
28	42174	श्री रोहन परसरामपुरिया	17 अक्टूबर 2025
29	39816	सुश्री समृद्धि नरूला	17 अक्टूबर 2025
30	35026	श्री आयुष सिंघल	17 अक्टूबर 2025
31	6863	श्री सुनील यादव	17 अक्टूबर 2025
32	40515	सुश्री वंदिता सारदा	17 अक्टूबर 2025
33	43070	श्री क्षितिज गोपाल रॉय	29 अक्टूबर 2025
34	35976	सुश्री सपन गुप्ता	17 नवंबर 2025
35	29589	सुश्री सीधी खरकिया	17 नवंबर 2025
36	36854	श्री सिलादित्य बसु	03 दिसंबर 2025
37	43581	सुश्री रितिका गोयल	22 दिसंबर 2025
38	36066	सुश्री आंचल अग्रवाल	25 दिसंबर 2025
39	29179	सुश्री शिवांगी	25 दिसंबर 2025
40	35907	श्री अनुराग गुप्ता	25 दिसंबर 2025
41	32685	श्री प्रंचल मित्तल	06 जनवरी 2026
42	25662	श्री शुभम् सिन्हा	06 जनवरी 2026
43	36892	सुश्री विधि विनेश शाह	06 जनवरी 2026
44	30532	सुश्री रिधिमा विज	30 जनवरी 2026
45	817	श्री आशीष प्रकाश	30 जनवरी 2026
46	38855	सुश्री गविका तनेजा	30 जनवरी 2026
47	39699	सुश्री शिखा जैन	17 मार्च 2026
48	26041	सुश्री सोनाक्षी बंसल	17 मार्च 2026
49	42265	श्री आशुतोष गोयल	17 मार्च 2026
50	28278	सुश्री निविता रवीन्द्रनाथ शेटी	17 मार्च 2026
51	4676	श्री पवन कुमार एम पी एस	17 मार्च 2026
52	26313	श्री राहुल कुमार	17 मार्च 2026
53	33658	श्री भगत सिंह	17 मार्च 2026
54	39357	श्री आकाश साहू	17 मार्च 2026
55	4065	श्री मित्तल भावेश मोदी	28 मार्च 2026
56	9332	श्री गौरव जोशी	28 मार्च 2026

2.10 एसोसिएट के रूप में पुनः प्रवेश प्राप्त सदस्य

निम्नलिखित 13 सदस्यों को 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि के दौरान एसोसिएट के रूप में पुनः प्रवेश दिया गया।

क्रम सं.	सदस्य पहचान संख्या	सदस्य का नाम	प्रवेश तिथि
1	27549	सुश्री ऐश्वर्या खंडेलवाल	30 अप्रैल 2025
2	30645	श्री रजत जैन	24 जून 2025
3	38224	सुश्री निमिषा लाल	9 अगस्त 2025
4	273	सुश्री तीस्ता जोशी	29 नवंबर 2025
क्रम सं.	सदस्य पहचान संख्या	सदस्य का नाम	प्रवेश तिथि
5	27052	सुश्री ऐश्वर्या विपुल शाह	9 अगस्त 2025
6	314	श्री राघव राव के.वी.एस. कडूमुरी	9 अगस्त 2025
7	35592	श्री साहिल सिंघल	3 सितंबर 2025
8	34794	श्री दिवांशु गोयल	16 नवंबर 2025
9	331	श्री विद्याधर एस सावंत	24 दिसंबर 2025
10	28159	श्री रवि तेजा गुडुगुंटला	24 दिसंबर 2025
11	294	श्री प्रमोद कुमार मोहंती	28 मार्च 2026
12	1113	सुश्री स्मृति भार्गव	28 फरवरी 2026
13	29664	सुश्री राशि पसारी	30 जनवरी 2026

2.11 एफिलिएट के रूप में पुनः प्रवेश प्राप्त सदस्य

1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि के दौरान एफिलिएट के रूप में किसी भी सदस्य को पुनः प्रवेश नहीं दिया गया।

3. परिषद

3.1 परिषद सदस्य

 सुश्री प्रीति चंद्रशेखर अध्यक्ष	 अनुराग रस्तोगी उपाध्यक्ष	 आशा मुरली मानद सचिव	
 कार्तिकेय कंदोइ सदस्य	 के एस गोपालकृष्णन सदस्य	 आर अरुणाचलम सदस्य	 रिचर्ड हैलोवे सदस्य
 आशीष रंजन सदस्य	 खुशवंत पहवा सदस्य	 प्रवीर चन्द्र सदस्य	 योगिता अरोड़ा सदस्य
 सुश्री रौनक झा सदस्य	 सुश्री गिरिजा सुब्रह्मण्यम सदस्य – भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 19/08/2025 के अनुसार नामित	 श्री आर. दोरईस्वामी सदस्य – भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 19/08/2025 के अनुसार नामित	 पी के अरोड़ा सदस्य सदस्य – भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 04/01/2024 के अनुसार नामित

3.2 परिषद के प्रकार्य

- 1) इस अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रकार्यों को निष्पादित करने का कर्तव्य इस परिषद में निहित होगा।
- 2) विशिष्टतया और पूर्वगामी शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, परिषद के प्रकार्य में निम्नलिखित शामिल होंगे —
 - (क) नामांकन के लिए उम्मीदवारों की परीक्षा आयोजित करना और तत्संबंधी शुल्क विनिर्दिष्ट करना;
 - (ख) रजिस्टर में प्रविष्टि के लिए अर्हताएं विनिर्दिष्ट करना;
 - (ग) नामांकन के प्रयोजन के लिए विदेशी अर्हताएं और प्रशिक्षण की मान्यता;
 - (घ) इस अधिनियम के अंतर्गत व्यवसाय का प्रमाण पत्र संस्वीकृति को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करना;
 - (ङ) बीमांकक के रूप में व्यवसाय करने के लिए अर्हक व्यक्तियों का एक रजिस्टर बनाए रखना और उनका प्रकाशन;
 - (च) सदस्यों, छात्रों, परिक्षार्थियों और अन्य व्यक्तियों से शुल्क प्रभारित करना और इसका संग्रहण करना;
 - (छ) रजिस्टर से नाम निकालना और जिनका नाम निकाल दिया गया है उनका पुनः रजिस्टर में नाम लिखना ;
 - (ज) संस्थान के सदस्यों के व्यवसायिक अर्हताओं का दर्जा और मानक का विनियमन और अनुरक्षण;
 - (झ) छात्र सदस्य सहित सदस्यों के अनुसरण हेतु दिशानिर्देश जारी करना;
 - (ञ) केन्द्र अथवा राज्य सरकारों से उपहार, अनुदान, दान अथवा उपकार प्राप्त करना और वसीयतकर्ताओं, दानियों अथवा हस्तांतरणकर्ताओं, जैसा भी मामला हो, से वसीयत, दान और चल अथवा अचल संपत्तियों का अंतरण प्राप्त करना;
 - (ट) इस संस्थान के लक्ष्यों के पूर्णतः या आंशिक रूप से समान लक्ष्य वाले दुनिया के किसी भाग के शैक्षिक अथवा अन्य संस्थानों के साथ, सदस्यों के विनियमन द्वारा और आम तौर पर इस प्रकार से जो उनके साझे लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक हो, सहयोग करना;
 - (ठ) फेलोशिप, छात्रवृत्ति, पुरस्कार और पदक संस्थापित और प्रदान करना;
 - (ड) इस संस्थान के समान उद्देश्यों वाले अन्य संस्थानों अथवा निकायों को उपहार, अनुदान, दान अथवा चंदा देना;
 - (ढ) परिषद के सदस्यों के अलावा अन्य व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर अथवा किसी अन्य तरीके से, बीमांकिक विज्ञान में शोध करना;
 - (ण) पुस्तकालय का अनुरक्षण और बीमांकिक विज्ञान से संबंधित पुस्तकों, जर्नलों और पत्रिकाओं का प्रकाशन;
 - (त) इस अधिनियम द्वारा प्रदत्त अनुशासनात्मक शक्तियों का उपयोग;
 - (थ) समय समय पर यथानिर्णीत ऐसे क्षेत्रीय परिषद अथवा परिषदों की स्थापना करना और उनके मुख्यालय निर्धारित करना; और
 - (द) इस प्रकार के ऐसे सभी कार्य करना जो इस संस्थान के सभी या किसी भी उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अनिवार्य, प्रासंगिक अथवा सहायक हो।

3.3 परिषद की बैठकें

अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक की अवधि के दौरान निम्नलिखित तिथियों को परिषद की सात बैठकें आयोजित की गयी।

- 3 मई 2025
- 21 जून 2025
- 21 अगस्त 2025
- 4 सितंबर 2025
- 28 नवंबर 2025
- 17 जनवरी 2026

● 28 मार्च 2026

3.4 समितियां (धारा 21 के अंतर्गत)

3.4.1 अनुसंधान और नवाचार समिति

सदस्य

क्रम सं.	नाम	पद
1	सुश्री रौनक झा	अध्यक्षा
2	श्री आर अरुणाचलम	सदस्य
3	श्री रिचर्ड हैलोवे	सदस्य
4	श्री योगिता अरोरा	सदस्य
5	श्री मयूर अंकोलेकर	सदस्य
6	श्री खुशवंत पहवा	सदस्य

प्रकार्य :

1. आईएआई के अनुसंधान और नवाचार स्कंध के रूप में कार्य करना।
2. दूसरे पेशेवर और औद्योगिक संगठनों के साथ मिलकर काम करने के लिए ऐसे क्षेत्रों की पहचान करना, जहाँ उद्योग की बड़ी व्यावसायिक जरूरतों को पूरा करने के लिए बीमांकिक कौशलों और डेटा-आधारित रिसर्च को एक साथ लाया जा सके।
3. विधिक/विनियामकीय संस्थाओं और उद्योग से जुड़े लोगों के साथ मिलकर ऐसी नीतियां बनाना, जिनसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बड़े मुद्दों को हल करने के लिए भविष्य-उन्मुख क्षेत्रों में बीमांकिक कौशलों का इस्तेमाल किया जा सके।
4. बदलते समय के साथ इस पेशे को और ज्यादा प्रासंगिक बनाने के तरीके सुझाना।
5. अन्य प्रकार्य जो समय समय पर परिषद द्वारा इस समिति को अनुदेशित होंगे।

रिपोर्टिंग : यह समिति परिषद को रिपोर्ट करेगी।

3.4.2 व्यावसायिकता समिति

सदस्य

क्रम संख्या	नाम	भूमिका
1	सुश्री आशा मुरली	अध्यक्षा
2	श्री आर अरुणाचलम	सदस्य
3	श्री रौनक झा	सदस्य
4	श्री वैभव मानेक (सीए)	वाह्य सदस्य
5	श्री ईश्वर ननकानी	वाह्य सदस्य
6	श्री खुशवंत पहवा	सदस्य

प्रकार्य

1. बीमांकिक मानक स्थापित करना और अनुपालन की निगरानी करना।
2. व्यवसाय प्रमाणपत्र (सीओपी) जारी करने के लिए मानक निर्धारित करना।
3. सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) के लिए मानक निर्धारित करना और अनुपालन की निगरानी करना।
4. सीपीडी/व्यावसायिकता/आचरण पाठ्यक्रम/संगोष्ठियां आयोजित करना।

5. कोई ऐसे अन्य कार्य, जो परिषद् द्वारा समय-समय पर इस समिति को सौंपे जाएं।

रिपोर्टिंग : यह समिति परिषद को रिपोर्ट करेगी।

3.4.3 लेखा-परीक्षा समिति

सदस्य

क्रम सं.	नाम	भूमिका
1	श्री के एस गोपालकृष्णन	अध्यक्ष
2	श्री कार्तिकेय कंदोड़	सदस्य
3	श्री रिचर्ड हैलोव	सदस्य
4	स.ले. वीरेन एच मेहता	वाह्य सदस्य
5	स.ले. शिल्पा मेहता	वाह्य सदस्य

प्रकार्य:

लेखा परीक्षा समिति का प्रकार्य निम्नलिखित मामलों में परिषद की सहायता करना है :

1. आंतरिक और बाह्य लेखा-परीक्षकों की नियुक्ति की संस्तुति।
2. आंतरिक लेखा परीक्षक के परामर्श से प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए एक आंतरिक लेखा परीक्षा योजना तैयार करना।
3. आंतरिक लेखा परीक्षक और सांविधिक लेखा परीक्षक के साथ लेखा परीक्षा निष्कर्षों पर चर्चा करना।
4. सभी लेखा परीक्षा मदों का समापन सुनिश्चित करने के लिए आईएआई के साथ संपर्क/समन्वय करना।
5. लेखा परीक्षा निष्कर्षों के आधार पर प्रक्रिया सुधार की सिफारिश करना।
6. सुनिश्चित करना कि सभी अन्य लेखा परीक्षाएं संपन्न हो गयीं हैं।
7. परिषद को वार्षिक अंकक्षित लेखाओं और वित्तीय विवरणों की सिफारिश करना।
8. सभी कर अनुपालनाओं की समीक्षा करना और परिषद को उपयुक्त कदमों की सिफारिश करना।
9. किसी सांविधिक विवरणों और किसी सांविधिक भुगतानों को दाखिल करने/जमा करने से संबंधित सांविधिक अनुपालनाओं की समीक्षा करना।
10. कोई अन्य प्रकार्य जो इस समिति को समय समय पर परिषद द्वारा सौंपा जाए।

रिपोर्टिंग : यह समिति परिषद को रिपोर्ट करेगी।

3.4.4 वित्त एवं प्रशासनिक समिति

सदस्य

क्रम सं.	नाम	भूमिका
1	सुश्री प्रीति चंद्रशेखर	अध्यक्षा
2	श्री के एस गोपालकृष्णन	सदस्य
3	सुश्री आशा मुरली	सदस्या
4	श्री आशीष रंजन	सदस्य
5	श्री प्रवीर चन्द्र	सदस्या
6	श्री जुष्टी भास्कर	वाह्य सदस्य

प्रकार्य

1. आगामी वर्ष के लिए वित्तीय बजट और आगामी तीन वर्षों के लिए प्राक्कलित बजट की प्रगति का पर्यवेक्षण करना और प्रत्येक वर्ष फरवरी के अंत में परिषद के समक्ष इसकी सिफारिश करना।

2. प्रत्येक तिमाही अंत के छः सप्ताह के अंदर वास्तविक बनाम बजट की तिमाही समीक्षा और इसे परिषद के विचारार्थ संस्तुत करना।
 3. चालू वर्ष के लिए परिषद को संशोधित बजट की सिफारिश करना यदि ऐसे पुनरीक्षण की आवश्यकता होती है।
 4. समितियों, परामर्शी समूहों और ऐसे अन्य समूहों से संपर्क करना जहां तक उनका संबंध संस्थान के वित्तीय मामलों से संबंधित हो।
 5. वित्त एवं लेखा, कराधान, मानव संसाधन मामलों, निवेश और कार्यालय प्रशासन के क्षेत्रों में नीतियों और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के विकास, कार्यान्वयन और समीक्षा की देखरेख करना। इन नीतियों और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को, आवधिक समीक्षाओं सहित, अनुमोदन के लिए परिषद को अनुशंसित करना। ऐसी सभी नीतियों और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) की आवधिक समीक्षा की जानी चाहिए, और दो समीक्षाओं के बीच 24 महीने से अधिक का अंतराल नहीं होना चाहिए।
 6. संस्थान के कर मामलों सहित वित्तीय स्थिति का प्रबंधन।
 7. संस्थान की वित्तीय नियंत्रण और लेखा नीतियों का विकास और कार्यान्वयन।
 8. एक निवेश नीति विकसित करना और नीति के अनुरूप निवेश पर निर्णय लेना।
 9. वित्त, लेखा, कराधान, प्रशासन, सदस्य सेवा वितरण और मानव संसाधन प्रथाओं में नीतियों और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के विकास, कार्यान्वयन और समीक्षा की देखरेख करना।
 10. संस्थान के सदस्यों के कल्याण के लिए छात्र सहायता योजना या अन्य समान योजनाओं को लागू करना।
 11. अनुमोदित नीतियों के अनुरूप कर्मचारियों के लिए कार्य-निष्पादन मूल्यांकन, वेतन संशोधन, बोनस और पदोन्नति का अनुमोदन।
 12. परिषद द्वारा अनुमोदित बजट के भीतर कर्मचारियों, सलाहकारों आदि के मौजूदा या नए पदों के लिए रिक्तियों को भरने का अनुमोदन।
 13. परिषद द्वारा समय-समय पर इस समिति को सौंपे जाने वाले अन्य कार्य।
- रिपोर्टिंग :** यह समिति परिषद को रिपोर्ट करेगी।

3.4.5 शिक्षा समिति

सदस्य

क्रम सं.	नाम	भूमिका
1	श्री अनुराग रस्तोगी	अध्यक्ष
2	श्री आशीष रंजन	सदस्य
3	श्री कार्तिकेय कंदोई	सदस्या
4	श्री के श्रीराम	सदस्य
5	श्री प्रवीर चन्द्र	सदस्य
6	श्री योगिता अरोड़ा	सदस्य

प्रकार्य :

1. समय-समय पर शिक्षा नीति की समीक्षा।
2. विदेशी व्यावसायिक निकायों, विश्वविद्यालयों इत्यादि के साथ छूट / परस्पर मान्यता व्यवस्था करना और इसका प्रबंधन करना।
3. छात्रों के लिए परीक्षा कोचिंग / परामर्श आयोजित करना।
4. परीक्षा के आयोजन से संबंधित सभी मामले जैसे मानदेय संबंधी नीति बनाना, परीक्षा परिणाम की घोषणा करना, इत्यादि (प्रशासनिक मामलों को छोड़कर जो वित्त और प्रशासन समिति के हिस्से हैं)

5. क्षमता वर्द्धन और ज्वलंत मुद्दों पर संगोष्ठियां / सम्मेलन का आयोजना करना।
 6. अन्य प्रकार्य जो समय समय पर परिषद द्वारा इस समिति को निर्दिष्ट किए जाते हैं।
- रिपोर्टिंग :** यह समिति परिषद को रिपोर्ट करेगी।

3.4.6 सदस्यता अनुमोदन समिति

सदस्य

क्रम सं.	नाम	भूमिका
1	सुश्री प्रीति चन्द्रशेखर (अध्यक्षा)	अध्यक्षा
2	श्री कार्तिकेय कंदोड़ (उपाध्यक्ष)	सदस्य
3	सुश्री आशा मुरली (मानद सचिव)	सदस्य

प्रकार्य

1. एसोसिएट, एफिलिएट, फेलो आदि जैसे प्रवेश संबंधी सभी मामलों की समीक्षा करना और उन्हें अनुमोदित करना।
2. रजिस्टर से सदस्यों के नाम हटाना और हटाए गए नामों को रजिस्टर में पुनः शामिल करना।

रिपोर्टिंग : यह समिति परिषद को रिपोर्ट करेगी।

3.4.7 अनुशासनिक समिति

सदस्य

क्रम सं.	नाम	भूमिका
1	श्री अनुराग रस्तोगी	अध्यक्ष
2	सुश्री आशा मुरली	सदस्या
3	श्री रिचर्ड हैलोवे	सदस्य
4	श्री देबासीश प्रुस्टी	सरकार नामिती
5	श्री निहार एन जाम्बुसरिया	सरकार नामिती

प्रकार्य

1. बीमांकिक अधिनियम, 2006 और बीमांकिक (पेशेवर और अन्य अनाचार की जांच की प्रक्रियाविधि) नियमावली, 2008 के अनुसार

3.4.8 गुणवत्ता समीक्षा बोर्ड (धारा 43 के अंतर्गत)

बीमांकिक अधिनियम, 2006 (2006 का 35) की धारा 43 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, इसके द्वारा, एक गुणवत्ता समीक्षा बोर्ड का गठन करती है, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति शामिल होंगे, नामतः —

सदस्य

क्र.सं.	नाम	भूमिका
1	श्री सुप्रतिम बंधोपाध्याय	अध्यक्ष (6 मई 2025 की अधिसूचना के तहत केंद्र सरकार द्वारा नामित)
2	श्री संजीव कुमार पुजारी	(केन्द्र सरकार द्वारा नामित)
3	श्री जी रामास्वामी	(केन्द्र सरकार द्वारा नामित)

4	श्री गोपाल कुमार विश्वनाथ राय	सदस्य (परिषद द्वारा नामित)
5	सुश्री पद्मजा रघुनाथन	सदस्या (परिषद द्वारा नामित)

प्रकार्य

1. संस्थान के सदस्यों द्वारा प्रदत्त सेवाओं के लिए मानक निर्धारित करना।
2. बीमांकिक लेखा परीक्षा सेवाएं सहित संस्था के सदस्यों द्वारा प्रदत्त सेवाओं की गुणवत्ता की समीक्षा करना, और
3. संस्थान के सदस्यों को सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने और विभिन्न सांविधिक और अन्य विनियामकीय अपेक्षाओं का अनुपालन करने में मार्गदर्शन प्रदान करना।

उल्लिखित पद अंश—कालिक प्रकृति के हैं और अध्यक्ष तथा सदस्य का कार्यकाल प्रभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, होगा। गुणवत्ता समीक्षा बोर्ड की बैठकों की प्रक्रिया तथा उक्त बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें और नियम तथा उनका पारिश्रमिक और भत्ते बीमांकिक गुणवत्ता समीक्षा बोर्ड (बैठकों की प्रक्रिया और अध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें और नियम तथा भत्ते) नियम, 2008 के अनुसार होंगे।

3.5 परामर्शी समूह

3.5.1 परीक्षा संबंधी परामर्श समूह

सदस्य

क्रम सं.	नाम	भूमिका
1	श्री विकास चौधरी	अध्यक्ष
2	श्री सद्दाम हुसैन	सचिव
3	श्री अजय शेखर	सदस्य
4	श्री आनंद प्रकाश	सदस्य
5	श्री रोहित अजगांवकर	सदस्य
6	सुश्री राजेश्वरी वी एस	सदस्या
7	श्री ध्रुव गावड़े	सदस्य
8	श्री नीरव हसमुखभाई	सदस्य
9	श्री रितोब्राता सरकार	सदस्य

प्रकार्य

1. परीक्षा अवसंरचना की समीक्षा करना और उच्च स्तर की सत्यनिष्ठा सुनिश्चित करना।
2. वाह्य संधियों और प्रौद्योगिकी, यदि आवश्यक हो, का इस्तेमाल करके आधार व्यापक बनाने की संभावना तलाशना।
3. गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए बदलते समय के अनुसार विभिन्न परीक्षा प्रारूपों का अन्वेषण करना और ऐसे प्रारूपों में परीक्षाओं के संचालन से संबंधित सभी समस्याओं के समाधान हेतु सुझाव देना।
4. प्रश्नपत्र तैयार करने वालों और परीक्षकों के समूह पर लीक से हटकर विचार करना, स्टाफ एक्चुअरी प्रणाली का निर्माण करना और परीक्षा संचालन की निगरानी करना।
5. यह सुनिश्चित करना कि प्रश्नपत्र और अंकन शिक्षा नीति के निर्धारित ढाँचे के भीतर उच्च मानकों के हों।
6. आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं की आवृत्ति, कट-ऑफ अंक, प्रश्न और परीक्षा प्रारूप, प्रश्नपत्र तैयार करने वालों के बारे में अन्वेषण करना और सिफारिश करना।
7. किसी अन्य शैक्षणिक संस्थान से मान्यता प्राप्त करने की सिफारिश करना।

8. यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी हितधारक उनसे अपेक्षित बातों के संबंध में एकमत हों, प्रश्नपत्र तैयार करने वालों, परीक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं की आवधिक बैठकें आयोजित करना।
9. शिक्षा महालेखाकार और शिक्षा समिति (धारा 21) के साथ मिलकर काम करना और तिमाही में कम से कम एक बार उनके साथ संयुक्त बैठकें करना।
10. अन्य कार्य जो समय-समय पर इस सलाहकार समूह को सौंपे जा सकते हैं।

कार्य योजना और समय-सीमा इस प्रकार होगी :

1. इस सलाहकार समूह की वर्ष में कम से कम आठ बैठकें होंगी, जिनमें शिक्षा महालेखाकार और शिक्षा समिति (धारा 21) के साथ संयुक्त बैठकें शामिल होंगी, जो प्रति तिमाही कम से कम एक बार कॉन्फ्रेंस कॉल या आमने-सामने की बैठक के माध्यम से होंगी।
2. यह सलाहकार समूह शिक्षा समिति और/या अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा और खुले और पारदर्शी तरीके से सुधार के संभावित क्षेत्रों पर भी चर्चा करेगा।

3.5.2 शिक्षा परामर्शी समूह

सदस्य

क्रम संख्या	नाम	भूमिका
1	श्री के श्रीराम	अध्यक्ष
2	श्री बी. एन. रंगराजन	सचिव
3	श्री कुंज माहेश्वरी	सदस्य
4	श्री मयूर अंकोलेकर	सदस्य
5	श्री शरद रामनारायण	सदस्य
6	श्री अख्तर माहिउद्दीन	वाह्य सदस्य
7	श्री संकर्शन बासु	वाह्य सदस्य

प्रकार्य:

1. नयी शिक्षा नीति का कार्यान्वयन।
2. समय समय पर शिक्षा नीति की समीक्षा
3. आईएआई पाठ्यक्रम उद्देश्यों की समय समय पर समीक्षा और अद्यतन
4. परीक्षा कोचिंग / काउंसेलिंग का आयोजन।
5. आईएआई अध्ययन सामग्री का विकास
6. शैक्षणिक और अन्य विश्वसनीय संस्थाओं के साथ सहयोग
7. आईएआई योग्यता के लिए वैश्विक स्वीकृति/मान्यता
8. परीक्षा महालेखाकार और शिक्षा समिति (धारा 21) के साथ मिलकर काम करना और कम से कम तिमाही में एक बार उनके साथ संयुक्त बैठकें करना।
9. 'बीमांकिक कार्य समूह' के साथ मिलकर काम करना।
11. अन्य कार्य जो समय-समय पर इस सलाहकार समूह को सौंपे जा सकते हैं।

कार्य योजना और समय सीमा इस प्रकार होगी :

1. इस परामर्शी समूह की साल में कम से कम आठ बैठकें होंगी, जिनमें शिक्षा एजी और शिक्षा समिति (खंड 21) के साथ संयुक्त बैठकें भी शामिल होंगी। ये संयुक्त बैठकें हर तिमाही में कम से कम एक बार होंगी और कॉन्फ्रेंस कॉल या आमने-सामने की बैठक के जरिए की जा सकेंगी।
2. यह परामर्शी समूह शिक्षा समिति को और/या अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.3 व्यावसायिकता, नैतिकता एवं आचरण संबंधी परामर्श समूह

सदस्य

क्र.सं.	नाम	पद
1	श्री राजेश डालमिया	अध्यक्ष
2	सुश्री वन्दना बालुनी	सचिव
3	श्री सुप्रियो चाकी	सदस्य
4	श्री बी एन रंगराजन	सदस्य
क्र.सं.	नाम	पद
5	श्री डी साइ श्रीनिवास	सदस्य
6	श्री पंकज तिवारी	सदस्य
7	श्री संकेत कवाटकर	सदस्य
8	श्री विवेक जालान	सदस्य

प्रकार्य

1. प्रभावी डिलिवरी तंत्र के माध्यम से सदस्यों के बीच उच्च स्तरीय व्यावसायिकता मनोगत करना।
2. सुदृढ़ आचार संहिता, बीमांकिक पद्धति के मानक विकसित करना और समीक्षा करना और समय समय पर इनका अनुपालन तंत्र विकसित करना।
3. आचार संहिता और बीमांकिक पद्धति मानकों की अनुपालना प्रोत्साहित करना, प्रेरित करना और उसे प्रेरणादायक बनाना।
4. बीमांकिक अधिनियम, 2006 के ढांचे के अंदर अनुशासनिक उपबंधों के कार्यान्वयन पर सलाह देना, जो न्यायोचित, उचित हो तथा लोक हित के सिद्धांतों की अपेक्षाओं के अनुरूप न्याय दिलाता हो।
5. विभिन्न विषयों पर, जहाँ तक उनका संबंध इस समूह के मूल मिशन से है, पाठ्यक्रम, सेमिनार, वेबिनार, सम्मेलन और कार्यशाला आयोजित करना।
6. इस पेशे को प्रभावित करने वाले मामलों पर सदस्यों को शिक्षित करना।
7. अन्य कार्य जो इस परामर्शी समूह को समय समय पर सौंपे जाएं।

कार्य योजना और समय सीमा इस प्रकार होगी :

1. इस परामर्शी समूह की प्रति तिमाही कम से कम एक बैठक होगी। यह बैठक आमने – सामने बैठकर हो सकती है या कॉन्फ्रेंस कॉल के माध्यम से हो सकती है।
2. यह परामर्शी समूह व्यावसायिक समिति को और/या अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.4 जीवन बीमा संबंधी परामर्श समूह

सदस्य

क्रम सं.	नाम	पदनाम
1	श्री प्रियेश कुमार चौबे	अध्यक्ष
2	सुश्री नैन्सी गुप्ता	सचिव
3	श्री अंशुल गर्ग	सदस्या
4	श्री केयूर पारेख	सदस्य
5	सुश्री सुनयना महानसारिया	सदस्या
6	सुश्री रिद्धि शाह	सदस्य
7	श्री रनबीर घोष	सदस्य
8	श्री सौविक जश	सदस्य
9	श्री विवेक जालान	सदस्य
10	श्री वरुण गुप्ता	सदस्य

प्रकार्य

1. जीवन बीमा से संबंधित उन मुद्दों का हल निकालने के लिए जिम्मेदार होना जो इसे संदर्भित किए जाएं या जिन्हें हल करने और परिषद को सलाह देने के लिए समूह समुचित समझे।
2. संस्थान के उन सदस्यों के लिए आवश्यक बीमांकक व्यवसाय मानकों (मार्गदर्शी टिप्पणी) को लागू करना और उनकी समीक्षा करना जो जीवन बीमा क्षेत्र में कार्यरत हैं, जिनमें नियुक्त एक्चुरियल शामिल हैं, परंतु इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।
3. भारत में जीवन बीमा उद्योग को प्रभावित करने वाले उभरते व्यावसायिक और औद्योगिक मुद्दों पर कार्य करना, जिसमें स्थानीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बीमांकिक या अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों में जीवन बीमा से संबंधित तकनीकी और शैक्षणिक विकास शामिल हैं।
4. संबंधित उभरते मुद्दों की पहचान करने, क्षमता निर्माण करने, सेमिनार आयोजित करने आदि के लिए अन्य एजी और जलवायु, आईएफआरएस 17, एआई, बीमांकिक रोजगार के अंतर प्रकार्य कार्यसमूह के साथ कार्य करना।
5. लोगों और सरकार के जीवन को प्रभावित करने वाली दो बड़ी प्रभाव वाली शोध परियोजनाएँ संचालित करना।
6. समय-समय पर एपीएस/जीएन की समीक्षा करना।
7. विषय एसए -2 - जीवन बीमा के लिए पाठ्यक्रम की समीक्षा/निर्माण/सिफारिश करने हेतु शिक्षा समिति/शिक्षा टास्क फोर्स के साथ कार्य करना।
8. जीवन बीमा क्षेत्र में कार्यरत सदस्यों के कौशल संवर्धन के लिए सेमिनार और कार्यशालाओं सहित सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना और उन्हें क्रियान्वित करना।
9. अन्य प्रकार्य जो इस समूह को समय समय पर समनुदेशित किए जाते हैं।

कार्य योजना और समय सीमा इस प्रकार होगी :

1. यह परामर्शी समूह साल में कम से कम आठ बैठकें करेगा, जिनमें से कम से कम दो बैठकें जलवायु, आईएफआरएस 17, एआई और बीमांकित रोजगार नियोजन से जुड़े अंतर प्रकार्यात्मक कार्यकारी समूह के साथ होंगी; ये बैठकें कॉन्फ्रेंस कॉल या आमने-सामने हो सकती हैं।
2. यह परामर्शी समूह व्यावसायिक समिति को और/या अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.5 साधारण बीमा संबंधी परामर्श समूह**सदस्य**

क्रम सं.	नाम	पदनाम
1.	श्री हितेन कोठारी	अध्यक्ष
2.	श्री सौरव रॉय	सचिव
3.	सुश्री रुचिका सांगवान	सदस्या
4.	श्री गोपालन वरदराजन सुबाश्री निगम्मा	सदस्य
5.	श्री प्रसून सरकार	सदस्य
6.	श्री शरद रामनारायण	सदस्य
7.	सुश्री सुरुचि भार्गव	सदस्या
8.	श्री विष्णुवर्द्धन पाल रेड्डी	सदस्य
9.	श्री रोचक गर्ग	सदस्य

प्रकार्य

1. साधारण बीमा से संबंधित उन मुद्दों पर सलाह देना जो इसे संदर्भित किए जाएं या जिन्हें हल करने के लिए यह समूह समुचित समझे।

2. उन बीमांकिक पद्धति मानक/ मार्गदर्शन से संबंधित मामलों की समीक्षा करना और सलाह देना जो नियुक्त बीमांकिक सहित साधारण बीमा में कार्य करने वाले संस्थान के सदस्यों के लिए अपेक्षित है।
3. साधारण बीमा में इस पेशे के सदस्यों और छात्रों के कौशलवर्धन के लिए संगोष्ठियों और कार्यशालाओं सहित प्रशिक्षण और सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (सीपीडी) तैयार करना और उन्हें संचालित करना।
4. साधारण बीमा उद्योग को प्रभावित करने वाले उभरते व्यावसायिक मुद्दों की जानकारी रखना और उन पर संस्थान को सलाह देना।
5. किसी विनियामकीय या बाजार मुद्दों पर परामर्श देना जो इस पेशे की स्थिति को संभावित रूप से प्रभावित कर सकता है।
6. विषय एसए3 – साधारण बीमा के लिए पाठ्यक्रम की समीक्षा/प्रस्तुति/संस्तुति करने के लिए शिक्षा समिति/शिक्षा कृतक बल के साथ कार्य करना।
7. अन्य एजी और जलवायु, आईएफआरएस 17, एआई, बीमांकिक रोजगार के अंतर प्रकार्यात्मक कार्य समूह के साथ मिलकर काम करना, ताकि संबंधित उभरते मुद्दों की पहचान की जा सके और क्षमता निर्माण किया जा सके, सेमिनार आयोजित किए जा सकें।
8. वृहत प्रभाव अनुसंधान परियोजनाएं क्रियान्वित करना जो लोगों के जीवन और सरकार पर प्रभाव डालती हों।
9. अध्यक्ष और पेशेवर समिति द्वारा समय समय पर समूह को संदर्भित कोई अन्य कार्य।

कार्य योजना और समय सीमा इस प्रकार होगी :

1. यह परामर्शी समूह साल में कम से कम आठ बैठकें करेगा, जिनमें से कम से कम दो बैठकें जलवायु, आईएफआरएस 17, एआई और बीमांकिक कार्य से जुड़े अंतर प्रकार्यात्मक कार्यकारी समूह के साथ होंगी, ये बैठकें कॉन्फ्रेंस कॉल या आमने-सामने हो सकती हैं।
2. यह परामर्शी समूह व्यावसायिक समिति को और/या अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.6 स्वास्थ्य देखभाल संबंधी परामर्श समूह

सदस्य

क्रम सं.	नाम	पदनाम
1.	श्री मनीष सेन	अध्यक्ष
2.	श्री कृष्णा सिंगला	सचिव
3.	श्री चंद्रशेखर द्विवेदी	सदस्य
4.	श्री सुमित रमानी	सदस्य
5.	श्री नीरव शाह	सदस्य
6.	श्री रामनाथ भार्गवथ	सदस्य
7.	श्री एस. सबारीश	सदस्य
8.	सुश्री सिपिका टंडन	सदस्या

प्रकार्य

1. स्वास्थ्य देखभाल बीमा के संबंध में उन मुद्दों का हल निकालने के लिए जिम्मेदार होना, जो इसे संदर्भित किया जाता है या यह समूह हल करना समुचित समझता है और समुचित कार्रवाई के लिए अध्यक्ष/परिषद को सलाह देना।
2. उन बीमांकिक संव्यवहार मानक (मार्गदर्शी टिप्पणियां) को निर्धारित और समीक्षा करने के लिए जिम्मेदार होना, जो स्वास्थ्य देखभाल बीमा में कार्य करने वाले संस्थान के सदस्यों के लिए आवश्यक हैं।
3. स्वास्थ्य देखभाल बीमा व्यवसाय के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाना और उन्हें आयोजित करना।

4. भारत के अंदर और बाहर स्वास्थ्य देखभाल बीमा उद्योग को प्रभावित करने वाले उभरते मुद्दों को समझना और उस पर सलाह देना।
5. किसी ऐसे विनियामक या बाज़ार संबंधी मुद्दों पर संस्थान को सलाह देना, जो संभवतः व्यवसाय की स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं।
6. अन्य एजी और जलवायु, आईएफआरएस 17, एआई, बीमांकिक रोजगार के अंतर प्रकार्यात्मक कार्य समूह के साथ मिलकर काम करना ताकि संबंधित उभरते मुद्दों की पहचान की जा सके और क्षमता निर्माण किया जा सके, सेमिनार आयोजित किए जा सकें आदि।
7. प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत और/या जागरूकता अभियानों जैसी योजनाओं में नीति निर्माण में सहायता के लिए सरकारी स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ सहयोग करना, और जनसंख्या के समग्र स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार के लिए सरकार के माध्यम से विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) जैसी वैश्विक स्वास्थ्य संस्थाओं के साथ संपर्क स्थापित करना।
8. विषय एसए1 – स्वास्थ्य और देखभाल के लिए पाठ्यक्रम की समीक्षा/निर्माण/सिफारिश करने हेतु शिक्षा समिति/शिक्षा कार्य बल के साथ कार्य करना।
9. लोगों और सरकार के जीवन को प्रभावित करने वाली बड़ी प्रभावकारी शोध परियोजनाएँ संचालित करना।
10. स्वास्थ्य देखभाल बीमा में पेशे के सदस्यों के कौशल संवर्धन के लिए सेमिनार और कार्यशालाओं सहित सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों का डिजाइन और संचालन करना।
11. अन्य कार्य जो समय-समय पर इस सलाहकार समूह को सौंपे जा सकते हैं।

कार्य योजना और समय सीमा इस प्रकार होगी :

1. इस सलाहकार समूह की एक वर्ष में कम से कम आठ बैठकें होंगी, जिनमें से कम से कम दो बैठकें जलवायु, आईएफआरएस 17, एआई, बीमांकिक रोजगार के अंतर प्रकार्यात्मक कार्य समूह के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल या आमने-सामने की बैठक के माध्यम से होंगी।
2. यह परामर्शी समूह व्यावसायिक समिति को और/या अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.7 पेंशन, अन्य कर्मचारी हितलाभ और सामाजिक सुरक्षा संबंधी परामर्श समूह

सदस्य :

क्रम सं.	नाम	पदनाम
1.	सुश्री चित्रा जयसिन्हा	अध्यक्षा
2.	श्री हिमांशु जैन	सचिव
3.	श्री के श्रीराम	सदस्य
4.	श्री जयेश पंडित	सदस्य
5.	श्री विचित्र मल्होत्रा	सदस्य
6.	श्री कथान जैन	सदस्य
7.	श्री रितोब्रता सरकार	सदस्य
8.	श्री अर्पण बेहै	सदस्य
9.	श्री हर्षित अग्रवाल	सदस्य

प्रकार्य

1. सतत जन-संपर्क के माध्यम से इस व्यवसाय के लिए अधिक दृश्यता सृजित करना।
2. सूचना साझा करने हेतु तंत्र सृजित कर और संचार मानक स्थापित कर इस व्यवसाय की जन-छवि को मजबूत बनाना।

3. परामर्शदाता बीमांकिकों के लिए परिषद को एक उपयुक्त अभ्यास प्रमाणपत्र तंत्र और मानकीकृत मूल्यांकन रिपोर्टिंग प्रारूपों की अनुशंसा करना।
4. सूचना स्पष्टता और संचार संबंधी मुद्दों के संदर्भ में परामर्शदाता बीमांकिकों का समर्थन करना।
5. पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम सामग्री को अद्यतन करके गुणवत्ता का निर्माण करना; और पेंशन, कर्मचारी लाभ और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित बीमांकिक अभ्यास मानक और मार्गदर्शन नोट जारी करना।
6. पेंशन, कर्मचारी लाभ और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित सेमिनार/कार्यशालाएँ आयोजित करके क्षमता निर्माण करना।
7. सामान्य रूप से वैश्विक स्तर पर विकास के संबंध में, विशेष रूप से आईएए के स्तर पर, पेंशन, कर्मचारी लाभ और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र से संबंधित मामलों से अवगत रहना और परिषद तथा सदस्यों को उचित सलाह देना।
8. विषय एसए 4 – पेंशन और अन्य लाभ के लिए पाठ्यक्रम की समीक्षा/निर्माण/अनुशंसा करने हेतु शिक्षा समिति/शिक्षा कार्य बल के साथ कार्य करना।
9. परामर्शदाता बीमांकिकों के लिए कार्य के नए और अधिक क्षेत्र बनाना/खोजना।
10. संबंधित क्षेत्र में कार्यरत सदस्यों के कौशल संवर्धन हेतु सेमिनार/वेबिनार और कार्यशालाओं सहित सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों का डिजाइन और संचालन करना।
11. लोगों और सरकार के जीवन को प्रभावित करने वाली बड़ी प्रभावकारी अनुसंधान परियोजनाएँ संचालित करना।
12. इस सलाहकार समूह को समय-समय पर सौंपे जाने वाले अन्य कार्य।

कार्य योजना और समय सीमा इस प्रकार होगी :

1. इस परामर्शी समूह की प्रति वर्ष कम से कम आठ बैठकें होंगी। यह बैठक आमने – सामने बैठकर हो सकती है या कॉन्फ्रेंस कॉल के माध्यम से हो सकती है।
2. यह परामर्शी समूह व्यावसायिक समिति को और/या अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.8 संधारणीय विकास और सूक्ष्म बीमा संबंधी परामर्शी समूह सदस्य

क्रम सं.	नाम	पदनाम
1	श्री भारत वेंकटरमानी	अध्यक्ष
2	श्री मयुर अंकोलकर	सचिव
3	श्री ए. वी. कार्थिकेयन	सदस्य
4	श्री कमलेश गुप्ता	सदस्य
5	श्री खुशवंत पहवा	सदस्य
6	श्री मालविका नाथ	सदस्य
7	श्री रीतू कोटनाला	सदस्य
8	सुश्री शिल्पी जैन	सदस्या
9	सुश्री तानिया चक्रवर्ती	सदस्य

प्रकार्य

1. संधारणीय विकास और सूक्ष्म बीमा (एसडीएमआई) से संबंधित इस समूह को संदर्भित मुद्दों का हल निकालने के लिए जिम्मेदार होना या समूह जिसका हल निकालना उपयुक्त समझता है, और उपयुक्त कार्रवाई हेतु अध्यक्ष/परिषद को सलाह देना।
2. संवहनीय विकास से संबंधित मुद्दों, जैसे, सामाजिक बीमा, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, लोक नीति इत्यादि से संबंधित मामलों में ज्ञान और साक्ष्य में योगदान करना।

3. सूक्ष्म बीमा से संबंधित मुद्दों, जैसे, निम्न मूल्य बीमा, कृषि बीमा इत्यादि से संबंधित मामलों में ज्ञान और साक्ष्य में योगदान करना।
4. एसडीएमआई में व्यवसाय के सदस्यों के कौशल विकास के लिए सेमिनार और कार्यशाला सहित सतत व्यवसायिक विकास कार्यक्रम डिजाइन करना और निष्पादित करना।
5. भारत के अंदर और बाहर एसडीएमआई को प्रभावित करने वाले उभरते व्यावसायिक मुद्दों की जानकारी रखना और संस्थान को सलाह देना।
6. भारत के अंदर और बाहर एसडीएमआई को प्रभावित करने वाले उभरते कारोबारी और औद्योगिक मुद्दों की जानकारी रखना और संस्थान को सलाह देना।
7. किसी ऐसे विनियामकीय अथवा बाजार मुद्दे पर संस्थान को सलाह देना जो इस पेशे की स्थिति को प्रभावित कर सकता है।

कार्य योजना और समय सीमा इस प्रकार होगी :

1. इस परामर्शी समूह की प्रति तिमाही कम से कम एक बैठक, या तो कॉन्फ्रेंस कॉल के माध्यम से या आमने-सामने बैठकर, होगी।
2. यह परामर्शी समूह अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.9 जोखिम प्रबंधन संबंधी सलाहकार समूह

सदस्य

क्रम सं.	नाम	पदनाम
1.	श्री कैलाश मित्तल	अध्यक्ष
2.	श्री तनय चन्द्रा	सचिव
3.	श्री अदीप जैन	सदस्य
4.	श्री अशोक लाहोटी	सदस्य
5.	श्री बिकाश चौधरी	सदस्य
6.	श्री अंकुर सराफ	सदस्य
7.	श्री क्षितिज शर्मा	सदस्य
8.	सुश्री मेघा गर्ग	सदस्या
9.	श्री सतीष भट्ट	सदस्य
10.	श्री मनीष सेन	सदस्य
11.	सुश्री सुरुचि भार्गवा	सदस्या
12.	श्री अनुज बुधिया	सदस्य

प्रकार्य :

1. जोखिम प्रबंधन में सदस्यों की नई और उभरती तकनीकी और व्यावहारिक आवश्यकताओं की पहचान करना।
2. जोखिम प्रबंधन को प्रभावित करने वाले तकनीकी मुद्दों और शोध गतिविधियों सहित व्यापक जनहित के मामलों पर सार्वजनिक नीति प्रस्तुतियाँ तैयार करना।
3. अनुसंधान और विकास के लिए संभावित मुद्दों की पहचान करना। पेशे से संबंधित परियोजनाओं का एक समूह प्रस्तावित करना, जिन्हें अनुभवी बीमांकिक के मार्गदर्शन में छात्र अपना सकें और इसके लिए उचित समर्थन और मान्यता प्रदान करना।
4. आईएआई के लिए शोध पत्रों को सुगम बनाना और बौद्धिक संपदा का विकास करना। अन्य कार्यात्मक एजी, जीवन, सामान्य, स्वास्थ्य, पेंशन के साथ सक्रिय रूप से संपर्क करना और सामान्य परियोजनाओं और विषयों का प्रस्ताव करना।
5. प्रासंगिक बीमांकिक अभ्यास मानकों और मार्गदर्शी टिप्पणी की समीक्षा और विकास करना।
6. अन्य कार्य जो समय-समय पर इस सलाहकार समूह को सौंपे जा सकते हैं।

कार्य योजना और समय—सीमा इस प्रकार होगी :

1. इस सलाहकार समूह की प्रति वर्ष कम से कम छह बैठकें (अधिमानतः प्रति तिमाही एक बैठक) या तो कॉन्कॉल के माध्यम से या आमने-सामने होंगी।
2. यह सलाहकार समूह नवाचार एवं जोखिम समिति और/या अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.10 बैंककारी, वित्त और निवेश संबंधी परामर्श समूह**सदस्य**

क्रम सं.	नाम	पदनाम
1	श्री यश रत्नपाल	अध्यक्ष
2	श्री विग्नेश मेहता	सचिव
3	श्री चिन्नाराजा चेंदुर पांडियन	सदस्य
4	सुश्री प्रेरणा नागपाल	सदस्य
5	श्री मृगांक अग्रवाल	सदस्य

प्रकार्य

1. बैंककारी, वित्त और निवेश (बीएफआई) में बीमांकिकों की भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाना, जिसमें बैंकिंग, वित्तीय ऋण, निवेश बैंकिंग, परिसंपत्ति प्रबंधन, निवेश, व्यापार, इक्विटी अनुसंधान आदि जैसे क्षेत्र शामिल हैं।
2. बीएफआई में बीमांकिकों द्वारा व्यावहारिक मूल्यवर्धन को प्रदर्शित करने के लिए वृत्त अध्ययन तैयार करना।
3. बीएफआई में बीमांकिक व्यवसायों के लिए रोजगार सृजन में सहायता करना।
4. आईएआई का प्रतिनिधित्व करते हुए बीएफआई से संबंधित सेमिनारों/कार्यक्रमों में भाग लेना।
5. शिक्षा समिति/शिक्षा कार्यबल के साथ मिलकर बीएफआई से संबंधित पाठ्यक्रम, परीक्षा सामग्री और विशिष्ट प्रमाणन पाठ्यक्रम तैयार करना।
6. सदस्यों के कौशल संवर्धन हेतु बीएफआई से संबंधित सेमिनार/वेबिनार और कार्यशालाओं सहित सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों का डिजाइन और संचालन करना।
7. एक्जुअरी इंडिया पत्रिका के लिए लेख तैयार करना। संबंधित उभरते मुद्दों की पहचान करने और क्षमता निर्माण करने, सेमिनार आयोजित करने आदि के लिए जलवायु, एआई, बीमांकिक रोजगार के अन्य एजी और अंतर प्रकार्यात्मक कार्य समूह के साथ काम करना।
8. संबंधित क्षेत्र में कार्यरत सदस्यों के कौशल संवर्धन हेतु सेमिनार/वेबिनार और कार्यशालाओं सहित सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों का डिजाइन और संचालन करना।
9. इस सलाहकार समूह को समय-समय पर सौंपे जा सकने वाले अन्य कार्य।

कार्य योजना और समय—सीमा इस प्रकार होगी :

1. यह सलाहकार समूह उपरोक्त कार्यों को पूरा करने और विशिष्ट कार्यों के लिए तिमाही में कम से कम एक बार बैठक करेगा, जैसे कि बैंककारी-बीमांकिक क्षेत्र में पायलट/संयुक्त अध्ययन के लिए रूपरेखा तैयार करना और समूह के लिए उचित और स्वीकार्य समय-सीमा में अध्यक्ष द्वारा विधिवत सहमति से उसका पालन पूरा करना।
2. यह सलाहकार समूह अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.11 एआई और डेटा साइंस संबंधी परामर्श समूह**सदस्य**

क्रम सं.	नाम	पदनाम
1	सुश्री अरुणिमा सिन्हा	अध्यक्ष
2	श्री मयंक शर्मा	मेंटर
3	श्री वेंकटराघवन कृष्णास्वामी	मेंटर
4	श्री विपुल अग्रवाल	सदस्य
5	श्री वरुण जैन	सदस्य
6	श्री वामसीधर अम्बातीपुडी	सदस्य
7	श्री सुनील श्रीवत्स पडासला गोपीकृष्ण	सदस्य
क्रम सं.	नाम	पदनाम
8	श्री विनय द्विवेदी	सदस्य
9	सुश्री जसिका सिंह	सदस्य
10	श्री शुभम् रावत	सदस्य
11	श्री कमल सरदाना	सदस्य
12	श्री शैलेश धुरी	सदस्य
13	श्री सायनदीप मजूमदार	सदस्य

प्रकार्य

- डेटा विश्लेषिकी के क्षेत्र में बीमांकिक की भूमिका को बढ़ाना, पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण में नए डेटा प्रबंधन उपकरण/सॉफ्टवेयर को शामिल करना।
- कॉर्पोरेट्स और विश्वविद्यालयों के सहयोग से वृत्त अध्ययन तैयार करना और शोध गतिविधियाँ संचालित करना।
- बीमा उद्योग और उसके बाहर, डेटा विज्ञान क्षेत्र में बीमांकिक पेशे, विशेष रूप से छात्र सदस्यों के लिए रोजगार सृजन में सहायता करना।
- डेटा विज्ञान और विश्लेषिकी में प्रमाणन पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम और सामग्री तैयार करने हेतु शिक्षा समिति/शिक्षा कार्य बल के साथ कार्य करना।
- संबंधित उभरते मुद्दों की पहचान करने और बीमांकिक पेशेवरों के डेटा और एआई से संबंधित कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से सेमिनार, वेबिनार और कार्यशालाओं सहित सीपीडी कार्यक्रमों को डिजाइन और संचालित करने के लिए जीआई/जीवन/स्वास्थ्य/बैंकिंग के अन्य एजी के साथ कार्य करना।
- इस कार्य समूह को समय-समय पर सौंपे जा सकने वाले अन्य कार्य

कार्य योजना और समय-सीमाएँ इस प्रकार होंगी :

- यह कार्य समूह समय-समय पर (वर्ष में कम से कम चार बार) बैठकें करेगा, जिसमें जीआई/जीवन /स्वास्थ्य/ बैंकिंग के एजी के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल या आमने-सामने सहयोग करते हुए कम से कम 2 बैठकें होंगी।
- यह कार्य समूह अनुसंधान एवं नवाचार समिति और/या अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.12 आईएफआरएस 17 (इंड एस 117) संबंधी परामर्श समूह**सदस्य**

क्रम सं.	नाम	पदनाम
1	श्री कुंज बिहारी महेश्वरी	अध्यक्ष
2	सुश्री हर्षदा श्रृंगारपुरे	सचिव
3	श्री अवधेश गुप्ता	सदस्य
4	श्री हितेन कोठारी	सदस्य

5	श्री कैलाश मित्तल	सदस्य
6	सुश्री एन. कल्पना	सदस्या
7	श्री क्षितिज शर्मा	सदस्य
8	श्री फिलिप जैकसन	सदस्य
9	श्री राजीव मुखर्जी	सदस्य
10	सुश्री साइगीता भार्गवा	सदस्या
11	श्री साई डी श्रीनिवास	सदस्य
12	सुश्री शिराली चोपरा	सदस्या
13	श्री पियुष जैन	सदस्य
14	सुश्री तनमीत कौर	सदस्य

प्रकार्य

1. आईएफआरएस 17 के अंतर्गत भारत के बीमाकर्ताओं द्वारा वित्तीय विवरणों को तैयार करने में बीमांकिकों की भूमिका का निर्धारण करना और संस्थान को आगे के मार्ग के संबंध में सलाह देना।
2. भारत में बीमाकर्ताओं पर यथा लागू आईएफआरएस 17 रिपोर्टिंग मानकों के संबंध में बीमांकिक पेशे से संबंधित मुद्दों के समाधान पर कार्य करना
3. संस्थान के उन सदस्यों के लिए आवश्यक प्रासंगिक बीमांकिक संव्यवहार मानकों और मार्गदर्शी टिप्पणी को क्रियान्वित करने और उनकी समीक्षा करने के लिए जिम्मेदार, जो नियुक्त बीमांकिक सहित बीमा कंपनियों के लिए वित्तीय विवरणों (भागों या संपूर्ण) की तैयारी के लिए जिम्मेदार होंगे।
4. वैश्विक आईएफआरएस 17 मानक में परिवर्तन के परिणामस्वरूप बीमा उद्योग को प्रभावित करने वाले उभरते व्यावसायिक और उद्योग संबंधी मुद्दों की जानकारी रखना और संस्थान को सलाह देना।
5. आईएफआरएस 17 से संबंधित उपयोगी तकनीकी और शैक्षणिक विकासों की जानकारी रखना और संस्थान को सलाह देना।
6. लोगों और सरकार के जीवन को प्रभावित करने वाली बड़ी प्रभाव वाली शोध परियोजनाएँ संचालित करना।
7. आईएफआरएस 17 में प्रमाणन पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम और सामग्री तैयार करने हेतु परीक्षा/शिक्षा समिति/शिक्षा कार्य बल के साथ कार्य करना।
8. संबंधित उभरते मुद्दों की पहचान करने और संबंधित क्षेत्र में कार्यरत सदस्यों के कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से सेमिनार, वेबिनार और कार्यशालाओं सहित सीपीडी कार्यक्रमों को डिजाइन और संचालित करने के लिए जीआई/जीवन/स्वास्थ्य/बैंकिंग के अन्य एजी के साथ कार्य करना।
9. इंड एस 117 संबंधी एपीएस / जीएन तैयार करना।
6. समय –समय पर इस समूह को समनुदेशित अन्य प्रकार्य।

कार्य योजना और समय सीमा इस प्रकार होगी :

1. यह परामर्शी समूह आवधिक बैठक करेगा (एक वर्ष में कम से कम चार बार), या तो कॉन्फ्रेंस कॉल के माध्यम से या आमने – सामने बैठकर, जिनमें से 2 बैठकें जीआई/जीवन/स्वास्थ्य/बैंककारी के एजी के साथ सहयोगात्मक बैठकें होंगी।
2. यह परामर्शी समूह अनुसंधान और नवाचार समिति और/ या अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.13 संचार संबंधी परामर्श समूह

सदस्य

क्रम सं.	नाम	पदनाम
1	श्री गोपाल विश्वनाथ कुमार	अध्यक्ष
2	श्री सतीश भट	सचिव
3	श्री अजय शेखर	सदस्य
4	सुश्री अरुणिमा सिन्हा	सदस्या
5	सुश्री भावना वर्मा	सदस्या
6	श्री भारत वेंकटरमनानी	सदस्य
7	श्री बिकास चौधरी	सदस्य
8	सुश्री चित्रा जयसिन्हा	सदस्या
9	श्री हितेन कोठारी	सदस्य
10	श्री इरविंदर सिंह कोहली	सदस्य
11	श्री के श्रीराम	सदस्य
12	श्री कैलाश मित्तल	सदस्य
13	श्री कुंज बिहारी माहेश्वरी	सदस्य
क्रम सं.	नाम	पदनाम
14	श्री मनीष सेन	सदस्य
15	सुश्री पद्माजा आर	सदस्या
16	श्री प्रसून सरकार	सदस्य
17	श्री प्रिथेश चौबे	सदस्य
18	श्री राजेश डालमिया	सदस्य
19	श्री रितोब्राता सरकार	सदस्य
20	सुश्री साइगीता भार्गव	सदस्या
21	सुश्री साना कोन्तुर	सदस्या
22	श्री सिद्धेश रामासुब्रह्मण्यन	सदस्य
23	सुश्री तानिया चक्रवर्ती	सदस्या
24	श्री यश रतन पाल	सदस्य

प्रकार्य

1. सदस्यों का मत जान कर, उन्हें संदेश भेज कर और मत सर्वेक्षण (संप्रेषण से संबंधित) कर, उनके साथ दोतरफा संवाद बनाए रखना।
2. बीमांकिक समुदाय के साथ गैर बीमांकिकों के बीच इस पेशे की दृश्यता बढ़ाने के लिए डिजिटल और प्रिंट मीडिया का इष्टतम उपयोग।
3. प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया डिजिटल विपणन, सोशल मीडिया और पीआर एजेंसी, यदि कोई हो, के माध्यम से इस पेशे की संवृद्धि में मदद करना।
4. विभिन्न हितधारकों द्वारा जनित सामग्री आधारित अंतर्वस्तु की समीक्षा और प्रचार करना।
5. बीमांकिक पेशे द्वारा मूल्य परिवर्द्धन के बारे में लोगों और सरकार के बीच जागरूकता सृजित करना।
6. विभिन्न विश्वविद्यालयों में उपस्थिति दर्ज करने के लिए योजना बनाना और उसे क्रियान्वित करना।
7. आईएआई कार्यक्रमों और प्रेस विज्ञप्तियों के मीडिया कवरेज में मदद करना
8. समय — समय पर इस परामर्शी समूह को समनुदेशित अन्य प्रकार्य।

कार्य योजना और समय सीमा इस प्रकार होगी :

1. यह परामर्शी समूह प्रति तिमाही कम से कम तीन बैठक करेगा (अधिमानतः प्रति माह एक बैठक), या तो कॉन्फ्रेंस कॉल के माध्यम से या आमने – सामने बैठकर।
2. यह परामर्शी समूह विदेश कार्य और शोध समिति और / या अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.14 बीमांकिक रोजगार उपलब्ध कराने से संबंधी परामर्शी समूह

सदस्य

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1	श्री अजय शेखर	अध्यक्ष
2	श्री प्रभाकर वीर	सचिव
3	श्री प्रशम राभिया	सदस्य
4	सुश्री संगीता भार्गव	सदस्या
5	श्री संतोष डंपा	सदस्य
6	सुश्री तन्मीत कौर	सदस्या
7	श्री विग्नेश मेहता	सदस्य

प्रकार्य

1. बीमांकिक उम्मीदवारों (बेरोजगार छात्रों पर अधिक जोर के साथ) को संभावित नियोक्ताओं के साथ संपर्क साधने के तरीकों का निर्धारण और उपयोग।
2. आमने : सामने की बैठकों, सेमिनारों या वेबिनारों इत्यादि के माध्यम से नियोक्ताओं के बीच बीमांकिक कौशलों के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
3. आईएआई जॉब पोर्टल पर सक्रिय सदस्यों की संख्या में वृद्धि करना और छात्रों को उपलब्ध रोजगार की संख्या में वृद्धि करना।
4. छात्रों को उचित संप्रेषण द्वारा जॉब पोर्टल पर सदस्यों के सक्रिय प्रोफाइलों की संख्या में वृद्धि करना।
5. प्रमाणन / प्रशिक्षण की शुरुआत कर / सिफारिश कर छात्रों के नियोज्यता में वृद्धि करने के लिए अन्य परामर्शी समूहों के साथ समन्वय करना।
6. कैरियर आयोजना और अन्य संबद्ध मामलों से संबंधित समस्याओं पर विचार करना और सुझाव समाधान प्रदान करना।
7. फेलो / एसोसिएट / छात्र सदस्यों के रोजगार की नयी संभावनाओं का पता लगाने और विकसित करने के लिए संभावित नियोक्ताओं से बात करना
8. समय समय पर इस परामर्शी समूह को समनुदेशित कोई अन्य प्रकार्य।

कार्य योजना और समय सीमा इस प्रकार होगी :

1. इस कार्य समूह की साल में कम से कम आठ बैठकें होंगी (बेहतर होगा कि हर तिमाही में एक बैठक हो), जिनमें से कम से कम 4 बैठकें दूसरे एजी के साथ मिलकर कॉन्फ्रेंस-कॉल या आमने-सामने की बातचीत के जरिए की जाएंगी।
2. यह परामर्शी समूह वित्त और प्रशासन समिति और / या अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.15 शीर्षस्थ प्रत्यायन संचालन समूह**सदस्य**

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1	डॉ. एन. जयशंकरन	अध्यक्ष
2	श्री प्रदीप तापदार	सचिव
3	श्री सद्दाम हुसैन	सदस्य
4	श्री प्रशम रामभिया	सदस्य
5	श्री जे सेंथिल रामानन	सदस्य
6	श्री संतोष डमपा	सदस्य
7	श्री वरुण गुप्ता	सदस्य

प्रकार्य

1. परिषद द्वारा समय-समय पर अनुमोदित प्रत्यायन ढाँचे और उसमें किए गए संशोधनों के अनुसार विश्वविद्यालयों, संस्थानों और महाविद्यालयों का मूल्यांकन, प्रत्यायन और छूट प्रदान करना।
2. प्रत्यायन अनुभव के आधार पर, आवश्यकतानुसार परिषद को प्रत्यायन ढाँचे, प्रक्रियाओं, मानदंडों, शुल्क, आवेदन टेम्पलेट और स्कोरिंग पद्धति में परिवर्तनों की अनुशंसा करना।
3. प्रत्यायन के उद्देश्य से स्वतंत्र परीक्षक/विशेषज्ञ की नियुक्ति करना।
4. बीमांकिक क्षेत्र में पेशे और उपलब्ध रोजगार के अवसरों के बारे में जागरूकता फैलाने में संस्थानों/विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के साथ सहयोग करना।
5. सहायक सेवाओं की पहचान करना और अनुशंसा करना, जिनमें कोचिंग, मार्गदर्शन, शिक्षण, पाठ्यक्रम तैयार करना, आवेदन करने वाले संस्थानों/निकायों द्वारा अपेक्षित पाठ्यक्रम शामिल हो सकते हैं।
6. समूह विशेषज्ञों के विचार आमंत्रित कर सकता है और संदर्भ की शर्तों के साथ शीघ्र समय-सीमा और स्पष्ट अनुपालन के उद्देश्य से आवश्यकतानुसार सदस्यों को सहयोजित कर सकता है।
7. इस समूह को समय-समय पर सौंपे जा सकने वाले अन्य कार्य।

कार्य योजना और समय-सीमाएँ इस प्रकार होंगी :

1. समूह शिक्षा समिति (अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत), परीक्षा सलाहकार समूह और शिक्षा सलाहकार समूह के साथ मिलकर काम करेगा।
2. समूह वर्ष में कम से कम 6 बार बैठक करेगा (उपर्युक्त सलाहकार समूहों और समितियों के साथ संयुक्त बैठकों सहित)।

समूह अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.16 जलवायु जोखिम एवं संधारणीय वित्त संबंधी कार्यकारी समूह**सदस्य**

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1	श्री पीयूष जैन	अध्यक्ष
2	श्री प्रवीण गुप्ता	मेंटर
3	श्री अवनीश बनकर	मेंटर
4	श्री अभिषेक रस्तोगी	सदस्य
5	श्री रवि शंकर लाल	सदस्य
6	सुश्री ऐश्वर्या अग्रवाल	सदस्या
7	श्री सिद्धेश रामासुब्रह्मण्यन	सदस्य
8	सुश्री सगीता भार्गव	सदस्या

9	सुश्री सृष्टि ग्रोवर	सदस्या
10	सुश्री केविन पुनमिया	सदस्या
11	श्री सिद्धी केडिया	सदस्य

प्रकार्य

1. **जलवायु जोखिम में बीमांकिकों की भूमिका को बढ़ावा देना:** बीमांकिक प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम में नवीनतम विकास को एकीकृत करके और अनुसंधान एवं वृत्त अध्ययनों के लिए कॉर्पोरेट्स और विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को बढ़ावा देकर जलवायु जोखिम के क्षेत्र में बीमांकिकों की भूमिका को बढ़ाना।
2. **पाठ्यक्रम और प्रमाणन पाठ्यक्रम विकसित करना :** शिक्षा/परीक्षा समितियों के साथ मिलकर जलवायु जोखिम पर प्रमाणन पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम और सामग्री तैयार करना, बीमांकिक परीक्षाओं और सतत शिक्षा कार्यक्रमों में जलवायु जोखिम मॉड्यूल को शामिल करना।
3. **रोजगार के अवसर पैदा करना :** बीमांकिक छात्रों और पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसरों के सृजन का समर्थन करना, विशेष रूप से डेटा विज्ञान, बीमा और जलवायु जोखिम से प्रभावित अन्य उद्योगों में।
4. **अनुसंधान करना और निष्कर्ष प्रकाशित करना :** उद्योग के हितधारकों के साथ मिलकर वृत्त अध्ययनों तैयार करना और अनुसंधान गतिविधियों में संलग्न होना।
5. **सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) प्रदान करना :** संबंधित उभरते मुद्दों की पहचान करने और सीपीडी कार्यक्रमों को डिजाइन और संचालित करने के लिए जीआई/जीवन/स्वास्थ्य/बैंकिंग के अन्य एजी के साथ काम करें, जिसमें सेमिनार, वेबिनार और कार्यशालाएँ शामिल हैं, जिनका उद्देश्य बीमांकिक पेशेवरों के जलवायु जोखिम-संबंधी कौशल को बढ़ाना है।
6. **जलवायु जोखिम पद्धतियाँ और उपकरण विकसित करना :** बीमा और वित्तीय क्षेत्रों के लिए विशिष्ट जलवायु जोखिमों का आकलन और मात्रा निर्धारित करने के लिए उपकरण और पद्धतियाँ बनाएँ।
7. **नियामक निकायों के साथ सहयोग करना :** बीमांकिक कार्य के लिए जलवायु जोखिम प्रकटीकरण मानकों को स्थापित और परिष्कृत करने के लिए नियामक प्राधिकरणों के साथ काम करें, और इसे पारंपरिक बीमांकिक कार्य में एकीकृत करें।
8. **सर्वोत्तम अभ्यास और मानक स्थापित करना :** ईएसजी कारकों और डेटा संग्रह मानक सहित जलवायु जोखिम विश्लेषण के लिए दिशानिर्देश निर्धारित करें।
9. **जलवायु-संबंधी बीमा उत्पादों पर सलाह देना :** जलवायु-संबंधी जोखिमों और अवसरों से निपटने के लिए नए बीमा उत्पाद विकसित करने पर मार्गदर्शन प्रदान करें।
10. **ज्ञान के आदान-प्रदान को सुगम बनाना :** जलवायु जोखिम मॉडलिंग तकनीकों में सुधार लाने और जलवायु परिवर्तन से मृत्यु दर, दीर्घायु और अन्य प्रमुख बीमांकिक मान्यताओं पर पड़ने वाले प्रभावों पर अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए बीमांकिकों और जलवायु वैज्ञानिकों के बीच ज्ञान-साझाकरण को बढ़ावा देना।

कार्य योजना और समय-सीमा इस प्रकार होगी :

1. यह कार्य समूह समय-समय पर (वर्ष में कम से कम चार बार) बैठक करेगा, जिसमें जीआई/जीवन/स्वास्थ्य/बैंकिंग के एजी के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल या आमने-सामने सहयोग करते हुए कम से कम 2 बैठकें होंगी।
2. यह कार्य समूह अनुसंधान और नवाचार समिति और/या अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

3.5.17 कृषि और ग्रामीण जोखिम प्रबंधन संबंधी कार्यकारी समूह

सदस्य

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1	श्री सिद्धेश रामसुब्रमण्यम	अध्यक्षा
2	श्री अंकुर सुभाष गुप्ता	सदस्य
3	श्री अरवित सिंघल	सदस्य

4	श्री अपूर्व टाटिया	सदस्य
5	श्री अमित शाह	सदस्य

प्रकार्य

1. **अनुसंधान और नीति विकास हेतु साझेदारी** : उत्पाद विकास और नीतिगत अनुशंसाओं को सूचित करने के लिए सरकारी निकायों और अनुसंधान संस्थानों के साथ सक्रिय रूप से साझेदारी करना।
2. **नवोन्मेषी बीमा उत्पाद** : प्रत्येक वर्ष, तीन नए बीमा उत्पाद विकसित करना और नियामक को प्रस्तुत करना, जो कम पहुँच वाले कृषि और ग्रामीण बाजार क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करें।
3. **पायलट परियोजनाएँ और वितरण** : इन उत्पादों के लिए पायलट परियोजनाओं को लागू करना और लक्षित क्षेत्रों में उनके वितरण की रणनीति बनाना।
4. **प्रदर्शन विश्लेषण और प्रतिक्रिया** : इन उत्पादों के प्रदर्शन की निगरानी और विश्लेषण करें, और सुधार के लिए प्रतिक्रिया प्रदान करें।
5. **श्वेत पत्र** : इनमें से प्रत्येक उत्पाद के विकास और परिनियोजन से प्राप्त परिणामों और अंतर्दृष्टि पर प्रतिवर्ष एक श्वेत पत्र प्रकाशित करना।

कार्य योजना और समय-सीमा इस प्रकार होगी :

1. इस सलाहकार समूह की प्रति तिमाही कम से कम तीन बैठकें (अधिमानत: प्रति माह एक बैठक) या तो कॉन्कॉल के माध्यम से या आमने-सामने बैठकर होंगी।
2. यह सलाहकार समूह सीधे अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

4. परीक्षा

4.1 मई, 2025 परीक्षा — डेटा सार

क्र. सं.	विषय	पंजीकृत अभ्यर्थी	परीक्षा में बैठे अभ्यर्थी	उत्तीर्ण अभ्यर्थी	उत्तीर्णता दर (%)
1	सीएस 1	600	486	226	46.50%
2	सीएस 2	382	326	30	9.20%
3	सीएम 1	758	644	147	22.83%
4	सीएम 2	330	283	180	63.60%
5	सीबी 1	814	713	470	65.92%
6	सीबी 2	791	708	309	43.64%
7	सीबी 3	444	419	393	93.79%
8	सीपी 1	244	219	67	30.59%
9	सीपी 2	343	308	60	19.48%
10	सीपी 3	434	414	156	37.68%
11	एसपी 1	170	153	38	24.84%
12	एसपी 2	211	188	53	28.19%
13	एसपी 4	27	23	12	52.17%
14	एसपी 5	44	43	15	34.88%
15	एसपी 6	10	7	1	14.29%
16	एसपी 7	107	101	23	22.77%
17	एसपी 8	80	71	48	67.61%
18	एसपी 9	25	19	2	10.53%
19	एसए 1	58	50	11	22.00%
20	एसए 2	105	96	21	21.88%

21	एसए 3	86	84	9	10.71%
22	एसए 4	21	20	4	20.00%
23	एसए 7	24	22	12	54.55%
	सकल योग	6108	5397	2287	42.38%

4.2 नवंबर, 2025 परीक्षा – डेटा सार

क्रम सं.	विषय	पंजीकृत अभ्यर्थी	परीक्षा में बैठे अभ्यर्थी	उत्तीर्ण अभ्यर्थी	उत्तीर्णता दर (%)
1	सीएस 1	794	644	187	29.04%
2	सीएस 2	426	345	138	40.00%
3	सीएम 1	963	782	81	10.36%
4	सीएम 2	399	313	176	56.23%
5	सीबी 1	837	720	153	21.25%
6	सीबी 2	941	831	497	59.81%
7	सीबी 3	428	401	246	61.35%
8	सीपी 1	295	265	143	53.96%
9	सीपी 2	433	385	92	23.90%
10	सीपी 3	528	501	320	63.87%
11	एसपी 1	185	171	53	30.99%
क्रम सं.	विषय	पंजीकृत अभ्यर्थी	परीक्षा में बैठे अभ्यर्थी	उत्तीर्ण अभ्यर्थी	उत्तीर्णता दर (%)
12	एसपी 2	248	223	34	15.25%
13	एसपी 4	20	19	9	47.37%
14	एसपी 5	57	48	8	16.67%
15	एसपी 6	13	10	2	20.00%
16	एसपी 7	115	105	24	22.86%
17	एसपी 8	81	70	20	28.57%
18	एसपी 9	19	17	6	35.29%
19	एसए 1	64	58	17	29.31%
20	एसए 2	121	104	34	32.69%
21	एसए 3	111	108	11	10.19%
22	एसए 4	17	16	1	6.25%
23	एसए 7	25	22	4	18.18%
सकल योग		7120	6158	2256	36.64%

4.3 वर्ष 2025–26 का एसीईटी डेटा

क्र.सं.	योग्यता –वार आंकड़े	पंजीकृत उम्मीदवार	परीक्षा में बैठे अभ्यर्थी	उत्तीर्ण उम्मीदवार	प्रतिशत
1	एसीईटी अगस्त, 2025	1682	1557	1360	87.35 %
2	एसीईटी जनवरी, 2026	1242	1099	965	87.81 %
सकल योग		2924	2656	2325	87.54 %

शिक्षा और सेमिनार

1. आईएआई ने अपने सदस्यों को दुनिया में कहीं से भी परीक्षा देने की सुविधा प्रदान करते हुए, घर-आधारित ऑनलाइन प्रारूप में परिवर्तन किया।
2. आईएआई ने उम्मीदवारों को परीक्षा प्लेटफॉर्म से परिचित कराने और उन्हें बेहतर समय प्रबंधन कौशल से लैस करने के लिए वास्तविक परीक्षाओं से पहले कई मॉक परीक्षाएँ आयोजित कीं।
3. आईएआई ने बीमांकिक परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया पर एक परीक्षक वेबिनार आयोजित किया।
4. नवंबर 2025 बीमांकिक परीक्षाओं से, आईएआई ने समाधान चुनौती और पुनर्मूल्यांकन प्रक्रियाओं को बंद कर दिया।
5. आईएआई ने नवंबर 2025 की बीमांकिक परीक्षा से एक व्यवस्थित अपील प्रक्रिया शुरू की, ताकि नतीजे आने के बाद समीक्षा का एक व्यवस्थित और पारदर्शी तरीका सुनिश्चित किया जा सके।
6. आईएआई ने मई 2025 और नवंबर 2025 की बीमांकिक परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित कीं, साथ ही अगस्त 2025 और जनवरी 2026 में बीमांकिक सामान्य प्रवेश परीक्षा (एसीईटी) भी आयोजित किया।
7. अगस्त 2025 और जनवरी 2026 में आयोजित एसीईटी परीक्षाओं में कुल 2,656 उम्मीदवार शामिल हुए, जिनमें से 2,325 सफल रहे; इस तरह कुल पास प्रतिशत 87.54 प्रतिशत रहा।
8. बीमांकिक परीक्षाओं के लिए, मई 2025 में 5,397 उम्मीदवार शामिल हुए, जिनमें से 2,287 सफल रहे, जिससे पास प्रतिशत 42.38 प्रतिशत रहा। नवंबर 2025 में 6,158 उम्मीदवार शामिल हुए, जिनमें से 2,256 सफल रहे, जिससे पास प्रतिशत 36.64 प्रतिशत रहा।
9. आईएआई ने बीमांकिक परीक्षाओं में शामिल होने वाले उम्मीदवारों का मार्गदर्शन करने और उन्हें परीक्षा प्रक्रिया से परिचित कराने के लिए ओरिएंटेशन सेशन आयोजित किए।
10. आईएआई ने बीमांकिक परीक्षाओं के बाद उम्मीदवारों के साथ फीडबैक सत्र आयोजित किए ताकि जानकारी जुटाई जा सके और लगातार सुधार के अवसर पहचाने जा सकें।

5. पुरस्कार और सम्मान

5.1 शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार

परीक्षाओं में प्राप्त उच्चतम अंकों के आधार पर वैश्विक बीमांकक सम्मेलन (जीसीए 2025) के दौरान निम्नलिखित शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए गए थे। इस पुरस्कार में व्यक्तिगत नाम से ट्रॉफी और 10,000 रुपये प्रत्येक को नकद पुरस्कार दिया जाता है।

नोट : नवंबर परीक्षा के पुरस्कार विजेता इस सूची में शामिल नहीं हैं, क्योंकि इस परीक्षा के परिणाम सम्मेलन के बाद में घोषित किए गए थे। इन पुरस्कार विजेताओं को अगले जीसीए में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम / प्रायोजक	विषय	मई 2025 के विजेता के नाम एवं सदस्यता सं.
1	स्व. श्री मुकुल चन्द्र चक्रवर्ती स्मारक शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार	सीएस1 – बीमांकिक सांख्यिकी	सुश्री विशाखा अग्रवाल
2	टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार	सीपी 1 – बीमांकिक प्रथा	सुश्री कीर्ति माथुर
3	आदित्य बिरला सन लाइफ शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार	सीपी 2 – बीमांकिक मॉडलिंग	श्री मोहित अग्रवाल
4	स्व. अक्षय डी. पंडित के स्मृति में "पाटनर्स" निधि	सीपी 3 – संप्रेषण संव्यवहार	सुश्री महक आहूजा
5	मिल्लिमैन शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार	एसपी 1 – स्वास्थ्य बीमा	श्री अंशुल कुमार
6	कोटक लाइफ शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार	एसपी 2 – जीवन बीमा	सुश्री रिद्धि सामित पारेख
7	मर्सर कंसल्टेंसी शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार	एसपी 4 – पेंशन और अन्य हितलाभ	श्री निल नीतिन ठक्कर
8	मर्सर कंसल्टेंसी शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार	एसपी 5 – निवेश और वित्त	श्री राजबीर सिंह
9	मर्सर कंसल्टेंसी शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार	एसपी 6 – वित्तीय व्युत्पन्न	श्री सोमेश्वर जैन
10	इंश्योरटेक बीमांकिक शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार	एसपी 7 – जेनरल इंश्योरेंस रिजर्विंग एंड कैपिटल मॉडलिंग	श्री लक्ष्य मोदी
11	कृष्णा कुमार तिवारी मेमोरियल शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार	एसपी 8 – जेनरल इंश्योरेंस : मूल्य निर्धारण	सुश्री दिशा अग्रवाल
12	भारतीय जीवन बीमा निगम शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार	एसए 1 – स्वास्थ्य और देखभाल	श्री धर्मिल रश्मिन मेहता
13	आरजीए रिइंश्योरेंस शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार	एसए 2 –जीवन बीमा	श्री नितिन रातुरी
14	म्यूनिख रे इंडिया शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार	एसए 3 – साधारण बीमा	सुश्री निविता रविन्द्रनाथ शेटी
15	के. ए. पंडित कंसल्टिंग ऐक्चुअरी मेमोरियल शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार	एसए 4 – पेंशन और अन्य हितलाभ	सुश्री सिमांती ठाकुर
16	जेन. रे शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार	एसए 7 –निवेश और वित्त	सुश्री महक आहूजा

5.2 उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए पुरस्कार निधि

सर्वाधिक अंकों के लिए पुरस्कार निधि विभिन्न दाताओं द्वारा भारतीय बीमांकक संस्थान को दिए गए योगदान से स्थापित की गई है। यह पुरस्कार निधि प्रत्येक वर्ष मई / नवंबर की परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए गठित की गई है। इस पुरस्कार में 5000 रुपये की पुरस्कार राशि शामिल है।

उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची			
विषय	दाता का नाम	विजेता का नाम और सदस्यता सं.— मई, 2025	विजेता का नाम और सदस्यता सं.— नवंबर, 2025
सीएस 1 — बीमांकिक सांख्यिकी	श्री एच वी कृष्णामूर्ति पुरस्कार	सुश्री विशाखा अग्रवाल	सुश्री सान्या सरीन
सीएस 2 — जोखिम मॉडलिंग और उत्तरजीविता विश्लेषण	श्री आर कृष्णास्वामी पुरस्कार	श्री ऋषभ शर्मा	श्री सूर्योदय सेठी
सीएम 1 — बीमांकिक गणित	श्रीमती विद्या वती और श्रीमती संतोष कुमार स्मारक पुरस्कार निधि	सुश्री महक पोद्दार श्री उत्सव गुप्ता श्री कुश गुप्ता	श्री योगेश फगेरिया
सीएम 2 — फाइनेंशियल इंजीनियरिंग एंड लॉस रिजर्विंग	श्री जी एस दीवान शताब्दी स्मरणोत्सव पुरस्कार	श्री हर्ष अग्रवाल	श्री सौरभ संधु
सीबी 1 — व्यापार वित्त	श्री आत्मा राम, श्री छज्जू राम और श्रीमती पार्वती देवी स्मारक छात्रवृत्ति पुरस्कार	श्री निखिल जी डोंगारे सुश्री गीथा के पी सुश्री सान्या सरीन श्री सन्नी श्री यश रूपलानी	सुश्री निर्मित पुजारी
सीबी 2 — व्यापार अर्थशास्त्र	श्री. आर. एम. जोशी पुरस्कार	सुश्री सुदीपा रे श्री त्रिक्षिथ दामोदर अल्वा श्री रिशी सतीश नागदा	सुश्री एल कुहाना
सीपी 1 — बीमांकिक संव्यवहार	द फ्यूचर बीमांकक प्राइज	सुश्री कीर्ति माथुर	श्री ऋषभ शर्मा
सीपी 2 — बीमांकक मॉडलिंग	श्री आर कृष्णास्वामी स्मारक पुरस्कार	श्री मोहित अग्रवाल	श्री अभिक साहा
सीपी 3 — संचार संव्यवहार	जे आर जोशी पुरस्कार	सुश्री महक आहूजा	सुश्री रिद्धी समित पारेख
एसपी 1 — स्वास्थ्य एवं देखभाल	जी एस दिवान 100वीं जन्मशती स्मारक शिक्षण पुरस्कार	श्री अंशुल कुमार	श्री धर्मिल रश्मिन मेहता
एसपी 2 — जीवन बीमा	स्व. श्री जनार्दन पुंडालिक नेरुरकर पुरस्कार	सुश्री रिद्धी समित पारेख	श्री मयंक बिन्द्रा

विषय	दाता का नाम	विजेता का नाम और सदस्यता सं.— मई, 2025	विजेता का नाम और सदस्यता सं.— नवंबर, 2025
एसपी 4—पेंशन एवं अन्य हितलाभ	श्री के. ए. पंडित स्मारक पुरस्कार निधि	सुश्री नील नितिन ठक्कर	श्री प्रखर काला
एसपी 5 — निवेश एवं वित्त	श्री कमल कुमार नोरंगलाल पोदार पुरस्कार	श्री राजबीर सिंह	श्री आशीष सिंघल
एसपी 6 — वित्तीय व्युत्पन्न	स्व. डी बासु पुरस्कार	श्री सोमेश्वर जैन	श्री अभय चौधरी
एसपी 8 — साधारण बीमा मूल्य निर्धारण	कृष्ण कुमार तिवारी स्मारक शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार	सुश्री दिशा अग्रवाल	श्री अनमोल बंसल
एसए 1— स्वास्थ्य एवं देखभाल	श्री जी. एस. दिवान 100वीं जन्मशती स्मारक शिक्षा	श्री धर्मिल रश्मिन मेहता	सुश्री अपेक्षा सिंघल
एसए 2 — जीवन बीमा	प्रो. जी. एस. दिवान स्मारक पुरस्कार	श्री नितिन रातुरी	श्री यश गुप्ता
एसए 3 — साधारण बीमा	साधारण बीमा के प्रतिभावान छात्र के लिए स्व. श्री के. पी. सरमा स्मारक पुरस्कार	सुश्री निविता रविन्द्रनाथ शेटी	सुश्री अनीषा केडिया सुश्री महक अग्रवाल
एसए 4 — पेंशन एवं अन्य हितलाभ	कनाडा लाइफ स्कॉलरशिप इंडोमेंट पुरस्कार	सुश्री सीमांती ठाकुर	सुश्री सालोनी राजेश देधिया
एसए 7 — निवेश एवं वित्त	प्रो. जी. एस. दिवान स्मारक छात्रवृत्ति पुरस्कार	सुश्री महक आहूजा	श्री मनन अग्रवाल

5.3 एसीईटी (बीमांकिक संयुक्त प्रवेश परीक्षा) पुरस्कार

इस श्रेणी में दो पुरस्कार दिए जाते हैं। अगस्त, 2025 और जनवरी 2026 की एसीईटी परीक्षा के लिए पुरस्कार स्वर्गीय ए.एस. गुप्ता पुरस्कार निधि से और मार्च 2025 की एसीईटी परीक्षा के लिए पुरस्कार पारिख परिवार पुरस्कार निधि से प्रायोजित हैं। इस पुरस्कार में मार्च 2025, अगस्त 2025 और जनवरी 2026 की परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को एक व्यक्तिगत ट्रॉफी और 10,000 रुपये का चेक दिया जाएगा।

एसीईटी परीक्षा के लिए स्व. ए. एस. गुप्ता पुरस्कार

1. सुश्री स्नेहा सिंघल (आईएआईईईई — अगस्त, 25 — 1370) — एसीईटी अगस्त 2025
2. सुश्री दिव्यंका यतीश बंसल (आईएआईईईई — अगस्त, 25 — 30) — एसीईटी अगस्त 2025
3. सुश्री निकिता संजय मचाले (आईएआईईईई — जनवरी, 26 — 345) — एसीईटी जनवरी 2026

एसीईटी परीक्षा के लिए पारिख परिवार पुरस्कार

1. सुश्री देवांशी टंडन (आईएआईईईई — मार्च, 25 — 740) — एसीईटी मार्च 2025

2. श्री हरबीन सिंह गिल (आईएआईईईई — मार्च, 25 — 728) — एसीईटी मार्च 2025

5.4 प्रमुख वित्तीय समूह पुरस्कार — एसोसिएटशिप के लिए :

यह पुरस्कार उन छात्रों के लिए है जो प्रवेश लेने के तीन वर्ष के अंदर ही एसोसिएटशिप प्राप्त कर लेते हैं। इस पुरस्कार के अंतर्गत विजेताओं को 25,000 रुपये मूल्य का एक स्वर्ण पदक दिया जाएगा।

वर्ष 2025 के दौरान परीक्षाओं के लिए कोई भी अभ्यर्थी इस पुरस्कार के लिए पात्र नहीं था।

5.5 फेलोशिप के लिए मीना सिधवानी पुरस्कार

यह पुरस्कार उन छात्रों के लिए है जो प्रवेश लेने के 4.5 वर्ष के अंदर ही फेलोशिप पूरा कर लेते हैं। पात्र छात्र को 25,000 रुपये मूल्य का एक स्वर्ण पदक दिया जाएगा।

वर्ष 2025 के दौरान आयोजित परीक्षाओं के लिए कोई भी अभ्यर्थी इस पुरस्कार के लिए पात्र नहीं था।

6. शैक्षणिक सहायता और प्रशिक्षण संबंधी रिपोर्ट

6.1 बीमांकिक अभिसंस्करण सत्र — भावी बीमांकिक का शुरुआत से ही मार्गदर्शन

आईएआई ने उन अभ्यर्थियों के लिए बीमांकिक अभिसंस्करण सत्र आयोजित किए जिन्होंने बीमांकिक सामान्य प्रवेश परीक्षा (एसीईटी) सफलतापूर्वक पास किया था। इन सत्रों का मकसद बीमांकिक बनने के इच्छुक लोगों को इस पेशे के बारे में पूरी जानकारी देना और उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपनी बीमांकिक यात्रा शुरू करने में मदद करना था।

एक संवादात्मक ऑनलाइन वेबिनार के तौर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बीमांकिक पेशे के मुख्य पहलुओं को शामिल किया गया, जैसे कि बीमांकिक की भूमिका, बीमांकिक करियर के फायदे, अर्हता का रास्ता, प्रवेश प्रक्रिया और बीमांकिक पेशेवर के लिए उपलब्ध करियर के मौके। एक खास 'सवाल-जवाब' सत्र में प्रतिभागियों को विशेषज्ञ से बातचीत करने और अपनी शैक्षिक और पेशेवर उम्मीदों के बारे में मार्गदर्शन पाने का मौका मिला।

इन सेशन का मकसद नए लोगों को पेशे, परीक्षा के स्ट्रक्चर, मेंबरशिप प्रोसेस और भारत व दुनिया भर में उपलब्ध करियर के अलग-अलग रास्तों की साफ समझ देना था। प्रैक्टिकल जानकारी देकर और पार्टिसिपेंट्स के सवालों का जवाब देकर, इस पहल ने कैंडिडेट्स को सही फैसले लेने और आत्मविश्वास के साथ अपनी एक्चुअरियल यात्रा शुरू करने में मदद की। ऐसे ओरिएंटेशन प्रोग्राम के जरिए, 71% समय पर मार्गदर्शन देकर, पेशे के बारे में जागरूकता बढ़ाकर और पेशे में एंट्री से लेकर एक्चुअरियल एजुकेशन शुरू करने तक के सफर को आसान बनाकर एक्चुअरी बनने के इच्छुक लोगों की मदद करता रहता है।

6.2 परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन मार्गदर्शन और सहायता

आईएआई छात्रों को बीमांकिक परीक्षाओं की तैयारी करने में मदद करने के लिए एक 'ऑनलाइन मार्गदर्शन और सहायता कार्यक्रम' आयोजित करता है। यह कार्यक्रम हर तकनीकी विषय को कवर करता है। पढ़ाने के अलावा, हम छात्रों को रणनीतिक रूप से परीक्षाओं का सामना करने में मार्गदर्शन भी करते हैं, जिसमें समय प्रबंधन, प्रश्नों को हल करना और प्रभावी दोहराव जैसी तकनीकें शामिल हैं।

हमारा मुख्य ध्यान तीन बुनियादी मॉड्यूल्स पर है:

- मुख्य सांख्यिकी (सीएस)
- मुख्य गणित (सीएम)
- मुख्य व्यापार (सीबी)

इनके लिए, हम निम्नलिखित प्रस्ताव करते हैं:

- चरण-दर-चरण पाठ।
- अभ्यास कार्य।

लाइव और संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र।

इससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्र हर विषय के पीछे के “क्यों” और “कैसे” को अच्छी तरह समझें।

उच्च-स्तरीय बीमांकिक विषयों के लिए, हम छोटे और गहन क्रैश कोर्स (परीक्षा देने से ठीक पूर्व मार्गदर्शन और सलाह) चलाते हैं। ये महत्वपूर्ण विचारों और परीक्षा हल करने की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे छात्रों के आत्मविश्वास और ज्ञान को एक ठोस बढ़ावा मिलता है। हमने दो परीक्षा अवधियां आयोजित कीं, जिसमें निम्नलिखित शामिल थे :

- संवादात्मक ऑनलाइन कक्षाएं।
- सभी रिकॉर्ड किए गए सत्रों तक पहुंच।

छात्र जब चाहें इन सत्रों को फिर से देख सकते थे, जो व्यस्त दिनचर्या वाले या अलग-अलग टाइम जोन में रहने वाले छात्रों के लिए बहुत बढ़िया है। इस अनुरूपता ने उन्हें काम या अन्य प्रतिबद्धताओं के साथ पढ़ाई को संतुलित करने और अपनी गति से सीखने में मदद की।

हमारा कार्यक्रम हर स्तर पर छात्रों की सहायता करता है : आवश्यक तकनीकी अवधारणाओं को सीखने से लेकर उन्नत विषयों के लिए परीक्षा रणनीतियों को निखारने तक। यह उन्हें उनकी बीमांकिक परीक्षाओं में सफल होने के लिए आत्मविश्वास और कौशल प्रदान करता है।

6.3 छात्रों के लिए एकैकी परामर्श

आईएआई छात्रों को सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने और उनकी आगामी बीमांकिक परीक्षाओं के लिए प्रभावी ढंग से तैयारी करने में मदद करने के लिए एक ‘एकैकी परीक्षा परामर्श’ पहल आयोजित करता है। इस पहल का उद्देश्य प्रत्येक छात्र को एक व्यक्तिगत मेंटर (सलाहकार) प्रदान करना था, ताकि वे यह समझ सकें कि उनसे कहाँ चूक हुई और वे कैसे सुधार कर सकते हैं। यह परामर्श ‘माइक्रोसॉफ्ट टीम्स’ के माध्यम से ऑनलाइन किया गया था। प्रत्येक छात्र को एक अनुभवी संकाय सदस्य के साथ एक घंटे का निजी सत्र मिला। इस सत्र के दौरान, सलाहकारों ने निम्नलिखित कार्य किए :

- छात्र के परीक्षा पत्रों और अंकों की समीक्षा की।
- उनके प्रश्नों और चिंताओं के समाधान दिए।
- बेहतर ढंग से अध्ययन करने और गलतियों को दोहराने से बचने के उपाय सुझाए।

20 विशेषज्ञ संकाय सदस्यों ने व्यक्तिगत सहायता और रणनीतियाँ प्रदान करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। इससे छात्रों को अपनी गलतियों की स्पष्ट समझ मिली। उन्हें विशेष रूप से तैयार की गई सलाह मिली, जिसने उनके आत्मविश्वास और कौशल दोनों को बढ़ाने में मदद की। इस व्यक्तिगत दृष्टिकोण ने छात्रों को भविष्य की परीक्षाओं के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया और उन्हें सफलता के मार्ग पर अग्रसर किया।

6.4 आखिरी समय में शंकाओं को दूर करने के लिए सत्र

परीक्षा के अनुभव को बेहतर बनाने और छात्रों की सफलता में मदद करने की अपनी लगातार कोशिशों के तहत, आईएआई ने बीमांकिक परीक्षाओं में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए आखिरी समय में शंकाओं को दूर करने वाले सत्र शुरू किए।

पहली बार शुरू की गई इस पहल का मकसद उम्मीदवारों को एक खास प्लैटफॉर्म देना था, ताकि वे परीक्षा की तैयारी के अहम आखिरी चरण में विषय से जुड़ी अवधारणाओं के बारे में अपनी शंकाओं को दूर कर सकें। सीधा और संवादात्मक ऑनलाइन सत्रों के तौर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने अनुभवी संकाय सदस्यों के साथ सीधे बातचीत का मौका दिया, जिससे प्रतिभागी मुश्किल विषयों पर स्पष्टता पा सके और मुख्य अवधारणाओं की अपनी समझ को मजबूत कर सकें।

छात्रों ने इन सत्रों को बहुत पसंद किया। उन्होंने अपने बचे हुए सवालों को हल करने, अपनी तैयारी को बेहतर करने और ज्यादा स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में शामिल होने के इस मौके की सराहना की। यह पहल

आईएआई की उन लगातार कोशिशों को दिखाती है जिनका मकसद सार्थक शैक्षिक सहायता देना और सीखने के ऐसे मौके बनाना है, जो परीक्षा की बेहतर तैयारी और छात्रों की सफलता में योगदान दें।

6.5 कौशल विकास और क्षमता निर्माण प्रशिक्षण

आईएआई सदस्यों और बीमा और संबंधित उद्योगों के अन्य लोगों के कौशल और क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। इनका उद्देश्य प्रतिभागियों को उद्योग के बदलावों के संबंध में अद्यतित रहने, नौकरी के लिए तैयारी में सुधार करने और अपनी पेशेवर क्षमताओं को निखारने में मदद करना था। प्रशिक्षण में बीमांकन और अन्य पेशेवरों के लिए प्रासंगिक उन्नत विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी, जैसे:

- डेटा टूल्स यथा आर, पाइथन, एसक्यूएल।
- मशीन लर्निंग।
- उद्योग के मानक यथा आईएफआरएस 17।
- वित्तीय टूल्स : जिसमें एक्सेल मेक्रोज और वीबीए शामिल हैं।
- व्यावहारिक कौशल : जिसमें संचार और प्रस्तुति शामिल हैं।

अधिकांश सत्र प्री-रिकॉर्डेड वीडियो के रूप में ऑनलाइन पेश किए गए थे। प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण विषयों की गहरी समझ प्राप्त हुई, आधुनिक टूल्स और बेहतर अभ्यास मिला, और बेहतर करियर की संभावनाओं से अवगत हुए।

यह पहल हमारे समुदाय और व्यापक उद्योग दोनों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इन कार्यक्रमों की पेशकश करके, हमने लोगों को उद्योग की नई माँगों के साथ तालमेल बिठाने में, अधिक रोजगार योग्य और पेशेवर रूप से सक्षम बनने में, और कुल मिलाकर एक अधिक मजबूत एवं कुशल कार्यबल में योगदान देने में मदद की।

7. सम्मेलन / संगोष्ठियाँ / वेबिनार

वित्तीय वर्ष 2025-26 'भारतीय बीमांकक संस्थान' के लिए व्यापकता, महत्वाकांक्षा और संस्थागत गौरव के वर्ष के रूप में सामने आया है। 'वैश्विक बीमांकक सम्मेलन' का रजत जयंती संस्करण, 8वां बीमांकक दिवस, और संगोष्ठियों, वेबिनार व वैचारिक नेतृत्व की पहलों से भरे एक व्यस्त कैलेंडर ने मिलकर आत्मविश्वास से आगे बढ़ते एक ऐसे पेशे की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत की — जो अपनी विशेषज्ञता को गहरा कर रहा है, अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है, और भारत के बदलते आर्थिक एवं विनियामक परिदृश्य के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है। तकनीकी बीमांकक विषयों से आगे बढ़कर, संस्थान ने बीमा क्षेत्र के लिए प्रस्तावित जीएसटी सुधारों और कर्मचारी लाभों पर 'श्रम संहिताओं' के प्रभावों पर समयबद्ध 'राउंडटेबल वेबिनार' भी आयोजित किए। इससे सदस्यों को इस पेशे को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण नीतिगत और विनियामक विकास-क्रमों की जानकारी मिली।

7.1 बीमांकक दिवस 2025: अतीत. वर्तमान. भविष्य. — समय के साथ बीमांकक उत्कृष्टता का उत्सव

भारतीय बीमांकक संस्थान (आईएआई) ने 21 अगस्त 2025 को भारत के पहले बीमांकक स्वर्गीय श्री एल. एस. वैद्यनाथन जी की जयंती के उपलक्ष्य में होटल फेयरफील्ड बाय मैरियट, मुंबई में हाइब्रिड प्रारूप (प्रत्यक्ष और ऑनलाइन) में 8वां बीमांकक दिवस मनाया।

"अतीत. वर्तमान. भविष्य. — समय के साथ बीमांकक उत्कृष्टता का उत्सव" थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में सदस्यों, छात्रों, वरिष्ठ बीमांकक, उद्योग के दिग्गजों, नियामकों और नीति-निर्माताओं ने एक साथ आकर पेशे की समृद्ध विरासत का जश्न मनाया, इसकी वर्तमान उपलब्धियों पर विचार किया और भविष्य के अवसरों पर चर्चा की।

समारोह की शुरुआत कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इनमें आईएआई की अध्यक्ष सुश्री प्रीति चंद्रशेखर; भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के संयुक्त सचिव डॉ. प्रशांत कुमार गोयल; आईआरडीआई के सदस्य (बीमांकक) श्री पी. के. अरोड़ा; आईएआई के पूर्व अध्यक्ष श्री जी. एन. अग्रवाल; वरिष्ठ बीमांकक श्री ए. के. गर्ग और श्री सांबशिव राव; तथा कार्यक्रम के भागीदार 'स्टार यूनिनन दार्जिलिंग लाइफ इंश्योरेंस' के सीईओ और प्रबंध निदेशक श्री अभय तिवारी शामिल थे।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में, सुश्री प्रीति चंद्रशेखर ने कार्यक्रम की थीम के नजरिए से पेशे की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने 'अतीत' को उन अग्रणी बीमांकक द्वारा बनाई गई नींव के रूप में वर्णित किया, जिनकी अडिग नैतिकता और तकनीकी उत्कृष्टता ने जनता का विश्वास स्थापित किया; 'वर्तमान' को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु जोखिमों, जनसांख्यिकीय बदलावों और समाज की बदलती अपेक्षाओं द्वारा आकार लेने वाले परिवर्तन के युग के रूप में; और 'भविष्य' को एक ऐसे समय के रूप में बताया जो साहस, निरंतर सीखने और नवाचार की मांग करता है। इस बात पर जोर देते हुए कि बीमांकिक उत्कृष्टता तकनीकी सटीकता से कहीं आगे जाती है, उन्होंने सदस्यों — विशेष रूप से छात्रों और युवा पेशेवरों — को व्यावसायिकता और नैतिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए जिज्ञासु, बदलाव के लिए तैयार (अनुकूलनशील) और उद्देश्य-प्रेरित बने रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसके बाद 'स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक श्री अभय तिवारी ने दर्शकों को संबोधित किया और पेशे के भविष्य पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने बीमांकक से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और उन्नत डेटा विश्लेषण (एनालिटिक्स) को प्रतिस्पर्धियों के बजाय सहायक के रूप में अपनाने का आग्रह किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि बीमांकक हमेशा से ही मूल 'डेटा साइंटिस्ट' रहे हैं। उन्होंने सदस्यों को बीमा और पेंशन जैसे पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर जलवायु जोखिम, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे, रक्षा और अंतरिक्ष एनालिटिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों में विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित किया। मौलिक शोध, उद्यमशील सोच और नेतृत्व की आवश्यकता पर बल देते हुए, उन्होंने बीमांकक से पेशे की पहचान यानी सत्यनिष्ठा को बनाए रखते हुए समाज के लिए अधिक मूल्य पैदा करने का आह्वान किया।

अंतरराष्ट्रीय बीमांकिक संघ (आईएए) की अध्यक्ष सुश्री बोजेना हिंटन ने एक विशेष प्री-रिकॉर्डेड संदेश के माध्यम से भारतीय बीमांकिक समुदाय को शुभकामनाएं दीं। स्वर्गीय श्री एल. एस. वैद्यनाथन जी की विरासत का जश्न मनाने के लिए संस्थान को बधाई देते हुए, उन्होंने भारतीय बीमांकक के बढ़ते वैश्विक योगदान की सराहना की और कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं जलवायु संधारणीयता के क्षेत्र में आईएए की हालिया पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय बीमांकक को वैश्विक चुनौतियों के लिए अभिनव समाधानों का योगदान जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया और पेशे को आगे बढ़ाने में अंतराष्ट्रीय सहयोग के महत्व की पुष्टि की।

मुख्य अतिथि, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के संयुक्त सचिव, डॉ. प्रशांत कुमार गोयल ने भारत के वित्तीय पारि-प्रणाली में बीमांकक की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करते हुए एक ज्ञानवर्धक मुख्य भाषण दिया। उन्होंने कहा कि बीमांकक किफायती और संधारणीय बीमा एवं पेंशन उत्पादों के निर्माण के लिए अभिन्न अंग हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जैसे-जैसे भारत "2047 तक सभी के लिए बीमा" के दृष्टिकोण की ओर आगे बढ़ रहा है, यह पेशा उल्लेखनीय वृद्धि के लिए तैयार है।

डॉ. गोयल ने बीमा अधिनियम में प्रस्तावित सुधारों, बीमा क्षेत्र में बढ़े हुए विदेशी निवेश, पेंशन कवरेज के विस्तार और सामाजिक सुरक्षा समाधानों की बढ़ती मांग से उत्पन्न होने वाले बीमांकक के लिए कई उभरते अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बैंकिंग, बुनियादी ढांचा वित्तपोषण (इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग), सार्वजनिक नीति, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और वित्तीय जोखिम प्रबंधन में इस पेशे के संभावित योगदान पर भी जोर दिया। छात्रों को पारंपरिक करियर विकल्पों से आगे देखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस पेशे में जैविक और अजैविक दोनों प्रकार की वृद्धि देखी जाएगी। उन्होंने यह भी साझा किया कि ऐसे सुधारों पर चर्चा चल रही है जो भावी बीमांकक के लिए अतिरिक्त पेशेवर मार्ग और अवसर पैदा कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान, सुश्री प्रीति चंद्रशेखर ने वरिष्ठ बीमांकक श्री सांबशिव राव द्वारा बीमांकिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने तथा छात्रों एवं सदस्यों के लिए व्यापक अवसर पैदा करने हेतु ₹ 1 करोड़ के उदार योगदान की भी घोषणा की। यह संस्थान के अनुसंधान पारि-प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

समारोह के मुख्य आकर्षणों में से एक "अतीत. वर्तमान. भविष्य. दृ समय के साथ बीमांकिक उत्कृष्टता का उत्सव" नामक एक रोचक पैनल चर्चा थी। आईएआई की छात्र सदस्य सुश्री रिद्धि बर्फीवाला और आईएआई के छात्र सदस्य श्री विनीत देधिया द्वारा संचालित इस चर्चा में आईएआई के पूर्व अध्यक्ष श्री जी. एन. अग्रवाल और आईएआई की अध्यक्ष सुश्री प्रीति चंद्रशेखर शामिल हुए।

पीढ़ियों के बीच एक संवाद के रूप में तैयार किए गए इस सत्र में कई दशकों तक फैले व्यक्तिगत अनुभवों के माध्यम से बीमांकिक पेशे के विकास का अन्वेषण किया गया। पैनलिस्टों ने शुरुआती वर्षों में बीमांकिक परीक्षाओं को पास करने की चुनौतियों, बीमांकिक अभ्यास के तकनीकी परिवर्तन, और विभिन्न उद्योगों में पेशे की बढ़ती मान्यता पर अपने विचार रखे। उन्होंने युवा सदस्यों को अपने कौशल को लगातार उन्नत करने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकी प्रगति को अपनाने, तेजी से हो रहे बदलाव के इस युग में अनुकूलनशील बने रहने और केवल तकनीकी मॉडल लागू करने के बजाय व्यावसायिक समस्याओं को हल करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

यह चर्चा अत्यधिक संवादात्मक थी, जिसमें छात्रों और युवा पेशेवरों ने बीमा से परे करियर के अवसरों से लेकर बीमांकिक कार्य पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य के प्रभाव तक के विषयों पर पैनलिस्टों के साथ सीधे बातचीत की। सत्र ने इस बात को सुदृढ़ किया कि यद्यपि तकनीक इस पेशे को बदलना जारी रखेगी, फिर भी उचित निर्णय-क्षमता, नैतिक आचरण और विश्लेषणात्मक परिशुद्धता जैसे बीमांकिक सिद्धांत हमेशा प्रासंगिक रहेंगे।

इस कार्यक्रम में एक संवादात्मक 'बीमांकिक डे क्विज़' (प्रश्नोत्तरी) का भी आयोजन किया गया, जिसने सदस्यों और छात्रों के बीच उत्साहपूर्ण भागीदारी को बढ़ावा दिया और उनके जुड़ाव को मजबूत किया।

समारोह का समापन वरिष्ठ बीमांकिक – श्री ए. के. गर्ग, श्री जी. एन. अग्रवाल और श्री सांबाशिव राव के सम्मान के साथ हुआ, जिसमें भारत में बीमांकिक पेशे के विकास में उनके आजीवन समर्पण और अमूल्य योगदान को मान्यता दी गई। इसके पश्चात आईएआई की मानद सचिव सुश्री आशा मुरली ने समापन भाषण दिया। इस अवसर पर एक औपचारिक केक काटा गया, जिसके बाद 'हाई टी' (चाय-पान) के दौरान नेटवर्किंग हुई, जिसने विभिन्न पीढ़ियों के सदस्यों को फिर से जुड़ने, विचारों का आदान-प्रदान करने और पेशे की स्थायी भावना का जश्न मनाने का अवसर प्रदान किया।

बीमांकिक दिवस 2025 के प्रमुख क्षण



चित्र 1 – दीप प्रज्वलन समारोह (बाएं से दाएं): श्री जी. एन. अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्चुअरीज ऑफ इंडिया (आईएआई); श्री सांबाशिव राव, वरिष्ठ बीमांकिक; श्री पी. के. अरोड़ा, सदस्य (बीमांकिक), आईआरडीआई; सुश्री प्रीति चंद्रशेखर, अध्यक्ष, भारतीय बीमांकिक संस्थान; डॉ. प्रशांत कुमार गोयल, संयुक्त सचिव, वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार; श्री ए. के. गर्ग, वरिष्ठ बीमांकिक; और श्री अभय तिवारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक, स्टार यूनियन दार्ज-इची लाइफ इंश्योरेंस।



चित्र 2 – मुख्य अतिथि – डॉ. प्रशांत कुमार गोयल, संयुक्त सचिव, वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार का सुश्री प्रीति चंद्रशेखर, अध्यक्ष, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्चुअरीज ऑफ इंडिया द्वारा अभिनंदन।



चित्र 3 – “अतीत. वर्तमान. भविष्य. – समय के साथ बीमांकिक क्षेत्र में बेहतरीन काम का जश्न” विषय पर पैनल चर्चा (बाएं से दाएं): श्री विनीत डेडिया, छात्र सदस्य, आईएआई; श्री जी. एन. अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, आईएआई सुश्री प्रीति चंद्रशेखर, अध्यक्ष, आईएआई और सुश्री रिद्धि बर्फीवाला, छात्र सदस्य, आईएआई



चित्र 4 : श्री सांबाशिव राव, बीमांकिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने और छात्रों व सदस्यों के लिए बेहतर अवसर पैदा करने के मकसद से ₹1 करोड़ का चेक भेंट करते हुए; इसे भारतीय बीमांकिक संस्थान (आईएआई) की अध्यक्षा सुश्री प्रीति चंद्रशेखर ने स्वीकार किया।



चित्र 5 – वरिष्ठ बीमांकिक श्री ए के गर्ग का अभिनंदन



चित्र 6 – वरिष्ठ बीमांकिक और पूर्व अध्यक्ष, आईएआई श्री जी एन अग्रवाल का अभिनंदन



चित्र 7 – वरिष्ठ बीमांकिक – श्री सांबासिवा राव का अभिनंदन



चित्र 7 – सुश्री आशा मुरली, मानद सचिव, आईएआई द्वारा साधुवाद प्रस्ताव

7.2 25वां ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ एक्जुअरी (जीसीए) : ज्ञान और सहयोग की रजत जयंती प्रतीक



विकसित भारत का एक बीमांकिक मार्ग
समावेशी सामाजिक और आर्थिक संवृद्धि के लिए जोखिम का प्रबंधन



25वां 'ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ एक्जुअरीज' (जीसीए) और 'बीमांकिक गाला फंक्शन एंड अवार्ड्स' (एजीएफए) 2026 का आयोजन 22 से 24 फरवरी 2026 तक जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, मुंबई में किया गया, जो 'भारतीय बीमांकिक संस्था2न' के प्रमुख वार्षिक सम्मेलन का रजत जयंती संस्करण था। इस सम्मेलन ने बीमांकिक, नियामकों, उद्योग के दिग्गजों, नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों और छात्रों के बीच पेशेवर संवाद, ज्ञान साझा करने, वैचारिक नेतृत्व और वैश्विक सहयोग के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में जीसीए की विरासत को आगे बढ़ाया।

यह सम्मेलन 'विकसित भारत के लिए बीमांकिक मार्ग : समावेशी सामाजिक एवं आर्थिक विकास हेतु जोखिमों का प्रबंधन' विषय-वस्तु (थीम) के तहत आयोजित किया गया था। यह सुदृढ़ जोखिम प्रबंधन, वित्तीय सुदृढ़ता और समावेशी निर्णय-प्रक्रिया के माध्यम से भारत की दीर्घकालिक विकास प्राथमिकताओं को समर्थन देने में इस पेशे की बढ़ती भूमिका को परिलक्षित करता है। इस विषय-वस्तु ने बीमा, पुनर्बीमा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, जलवायु जोखिम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विनियामक परिवर्तनों और तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था में बीमांकिक के विकसित होते योगदान पर चर्चा के लिए एक मजबूत आधार प्रदान किया।

दिवस-वार सारांश



25वें 'ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ एक्जुअरीज' के पहले दिन की शुरुआत उद्घाटन सत्र और पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन समारोह के साथ हुई। इस सत्र में 25वें जीसीए और एजीएफए आयोजन समूह के अध्यक्ष श्री शभेंद्र कुमार बल, तथा 'भारतीय

बीमांकक संस्थान' की अध्यक्ष सुश्री प्रीति चंद्रशेखर द्वारा स्वागत और उद्घाटन भाषण दिए गए। आईएआई की कार्यकारी निदेशक सुश्री रुचिता वर्मा ने परिचयात्मक भाषण दिया, जिसने सम्मेलन के इस रजत जयंती संस्करण की पृष्ठभूमि तैयार की।

उद्घाटन का मुख्य भाषण इंटरनेशनल बीमांकिक एसोसिएशन की निवर्तमान अध्यक्ष सुश्री बोजेना हिंटन द्वारा दिया गया। इस सत्र के बाद प्लेटिनम पार्टनर्स के प्रतिनिधियों द्वारा अपने नेतृत्व के दृष्टिकोण साझा किए गए, जिनमें श्द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सुश्री गिरिजा सुब्रमण्यम शैलाघेर रेश के लाइफ एंड हेल्थ रीइश्योरेंस इंडिया के अध्यक्ष श्री संजीव कुमार शैलआईसी ऑफ इंडिया के नियुक्त बीमांकिक और कार्यकारी निदेशक (बीमांकिक) श्री अजय श्रीवास्तव और 'जीआईसी रे' के कार्यकारी निदेशक तथा प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे श्री हितेश जोशी शामिल थे।

दिन का एक प्रमुख आकर्षण नारायण हेल्थ के अध्यक्ष और संस्थापक, पद्म भूषण डॉ. देवी प्रसाद शेटी का मुख्य अतिथि के रूप में दिया गया भाषण था। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा, जोखिम प्रबंधन और वित्तीय सुरक्षा पर विभिन्न क्षेत्रों (क्रॉस-सेक्टरल) से जुड़ा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। दिन भर की चर्चाओं में 'भारत के हृदय-स्थल (ग्रामीण भारत) का बीमारू ग्रामीण जीवन और आजीविका को सशक्त बनाना, एक अस्थिर भविष्य के लिए रणनीतिक पूंजी और जोखिम प्रबंधन उपकरण के रूप में पुनर्बीमा', 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर जोखिम और समावेशी विकास के युग में बीमांकिक इंटेलिजेंस', तथा 'बीमा और वित्तीय प्रणालियों में बदलाव' जैसे विषय शामिल थे।



एजीएफए की पहली शाम को बीमांकिक समुदाय के भीतर व्यावसायिक और शैक्षणिक उपलब्धियों का जश्न मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन समारोह और एक संगीतमय प्रस्तुति के साथ हुई, जिसके बाद आईएआई की अध्यक्ष सुश्री प्रीति चंद्रशेखर ने स्वागत भाषण दिया और एजीएफए भागीदार ने अपने विचार प्रस्तुत किए। समारोह में 11 'लिगेसी पार्टनर्स' का अभिनंदन, 45 सहयोगी (एसोसिएट) सदस्यों को प्रमाण पत्र प्रदान करना, 'अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार' का वितरण, आईएआई के सलाहकार और कार्य समूह के सदस्यों का सम्मान, तथा पूर्व अध्यक्षों को 'बैज ऑफ ऑनर' (सम्मान बैज) प्रदान करना शामिल था।

दिवस 2 – 23 फरवरी 2026: डिजिटल ट्रस्ट, विकसित भारत और पेशवर उपलब्धियाँ



दूसरे दिन की शुरुआत पिछले दिन की कार्यवाहियों के संक्षिप्त विवरण (रीकैप) के साथ हुई, जिसके बाद भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव, श्री एम. नागराजू (आईएएस) ने वर्चुअल माध्यम से अपना उद्घाटन भाषण दिया। इस दिन मुख्य रूप से डिजिटल परिवर्तन, बहु-विषयक सहयोग (क्रॉस-डिसिप्लिनरी कोलैबोरेशन), विनियामक परिवर्तन तथा बीमा एवं वित्तीय सेवा क्षेत्रों की भविष्य की दिशा पर ध्यान केंद्रित किया गया।

पहले पूर्ण (प्लेनरी) सत्र, 'डिजिटल ट्रस्ट 360: बीमा में एआई इंटेलिजेंस को एकीकृत करना' में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल नवाचार और डेटा-आधारित दृष्टिकोणों के उस बढ़ते प्रभाव का अन्वेषण किया गया, जो बीमा परिदृश्य को नया रूप दे रहा है। इसके बाद '2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सहयोगात्मक और बहुआयामी दृष्टिकोण' विषय पर एक राउंड टेबल चर्चा (गोलमेज परिचर्चा) हुई, जिसमें भारत के दीर्घकालिक विकास दृष्टिकोण को समर्थन देने हेतु अंतर-पेशेवर सहयोग के महत्व पर चर्चा करने के लिए 'भारतीय बीमांकक संस्थान' (आईआई), 'भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान' (आईसीएआई) और 'भारतीय कंपनी सचिव संस्थान' (आईसीएसआई) के दिग्गज एक साथ आए।

दिन के कार्यक्रमों में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) के अध्यक्ष श्री के. राजारमन का मुख्य भाषण "गिफ्ट-आईएफएससी : विकसित भारत / 2047 के लिए एक वैश्विक मंच" भी शामिल था। इस सत्र में वैश्विक वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की स्थिति को मजबूत करने में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। इसके बाद की पैनल चर्चाओं में 'टर्म एश्योरेंस : विकसित भारत की ओर भारत की यात्रा को शक्ति प्रदान करना,' 'आईएफआरएस 17, आरबीसी और उनके अपनाने की चुनौतियाँ,' 'जोखिम का बदलता स्वरूप : बढ़ती उम्र, मोटापा, और भारतीय बीमा की अगली सीमा,' और 'रणनीतिक नेतृत्व : 2047 तक सभी के लिए बीमा की दिशा में चपलता के साथ आगे बढ़ना' जैसे विषयों को संबोधित किया गया।



एजीएफए (बीमांकिक गाला फंक्शन एंड अवार्ड्स) की दूसरी शाम को बीमांकिक समुदाय के भीतर प्रमुख पेशेवर उपलब्धियों को मान्यता दी गई। मार्च 2025 और जनवरी 2026 के बीच 'भारतीय बीमांकक संस्थान' में शामिल हुए 122 फेलो (पूर्ण सदस्यों) को उनकी बीमांकिक योग्यता प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी होने पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में 'मैथ स्टार्स' द्वारा एक प्रस्तुति, 25वें जीसीए (ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ बीमांकक) आयोजन समूह का सम्मान, आईएआई के कर्मचारियों को मान्यता, श्री अतुल खत्री द्वारा एक स्टैंड-अप कॉमेडी प्रस्तुति, आईएआई की मानद सचिव सुश्री आशा मुरली द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और नव-प्रवेशित फेलो के साथ एक सामूहिक तस्वीर (ग्रुप फोटोग्राफ) का कार्यक्रम भी शामिल था।

दिवस 3 – 24 फरवरी 2026 : वैश्विक सहयोग, सामाजिक सुरक्षा, जलवायु प्रतिरोधक क्षमता और समापन सत्र



25वें जीसीए का अंतिम दिन भविष्योन्मुखी विषयों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर केंद्रित था। दिन की शुरुआत आईआरडीआई के अध्यक्ष श्री अजय सेठ के वर्चुअल उद्घाटन भाषण के साथ हुई, जिसके बाद "नया जनादेश : निवेश, नवाचार और जोखिम लचीलेपन (रेजिलिएंस) को बढ़ावा देना" और "2047 तक सार्वभौमिक कवरेज" पर पैनल चर्चाएं हुईं। इन चर्चाओं ने नीति, सुरक्षा, अनुकूलन (लचीलेपन) और समावेशी विकास के साथ पेशे के निरंतर जुड़ाव को परिलक्षित किया।

अंतिम दिन का एक प्रमुख आकर्षण 'एक परिवर्तनकारी भविष्य के लिए रूपरेखा (ब्लूप्रिंट्स)' नामक 'प्रेसिडेंशियल राउंड टेबल' (अध्यक्षीय गोलमेज सम्मेलन) था, जिसने वैश्विक बीमांकिक निकायों के अध्यक्षों और दिग्गजों को एक मंच पर ला दिया। इस चर्चा में पेशेवर सहयोग को मजबूत करने, बीमांकिक शिक्षा को आगे बढ़ाने और उभरते वैश्विक जोखिमों पर प्रतिक्रिया देने के अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोणों पर प्रकाश डाला गया।

दोपहर के सत्रों में '2047 का विजन : सहयोगात्मक नवाचार के माध्यम से संधारणीय सामाजिक सुरक्षा पारिस्थितिक तंत्र का निर्माण' और 'जलवायु अनुकूलन सीमा : भारत के चरम मौसम वाले भविष्य के लिए प्रतिरोधक क्षमता (रेजिलिएंस) डिजाइन करना' पर चर्चा जारी रही। इन सत्रों ने जनसांख्यिकीय, आर्थिक और पर्यावरणीय बदलावों की स्थिति में सामाजिक सुरक्षा, संधारणीयता और लचीलेपन के लिए दीर्घकालिक समाधानों को आकार देने में बीमांकिक विशेषज्ञता के महत्व को सुदृढ़ किया।

सम्मेलन में 25वें जीसीए से जुड़े संगठनों के समर्थन और योगदान को स्वीकार करने के लिए एक 'पार्टनर रिकग्निशन' (भागीदार मान्यता) खंड भी शामिल था। अंतिम आकर्षण मैनी अंचन द्वारा 'जीवन के सर्वश्रेष्ठ संस्करण को जीना और नेतृत्व करना' नामक विशिष्ट (सिग्नेचर) सत्र था, जिसमें नेतृत्व, व्यक्तिगत विकास और पेशेवर अभ्यास को संबोधित किया गया। सम्मेलन का औपचारिक समापन 'भारतीय बीमांकिक संस्थान' की मानद सचिव और परिषद की सदस्य सुश्री आशा मुरली के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

25वें ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ एक्चुअरिज ने बीमा, स्वास्थ्य, पुनर्बीमा, सामाजिक सुरक्षा, जलवायु जोखिम, प्रौद्योगिकी और वित्तीय प्रणालियों में समकालीन और भविष्य की चुनौतियों का समाधान करने में बीमांकिक विज्ञान की बढ़ती प्रासंगिकता को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया। भागीदारी के पैमाने, चर्चाओं की गुणवत्ता, वक्ताओं की विविधता और भागीदारों के मजबूत समर्थन ने भारत में बीमांकिक समुदाय के लिए सबसे महत्वपूर्ण पेशेवर मंचों में से एक के रूप में इस सम्मेलन की प्रतिष्ठा को परिलक्षित किया।

छात्र-केंद्रित भागीदारी पहलों, उद्योग-अकादमिक साझेदारी, बहु-पेशेवर (क्रॉस-प्रोफेशनल) सहयोग, विविध सामग्री और प्रतिनिधियों की उन्नत सहभागिता के तत्वों को शामिल करने से सम्मेलन के अनुभव को और अधिक मजबूती मिली। इन पहलों ने आयोजन की पहुँच को व्यापक बनाने, भविष्य की प्रतिभाओं के विकास का समर्थन करने और पेशेवर उन्नति तथा सहयोगात्मक संवाद के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में आईएआई की भूमिका को मजबूत करने में मदद की। एजीएफए 2026 ने सहयोगी सदस्यों (एसोसिएट्स), फेलो, शैक्षणिक उपलब्धि हासिल करने वालों, लिगेसी पार्टनर्स, पूर्व अध्यक्षों, सलाहकार और कार्य समूह के सदस्यों, आयोजन समूह और आईएआई के कर्मचारियों को सम्मानित करके सम्मेलन में एक उत्सवी आयाम जोड़ दिया। इन सम्मानों के माध्यम से, एजीएफए ने बीमांकिक समुदाय के भीतर योगदान, उपलब्धि और सामूहिक गौरव की भावना को सुदृढ़ किया।

जीसीए के रजत जयंती संस्करण के रूप में, 25वां सम्मेलन संस्थान की यात्रा का एक स्मरण और भविष्य के लिए इरादे का एक बयान, दोनों था। यह जोखिम प्रबंधन को मजबूत करके, समावेशी विकास को बढ़ावा देकर और विभिन्न क्षेत्रों में तथ्यपरक निर्णय लेने में सक्षम बनाकर श्विकसित भारत की आकांक्षा में योगदान करने के लिए बीमांकिक पेशे की तत्परता को परिलक्षित करता है।

7.3 संगोष्ठियाँ (सेमिनार) एवं वेबिनार

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, आईएआई ने विविध प्रकार की संगोष्ठियों, वेबिनार और गोलमेज (राउंडटेबल) परिचर्चाओं के माध्यम से पेशेवर ज्ञान को उन्नत करने तथा निरंतर सीखने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखा। इन कार्यक्रमों ने सदस्यों, छात्रों और उद्योग के हितधारकों के लिए बीमांकिक, वित्तीय और जोखिम प्रबंधन परिदृश्य में समसामयिक मुद्दों, उभरते जोखिमों और निरंतर हो रहे विकास-क्रमों से जुड़ने हेतु बहुमूल्य मंच के रूप में कार्य किया।

वर्ष के दौरान कुल 9 संगोष्ठियों और 13 वेबिनार का आयोजन किया गया, जिन्होंने 109.5 शतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) घंटे प्रदान किए और विविध अभ्यास क्षेत्रों से 1,587 प्रतिभागियों को आकर्षित किया। इन कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा प्रस्तुतीकरण संस्थान के सलाहकार समूहों, कार्य समूहों, वक्ताओं और स्वयंसेवकों के सामूहिक प्रयासों के माध्यम से किया गया, जिससे सदस्यों के लिए उपलब्ध पेशेवर अधिगम (सीखने के) अवसरों की निरंतर प्रासंगिकता और गुणवत्ता सुनिश्चित हुई।

सांख्यिकीय सारांश (वित्तीय वर्ष 2025–26)

परामर्शी समूह	वेबिनारों की संख्या	सेमिनारों की संख्या	कुल सीपीडी घंटे	कुल प्रतिनिधि
एआई एवं डेटा विज्ञान	1	—	2	49
बैंककारी, वित्त एवं निवेश	1	—	2	56
जलवायु जोखिम एवं संधारणीय वित्त	3	—	5.5	138
उद्यम जोखिम प्रबंधन	1	—	2	53
साधारण बीमा	1	1	14	176
स्वास्थ्य बीमा	2	2	16	205
आईएफआरएस 17 (इंड एस 117)	1	1	8	271
जीवन बीमा	1	1	14	239
पेंशन, अन्य कर्मचारी हितलाभ और सामाजिक सुरक्षा	2	2	22	206
वृत्ति दक्षता, आचार नीति एवं आचरण	—	2	24	194
कुल	13	9	109.5	1,587

इस वर्ष के अधिगम एजेंडे (सीखने की कार्यसूची) ने बीमांकिक अभ्यास के विस्तृत होते दायरे तथा संगठनों व समाज द्वारा सामना किए जाने वाले जोखिमों की बढ़ती जटिलता को परिलक्षित किया। परिचर्चाओं में जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, पेंशन, कर्मचारी लाभ और साधारण बीमा जैसे पारंपरिक बीमांकिक क्षेत्रों को शामिल किया गया, जबकि जलवायु जोखिम, संधारणीयता (स्थिरता), कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा एनालिटिक्स (आंकड़ा विश्लेषण), वित्तीय रिपोर्टिंग, डिजिटल परिवर्तन और उद्यम जोखिम प्रबंधन सहित उभरते क्षेत्रों का भी अन्वेषण किया गया। इन सत्रों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार निरंतर विकसित होती व्यावसायिक, विनियामक और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए बीमांकिक कौशल का उत्तरोत्तर उपयोग किया जा रहा है।

वर्ष के दौरान प्रमुख आकर्षणों में से एक जलवायु जोखिम और संधारणीय वित्त पर निरंतर ध्यान केंद्रित करना था, जिसमें समर्पित वेबिनार के माध्यम से जलवायु डेटासेट के व्यावहारिक अनुप्रयोग, जलवायु मॉडलिंग तकनीकों तथा बीमा और जोखिम प्रबंधन पर बदलते मौसम पैटर्न (प्रतिरूप) के प्रभावों का परीक्षण किया गया। प्रतिभागियों को बीमांकिक निर्णय-प्रक्रिया और जोखिम मूल्यांकन ढांचे में 'क्लाइमेट इंटेलिजेंस' (जलवायु बुद्धिमत्ता) को एकीकृत करने की उभरती कार्यप्रणालियों से अवगत होने का अवसर मिला।

संस्थान ने विशेष गोलमेज वेबिनार के माध्यम से विनियामक और नीतिगत विकास-क्रमों पर महत्वपूर्ण परिचर्चाओं को भी सुगम बनाया। बीमा क्षेत्र के लिए प्रस्तावित जीएसटी सुधारों तथा श्रम संहिताओं (लेबर कोड) के कार्यान्वयन और कर्मचारी लाभों पर उनके निहितार्थों से संबंधित सत्रों ने प्रतिभागियों को बीमाकर्ताओं, नियोक्ताओं, कर्मचारियों और पॉलिसीधारकों पर विकसित होते नियमों के संभावित प्रभाव को समझने में सक्षम बनाया। इन मंचों ने बीमांकिक, वित्त पेशेवरों, कानूनी विशेषज्ञों और व्यापारिक दिग्गजों के मध्य बहु-कार्यात्मक (क्रॉस-फंक्शनल) संवाद को प्रोत्साहित किया।

सुलभता और सदस्यों की सहभागिता को अधिकतम करने हेतु, संस्थान ने प्रत्यक्ष (इन-पर्सन) आयोजनों के साथ-साथ वर्चुअल (आभासी) लर्निंग प्लेटफॉर्म का लाभ उठाना जारी रखा। वेबिनार ने भारत और विदेशों के प्रतिभागियों को भौगोलिक स्थिति की परवाह किए बिना तकनीकी चर्चाओं में शामिल होने में सक्षम बनाया, जबकि प्रत्यक्ष (फिजिकल) संगोष्ठियों ने प्रतिभागियों के बीच गहन बातचीत, नेटवर्किंग और सहयोगात्मक अधिगम (लर्निंग) को सुगम बनाया। इस मिश्रित दृष्टिकोण ने ज्ञान के प्रसार को सुदृढ़ किया तथा आजीवन सीखने और पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को समर्थन प्रदान किया।

संगोष्ठी और वेबिनार कार्यक्रम की निरंतर सफलता ज्ञानार्जन, नवाचार और सहयोग के प्रति पेशे की प्रतिबद्धता को परिलक्षित करती है। इन पहलों के माध्यम से, संस्थान ने एक अत्यंत गतिशील परिवेश में आगे बढ़ने के लिए सदस्यों का सहयोग करना जारी रखा, और साथ ही व्यापार, सार्वजनिक नीति व समाज में सार्थक योगदान देने की बीमांकिक पेशे की क्षमता को सुदृढ़ किया।

वक्ताओं का आभार

बीमांकिक पेशा विभिन्न अधिकार-क्षेत्रों, विषयों और उद्योगों के बीच विचारों के आदान-प्रदान तथा सहयोग के आधार पर फलता-फूलता है। संस्थान वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान अपनी संगोष्ठियों और वेबिनार को समर्थन देने वाले सभी वक्ताओं, पैनलिस्टों और समन्वयकों (मॉडरेटर्स) के योगदान को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार करता है। उनकी विशेषज्ञता, अंतर्दृष्टि और ज्ञान साझा करने की तत्परता ने प्रतिभागियों के सीखने के अनुभव को महत्वपूर्ण रूप से समृद्ध किया और संस्थान की पेशेवर विकास पहलों की सफलता में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

संस्थान उन सदस्यों, अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों, नियामकों, शिक्षाविदों और उद्योग के अभ्यासकर्ताओं के प्रति अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करता है, जिन्होंने बीमांकिक शिक्षा और पेशेवर अभ्यास को सुदृढ़ करने की दिशा में उदारतापूर्वक अपना समय और ज्ञान प्रदान किया।

उनके प्रयासों को मान्यता देते हुए, हम निम्नलिखित के प्रति अपनी गहन कृतज्ञता व्यक्त करते हैं :

कार्य क्षेत्र	गैर सदस्यों और /या भारत के बाहर के वक्ता
एआई एवं डेटा विज्ञान	श्री शैलेश धुरी, सीईओ, डेसिमल पॉइंट एनालिटिक्स
बैंकिंग, वित्त एवं निवेश	श्री इयान एलन, बीमांकक और स्वतंत्र परामर्शदाता; श्री स्टीवन क्लैक्सटन, बीमांकक और हेड ऑफ ट्रेजरी एंड रिस्क वर्टिकल एपीएसी, एफआईएस; श्री मृगांक अग्रवाल, सीनियर एसोसिएट, पीडब्ल्यूसी यूके; श्री श्री विग्नेश मेहता, गुप हेड – जोखिम प्रबंधन, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड
जलवायु जोखिम एवं संधारणीय वित्त	डॉ. अनिल कुमार सिंह, रिमोट सेंसिंग और क्लाइमेट डेटा साइंटिस्ट; श्री निशांत वीरपनेनी, वरिष्ठ प्रबंधक, एएक्सए एक्सएल.
उद्यम जोखिम प्रबंधन	श्री चिराग टमक, हेड – ब्लूमबर्ग बाय साइड सॉल्यूशंस।
साधारण बीमा	श्री रामबाबू गोरली, उप महाप्रबंधक, आईएफआरएस टीम, आईआरडीआई; श्री अशोक शेटी, हेड एडवांस्ड डेटा साइंस, स्विस् री; श्री शैलेंद्र सपरा, सीईओ, री-इंश्योरेंस सॉल्यूशंस, एओएन इंडिया; सुश्री सुरभि निगम और श्री निशांत निगम, सह संस्थापक, डिग्निफाई वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड; सुश्री मिताली चटर्जी, वाइस प्रेसिडेंट, स्विस् री इंस्टीट्यूट; श्री अंकुर गुप्ता, हेड ऑफ क्लाइमेट मैनेजमेंट, म्यूनिख री इंडिया; श्री सुदीप पांडे, सीनियर अंडरराइटर, म्यूनिख री इंडिया।
स्वास्थ्य बीमा	सुश्री क्रिस्टीन फेयरॉल, सीनियर कंसल्टेंट, मिलिमन यूके सुश्री जेसी सॉन्ग, ग्लोबल मेडिकल प्राइसिंग एक्ज्यूटिव, स्विस् री; श्री प्रशांत राय, सीनियर सॉल्यूशन मैनेजर – प्री-सेल्स, एसएएस; श्री पराग अग्रवाल, हेड फाइनेंशियल प्लानिंग एंड एनालिसिस, मणिपाल हॉस्पिटल्स; श्री देवांग मोदी, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, बजाज फिनसर्व हेल्थ; श्री अनीश पात्रा, नेशनल मैनेजर – रिस्क एंड प्राइसिंग, बजाज फिनसर्व हेल्थ; सुश्री मार्गोट ब्रूज, हेल्थ रिस्क स्ट्रैटेजिस्ट, मोमेंटम ग्रुप लिमिटेड; श्री रचिन अग्रवाल, प्रिंसिपल और सीनियर कंसल्टेंट, मिलिमन
आईएफआरएस 17	श्री आदेश्वर भंडारी, वीपी फाइनेंस, आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड; श्री हसमुख रावल, पार्टनर, डेलॉइट इंडिया; श्री भाविक मेहता, फाइनेंशियल कंट्रोलर, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड; श्री कमलेश अग्रवाल, फाइनेंशियल कंट्रोलर, एजियस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड;

	श्री प्रतीक हरिया, फाइनेंस बिजनेस पार्टनर, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड।
जीवन बीमा	श्री जी चोंग कोह, प्रधान, एल एंड एच ग्लोबल पोर्टफोलियो स्टीयरिंग, स्विस् री; श्री इवान ली, प्रधान एल एंड एच प्राइसिंग एसईए और इंडिया, स्विस् री; श्री परमेश्वर शेल्के, उप महाप्रबंधक, आईआरडीएआई डॉ. लक्ष्मी बंसल, हेड ऑफ
कार्य क्षेत्र	गैर सदस्यों और / या भारत के बाहर के वक्ता
	अंडरराइटिंग, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंसय श्री ए.एस. वेंकटा कृष्णन, वरिष्ठ वाइस प्रेसिडेंट, एचडीएफसी सिक््योरिटीज; श्री अविनाश सिंह, इक्विटी रिसर्च एनालिस्ट, एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड; श्री अंशुमान देब, लीड एनालिस्ट, आईसीआईसीआई सिक््योरिटीजय सुश्री श्रेया शिवानी, रिसर्च एनालिस्ट, नोमुराय श्री मानस अग्रवाल, रिसर्च एनालिस्ट, बर्नस्टीन; श्री ऋषि झुनझुनवाला, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, आईआईएफएल कैपिटल; श्री राहुल भुस्कुटे, मुख्य निवेश अधिकारी, भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस; श्री गोपीकृष्ण शेनॉय, मुख्य निवेश अधिकारी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस; श्री फ्रांसेस्को नागारी, ग्लोबल हेड ऑफ आईएफआरएस 17, डेलॉइट; श्री हेनी वेरहूजेन, आईएफआरएस 17 सबजेक्ट मैटर एक्सपर्ट, मिलिमन; श्री सर्ववीर सिंह, संयुक्त समूह सीईओ, पीबी फिनटेक; श्री हर्षित गंगवार, प्रधान – जोखिम व्यवसाय, पीबी फिनटेक।
पेंशन, अन्य कर्मचारी प्रसुविधाएं एवं सामाजिक सुरक्षा	श्री अधीश वर्मा, वरिष्ठ अर्थशास्त्री, क्रिसिल; श्री रवि सरावगी, सह-संस्थापक, समस्ती एडवाइजर्स; सुश्री सुमीत कौर कपूर, कार्यकारी निदेशक, पीएफआरडीए; सीए सुमित ढड्डा, पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता;
पेशेवर दक्षता एवं आचरण	एसोसिएट प्रोफेसर मंदार ओक, स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पब्लिक पॉलिसी, फैंकल्टी ऑफ आर्ट्स, बिजनेस, लॉ एंड इकोनॉमिक्स, एडिलेड यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया; डॉ. देवी प्रसाद शेटी, संस्थापक और चेयरमैन, नारायणा हेल्थ।
साधारण बीमा	श्री रामबाबू गोरली, उप-महाप्रबंध, आईएफआरएस टीम, आईआरडीएआई; श्री अशोक शेटी, प्रधान उन्नत डेटा विज्ञान, स्विस् रीय श्री शैलेंद्र सपरा, सीईओ, री-इंश्योरेंस सॉल्यूशंस, एओएन इंडिया; सुश्री सुरभि निगम और श्री निशांत निगम, सह – संस्थापक, डिग्निफाई वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड; सुश्री मिताली चटर्जी, वाइस प्रेसिडेंट, स्विस् री इंस्टीट्यूट; श्री अंकुर गुप्ता, प्रधान, जलवायु प्रबंधन, म्यूनिख री इंडिया; श्री सुदीप पांडे, वरिष्ठ बीमांकक, म्यूनिख री इंडिया।

8. पुस्तकालय और प्रकाशन

भारतीय बीमांकक संस्थान (आईएआई) अपने सदस्यों को पुस्तकालय सेवाएं प्रदान करता है। यह पुस्तकालय संस्थान के कार्यालय, सीवूड, नवी मुंबई में अवस्थित है। इस पुस्तकालय में बीमांकिक विज्ञान, गणित, सांख्यिकी इत्यादि संबंधी प्रकाशनों और पुस्तकों का एक अच्छा संकलन है।

8.1 पुस्तकालय— नियम

सदस्य एक समय में अधिकतम 2 पुस्तक ले सकते हैं। पुस्तक रखने की अवधि मुंबई में रहने वाले सदस्यों के लिए अधिकतम 15 दिन और मुंबई से बाहर रहने वालों के लिए अधिकतम 21 दिन है। किसी पुस्तक की आवश्यकता के संबंध में सदस्य sheetal@actuariesindia.org पर ई-मेल कर सकते हैं।

जो दस्तावेज केवल संदर्भ के लिए है, उसे देखा जा सकता है और संबंधित भाग की फोटो प्रति का अनुरोध किया जा सकता है।

सदस्यों को पुस्तकालय में पुस्तक की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करनी पड़ती है, विफल रहने पर उन्हें उस पुस्तक की लागत का भुगतान करना होता है या उसी पुस्तक की नयी प्रति पुस्तकालय में जमा करना होता है।

8.2 बीमांकक इंडिया मैगजिन

भारतीय बीमांकक संस्थान की अपनी आंतरिक पत्रिका 'द बीमांकक इंडिया' का प्रकाशन करता है। 'द एक्चुआरी इंडिया' पत्रिका के पिछले अंकों के लिए, कृपया वेबसाइट <http://www.actuariesindia.org> - शोध एवं प्रकाशन - एक्चुआरी इंडिया'— देखें।

9. प्रत्यायन : शैक्षणिक मार्ग सुदृढीकरण

भारतीय बीमांकक संस्थान (आईएआई) अपनी मान्यता ढांचे के जरिए बीमांक शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह 2024 में शुरू की गई एक अहम पहल है, जो बीमांकिक विज्ञान और उससे जुड़े विषयों में कार्यक्रम चलाने वाले उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए 'श्रेणी क प्रत्यायन' के तहत आती है।

इस परेमवर्क का मकसद इस प्रकार है :

- उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक मानकों को बेहतर बनाना।
- पढ़ने-पढ़ाने और मूल्यांकन (असेसमेंट) में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।
- ऐसे व्यवस्थित शैक्षणिक रास्ते बनाना जो छात्रों को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त बीमांकिक पेशे के लिए प्रेरित और तैयार करें।

अपने शुरुआती साल में, आईएआई ने पूरे भारत में चार अग्रणी संस्थानों को सफलतापूर्वक मान्यता दी। इससे ऐसे मजबूत शैक्षणिक रास्ते बने हैं जो छात्रों को आसानी से बीमांकिक पेशे से जुड़ने में मदद करते हैं। मान्यता प्राप्त हर कार्यक्रम को आईएआई के पाठ्यक्रम (करिकुलम) के साथ अच्छी तरह से जोड़ा गया है, ताकि शैक्षणिक गुणवत्ता, गुणवत्ता आश्वासन और पेशेवर मानकों के साथ तालमेल बना रहे।

प्रत्यायित संस्थान

संस्थान	स्थान	कार्यक्रम	प्रत्यायित विषय
बीमा और जोखिम प्रबंधन संस्थान (आईआईआरएम)	तेलंगना	बीमांकिक विज्ञान में पीजीडीएम	सीएस 1, सीबी 2
		बीमांकिक विज्ञान में पीजी डिप्लोमा	सीएस 1, सीएस 2, सीएम 1, सीएम 2, सीबी 1, सीबी 2, सीबी 3
बिशॉप हेब्वर कॉलेज	तमिलनाडु	बीमांकिक विज्ञान में एमएससी	सीएस 1, सीबी 1
आर ए पोद्दार कॉलेज	महाराष्ट्र	बीमांकिक विज्ञान में बी कॉम	सीएस 1, सीएस 2, सीएम 1, सीएम 2, सीबी 1, सीबी 2, सीबी 3
मार अथानासियस कॉलेज	केरल	बीमांकिक विज्ञान में एमएससी	सीएस 1

वर्तमान में 150 से अधिक विद्यार्थी भारतीय बीमांकक संस्थान (आईएआई) द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों के माध्यम से अपनी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और मान्यता संबंधी शैक्षणिक पहलों में सक्रिय रूप से सहभागिता कर रहे हैं, जिससे बीमांकिक (एक्चुअरी) व्यवसाय की ओर उनका मार्ग सुदृढ हो रहा है।

द्वितीय चरण : मान्यता तंत्र का विस्तार

प्रारंभिक चरण की सफलता के आधार पर, भारतीय बीमांकिक संस्थान ने अपने मान्यता तंत्र के द्वितीय चरण का सूत्रपात किया है। संस्थान वर्तमान में छह अतिरिक्त उच्च शैक्षणिक संस्थानों को अपने साथ जोड़ने की प्रक्रिया में है, जिससे संपूर्ण भारत में मान्यता प्राप्त बीमांकिक शिक्षा की पहुंच और प्रभाव का व्यापक विस्तार हो रहा है।

क्षितिजों का विस्तार

अपनी दीर्घकालिक दूरदृष्टि के अंग के रूप में, भारतीय बीमा—आंकिक संस्थान अपने मान्यता तंत्र के दायरे को विस्तृत कर रहा है, ताकि विविध शैक्षणिक परिवेशों में आकांक्षी बीमा—आंकिकों के लिए नए मार्गों का सृजन किया जा सके।

श्रेणी ख — राष्ट्रीय महत्व के संस्थान

भारतीय बीमांकिक संस्थान राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों, जिनमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रतिष्ठित संस्थान सम्मिलित हैं, को मान्यता के अवसर प्रदान कर रहा है। इसका उद्देश्य बहुविषयक शैक्षणिक वातावरण के भीतर बीमांकिक विज्ञान को समाविष्ट करना है।

श्रेणी ग — व्यावसायिक निकाय मान्यता

भारतीय बीमांकिक संस्थान प्रमुख व्यावसायिक निकायों के साथ भी संपर्क स्थापित कर रहा है ताकि श्रेणी ग की मान्यता स्थापित की जा सके। इससे संबद्ध व्यावसायिक विषयों के शिक्षार्थियों को बीमांकिक शिक्षा का प्रारंभिक परिचय प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। संभावित सहयोगियों में निम्नलिखित सम्मिलित हैं :

- भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई)
- भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई)
- भारतीय लागत लेखाकार संस्थान (आईसीएमएआई)
- भारतीय बीमा संस्थान (आईआईआई)

इन रणनीतिक प्रयासों के माध्यम से, भारतीय बीमांकिक संस्थान शैक्षणिक एवं औद्योगिक कड़ियों को सुदृढ़ कर रहा है, बीमांकिक शिक्षा तक पहुंच बढ़ा रहा है, और भविष्य के लिए तत्पर प्रतिभाओं के एक समूह को पोषित कर रहा है। यह मान्यता तंत्र बीमांकिक व्यवसाय को देश की प्रखरतम प्रतिभाओं के लिए अधिक सुलभ, बहुविषयक और आकर्षक बनाने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,

भारतीय बीमांकक संस्थान की परिषद

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा संबंधी रिपोर्ट

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

संस्थान का प्रबंधन आईसीएआई द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानकों सहित भारत में आमतौर पर स्वीकार्य लेखांकन नीतियों के अनुसार संस्थान की वित्तीय स्थिति और वित्तीय प्रदर्शन का एक वास्तविक और निष्पक्ष स्थिति दर्शाने वाले इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। इस जिम्मेदारी में संस्थान की आस्तियों के संरक्षण करने के लिए और धोखाधड़ी तथा अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने के लिए पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों का रखरखाव; उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; ऐसे निर्णय करना और आकलन करना जो यूक्तिसंगत और विवेकपूर्ण हो; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की रूपरेखा बनाना, क्रियान्वयन करना और रखरखाव करना जो ऐसे वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुत करने, जो एक वास्तविक और निष्पक्ष स्थिति दर्शाता हो और जो तथ्यात्मक मिथ्या बयानी से मुक्त हो, चाहे वह धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटिवश, के लिए प्रासंगिक लेखांकन अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता सुनिश्चित करने के प्रयोजन से प्रभावी रूप से प्रचालन में थे, शामिल है।

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में प्रबंधन कंपनी की चालू समुत्थान के रूप में बने रहने की क्षमता का आकलन करने, चालू समुत्थान से संबंधित मामलों का यथा प्रयोज्य प्रकटन करने और लेखांकन के चालू समुत्थान आधार का उपयोग करने के लिए जिम्मेदार है, जब तक प्रबंधन कंपनी को परिसमाप्त करने या प्रचालन बंद करने का इरादा न रखता हो या ऐसा करने के अलावा कोई अन्य वास्तविक विकल्प नहीं बचा हो।

प्रबंधन संस्थान की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया का पर्यवेक्षण करने के लिए भी जिम्मेदार है।

वित्तीय विवरणों के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारा लक्ष्य इस बारे में तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरण, समग्र रूप से तथ्यात्मक मिथ्या बयानी, चाहे धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटिवश, से मुक्त है, और एक लेखा परीक्षक रिपोर्ट जारी करना है जिसमें हमारा मत शामिल हो। तर्कसंगत आश्वासन एक उच्च स्तरीय आश्वासन है, परंतु यह गारंटी नहीं देता है कि लेखांकन मानक (एसए) के अनुसार आयोजित कोई लेखा परीक्षा हमेशा तथ्यात्मक मिथ्या बयानी का, जब यह मौजूद हो, पता लगा लेगा। मिथ्या बयानी धोखाधड़ी से उत्पन्न हो सकती है या त्रुटिवश हो सकती है और इसे तथ्यात्मक माना जाता है यदि अलग अलग या समुदित रूप से, इससे प्रयोक्ता के इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए आर्थिक निर्णय को प्रभावित करने की युक्तियुक्त अपेक्षा की जा सकती है।

एसए के अनुसार किसी लेखा परीक्षा के भाग के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरी लेखा परीक्षा के दौरान पेशेवर संशय बनाए रखते हैं। हम निम्नलिखित कार्य भी करते हैं :

- वित्तीय विवरणों की तथ्यात्मक मिथ्या बयानी के जोखिमों की पहचान और मूल्यांकन, चाहे वह धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटिवश, उन जोखिमों के प्रति उत्तरदायी लेखा परीक्षा प्रक्रिया तैयार करना और निष्पादित करना और हमारी राय के लिए पर्याप्त और उपयुक्त साक्ष्य प्राप्त करना। किसी धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप तथ्यात्मक मिथ्या बयानी का पता नहीं लगाने का जोखिम, त्रुटिवश हुई मिथ्या बयानी से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, इरादतन लोप, मिथ्या प्रस्तुति, या आंतरिक नियंत्रण का अध्यारोहण शामिल हो सकता है।
- लेखा परीक्षा करने हेतु प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण की समझ हासिल करना ताकि प्रदत्त परिस्थितियों के लिए एक उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रिया तैयार की जा सके, न कि संस्थान के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की प्रभाविता पर एक राय व्यक्त करने के प्रयोजन के लिए।

- प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन प्राक्कलनों की युक्तियुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए संबद्ध प्रकटन का मूल्यांकन करना। प्रबंधन के चालू समुत्थान आधार लेखांकन के उपयोग की उपयुक्तता और प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना कि घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई ऐसी तथ्यात्मक अनिश्चितता है जो इस कंपनी की चालू समुत्थान के रूप जारी रखने की कंपनी की क्षमता पर अर्थपूर्ण आशंका प्रकट करता हो। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई तथ्यात्मक अनिश्चितता मौजूद है तो हमें वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटनों पर हमारी लेखा परीक्षक रिपोर्ट में ध्यान आकर्षित करना होता है या यदि ऐसे प्रकटन अपर्याप्त हैं तो हमारे मत को संशोधित करना होता है। हमारे निष्कर्ष हमारी लेखा परीक्षा रिपोर्ट की तिथि तक प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। तथापि, भावी घटनाएं या स्थितियां कंपनी को चालू समुत्थान के रूप में अस्तित्व को समाप्त कर सकती हैं।
- वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और अंतर्वस्तु, जिनमें प्रकटन भी शामिल हैं, का मूल्यांकन करना और यह मूल्यांकन करना कि क्या ये वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेन – देन और घटनाक्रमों को उस तरीके से निरूपित करते हैं जिससे उचित प्रस्तुति हासिल होता है।

हम अन्य विषय – वस्तुओं में, लेखा परीक्षा के नियोजित दायरे और इसका समय और महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षों, जिसमें हमारी लेखा परीक्षा के क्रम में हमारे द्वारा चिन्हित आंतरिक नियंत्रण में अर्थपूर्ण विचलन भी शामिल हैं, के संबंध में उनको संसूचित करते हैं जो इनके अभिशासन के लिए भारित हैं।

हम प्रबंधन को यह भी प्रस्तुत करते हैं कि हमने निरपेक्षता के सापेक्ष प्रासंगिक नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है, और उन्हें उन सभी रिश्तों और अन्य मामलों और जहाँ प्रयोज्य है, संबंधित सुरक्षापायों के बारे में भी संसूचित करते हैं जिनके संबंध में हमारी निरपेक्षता को प्रभावित कर सकने की क्षमता, के संबंध में तर्कसंगत रूप से सोचा जा सकता है।

अन्य कानूनी और नियामक अपेक्षाएं संबंधी रिपोर्ट

इसके अलावा, हम रिपोर्ट करते हैं कि :

- क) हमने वे सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिया है जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे;
- ख) इस रिपोर्ट में लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए शामिल तुलन पत्र, आय और व्यय विवरण और नकद प्रवाह विवरण लेखा बहियों के संगत हैं।
- ग) हमारी राय में, संस्थान द्वारा यथोचित लेखा बहियां बनाए रखी गयीं हैं जहाँ तक इन बहियों की हमारी जाँच से प्रतीत होता है।

कृते जैन जगावट कामदार एंड कं.

सनदी लेखाकार

हस्ताक्षर

स. ले. बसंत जैन

भागीदार

सदस्यता सं. 122463

पंजीकरण सं. 122530डब्ल्यू

स्थान : नवी मुंबई

दिनांक : 07 अगस्त 2026

भारतीय बीमांकक संस्थान
31 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र

निधियां एवं देनदारियां	टिप्पणी सं.	दिनांक 31.03.2026 को	दिनांक 31.03.2025 को
I. निधियों के स्रोत			
(1) अधिशेष और उद्दिष्ट निधियां			
(क) पूँजी और आरक्षित निधि	2	₹ 31,59,58,211	₹ 31,21,12,526
(ख) पुरस्कार एवं छात्रवृत्ति निधि	3	₹ 1,64,22,373	₹ 1,53,27,668
(ग) उद्दिष्ट बंदोबस्ती निधि	4	₹ 87,01,07,642	₹ 74,02,43,192
(घ) अन्य उद्दिष्ट निधियां	5	₹ 1,29,55,346	₹ 1,25,38,307
(2) गैर-मौजूदा देनदारियां			
(क) अन्य दीर्घावधिक देनदारियां		₹ —	₹ —
(ख) दीर्घावधिक देनदारियां		₹ —	₹ —
(3) मौजूदा देनदारियां			
(क) व्यापार संदेय		₹ 17,49,772	₹ 9,29,784
(ख) अन्य मौजूदा देनदारियां	6	₹ 6,08,85,050	₹ 4,83,52,204
(ग) अल्पावधिक प्रावधान		₹ —	₹ —
कुल		₹ 1,27,80,78,394	₹ 1,12,95,03,681
II. निधियों का विनियोग			
(1) गैर — मौजूदा आस्तियां			
(क) अचल आस्तियां एवं प्रगतिधीन कार्य	7	₹ 1014,90,355	₹ 10,51,56,308
(ख) अन्य गैर — मौजूदा आस्तियां		₹ —	₹ —
(2) निवेश	8	₹ 92,53,57,974	₹ 79,60,23,808
(3) मौजूदा आस्तियों, ऋण एवं अग्रिम			
(क) नकदी एवं बैंक जमा	9	₹ 6,42,93,012	₹ 6,24,55,276
(ख) व्यापार प्राप्य धनराशियां	10	₹ 2,10,39,150	₹ 1,50,09,883
(ग) ऋण और अग्रिम	11	₹ 4,47,86,065	₹ 3,81,67,151
(घ) निवेश पर प्रोद्भूत ब्याज	12	₹ 12,11,11,837	₹ 11,26,91,255
कुल		₹ 1,27,80,78,394	₹ 1,12,95,03,681

लेखांकन टिप्पणी और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां “टिप्पणी-1”

हमारी समतिथि रिपोर्ट के अनुसार
कृते जैन जगावट कामदार एंड कं.
सनदी लेखाकार

कृते भारतीय बीमांकक संस्थान

हस्ताक्षर

स. ले. बसंत जैन
भागीदार
सदस्यता सं. 122463
पंजीकरण सं. 122530डब्ल्यू

स्थान : नवी मुंबई
दिनांक : 07 अगस्त 2026

हस्ताक्षर

प्रीति चन्द्रशेखर
अध्यक्ष

हस्ताक्षर

अनुराग रस्तोगी
उपाध्यक्ष

हस्ताक्षर

आशा मुरली
मानद सचिव

भारतीय बीमांकक संस्थान
31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष का आय एवं व्यय विवरण

विवरण	टिप्पणी	31. 03. 2026 राशि रुपए में	32. 03. 2025 राशि रुपए में
I. शुल्कों एवं सेमिनारों से आय			
(क) शिक्षण सेवा एवं परीक्षा शुल्क	13	₹ 15,87,35,346	₹ 11,19,63,450
(ख) ऑनलाइन कोविंग एवं प्रशिक्षण	14	₹ 80,91,052	₹ 44,30,070
(ग) सदस्यों का अंशदान	15	₹ 3,77,95,103	₹ 2,38,48,510
(घ) सेमिनार शुल्क (जीसीए)	16	₹ 6,85,51,721	₹ 4,16,09,968
(ङ) सेमिनार शुल्क (अन्य)	17	₹ 74,01,000	₹ 60,78,499
II. निवेश आय			
(क) ब्याज	18	₹ 6,05,29,057	₹ 5,73,79,539
(ख) निवेश की बिक्री से लाभ/(हानि)	19	₹ -	₹ -
(ग) घटाएं : विशिष्ट निधि में अंतरण	20	₹ 4,48,15,236	₹ -4,18,08,457
III. अन्य आय	21	₹ 95,64,892	₹ 75,16,024
कुल आय (1)		₹ 30,58,52,935	₹ 21,10,17,602
IV. व्यय			
(क) संस्थान के व्यय	22	₹ 21,11,75,393	₹ 17,63,67,850
(ख) आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क		₹ 150,000	₹ 1,50,000
(ग) सांविधिक लेखा परीक्षा शुल्क		₹ 50,000	₹ 50,000
(घ) मूल्यह्रास	7	₹ 1,38,01,179	₹ 1,05,49,857
कुल व्यय (2)		₹ 22,51,76,573	₹ 18,71,17,708
V. निवल अधिशेष (1-2)		₹ 8,06,76,362	₹ 2,38,99,895
VI. निधियों और आरक्षित निधियों से विनियोजन			
(क) विकास आरक्षित निधि में अंतरण		₹ 14,99,30,677	₹ 10,97,99,131
(ख) सामान्य आरक्षित निधि से अंतरण		₹ 7,31,00,000	₹ 6,49,74,708
(ग) सामान्य आरक्षित निधि में अंतरण		₹ -38,45,685	₹ -2,09,24,528

लेखांकन टिप्पणी और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां “टिप्पणी-1”

हमारी समतिथि रिपोर्ट के अनुसार

कृते जैन जगावट कामदार एंड कं.

सनदी लेखाकार

कृते भारतीय बीमांकक संस्थान

हस्ताक्षर

स. ले. बसंत जैन
भागीदार

सदस्यता सं. 122463
पंजीकरण सं. 122530डब्ल्यू
स्थान : नवी मुंबई
दिनांक : 07 अगस्त 2026

हस्ताक्षर

प्रीति चन्द्रशेखर
अध्यक्ष

हस्ताक्षर

अनुराग रस्तोगी
उपाध्यक्ष

हस्ताक्षर

आशा मुरली
मानद सचिव

भारतीय बीमांकक संस्थान

31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण

विवरण		31.03.2026 को समाप्त वर्ष के लिए राशि रुपए में	31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए राशि रुपए में
क	प्रचालन गतिविधि से नकद प्रवाह		
	कर पूर्व निवल लाभ	8,06,76,362	2,38,99,895
	जोड़ें : मूल्यहास के लिए समायोजन : विनियोजन	1,38,01,179	1,05,49,857
		1,38,01,179	1,05,49,857
	घटाएं : निम्नलिखित के लिए समायोजन : विनियोजन	8,06,76,362	2,38,99,895
		8,06,76,362	2,38,99,895
	कार्यशील पूंजी परिवर्तनों से पूर्व प्रचालन लाभ	1,38,01,179	1,05,49,857
	जोड़ें : निम्नलिखित के लिए समायोजन		
	पूंजी, निधियों और देनदारियों में वृद्धि	14,85,74,713	7,86,65,085
	व्यापार प्राप्य राशियों में कमी	60,29,268	96,94,433
	निवेश में कमी	—	—
		14,25,45,446	6,89,70,652
	घटाएं : निम्नलिखित के लिए समायोजन :		
	ऋणों एवं अग्रिमों में वृद्धि	66,18,914	44,33,082
	प्रोद्भूत ब्याज में वृद्धि	84,20,582	(1,85,44,116)
	अल्प अवधि उधार में कमी	—	—
	अन्य मौजूदा आस्तियों में वृद्धि	—	—
		1,50,39,496	(1,41,11,033)
	प्रचालन से जनित नकदी	14,13,07,130	9,36,31,543
	घटाएं : कर प्रावधान	—	—
	प्रचालन गतिविधियों से निवल नकदी (क)	14,13,07,130	9,36,31,543
ख.	निवेश गतिविधियों से नकदी		
	जोड़ें : निम्नलिखित के लिए समायोजन :	—	—
	निवेश में कमी	—	—
	घटाएं : निम्नलिखित के लिए समायोजन :		
	पूंजी डब्ल्यूआईपी में वृद्धि	—	—
	निवेश में वृद्धि	12,93,34,166	9,30,00,000
	अचल आस्तियों का समायोजन	1,01,35,226	1,32,33,186
		13,94,69,392	10,62,33,186
	निवेश गतिविधियों में प्रयुक्त निवल नकदी (ख)	(13,94,69,392)	(10,62,33,186)
ग	वित्तपोषण गतिविधियों से नकदी		
	जोड़ें : समायोजन : पूंजी में वृद्धि	.	.
	घटाएं : समायोजन : पूंजी में वृद्धि पर व्यय	.	.
	वित्तपोषण गतिविधियों में प्रयुक्त निवल नकदी (ग)	.	.
	नकदी एवं नकदी समतुल्य में निवल वृद्धि (क)+(ख)+(ग)	18,37,738	(1,26,01,643)
	अवधि की शुरुआत में नकदी और नकदी समतुल्य	6,24,55,276	7,50,56,919
	अवधि के अंत में नकदी और नकदी समतुल्य	6,42,93,012	6,24,55,276

लेखांकन टिप्पणी और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां “घ”

हमारी समतिथि रिपोर्ट के अनुसार
कृते जैन जगावट कामदार एंड कं.
सनदी लेखाकार
हस्ताक्षर

स.ले. बसंत जैन
भागीदार
सदस्यता सं. 122463
पंजीकरण सं. 122530डब्ल्यू
स्थान : नवी मुंबई
दिनांक : 07 अगस्त 2026

कृते भारतीय बीमांकक संस्थान

हस्ताक्षर
प्रीति चन्द्रशेखर
अध्यक्ष

हस्ताक्षर
अनुराग रस्तोगी
उपाध्यक्ष

हस्ताक्षर
आशा मुरली
मानद सचिव

भारतीय बीमांकक संस्थान

दिनांक 31. 03. 2026 को यथास्थिति तुलन पत्र की टिप्पणियां

31. 03. 2025 को यथास्थिति	विवरण	31. 03. 2026 को यथास्थिति	31. 03. 2025 को यथास्थिति
टिप्पणी 2	पूँजी और आरक्षित निधियां		
	क) पूँजी		
	अभ्यर्पित पूँजी		
3,25,000	i) साधारण बीमा परिषद कार्यकारी समिति के अध्यक्ष	3,25,000	
5,00,000	ii) भारतीय साधारण बीमा निगम	5,00,000	
1,51,270	iii) अन्य निधि (ट्रस्ट निधि)	1,51,270	
9,76,270	31 मार्च 2025 को शेष <--->31 मार्च 2026	9,76,270	
	ख) सामान्य आरक्षित निधियां :		
33,20,60,784	1 अप्रैल 2024 को शेष <----->1 अप्रैल 2025	31,11,36,256	
-2,09,24,528	जोड़ें : आय एवं व्यय खाता से अंतरित	38,45,685	
0	घटाएँ : उपयोग उपरांत भवन निधि से अंतरित	0	
31,11,36,256	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <----->31 मार्च 2026	31,49,81,941	
31,21,12,526	कुल रुपये		31,59,58,211

दिनांक	नाम	राशि
12. 08. 95	मैसर्स थानावाला कंसल्टेंसी सेवा	50,000
13. 12. 95	श्री डी बसु	1,000
27. 12. 95	श्री एम सी चक्रवर्ती	10,000
17. 01. 96	श्री एस वी रामास्वामी	1,000
23. 01. 96	श्री एम एस वेंकटरमन	2,000
01. 02. 96	श्री एस पी सुभेदार	2,500
23. 02. 96	श्री डी के लोडाया	1,000
26. 02. 96	श्री जे. एल. स्मिथ	2,500
03. 03. 96	श्री डी. बसु	100
19. 03. 96	श्री एच. एल. भाटिया	10,000
19. 03. 96	श्री बी. पी. गुप्ता	6,550
31. 03. 96	श्री ए. आर. प्रभु	1,000
08. 05. 96	श्री के. वी. वाय. शास्त्री	1,000
15. 05. 96	श्री टी. एस. स्वामीनाथन	25,000
16. 05. 96	सुश्री अर्चना त्रिपाठी	300
21. 05. 96	श्री एस एन नारायण	3,320
25. 06. 96	मैसर्स थानावाला कंसल्टेंसी सेवा	7,500
08. 07. 96	श्री डी. के. पंडित	10,000
21. 08. 96	श्री एम वीराबद्रियन	1,000
05. 12. 96	श्री वी एल सप्रे	5,000
13. 12. 96	श्री बी पी गुप्ता (एल एम)	10,500
	कुल रुपए	1,51,270

भारतीय बीमांकक संस्थान

31.03.2026 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की टिप्पणियां

दिनांक 31. 03. 2025 को यथास्थिति	विवरण	दिनांक 31. 03. 2026 को यथास्थिति	दिनांक 31. 03. 2026 को यथास्थिति
टिप्पणी 3	पुरस्कार एवं छात्रवृत्ति निधियां		
	क) प्रो जी एस दीवान मेमोरियल / पुरस्कार / पुरस्कार निधि (विषय एसए 2)		
2,91,924	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--->01. 04. 2025	2,99,806	
17,882	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज टिप्पणी (20) (क)	17,492	
10,000	घटाएं : वर्ष के दौरान भुगतान की गयी पुरस्कार राशि	5,000	
2,99,806	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <---->31.03.2026		3,12,298
	ख) प्रो. (स्व.) जी. एस दिवान जन्मशती स्मारक शिक्षा निधि (एसपी 1 एसए 1 के लिए आर एम मेहता द्वारा अभ्यर्पित)		
2,54,835	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <----->01. 04. 2025	2,50,445	
15,610	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	14,612	
0	जोड़ें : वर्ष के दौरान वर्द्धन	0	
20,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	10,000	
2,50,445	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <---->31.03.2026		2,55,057
	ग) के ए पंडित शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार एसए 4		
7,88,668	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--->01. 04. 2025	8,14,277	
48,309	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	47,508	
22,700	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	10,000	
8,14,277	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <---->31.03.2026		8,51,785
	घ) प्रो. जी एस दिवान स्मारक छात्रवृत्ति निधि (एसए 7) (केवल शोध परियोजना के लिए)		
4,50,359	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <----->01. 04. 2025	4,67,945	
27,586	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	27,302	
10,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	5,000	
4,67,945	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <---->31.03.2026		4,90,247
	ङ) प्रो. दिवान जन्मशती शिक्षा निधि (सीएम2 विषय के लिए)		
2,88,660	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <----->01. 04. 2025	2,86,342	
17,682	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	16,706	
20,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	5,000	
2,86,342	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <----->31.03.2026		2,98,048
	च) के आर तेलपडे स्मारक छात्रवृत्ति बंदोबस्ती कोष :		
32,686	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--->01. 04. 2025	34,688	
2,002	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	2,024	
34,688	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <---->31.03.2026		36,712
	छ) एच वी कृष्णमूर्ति पुरस्कार निधि (सीएस 1 विषय के लिए)		
1,03,003	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--->01. 04. 2025	89,312	
6,309	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	5,211	
20,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	5,000	
89,312	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <----->31.03.2026		89,523

भारतीय बीमांकक संस्थान

दिनांक 31. 03. 2025 को यथास्थिति	विवरण	दिनांक 31.03.2026 को यथास्थिति	दिनांक 31.03.2026 को यथास्थिति
	ज) शांति ट्रस्ट बंदोबस्ती कोष : (सदस्य द्वारा सर्वश्रेष्ठ शोध / लेख) बीमांकक इंडिया		
11,635	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--- -->01. 04. 2025	12,348	
713	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	720	
12,348	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <----->31.03.2026		13,068
	झ) कनाडा लाइफ छात्रवृत्ति बंदोबस्ती कोष (एसए 4 विषय के लिए)		
7,43,427	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-- -->01. 04. 2025	7,78,965	
45,538	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	45,448	
10,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	5,000	
7,78,965	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <----- -->31.03.2026		8,19,413
	ञ) के.ए. पंडित मेमोरियल पुरस्कार निधि (एसपी 4 विषय के लिए)		
1,32,316	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--- -->01. 04. 2025	1,30,421	
8,105	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	7,609	
10,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	5,000	
1,30,421	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <----->31.03.2026		1,33,030
	ट) जनार्दन पुंडीलिक नेरुरकर पुरस्कार निधि (एसपी 2 विषय के लिए)		
1,69,605	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <----->01. 04. 2025	1,64,994	
10,389	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	9,626	
15,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	5,000	
1,64,994	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <----->31.03.2026		1,69,620
	ठ) प्रो. आर एम जोशी पुरस्कार निधि : (सीबी 2 विषय के लिए)		
1,33,791	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <----->01. 04. 2025	1,26,986	
8,195	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	7,409	
15,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	15,000	
1,26,986	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <----->31.03.2026		1,19,395
	ड) पीटर एक्स रिसर्च निधि (जीवन बीमा के लिए)		
55,201	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <----->01. 04. 2025	58,582	
3,381	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	3,418	
58,582	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <----->31.03.2026		62,000
	ढ) पीटर एक्स पुरस्कार निधि (एसपी 7 विषय के लिए)		
3,792	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-- -->01. 04. 2025	4,024	
232	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	235	
4,024	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-- -->31.03.2026		4,259
	ण) जे आर जोशी पुरस्कार निधि (सीपी 3 विषय के लिए)		
78,631	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--- -->01. 04. 2025	68,447	
4,816	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	3,993	
15,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	5,000	
68,447	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--- -->31.03.2026		67,440

दिनांक 31. 03. 2025 को यथास्थिति	विवरण	दिनांक 31.03.2026 को यथास्थिति	दिनांक 31.03.2026 को यथास्थिति
	त) स्व. मीना सिधवानी बीमांकक शिक्षा निधि (4.5 वर्ष के अंदर फेलोशिप पूरा करने के लिए पुरस्कार)		
5,98,441	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-- --->01. 04. 2025	5,85,098	
3,012	जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्ति	0	
36,657	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	34,137	
53,012	घटाएं : वर्ष के दौरान भुगतान की गयी पुरस्कार राशि	0	
5,85,098	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--- -->31.03.2026		6,19,235
	थ) स्व. आर. एम. मेहता स्मारक निधि		
2,01,222	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--- --> 01. 04. 2025	2,13,548	
12,326	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	12,459	
2,13,548	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष < -- --> 31.03.2026		2,26,007
	द) स्व. ए. एस. गुप्ता पुरस्कार निधि (जून / जुलाई बैच ए सी इ टी परीक्षा में अव्वल)		
1,02,574	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-- -->01. 04. 2025	82,215	
6,283	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	4,797	
26,642	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	20,000	
82,215	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-- -->31. 03. 2026		67,012
	ध) प्रिंसिपल पीएनबी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (3 साल के भीतर एसोसिएटशिप पूरा करने के लिए)		
59,33,666	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-- --> 01. 04. 2025	62,97,127	
3,63,461	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	3,67,402	
62,97,127	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष < -- --> 31. 03. 2026		66,64,529
	न) कमल कुमार नोरंगलाल पोद्दार पुरस्कार निधि (एसपी 5 विषय के लिए)		
1,61,301	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--- --->01. 04. 2025	1,61,181	
9,880	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	9404	
10,000	जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्ति	5,000	
1,61,181	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--- --->31.03.2026		1,65,585
	प) स्व. डी बसु पुरस्कार निधि (एसपी 6)		
1,58,070	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--- --->01. 04. 2025	1,57,752	
9,682	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	9,204	
10,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	5,000	
1,57,752	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--- --->31. 03. 2026		1,61,956
	फ) स्वर्गीय सुशील देव चटर्जी कोष (एसपी 8 – शैक्षिक उत्कृष्टता)		
11,471	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <---- --->01. 04. 2025	12,174	
703	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	710	
12,174	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <---->31. 03. 2026		12,884
	ब) आत्मा राम, छज्जु राम व पार्वती देवी स्मारक कोष (सीबी 1)		
1,52,428	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <----->01. 04. 2025	1,31,765	
9,337	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	7,688	
30,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	25,000	
1,31,765	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <----->31. 03. 2026		1,14,453

दिनांक 31. 03. 2025 को यथास्थिति	विवरण	दिनांक 31.03.2026 को यथास्थिति	दिनांक 31.03.2026 को यथास्थिति
	भ) भावी बीमांकक पुरस्कार निधि (सीपी 1)		
1,46,511	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <----->01. 04. 2025	1,45,485	
8,794	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	8,488	
0	जोड़ें : वर्ष के दौरान वर्द्धन	0	
10,000	घटाएं : वर्ष के दौरान भुगतान	5,000	
1,45,485	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <----->31.03.2026		1,48,973
	म) स्वर्गीय श्रीमती जया व कुमारी कल्पा एन पारिख (ए सी इ टी परीक्षा दिसम्बर / जनवरी बैच के टॉपर के लिए)		
94,619	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-- -->01. 04. 2025	90,415	
5,796	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	5,275	
10,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	30,000	
90,415	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--- --->31.03.2026		65,690
	य) श्री आर कृष्णास्वामी पुरस्कार निधि – सीपी 2		
3,80,442	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-- -->01. 04. 2025	3,93,746	
23,304	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	22,973	
10,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	5,000	
3,93,746	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--- --->31.03.2026		4,11,719
	र) श्री आर कृष्णास्वामी पुरस्कार निधि – सीएस 2		
4,21,278	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-- -->01. 04. 2025	4,32,083	
25,805	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	25,210	
15,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	5,000	
4,32,083	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-- -->31.03.2026		4,52,293
	ल) श्रीमती विद्यावती और श्रीमती संतोष कुमारी स्मा. कोष (सीएम1)		
1,10,936	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--->01. 04. 2025	1,02,731	
6,795	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	5,994	
15,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	15,000	
1,02,731	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--->31.03.2026		93,725
	व) टाटा एआईए लाइफ शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार सीपी 1 के लिए		
6,39,793	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--- --->01. 04. 2025	6,56,283	
0	जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्ति	0	
39,190	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (क))	38,290	
22,700	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	10,000	
6,56,283	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--- --->31.03.2026		6,84,573
	श) स्व. श्री के. पी. शर्मा स्मारक पुरस्कार निधि (एसए 3)		
7,34,853	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--- --->01. 04. 2025	7,64,866	
43,755	जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्त (टिप्पणी (20) (क))	44,626	
20,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	5,000	
7,64,866	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--- --->31. 03. 2026		8,04,492
	स) स्व. अक्षय पंडित के स्मरण में भागीदार निधि सीपी 3		
5,33,461	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--- --->01. 04. 2025	5,32,088	
0	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20)(क))	0	
32,677	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20)(क))	31,044	
34,050	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	10,000	
5,32,088	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--- --->31. 03. 2026		5,53,132

दिनांक 31. 03. 2025 को यथास्थिति	विवरण	दिनांक 31.03.2026 को यथास्थिति	दिनांक 31.03.2026 को यथास्थिति
	ह) केरिश्ना कुमार तिवारी स्मारक शैक्षणिक उत्कृष्टता (एसपी 8)		
7,367	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--- ---> 01. 04. 2025	25,562	
50,000	जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्त	0	
896	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (20) (क)	1,915	
32,700	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	15,000	
25,562	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--- ---> 31.03.2026		12,477
	हक) इंश्योर टेक एक्चुअरी शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार (एसपी 7)		
1,90,695	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--- ---> 01. 04. 2025	1,89,676	
10,000	जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्त	0	
11,681	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (20) (क)	11,067	
22,700	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	10,000	
1,89,676	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--- ---> 31.03.2026		1,90,743
	हख) केनरा एचएसबीसी लाइफ इंस. अवार्ड (डिजिटल एक्चुअरी इंडिया)		
2,72,832	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--- ---> 01. 04. 2025	2,64,544	
5,000	जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्त	0	
16,712	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (20) (क)	15,455	
30,000	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	30,000	
2,64,544	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--- ---> 31.03.2026		2,49,979
	हग) स्व. श्री मुकुल चन्द्रा चक्रवर्ती स्मारक शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार सीएस 1		
4,94,177	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <--- ---> 01. 04. 2025	5,01,747	
0	जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्त	0	
30,270	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (20) (क)	29,274	
22,700	घटाएं : वर्ष के दौरान पुरस्कार भुगतान	30,000	
5,01,747	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--- ---> 31.03.2026		5,01,021
1,53,27,668	कुल रुपये		1,64,22,373

31.03.2026 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की टिप्पणियां

दिनांक 31. 03. 2025 को यथास्थिति	विवरण	दिनांक 31. 03. 2026 को यथास्थिति	दिनांक 31. 03. 2026 को यथास्थिति
टिप्पणी 4	उद्दिष्ट बंदोबस्ती निधियां		
	क) स्विस् रे :		
4,21,444	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-----> 01. 04. 2025	4,47,259	
25,815	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (ख))	26,095	
4,47,259	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <---> 31.03.2026		4,73,354
	ख) स्विस् रे : (फर्निचर)		
11,91,710	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-----> 01. 04. 2025	12,64,707	
72,997	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (ख))	73,788	
12,64,707	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-----> 31.03.2026		13,38,495
	ग) स्टैंडर्ड लाइफ : (यूके)		
4,75,975	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-----> 01. 04. 2025	5,05,130	
29,155	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (ख))	29,471	
0	घटाएं : पुस्तकालय हेतु पुस्तकों की खरीद	0	
5,05,130	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-----> 31.03.2026		5,34,602
	घ) स्टैंडर्ड लाइफ : (फर्निचर)		
20,66,890	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-----> 01. 04. 2025	21,93,496	
1,26,606	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (ख))	1,27,978	
21,93,496	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-----> 31.03.2026		23,21,474
	ङ) प्रूडेंशियल कार्पोरेशन एशिया लि.(एक वर्ष में उच्चतम अंक : ईएसी सम्मेलन)		
62,09,580	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-----> 01. 04. 2025	64,50,837	
3,80,363	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (ख))	3,76,370	
1,39,106	घटाएं : वर्ष के दौरान एसए 2 में उच्चतम अंक	1,55,219	
64,50,837	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-----> 31.03.2026		66,71,988
	च) एचडीएफसी :		
40,683	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-----> 01. 04. 2025	43,175	
2,492	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (ख))	2,519	
43,175	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-----> 31.03.2026		45,694
	छ) सीपीडी / शोध :		
31,07,980	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-----> 01. 04. 2025	32,98,357	
1,90,377	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (ख))	1,92,440	
32,98,357	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-----> 31.03.2026		34,90,797
	ज) जीसीए एवं शोध निधि :		
3,23,75,640	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-----> 01. 04. 2024	3,43,58,785	
19,83,145	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (ख))	20,04,640	
3,43,58,785	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-----> 31.03.2026		3,63,63,425
	झ) भवन निधि :		
1,91,02,833	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-----> 01. 04. 2025	20,272,963	
11,70,130	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (ख))	11,82,812	
0	घटाएं : उपयोग पर सामान्य आरक्षित में अंतरित	0	
20,272,963	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-----> 31.03.2026		2,14,55,775

दिनांक 31. 03. 2025 को यथास्थिति	विवरण	दिनांक 31. 03. 2026 को यथास्थिति	दिनांक 31. 03. 2026 को यथास्थिति
	ज) विकास आरक्षित निधि :		
59,04,18,428	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-----> 01. 04. 2025	67,14,08,483	
10,97,99,131	जोड़ें : वर्ष के दौरान अलग रखे गए	14,99,30,677	
3,61,65,632	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (ख))	3,91,72,877	
0	घटाएं : सीधे ही विकास आरक्षित निधि से प्रयुक्त	0	
6,49,74,708	घटाएं : उपयोगिता पर सामान्य आरक्षित निधि में अंतरित	7,31,00,000	
67,14,08,483	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-----> 31.03.2026		78,74,12,037
	ट) जीवन बीमा में शोध		
0	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-----> 01. 04. 2025	0	
0	जोड़ें : वर्ष के दौरान जोड़	1,00,00,000	
0	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज	0	
0	घटाएं : उपयोगिता पर सामान्य आरक्षित निधि में अंतरित	0	
0	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-----> 31.03.2026		1,00,00,000
74,02,43,192	कुल रुपए		87,01,07,642

31.03.2026 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की टिप्पणियां

अन्य उद्दिष्ट निधियां

दिनांक 31. 03. 2025 को यथास्थिति	विवरण	दिनांक 31. 03. 2026 को यथास्थिति	दिनांक 31. 03. 2026 को यथास्थिति
टिप्पणी 5			
	क) भारतीय जीवन बीमा निगम :		
34,84,409	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-- --> 01. 04. 2025	36,97,844	
2,13,435	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (ग))	2,15,748	
36,97,844	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-- --> 31.03.2026		39,13,592
	ख) आईसीआईसीआई :		
27,60,083	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-- --> 01. 04. 2025	29,29,150	
1,69,067	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (ग))	1,70,899	
29,29,150	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <-- --> 31.03.2026		31,00,049
	ग) कर्मचारी राहत निधि :		
8,14,631	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-- --> 01. 04. 2025	8,64,531	
49,900	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (ग))	50,440	
8,64,531	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <--- ---> 31.03.2026		9,14,971
	घ) छात्र सहायता योजना :		
51,77,630	1 अप्रैल 2024 को यथास्थिति शेष <-- --> 01. 04. 2025	50,46,782	
0	जोड़ें : वर्ष के दौरान वर्द्धन	0	
3,17,152	जोड़ें : वर्ष के दौरान आवंटित ब्याज (टिप्पणी (20) (ग))	2,94,451	
4,48,000	घटाएं : वर्ष के दौरान भुगतान की गयी राशि	3,14,500	
50,46,782	31 मार्च 2025 को यथा स्थिति शेष <- - -> 31.03.2026		50,26,733
1,25,38,307	कुल रुपये		1,29,55,346

31.03.2026 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की टिप्पणियां

टिप्पणी 6	चालू देनदारियां एवं प्रावधान		
	व्यापार संदेय		
9,29,784	विविध लेनदार	17,49,772	
0	अग्रिम में प्राप्त धनराशि	0	17,49,772
	अन्य मौजूदा देनदारियां एवं प्रावधान		
	चूगी एवं कर		
40,34,438	देय टीडीएस	84,65,340	
17,60,652	जीएसटी	10,33,716	
5600	वृत्तिक कर	0	94,99,056
	अन्य देयता		
7,01,262	प्रत्यर्पणीय जमा	6,51,262	
1,05,74,471	उपदान देयता	1,03,31,433	
75,71,340	छुट्टी नकदीकरण देयता	59,38,128	
1,23,504	बीमा सूचना ब्यूरो	1,23,504	
4,87,836	भविष्य निधि में अंशदान (कर्मचारी)	5,34,773	
75,845	एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड	4,00,649	
4,06,662	आईएआई कर्मचारी संदेय	11,790	
2,26,10,595	बकाया देयता	3,33,94,455	5,13,85,994
4,92,81,989	कुल रुपये		6,26,34,822

भारतीय बीमांकक संस्थान

31.03.2026 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की टिप्पणियां

टिप्पणी 7 अचल आस्तियां												
क्र. सं.	विवरण	मूल्य हास दर प्रति.	सकल खंड				मूल्यहास				निवल खंड	
			01 अप्रैल 2025 को यथास्थिति	वर्ष के दौरान परिवर्द्धन	विक्रय समायोजन	31 मार्च 2026 को यथास्थिति	01 अप्रैल .2025 तक	वर्ष के दौरान	विक्रय /समायो जन	31 मार्च 2026 तक	31 मार्च 2026 को यथास्थिति	31 मार्च 2025 को यथास्थिति
1	ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली	15	51,757	-	-	51,757	51,031	109	-	51,140	616	725
2	नकदी पेटी	15	4,728	-	-	4,728	4,625	15	-	4,640	88	103
3	कंप्यूटर	60	14,060,225	7,393,026	-	2,14,53,251	12,564,373	3,892,296	-	1,64,56,669	49,96,582	14,95,852
4	शेफ लॉकर	15	24,789	-	-	24,789	23,511	192	-	23,703	1,086	1,278
5	वजन मशीन	15	9,384	-	-	9,384	7,826	234	-	8,060	1,324	1,558
6	कार्यालय उपकरण	15	7,92,736	1,24,279	-	9,17,015	4,32,408	63,332	-	4,95,740	4,21,275	3,60,328
7	बिजनेस प्रोजेक्टर	15	1,24,789	-	-	1,24,789	77,555	7,085	-	84,640	40,149	47,234
8	भवन कार्यालय परिसर	10	16,96,41,485	-	-	16,96,41,485	9,45,64,647	75,07,684	-	10,20,72,331	6,75,69,154	7,50,76,838
9	फर्निचर एवं जुड़नार	15	2,45,22,657	-	-	2,45,22,657	1,73,08,218	10,82,166	-	1,83,90,384	61,32,272	72,14,438
10	वीडियो कॉन्फ्रेंस प्रणाली	15	7,77,890	1,15,717	-	8,93,607	4,75,049	46,282	-	5,21,331	3,72,276	3,02,841
11	अमूर्त आस्तियां — एमटीएस (प्रणाली)—आईटी	एसएल एम	-	65,60,266	-	65,60,266	-	9,99,317	-	9,99,317	55,60,949	-
12	अमूर्त आस्तियां — शिक्षा सामग्री — सी2	एसएल एम	-	33,59,109	-	33,59,109	-	2,02,46,700	-	2,02,467	31,56,642	-
	कुल	क	210,010,439	17,552,397	-	227,562,836	125,509,243	13,801,179	-	139,310,422	88,252,414	84,501,196
	पिछले वर्ष		208,467,253	1,543,186	-	210,010,439	114,959,386	10,549,857	-	125,509,243	84,501,196	93,507,867
प्रगतिधीन कार्य												
11	वेबसाइट विकास	-	89,65,112	-	89,65,112	-	-	-	-	-	-	89,65,112
12	अध्ययन सामग्री		11,690,000	4,907,050	3,359,109	13,237,941	-	-	-	-	13,237,941	11,690,000
	कुल		20,655,112	4,907,050	12,324,221	13,237,941	-	-	-	-	13,237,941	20,655,112
	सकल योग		230,665,551	22,459,447	12,324,221	240,800,777	125,509,243	13,801,179	-	139,310,422	101,490,355	105,156,308

भारतीय बीमांकक संस्थान

31.03.25 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की टिप्पणियां

दिनांक 31. 03. 25 को यथा स्थिति	विवरण	दिनांक 31. 03. 26 को यथा स्थिति	दिनांक 31. 03. 26 को यथा स्थिति
टिप्पणी 8	निवेश		
	क) बॉड में (दीर्घावधिक निवेश)		
1,43,36,680	6.54 प्रतिशत जीएस 2032 एफवी में निवेश 1.50 करोड़	1,43,36,680	
1,49,01,820	7.85 प्रतिशत एमपी एसडीएल 2032 एफवी में निवेश 1.48 करोड़	1,49,01,820	
1,89,71,180	6.54 प्रतिशत जीएस 2032 एफवी में निवेश 2 करोड़	1,89,71,180	
3,91,68,000	6.54 प्रतिशत जीएस 2032 एफवी में निवेश 4 करोड़	3,91,68,000	
2,45,91,340	7.54 प्रतिशत जीएस 2036 में निवेश 2.46 करोड़	2,45,91,340	
28,842,005	7.26 प्रतिशत जीएस 2033 में निवेश 2.85 करोड़	28,842,005	
59,711,000	7.57 प्रतिशत जीएस 2033 में निवेश 5.80 करोड़	59,711,000	
	ख) सावधि जमा में (दीर्घावधिक निवेश)		
96,42,985	कर्नाटक बैंक लि.	0	
4,00,00,000	एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लि.	40,000,000	
5,40,00,000	केनरा बैंक	54,000,000	
1,25,50,000	बैंक ऑफ महाराष्ट्र	0	
3,00,00,000	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	60,000,000	
80,00,000	स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद	8,000,000	
21,50,000	पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि.	0	
30,000,000	आईसीआईसीआई होम फाइनेंस	40,000,000	
0	पंजाब नेशनल बैंक	80,000,000	
30,000,000	यस बैंक	30,000,000	
60,500,000	एक्सिस बैंक लि.	60,500,000	
68,000,000	बैंक ऑफ बड़ौदा	71,677,151	
54,000,000	एचडीएफसी बैंक	54,000,000	
10,000,000	एचडीएफसी लि.	10,000,000	
35,000,000	भारतीय स्टेट बैंक	35,000,000	
30,000,000	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक	60,000,000	
55,000,000	इंडसइंड बैंक	55,000,000	
	ग) म्युचुअल फंड (अल्पावधिक निवेश एएस-13 के अनुसार यथा उल्लिखित)		
8,79,405	एलआईसी लिक्विड प्लस फंड – संवृद्धि विकल्प	8,79,405	
6,42,79,393	एसबीआई बचत निधि	6,42,79,393	
	(बाजार मूल्य – 9,14,80,254.52 रुपये एवं लागत 6,51,58,798 / – रुपये, एएस-13 के अनुसार बाजार मूल्य अथवा लागत जो भी निम्नतर हो)		
	घ) खंड 8 कंपनी में निवेश		
14,99,990	10 रुपये प्रति शेयर की दर पर आईएआईईआरओ के इक्विटी शेयरों में निवेश	14,99,990	
10	अध्यक्ष की ओर से 10 रुपये प्रति शेयर की दर पर आईएआईईआरओ के 1 इक्विटी शेयर में निवेश	10	
79,60,23,808	कुल रुपये		92,53,57,974

दिनांक 31. 03. 25 को यथा स्थिति	विवरण	दिनांक 31. 03. 26 को यथा स्थिति	दिनांक 31. 03. 26 को यथा स्थिति
टिप्पणी 9	नकदी एवं बैंक में जमा राशि		
	क) नकदी शेष		
1,651	रोकड़ शेष	1,666	
			1,666
	ख) बचत खाते में जमा राशि		
53,096	भारतीय स्टेट बैंक	54,460	
6,22,64,371	एक्सिस बैंक लि.	6,28,84,026	
			6,29,38,486
	ग) चालू खाते में जमा राशि		
1,15,827	एक्सिस बैंक लिमिटेड	13,17,636	
20,331	एक्सिस बैंक – स्मार्ट कार्ड	35,224	
6,24,53,625			13,52,860
6,24,55,276	कुल रुपए		6,42,93,012

दिनांक 31. 03. 25 को यथा स्थिति	विवरण	दिनांक 31. 03. 26 को यथा स्थिति	दिनांक 31. 03. 26 को यथा स्थिति
टिप्पणी 10	विविध ऋणदाता		
1,50,09,883	ऋणदाता	2,10,39,150	
1,50,09,883	कुल रुपए		2,10,39,150
टिप्पणी 11	ऋण एवं अग्रिम		
	क) ऋण एवं अग्रिम :		
	प्राप्य स्रोत पर कटौती		
1,27,439	निर्धारण वर्ष 2006–07	1,27,439	
3,88,807	निर्धारण वर्ष 2007–08	3,88,807	
6,42,158	निर्धारण वर्ष 2008–09	6,42,158	
5,43,485	निर्धारण वर्ष 2009–10	5,43,485	
21,21,492	निर्धारण वर्ष 2013–14	21,21,492	
14,79,044	निर्धारण वर्ष 2015–16	14,79,044	
13,21,180	निर्धारण वर्ष 2016–17	13,21,180	
19,09,735	निर्धारण वर्ष 2017–18	19,09,735	
20,27,867	निर्धारण वर्ष 2018–19	20,27,867	
30,49,239	निर्धारण वर्ष 2019–20	30,49,239	
9,00,052	निर्धारण वर्ष 2020–21	9,00,052	
17,09,183	निर्धारण वर्ष 2021–22	17,09,183	
43,92,993	निर्धारण वर्ष 2022–23	43,92,993	
51,42,902	निर्धारण वर्ष 2023–24	51,42,902	
66,31,157	निर्धारण वर्ष 2024–25	66,31,157	
38,00,043	निर्धारण वर्ष 2025–26	38,00,043	
0	निर्धारण वर्ष 2026–27	56,95,304	4,19,69,739
1,13,301	प्राप्य स्रोत पर कटौती निर्धारण वर्ष 2023–24	1,13,301	
89,506	प्राप्य स्रोत पर कटौती निर्धारण वर्ष 2024–25	89,506	2,02,807

50,000	बिल डेस्क पर जमा	50,000	
1,78,541	विद्युत में जमा	1,78,541	
दिनांक 31. 03. 25 को यथा स्थिति	विवरण	दिनांक 31. 03. 26 को यथा स्थिति	दिनांक 31. 03. 26 को यथा स्थिति
7,48,823	विवादाधीन सेवा कर	9,44,512	
6,99,084	पूर्व भुगतान व्यय	13,49,346	
81,120	बल्क एसएमएस	81,120	
10,000	अग्रिम वेतन	0	
10,000	नेटको कवरेज प्रा. लि. जमा	10,000	26,13,519
3,81,67,151	कुल रुपए		4,47,86,065
टिप्पणी 12	निवेश पर प्रोद्भूत ब्याज		
11,26,91,255	प्रोद्भूत ब्याज	12,11,11,837	
11,26,91,255	कुल रुपए		12,11,11,837

भारतीय बीमांकक संस्थान

दिनांक 31. 03. 2026 को समाप्त वर्ष की आय एवं व्यय की टिप्पणियां

31 मार्च 2025 को समाप्त पिछले वर्ष टिप्पणी 22	विवरण	31 मार्च 2026 को समाप्त चालू वर्ष	31 मार्च 2026 को समाप्त चालू वर्ष
	संस्थान के व्यय		
4,96,68,675	वेतन (जिनमें बोनस/उपदान/ छुट्टी नकदीकरण शामिल है)	4,56,61,143	
18,21,404	संविदा के तहत वेतन	35,82,197	
4,74,355	कर्मचारी कल्याण	2,98,378	
23,11,172	बिजली प्रभार	17,93,630	
2,05,66,036	परीक्षा संबंधी व्यय	3,03,23,468	
35,76,057	अध्ययन सामग्री संबंधी व्यय	42,31,420	
3,58,62,893	यूके, लंदन के लिए रॉयल्टी	3,90,12,731	
1,98,19,271	जीएसी/वीएसी व्यय	3,84,24,838	
26,83,994	संगोष्ठी संबंधी व्यय	29,81,758	
25,00,000	एक्चुरी इंडिया पत्रिका संबंधी व्यय	32,50,000	
15,60,401	बैठक संबंधी व्यय, आवास सहित	60,15,450	
6,80,581	बीमा प्रीमियम	6,29,540	
71,96,896	विधिक एवं वृत्तिक प्रभार	66,88,977	
7,43,361	मुद्रण एवं लेखन सामग्री	11,97,481	
6,72,408	डाक, कूरियर एवं टेलीफोन प्रभार	7,00,876	
1,81,749	यात्रा एवं सवारी	2,10,806	
31,71,591	मरम्मत एवं अनुरक्षण	28,30,016	
70,390	बैंक प्रभार	93,701	
17,78,061	सदस्यता एवं ग्राहकी शुल्क	14,34,947	
1,21,133	कार्यालय एवं सामान्य व्यय	2,43,559	
29,501	कर्मचारी भर्ती शुल्क	15,51,376	
16,26,401	शिक्षा संवर्धन एवं विपणन	24,86,320	
57,75,594	कोचिंग कक्षा एवं प्रशिक्षण व्यय	15,29,062	
0	ब्याज प्रभार	4,443	
20,98,812	साझा क्षेत्र रखरखाव (सीएएम प्रभार)	20,91,596	
4,93,276	संपत्ति कर	4,93,276	
5,70,873	लेनदेन प्रभार एवं विदेशी मुद्रा अंतर	3,87,546	
23,750	प्रकीर्ण व्यय	46,600	
30,000	चुनाव व्यय	25,000	
83,51,395	इनपुट जीएसटी व्यय	1,21,55,307	
0	बटुटे खाते	11,129	
2,700	पुस्तकालय पुस्तक व्यय	0	
12,30,500	आईटी प्रणाली संपरीक्षा	3,95,000	
6,900	आईटी प्रकीर्ण सेवाएं	2,650	
878	नियोजन लागत	0	
6,66,843	प्रत्यायन	3,91,173	
17,63,67,850			21,11,75,393
	लेखा परीक्षा शुल्क		
1,50,000	आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	1,50,000	
50,000	सांविधिक लेखा परीक्षा शुल्क	50,000	
2,00,000			2,00,000
17,65,67,850	कुल रुपए		21,13,75,393

31.03.2026 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय की अनुसूचियां

31 मार्च 2025 को समाप्त पिछले वर्ष	विवरण	31 मार्च 2026 को समाप्त चालू वर्ष	31 मार्च 2026 को समाप्त चालू वर्ष
टिप्पणी 20	विशिष्ट निधियों में आवंटित ब्याज		
17,882	प्रोफेसर जी.एस; दिवान पुरस्कार स्मारक/पुरस्कार/ईनाम निधि – एसए 2	17,492	
15,610	प्रोफेसर (स्व.) जी.एस. दिवान 100वीं जन्म वर्षगांठ स्मारक शिक्षा निधि (आर एम मेहता द्वारा प्रत्यर्पित) (आर एम मेहता द्वारा अभ्यर्पित)	14,612	
27,586	प्रोफेसर जी.एस; दिवान स्मारक छात्रवृत्ति निधि (अनुसंधान परियोजना के लिए)	27,302	
17,682	प्रोफेसर जी.एस; दिवान जन्म शताब्दी शिक्षा निधि (सीएम 2 विषय के लिए)	16,706	
2,002	के. आर. तलपाडे स्मारक छात्रवृत्ति धर्मादा निधि (सीटी1 विषय के लिए)	2,024	
6,309	एच. वी. कृष्णामूर्ति पुरस्कार निधि (सीएस 1 विषय के लिए)	5,211	
713	शांति न्यास धर्मादा निधि (सदस्य द्वारा सर्वोत्तम अनुसंधान/लेख के लिए)	720	
45,538	कनाडा जीवन बीमा छात्रवृत्ति धर्मादा निधि (सफल एसोसिएट्स एवं फेलाएसटी के लिए)	45,448	
8,105	के. ए. पंडित पुरस्कार निधि (एसपी 4 विषय के लिए)	7,609	
48,309	के. ए. पंडित पुरस्कार एसए 4	47,508	
10,389	जनार्दन पुंडलिक निरुलकर पुरस्कार निधि (एसपी2 विषय के लिए)	9,626	
8,195	प्रोफेसर आर.एम. जोशी पुरस्कार निधि (सीबी 2 विषय के लिए)	7,409	
3,381	पीटर अकेर अनुसंधान पुरस्कार निधि (जीवन बीमा के लिए)	3,418	
232	पीटर अकेर पुरस्कार निधि (एसपी7 विषय के लिए)	235	
4,816	जे. आर. जोशी पुरस्कार निधि (सीपी3 विषय के लिए)	3,993	
36,657	स्व. मीना सिधवानी बीमाकिक शिक्षा निधि	34,137	
12,326	स्व. आर. एम. मेहता स्मारक निधि	12,459	
6,283	स्व. ए. एस. गुप्ता पुरस्कार निधि	4,797	
3,63,461	प्रिसिपल पीएनबी लाइफ जीवन बीमा कंपनी लिमिटेड	367,402	
9,880	कमल कुमार नौरंग लाल पोदार पुरस्कार निधि, एसपी 5 के लिए	9,404	
9,682	स्व. डी बसु पुरस्कार निधि	9,204	
703	स्व. सुशील देव चटर्जी निधि	710	
896	केरिश्ना कुमार तिवारी स्मारक शैक्षणिक उत्कृष्टता (एसपी 8)	1,915	
9,337	आत्माराम, छज्जूराम एवं पार्वती देवी स्मारक छात्रवृत्ति निधि	7,688	
8,974	दें पयूचर बीमांकक पुरस्कार निधि	8,488	
5,796	स्व. श्रीमती जया और कुमारी कल्पना एन पारिख	5,275	
25,805	आर. कृष्णास्वामी पुरस्कार निधि – सीएस 2	25,210	
23,304	आर. कृष्णास्वामी पुरस्कार निधि – सीपी 3	22,973	
6,795	श्रीमती विद्यावती और श्रीमती संतोष कुमारी स्मारक छात्रवृत्ति निधि	5,994	
25,815	स्विस रे (पुस्तकालय अवसंरचना)	26,095	
72,997	स्विस रे (फर्नीचर)	73,788	
29,155	सर्टैडर्ड लाइफ फंड	29,471	
1,26,606	सर्टैडर्ड लाइफ फंड (फर्नीचर)	127,978	

3,80,363	प्रूडेंशियल कारपोरेशन एशिया लिमिटेड निधि (कोचिंग कक्षाएं एवं परीक्षक संगोष्ठियां)	376,370	
2,492	एचडीएफसी (बीमांकिक डायरेक्टरी)	2,519	
1,90,377	सीपीडी/अनुसंधान निधि	192,440	
19,83,145	जीसीए एवं अनुसंधान निधि	2,004,640	
31 मार्च 2025 को समाप्त पिछले वर्ष	विवरण	31 मार्च 2026 को समाप्त चालू वर्ष	31 मार्च 2026 को समाप्त चालू वर्ष
11,70,130	भवन निधि	1,182,812	
3,61,65,632	विकास आरक्षित निधि	39,172,877	
2,13,435	भारतीय जीवन बीमा निगम (प्रचार एवं पुरस्कार)	215,748	
1,69,067	आईसीआईसीआई	170,899	
49,900	कर्मचारी राहत निधि	50,440	
3,17,152	छात्र सहायता योजना	294,451	
32,677	स्व. श्री अक्षय पंडित के स्मरण में साझीदार निधि (सीपी 3)	31,044	
39,190	टाटा एआईए लाइफ शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार (सीपी 1)	38,290	
11,681	शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार एसपी 7	11,067	
45,013	स्व. श्री के पी सरमा स्मारक पुरस्कार निधि	44,626	
16,712	केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस अवार्ड (डिजिटल एक्चुआरी इंडिया)	15,435	
30,270	स्व. श्री मुकुल चन्द्र चक्रवर्ती स्मारक शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार सीएस1	29,274	
4,18,08,457	कुल रुपए		44,815,236

31.03.2026 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय की टिप्पणियां

31 मार्च 2025 को समाप्त पिछला वर्ष	विवरण	31 मार्च 2026 को समाप्त चालू वर्ष	31 मार्च 2026 को समाप्त चालू वर्ष
टिप्पणी 18	निवेश आय		
	क) बचत बैंक खाते में जमा राशि पर ब्याज		
29,73,529	एक्सिस बैंक खाते पर ब्याज	31,29,885	
1,408	भारतीय स्टेट बैंक	1,364	
29,74,937			31,31,249
	ख) बैंक के मियादी खाते में जमा राशि पर ब्याज		
41,65,414	एक्सिस बैंक लिमिटेड	4,394,689	
15,11,055	देना बैंक	5,072,317	
22,11,089	एसबीआई	2,320,812	
42,50,656	एचडीएफसी बैंक	4,107,672	
16,39,352	कर्नाटक बैंक	443,454	
11,20,447	स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद	1,201,121	
34,69,875	केनरा बैंक	3,644,853	
30,47,471	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	3,686,077	
21,16,796	बैंक ऑफ महाराष्ट्र	623,564	
19,60,198	आरबीएल बैंक	0	
34,16,393	यस बैंक	3,610,399	
19,37,981	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक	2,469,700	

8,45,192	इंडसइंड बैंक	4,523,564	
0	पंजाब नेशनल बैंक	1,085,452	
3,16,91,919			3,71,83,674
	ग) अन्य निवेशों से प्राप्त ब्याज / लाभांश		
8,281,796	एनबीएफसी/एचएफसी में जमा सावधि जमाओं पर ब्याज	5,832,794	
14,430,887	सरकारी प्रतिभूति बंध पत्र पर ब्याज	14,381,340	
22,712,683			20,214,134
5,73,79,539	कुल रुपए (क + ख + ग)		60,529,057
टिप्पणी 19	निवेशों की बिक्री से आय		
0	एसबीआई एमएफ इनकम प्लस फंड से आय (लाभांश)		0
0			0

31.03.2026 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की टिप्पणियां

31 मार्च 2025 को समाप्त पिछले वर्ष	विवरण	31 मार्च 2026 को समाप्त चालू वर्ष	31 मार्च 2026 को समाप्त चालू वर्ष
टिप्पणी 13	शैक्षणिक सेवाएं एवं परीक्षा शुल्क		
5,01,14,050	परीक्षा शुल्क	7,18,45,393	
5,27,30,400	पठन सामग्री और ट्यूशन सामग्री शुल्क	6,64,94,951	
59,56,600	छूट शुल्क	1,28,05,000	
28,22,000	प्रवेश शुल्क	61,80,502	
3,41,000	बीमांकक भारत पत्रिका आय	14,09,500	
11,19,63,450	कुल रुपए	15,87,35,346	
टिप्पणी 14	ऑनलाइन कोचिंग एवं प्रशिक्षण		
15,26,570	कोचिंग	65,73,552	
29,03,500	काउंसिलिंग / प्रशिक्षण	15,17,500	
44,30,070	कुल रुपए		80,91,052
टिप्पणी 15	सदस्यों का अंशदान		
2,38,48,510	सदस्यता शुल्क	3,77,95,103	
2,38,48,510	कुल रुपये	3,77,95,103	
टिप्पणी 16	सेमिनार शुल्क		
4,16,09,968	जीसीए/वीएसी से संबंधित आय	6,85,51,721	
4,16,09,968	कुल रुपये	6,85,51,721	
टिप्पणी 17	सेमिनार शुल्क		
60,78,499	सेमिनार एवं बेबिनार	74,01,000	
60,78,499	कुल रुपये		74,01,000
टिप्पणी 21	अन्य आय		
30,36,000	सीओपी शुल्क (नवीनीकरण एवं नये निर्गम)	33,92,000	
12,38,000	वर्ग में प्रवेश परिवर्तन	21,05,500	
18,29,356	सीपीडी	25,04,550	
84,123	अपलेखित विविध शेष	79,487	
26,000	छात्र सत्यापन	0	
0	आय कर प्रतिदाय पर ब्याज	0	
2,73,357	अन्य आय	15,293	
10,29,188	प्रत्यायन आय	14,68,062	
75,16,024	कुल रुपए		95,64,892

भारतीय बीमांकन संस्थान

टिप्पणी – 1

लेखांकन टिप्पणी

क) महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. लेखांकन प्रथा

इन लेखों को ऐतिहासिक लागत के आधार पर लेखांकित किया गया है और भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए प्रयोज्य लेखांकन मानकों के अनुसार तैयार किया गया है और जब तक अन्यथा उल्लेख नहीं किया गया है, ये उपचय आधारित हैं।

2. राजस्व मान्यता

क) प्रवेश शुल्क :

प्रवेश शुल्क को छात्रों के दाखिले के वर्ष में आय के रूप में माना गया है।

ख) सदस्यता शुल्क :

वर्ष में प्राप्त सदस्यता शुल्क वास्तविक प्राप्ति आधार पर आय के रूप में माना गया है।

ग) परीक्षा शुल्क :

परीक्षा शुल्क को परीक्षाओं के आयोजन के आधार पर माना गया है।

घ) अध्ययन पाठ्यक्रम और शिक्षण सामग्री शुल्क :

अध्ययन पाठ्यक्रम की बिक्री और शिक्षण सामग्री शुल्क से प्राप्त राजस्व को अध्ययन सामग्री की बिक्री के वर्ष में आय माना गया है।

ङ) सेमिनार शुल्क :

सेमिनार शुल्क को सेमिनार के आयोजन के आधार पर माना गया है।

च) ब्याज देने वाली प्रतिभूतियों और सावधि जमा से प्राप्त आय को इस तरह के निवेशों पर लागू दरों पर उपचय आधार पर आय माना गया है।

3. उद्दिष्ट निधियों में आवंटन / अंतरण

उद्दिष्ट निधियों में निवेश से प्राप्त आय को भारित औसत पद्धति के आधार पर अनुपातिक रूप से उद्दिष्ट निधियों में आवंटित किया गया है।

4. अचल आस्तियां और मूल्यह्रास

क) अचल आस्तियों को ऐतिहासिक लागत से मूल्यह्रास घटा कर दर्शाया गया है।

ख) मूल्यह्रास, संबंधित आस्तियों के उपयोगी जीवन के आधार पर संस्थान द्वारा यथा अनुमोदित निम्नलिखित दरों पर ह्रासित मूल्य पद्धति के अनुसार किया गया है :

आस्तियों के प्रकार	मूल्यह्रास की दर
कंप्यूटर	60 प्रतिशत
संयंत्र एवं मशीनरी	15 प्रतिशत
फर्नीचर एवं जुड़नार	15 प्रतिशत

भारतीय बीमांकक संस्थान

- ग) परिवर्धन पर मूल्यवृद्धि यथानुपात आधार पर प्रदान किया गया है। अमूर्त संपत्तियों, अर्थात् एमटीएस (प्रणाली) – आईटी और शिक्षा सामग्री – सी2, पर मूल्यवृद्धि सांविधिक लेखापरीक्षक के मूल्यांकन और राय के आधार पर सरल-रेखा पद्धति (एसएलएम) का इस्तेमाल करके लगाया जाता है।
- घ) वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान, भारतीय बीमांकक संस्थान (आईएआई) ने संबंधित विभाग से काम पूरा होने और इस्तेमाल के लिए तैयार होने की पुष्टि मिलने तथा सांविधिक लेखापरीक्षक की राय के आधार पर, एमटीएस प्रणाली (वेबसाइट विकास) से जुड़े 'प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य' को 'मूर्त आस्तियों दृ एमटीएस (प्रणाली) – आईटी' के तहत पूंजीकृत किया।
- ङ) वित्तीय वर्ष 2025दृ26 के दौरान, भारतीय बीमांकक संस्थान (आईएआई) ने संबंधित विभाग से काम पूरा होने और इस्तेमाल के लिए तैयार होने की पुष्टि मिलने तथा सांविधिक लेखापरीक्षक की राय के आधार पर, 'शिक्षा सामग्री – सी2' के लिए अध्ययन सामग्री के विकास से जुड़े 'प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य' को 'मूर्त आस्तियों – एमटीएस (प्रणाली) – आईटी' के तहत पूंजीकृत किया।
- च) 31 मार्च, 2026 तक, अध्ययन सामग्री के विकास, जिसे 'प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य (डब्ल्यूआईपी)' के तौर पर वर्गीकृत किया गया है और जिसकी राशि 1,32,37,941 /— रुपये है, अलग-अलग विषयों में अलग-अलग स्तर की प्रगति को दर्शाता है।

5. निवेश

वर्तमान निवेश, लागत और उचित मूल्य, के निम्नतर पर किया गया है। दीर्घावधिक निवेश लागत पर किए गए हैं।

म्युचुअल फंड का बाजार मूल्य (वर्तमान निवेश) 9,14,80,254.52 रुपये है और लागत 6,51,58,798.00 रुपये है। इसलिए, लेखांकन मानक – 13 वर्तमान के अनुसार, वर्तमान निवेशों को बाजार मूल्य या लागत, जो भी कम हो, पर मूल्य निर्धारण किया गया है।

प्रत्येक तुलन पत्र तिथि को, चालू निवेशों को लागत और उचित मूल्य में से कम पर रखा जाता है। उचित मूल्य व्यक्तिगत आधार पर निर्धारित किया जाता है। दीर्घावधि निवेशों को आमतौर पर लागत पर रखा जाता है और अस्थायी के अलावा दीर्घावधि निवेश के मूल्य में गिरावट को निवेश मूल्य से कम नहीं किया जाता है और लागत मूल्य पर रखा जाता है। खरीद के समय भुगतान किया गया प्रीमियम निवेश की शेष परिपक्वता पर परिशोधित किया जाता है। संस्थान में प्रत्येक तुलन पत्र तिथि के अंत में निवेश का मूल्यांकन नहीं किया जाता है।

6. प्रावधान

किसी प्रावधान को तब मान्य किया जाता है जब किसी उद्यम की वर्तमान देयता पुरानी घटनाओं के परिणामस्वरूप होती है : यह संभव है कि दायित्व के निपटान के लिए संसाधनों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी, जिसके संबंध में एक विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है। प्रावधान को इसके वर्तमान मूल्य पर छूट नहीं दी जाती है और यह तुलन पत्र तिथि को दायित्वों का निपटान करने के लिए आवश्यक सर्वोत्तम अनुमानों के आधार पर निर्धारित किया जाता है। प्रत्येक तुलन पत्र तिथि को इसकी समीक्षा की जाती है और वर्तमान सर्वोत्तम अनुमानों को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजित की जाती है।

ख) लेखा टिप्पणियां :**1. आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां**

आकस्मिक देयताएं एक संभावित बाध्यता है जो पूर्व की घटनाओं से उत्पन्न होती है और जिसके अस्तित्व की पुष्टि, ऐसी अनिश्चित घटनाओं जो संस्थान के पूरी तरह नियंत्रण में नहीं हैं, के घटित होने अथवा घटित नहीं होने से की जाएगी, अथवा यह एक वर्तमान बाध्यता है जो पूर्व की घटनाओं के कारण से उत्पन्न होती है परंतु मान्य नहीं होती है, क्योंकि यह संभावित नहीं होता है कि बाध्यता को पूरा करने के लिए आर्थिक हितलाभ अवतीर्ण संसाधन वाह्य प्रवाह की आवश्यकता होगी, अथवा बाध्यता की राशि का विश्वसनीय आकलन नहीं किया जा सकता है। आकस्मिक देयताओं का प्रकटन किया जाता है और यह मान्य नहीं किया जाता है। आकस्मिक आस्तियां न तो मान्य होती हैं और न ही इनका प्रकटन किया जाता है।

आकस्मिक देयताएं और प्रतिबद्धताएं	31 मार्च 2026	31 मार्च 2025
क) ट्रेसेस टीडीएस मांग	3,13,680.00	10,42,920.00
ख) सेवा कर मांग	94,06,141.00	94,06,141.00
ग) धारा 143(1) के अंतर्गत आय कर मांग, नि.व. 2015-16	4,72,67,297.00	4,72,67,297.00
घ) धारा 143(1) के अंतर्गत आय कर मांग, नि.व. 2016-17	4,89,37,996.00	4,89,37,996.00
ङ) धारा 143(1) के अंतर्गत आय कर मांग, नि.व. 2018-19	—	7,71,04,880.00
च) धारा 143(1) के अंतर्गत आय कर मांग, नि.व. 2023-24	1,79,63,820.00	1,79,63,820.00

निर्धारण वर्ष 2018-19 के लिए, माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय ने आईएआई के पक्ष में आदेश दिया है, जिससे कर मांग को निरस्त कर दिया गया है और आय कर विभाग ने इस आदेश को क्रियान्वित भी कर दिया है। निर्धारण वर्ष (एवाय) 2015-16 और 2016-17 के आय कर मामलों में, माननीय आय कर अपीलीय अधिकरण (आईटीएटी), मुंबई ने भारतीय बीमांकक संस्थान (आईएआई) की अपील को मंजूरी दे दी है। आईटीएटी के निर्णयों को क्रियान्वित करने वाले आदेश अभी संबंधित निर्धारण अधिकारी के पास लंबित हैं। निर्धारण वर्ष 2023-24 के लिए, आईएआई ने आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 154 के तहत संबंधित निर्धारण अधिकारी के पास एक सुधार आवेदन दायर किया है, जिसमें धारा 143(1) के तहत पारित आदेश में अभिलेख से स्पष्ट गलतियों को सुधारने की मांग की गई है।

2. कर्मचारी हितलाभ**क) उपदान :**

संस्थान, बीमांकिक मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर और प्रयोज्य लेखांकन मानक के अनुसार उपदान देयता के लिए प्रावधान करता है।

	वर्तमान अवधि	पूर्व अवधि
हितलाभ का प्रकार	उपदान	उपदान
देश	भारत	भारत
प्रतिवेदन मुद्रा	भारतीय रुपए	भारतीय रुपए
प्रतिवेदन मानक	लेखांकन मानक 15 संशोधित (एएस 15आर)	लेखांकन मानक 15 संशोधित (एएस 15आर)
निधियन स्थिति	गैर-निधिबद्ध	गैर-निधिबद्ध
अवधि प्रारंभ तिथि	1 अप्रैल 25	1 अप्रैल 24
प्रतिवेदन तिथि	31 मार्च 26	31 मार्च 25
प्रतिवेदन अवधि	12 माह	12 माह

भारतीय बीमांकक संस्थान

अवधारणाएं (प्रारंभ अवधि)		
योजनागत आस्तियां से प्रत्याशित आय	लागू नहीं	लागू नहीं
	वर्तमान अवधि	पूर्व अवधि
बढ़ा दर	6.65 प्रतिशत	7.19 प्रतिशत
वेतन वृद्धि दर	10.00 प्रतिशत	10.00 प्रतिशत
कर्मचारी कारोबार दर	10.00 प्रतिशत	10.00 प्रतिशत
नियोजन के दौरान मर्त्यता दर	भारतीय आश्वासित जीवन मर्त्यता 2012-14 (शहरी)	भारतीय आश्वासित जीवन मर्त्यता 2012-14 (शहरी)
अवधारणाएं (अंतिम अवधि)		
योजनागत आस्तियां पर प्रत्याशित आय	लागू नहीं	लागू नहीं
बढ़ा दर	7.23 प्रतिशत	6.65 प्रतिशत
	वर्तमान अवधि	पूर्व अवधि
वेतन वृद्धि दर	10.00 प्रतिशत	10.00 प्रतिशत
कर्मचारी कारोबार दर	10.00 प्रतिशत	10.00 प्रतिशत
नियोजन के दौरान मर्त्यता दर	भारतीय आश्वासित जीवन मर्त्यता 2012-14 (शहरी)	भारतीय आश्वासित जीवन मर्त्यता 2012-14 (शहरी)
	वर्तमान अवधि	पूर्व अवधि
परिनिश्चित हितलाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन दर्शाने वाला सारणी		
अवधि की शुरुआत में हितलाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	1,05,74,471	1,33,80,998
ब्याज लागत	7,03,202	9,62,094
वर्तमान सेवा लागत	7,15,845	9,24,234
पूर्व सेवा लागत - अवधि के दौरान व्ययित गैर निहित हितलाभ	—	—
पूर्व सेवा लागत - अवधि के दौरान प्राप्त निहित हितलाभ	—	—
अंतरित / अधिग्रहित देयता	—	—
(वाह्य अंतरित देयता / विनिवेश)	—	—
कटौती पर (लाभ) / घाटा	—	—
(निपटान पर समाप्त देयता)	—	—
(नियोक्ता द्वारा प्रत्यक्षतः भुगतान किय गया हितलाभ)	(20,00,000)	(43,57,538)
(निधि से भुगतान किया गया हितलाभ)	—	—
विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव	—	—
दायित्वों पर बीमांकिक (लाभ) / हानि - जनसांख्यिकीय मान्यताओं में परिवर्तन के कारण	—	—

	वर्तमान अवधि	पूर्व अवधि
दायित्वों पर बीमांकिक (लाभ) / हानि - वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन के कारण	3,58,398	2,68,114
बदायित्वों पर बीमांकिक (लाभ) / हानि — अनुभव के कारण	6,96,313	(6,03,431)
अवधि के अंत में लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	1,03,31,433	1,05,74,471

ख) छुट्टी नकदीकरण :

संस्थान ने बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर संचित विशेष लाभ और रुग्णता अवकाश के लिए प्रावधान किया है।

ग) अन्य टिप्पणियां :

- 1) सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 और बॉम्बे लोक न्यास अधिनियम, 1950 के अंतर्गत पंजीकृत भारतीय बीमांकिक सोसायटी (एएसआई) को दिनांक 09.11.2006 को भंग किया गया था और एएसआई की सभी आस्तियों एवं देयताओं को "भारतीय बीमांकिक संस्थान" को अंतरित किया गया था, जिसे संसद के एक अधिनियम अर्थात् "बीमांकिक अधिनियम, 2006" के अंतर्गत गठित किया गया है।
- 2) अध्ययन सामग्री, प्रकाशन और लेखन सामग्री इत्यादि के स्टॉक को संबंधित व्यय लेखा शीर्षों के अंतर्गत खरीद वर्ष में बट्टे खाते डाला गया है।
- 3) आयकर अधिनियम की धारा 10 (23ग) (vi) के अंतर्गत मुख्य आयकर आयुक्त (सीसीए), मुंबई द्वारा जारी दिनांक 31 दिसंबर 2021 के आदेश सं. एएटीए0145क्यूसी20212 के अनुसरण में निर्धारण वर्ष 2022-23 से निर्धारण वर्ष 2026-27 तक के लिए कोई आयकर प्रावधान नहीं किया गया है।
- 4) निवेश आय का आवंटन, प्रबंधन द्वारा यथा प्रमाणित और लेखा परीक्षक जिस पर निर्भर रहते हुए किया गया है।
- 5) पिछले वर्ष के आंकड़ों को जहाँ कहीं भी आवश्यकता पड़ी पुनः एकत्रित, पुनः व्यवस्थित और पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

हमारी समतिथि रिपोर्ट के अनुसार

कृते भारतीय बीमांकिक संस्थान

	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
	प्रीति चन्द्रशेखर	अनुराग रस्तोगी
कृते जैन जगावत कामदार एंड कंपनी के लिए	अध्यक्ष	उपाध्यक्ष
सनदी लेखाकार		
हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	
स.ले. बसंत जैन	आशा मुरली	
भागीदार	मानद सचिव	

सदस्यता सं. 122463
पंजीकरण सं. 122530 डब्ल्यू
स्थान : नवी मुंबई
तिथि : 07 अगस्त 2025

प्रीति चन्द्रशेखर, अध्यक्ष
[विज्ञापन-III/4/असा./336/2026-27]

INSTITUTE OF ACTUARIES OF INDIA
(Statutory Body Established Under an Act of Parliament)

NOTIFICATION

Mumbai, the 21st August, 2026

ANNUAL REPORT AND ACCOUNTS 2025-26

INDIAN ACTUARIAL PROFESSION

Serving the Cause of Public Interest

F. No. IAI/2025-26 report no 001.— INSTITUTE OF ACTUARIES OF INDIA

**NOTICE FOR THE 20TH ANNUAL GENERAL MEETING
TO BE HELD ON UNDER SECTION 13 OF THE ACTUARIES ACT,
2006**

To

All Members of the Institute

Annual General Meeting of the Institute in terms of section 13 of the Actuaries Act, 2006 will be held as under:

Date	21st August 2026
Time	10.00 am 11.00 am
Venue	Hotel Courtyard by Marriott, Mumbai CTS 215, Andheri - Kurla Rd, opposite Carnival Cinemas, Hanuman Nagar, Andheri East, Mumbai, Maharashtra 400093

AGENDA

Agenda 1: Two minutes silence to condole death of the following members, information in respect of who came to notice of the Institute after last AGM on 26th July 2025.

No Members expired during this period.

Agenda 2:

To take on record the Minutes of the 19th Annual General Body Meeting held on 26th July 2025.

Agenda 3:

To adopt the result of the Election to the Council - 2025.

Sd/-

Asha Murali

Honorary Secretary

MINUTES OF 19TH ANNUAL GENERAL MEETING

Annual General Meeting of the Institute in terms of section 13 of the Actuaries Act, 2006 was held as under:

Date	26th July 2025
Time	10.00 am to 11.00 pm
Venue	Institute of Actuaries of India , Board Room, Unit no, F-206, 2nd Floor, “F” Wing in Tower 2, Seawoods Grand Central, Plot no. R-1, Seawoods, Near Seawoods Railway Station, Navi Mumbai – 400 706.

The meeting was adjourned for half an hour due to the non-availability of the required quorum, as stipulated by the Procedure of Conducting Annual General Meeting (AGM). The adjourned meeting commenced at 10.30 am at the same venue, with the condition that no quorum was necessary.

Ms. Preeti Chandrashekhar chaired the meeting and extended a warm welcome to all members and staff of the Institute.

MEMBER (S) PRESENT:-

Sr. No.	Member ID	Name	Category
1.	310	Ms. Preeti Chandrashekhar	Fellow
2.	810	Ms. Asha Murali	Fellow
3.	175	Mr. Saket Singhal	Fellow
4.	1380	Mr. Tanay Chandra	Fellow
5.	24820	Mr. Anubhav Chatteraj	Fellow

IAI STAFF PRESENT: -

Sr. No	Name	Designation
1.	Mr. Yogesh Pandit	AGM – Compliance
2.	Ms. Binita Rautela	General Manager

Agenda 1: Two minutes silence observed in condolence of death of following members.

Sr. No.	Member ID	Name	Category	Date of Death
1.	-	-	-	-

Agenda 2: To take on record the Minutes of the 18th Annual General Body Meeting held on 30th September 2024.

The minutes of 18th Annual General Body Meeting held on 30th September 2024 were taken on record.

Agenda 3: To adopt the result of the Election to the council – 2025.

The Chairperson informed the Council that the Returning Officer had submitted her report to the President in accordance with Clause 4 of Schedule 5 of the Actuaries (Election to the Council) Rules, 2021. The election process was completed on 5th July 2025.

A total of 8 nominations were received for filling up 3 vacancies on the Council. Since the number of candidates exceeded the number of vacancies, elections were held as per the applicable rules.

The Returning Officer declared the following results:

Name of Candidate	Votes Recorded
Mr. Khushwant Pahwa	185
Ms. Yogita Arora	168
Mr. Pravir Chandra	151
Mr. Tanay Chandra	148
Mr. K.T. Jayasager	142
Mr. Anubhav Chatteraj	136
Mr. K Subrahmanyam	77
Mr. Bhavya Mukesh Shah	31

Based on the number of valid votes recorded, the following three candidates were declared elected to the Council:

Mr. Khushwant
Pahwa Ms. Yogita
Arora
Mr. Pravir Chandra

The resolution was proposed by Mr. Saket Singhal and seconded by Mr. Anubhav Chatteraj.

The Meeting ended with vote of thanks to the Chair.

* * * * *

1. PRESIDENT'S UPDATE ON THE ACTIVITIES OF THE INSTITUTE



Preeti Chandrashekhar
President

“The future belongs to those who prepare for it today.”

— Malcolm X

It is with immense honour, gratitude and a deep sense of responsibility that I present the Annual Report and Accounts of the Institute of Actuaries of India (IAI) for the Financial Year 2025–26.

As I reflect on the past year and indeed on my tenure as President, I do so with immense pride in how far our Institute has progressed. This year has been one of purpose, resilience and transformation. Together, we have strengthened the foundations of our profession while embracing new opportunities created by rapid technological advancement, changing economic realities and evolving societal expectations.

India continues to reinforce its position as one of the world's fastest-growing major economies. With sustained economic growth, rapid digital transformation, increasing financial inclusion and significant investments across infrastructure, technology and innovation, our nation continues its journey towards the vision of Viksit Bharat 2047. These developments have further elevated the importance of sound risk management, long-term financial resilience and evidence-based decision making; areas where actuaries have an increasingly vital role to play.

In this changing landscape, the actuarial profession has continued to evolve beyond its traditional boundaries. Today, actuaries contribute not only to insurance and pensions but also to healthcare, banking, investments, climate resilience, enterprise risk management, artificial intelligence, sustainability and public policy. As trusted professionals, we have both the privilege and the responsibility to help institutions make informed decisions in an increasingly uncertain world.

The Institute of Actuaries of India has embraced this evolution with confidence. Throughout the year, we have remained committed to our core mission of advancing actuarial education, strengthening professional standards, encouraging research, promoting collaboration and enhancing member value. Every initiative undertaken during the year has been guided by a single objective, to build a stronger profession that continues to serve society with integrity, excellence and purpose.

Innovation with Purpose

Technology continues to redefine every aspect of our profession. Artificial intelligence, machine learning, advanced analytics and automation are changing how risk is identified, measured and managed. Rather than viewing these developments as disruption, we have chosen to embrace them as opportunities to innovate responsibly.

The Institute has continued to modernise its educational framework, examination systems and member services while ensuring that professional standards remain uncompromising. We believe that technology should enhance actuarial judgement and not replace it, and our efforts during the year have reflected this philosophy.

Collaboration for Collective Growth

The progress of any professional body is built upon collaboration. During the year, the Institute strengthened its engagement with academic institutions, regulators, other professional bodies, employers and international actuarial organisations. These partnerships continue to expand opportunities for our students and members while contributing to the development of the actuarial profession in India.

Equally important has been the extraordinary contribution of our volunteers. Our Council Members, Advisory Groups, Committees, Working Groups and countless volunteers have generously shared their expertise and time in advancing the objectives of the Institute. Their commitment remains one of IAI's greatest strengths.

Actuaries Day 2026

Actuaries Day 2026 was celebrated on 21 August 2026 to commemorate the birth anniversary of Late Shri L. S. Vaidyanathan, India's first actuary. With the theme "One Profession. Endless Possibilities. Infinite Impact.", the occasion brought together members, students, senior actuaries, professionals, academicians, policymakers and industry stakeholders, both in person and virtually. It provided an opportunity to celebrate the profession's rich heritage while reflecting on the changing role of actuaries in a rapidly evolving world.

The celebration was honoured by a keynote address from **Shri Debasish Prusty, Additional Secretary, Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India**, and a special message from **Mr. Mike Lombardi, President of the International Actuarial Association**. Their participation highlighted the growing recognition of the actuarial profession at both the national and international levels and its contribution to business, public policy and society.

The programme also explored the expanding role of actuaries in areas such as artificial intelligence, banking and investments, climate risk, inclusive insurance and behavioural economics. The discussions emphasised the need for actuaries to broaden their skill sets, embrace innovation and remain adaptable, while continuing to uphold the profession's core values of integrity, rigour and sound judgement.

Actuaries Day 2026 also marked a number of important initiatives by IAI. These included the unveiling of the IAI Brand Bible, the launch of the Actuarial Jobs Portal, and the signing of a Memorandum of Understanding between IAI and Birla Institute of Management Technology (BIMTECH) for a certification programme on carbon credits and carbon markets. The occasion also provided an opportunity to recognise and felicitate a senior actuary for his longstanding contribution to the profession.

More than a celebration of the profession's heritage, Actuaries Day 2026 was a reflection of the opportunities that lie ahead. The event reinforced IAI's commitment to supporting the professional growth of actuaries, creating new avenues for engagement and ensuring that the profession continues to contribute meaningfully to business, public policy and society. As the actuarial landscape continues to evolve, IAI looks forward to enabling its members to embrace new possibilities and make an even greater impact in the years ahead.

25th Global Conference of Actuaries 2026

Global Conference of Actuaries (GCA) 2026 and Actuarial Gala Function & Awards (AGFA) A defining highlight of the year was the successful organisation of the **25th Global**

Conference of Actuaries (GCA) and Actuarial Gala Function & Awards (AGFA) 2026, held from 22 to 24 February 2026 at the Jio World Convention Centre, Mumbai. Celebrating the **Silver Jubilee edition** of the Institute's flagship annual event, the conference was organised under the theme "**Actuarial Pathways to Viksit Bharat: Managing Risks for Inclusive Social and Economic Growth.**" The theme underscored the actuarial profession's vital role in supporting India's development agenda through effective risk management, financial resilience and informed decision-making. The event witnessed an overwhelming response, attracting **1,726 registrations, 1,458 unique attendees and 3,230 delegate footfalls**, while bringing together **61 distinguished speakers from 17 countries** through keynote, plenary and signature sessions that facilitated thought-provoking discussions on emerging opportunities and challenges facing the profession.

The conference further demonstrated the growing stature of the Institute and the actuarial profession through the support of **47 partners across 11 partnership categories**, representing diverse segments of the financial services ecosystem. Several innovative initiatives, including the Future Talent Patron Partnership, collaborations with educational institutions, a joint session with ICAI and ICSI, and enhanced delegate engagement experiences, contributed to the conference's resounding success. Complementing the technical deliberations, the **Actuarial Gala Function & Awards (AGFA) 2026** celebrated professional excellence, academic achievements, volunteer contributions and partner support, fostering a strong sense of pride, unity and community. The Silver Jubilee edition not only commemorated twenty-five years of the GCA's remarkable journey but also reaffirmed the Institute's commitment to advancing actuarial excellence, encouraging innovation and strengthening the profession's contribution to India's economic and social progress.

Examinations

The advancement of actuarial education remains one of the foremost priorities of the Institute of Actuaries of India. During the year under review, the Institute continued its steadfast commitment to providing accessible, inclusive, and globally aligned educational opportunities to aspiring actuaries. The successful continuation of the home-based online examination framework enabled candidates to undertake actuarial assessments seamlessly from any location across the world, thereby reinforcing the Institute's dedication to flexibility, accessibility, and operational excellence.

Recognising the importance of preparedness and examination readiness, the Institute conducted multiple mock examinations prior to each examination cycle. These initiatives familiarized candidates with the examination platform, enhanced their confidence, and supported effective time management during assessments. In addition, comprehensive orientation sessions were organised to guide candidates through the examination process and ensure a smooth examination experience.

As part of its ongoing efforts to strengthen academic governance and uphold the highest standards of assessment quality, the Institute organised an Examiner's Webinar on the Question Paper Setting Process for Actuarial Examinations. This initiative facilitated greater consistency, transparency, and alignment with best practices in examination design and evaluation, further reinforcing the credibility and robustness of the Institute's assessment framework.

During the year, the Institute also introduced several important enhancements to its examination-related processes. With effect from the November 2025 Actuarial Examination, the Solution Challenge and Re-evaluation mechanisms were discontinued and replaced by a structured Appeal Process. This significant reform was designed to establish a more systematic, transparent, and efficient post-result review framework, thereby strengthening confidence in the examination system while ensuring fairness and procedural clarity for candidates.

The Institute successfully conducted the May 2025 and November 2025 sessions of the Actuarial Examinations, together with the Actuarial Common Entrance Test (ACET) held in August 2025 and January 2026. These examinations witnessed strong participation, reflecting the growing interest in the actuarial profession and the continuing confidence of students in the educational pathways offered by the Institute.

The ACET examinations conducted during the year attracted a total of 2,656 candidates, out of which 2,325 candidates successfully qualified, resulting in an impressive overall pass percentage of 87.54%. This encouraging outcome underscores the effectiveness of the Institute's preparatory initiatives and highlights the increasing quality of candidates entering the actuarial profession.

The Actuarial Examinations likewise recorded substantial participation across both examination cycles. In May 2025, 5,397 candidates appeared for the examinations, of whom 2,287 qualified, resulting in a pass percentage of 42.38%. The November 2025 examination session attracted 6,158 candidates, with 2,256 candidates qualifying and achieving a pass percentage of 36.64%. These figures reflect both the rigour of the actuarial qualification process and the unwavering commitment of students pursuing professional excellence.

The Institute remained equally focused on listening to and learning from its stakeholders. Post-examination feedback sessions were conducted with candidates to gather valuable insights regarding their examination experiences and to identify opportunities for continuous improvement. Such engagements form an integral part of the Institute's philosophy of continuous enhancement, helping ensure that its educational and assessment processes remain responsive, transparent, and aligned with the evolving needs of the profession.

Through these initiatives, the Institute has continued to strengthen the foundations of actuarial education in India while maintaining the highest standards of academic integrity, professional relevance, and learner-centric excellence. As we look ahead, we remain committed to further enhancing the educational ecosystem, nurturing future actuarial talent, and supporting the sustained growth and global standing of the actuarial profession.

Education

Introduction of Education Policy 2026

The Education Policy 2026 marks a significant milestone in strengthening the Institute of Actuaries of India's education framework. With a focus on strategic vision, robust governance, global alignment, and industry relevance, the policy aims to ensure that actuarial education remains future-ready and globally competitive.

The policy introduces a comprehensive framework covering the Core Education Programme and Certification Programme, supported by a phased roadmap for curriculum enhancements through 2028. Through new subjects, thoughtful restructuring, and alignment with international actuarial standards, it seeks to equip current and aspiring actuaries with the knowledge, skills, and adaptability required to navigate an evolving financial and risk landscape.

This forward-looking initiative reaffirms our commitment to building a strong, globally recognised actuarial profession and preparing the next generation of actuaries for the opportunities and challenges ahead.

Seminars, Webinars and Professional Development

The Institute continued to strengthen its commitment to lifelong learning and professional excellence through a comprehensive programme of seminars and webinars during FY 2025-26. During the year, **9 seminars and 13 webinars** were organised, delivering **109.5 Continuing Professional Development (CPD) hours** and attracting **1,587 participants**.

across diverse practice areas. These programmes addressed both traditional actuarial disciplines and emerging domains such as climate risk, sustainable finance, artificial intelligence, data analytics, enterprise risk management and financial reporting, reflecting the evolving scope of the actuarial profession and its growing contribution to business, regulation and public policy.

A key focus of the year's learning agenda was equipping members to navigate a rapidly changing risk landscape through discussions on emerging regulatory developments, technological innovation and sustainability-related challenges. Particular emphasis was placed on **climate risk and sustainable finance**, alongside specialised discussions on insurance sector reforms, employee benefits and evolving regulatory frameworks. Delivered through a blend of virtual and in-person formats, these programmes enhanced accessibility, encouraged knowledge sharing and fostered meaningful engagement among members, students, regulators, industry experts and international thought leaders. The Institute remains grateful to all speakers, panellists and volunteers whose contributions enriched these initiatives and reinforced the profession's culture of continuous learning and collaboration.

Membership

It is with great pleasure that we announce that total membership for the year 2025–26 has reached an all-time high, recording a remarkable 24.8% increase in membership.

Our membership now comprises 891 Fellows, 6 Honorary Fellows, 3 Affiliates, 291 Associates, and 11,005 Students, bringing the grand total to 12,186 members.

This significant growth is a testament to the continued trust, engagement, and support of our growing membership community.

Accreditation: Strengthening Academic Pathways

A significant milestone during the year was the continued progress of the Institute's **Accreditation Framework**, launched in 2024 to strengthen actuarial education and create structured pathways for aspiring actuaries. Through this initiative, the Institute seeks to enhance academic standards, foster excellence in teaching and assessment, and align higher education programmes with globally recognised actuarial competencies. During the year, the Institute successfully accredited **four pioneering institutions** across India, with their programmes comprehensively mapped to the IAI curriculum to ensure academic rigour and alignment with professional standards. These accredited programmes are currently supporting **more than 150 students** in their journey towards the actuarial profession, thereby strengthening the future talent pipeline and expanding access to quality actuarial education.

Building on the successful launch of the framework, the Institute has commenced **Phase II of the Accreditation Initiative** with the onboarding of six additional higher educational institutions. At the same time, efforts are underway to expand the framework through **Category B Accreditation** for Institutions of National Importance, including IITs, IIMs and Central Universities, and **Category C Accreditation** through collaborations with leading professional bodies such as ICAI, ICSI, ICMAI and the Insurance Institute of India. These initiatives reflect the Institute's long-term vision of creating a broader, multidisciplinary and future-ready ecosystem for actuarial education, while strengthening academic-industry linkages and making the profession increasingly accessible to talented students across the country.

Financial Highlights:

- The Institute continued to demonstrate strong financial and operational resilience during **FY 2025-26**, reflecting the sustained growth of its educational, professional development and member-centric initiatives. Revenue from fees, examinations, seminars

and related activities increased significantly to **₹28.06 crore**, compared to **₹18.79 crore** in the previous financial year, underscoring the growing scale of the Institute's operations and the increasing engagement of members, students and stakeholders. The Institute also benefited from prudent treasury management, generating a **gross investment income of ₹6.05 crore** during the year.

- As a result of this strong performance, the Institute recorded a **net surplus of ₹8.07 crore** for FY 2025-26, compared to **₹2.39 crore** in FY 2024-25, thereby further strengthening its financial position and capacity to invest in strategic initiatives that support the advancement of the actuarial profession. The accounts of the Institute for the year ended **31 March 2026** were audited and certified by **M/s Jain Jagawat Kamdar & Co., Chartered Accountants**. Detailed financial statements, together with the schedules and notes to accounts, form part of this Annual Report.

- Value Creation as we look ahead**

As we look towards the future, I am filled with optimism about the journey that lies ahead for the Institute of Actuaries of India. The pace of change across economies, industries, and societies continues to accelerate, presenting both unprecedented opportunities and complex challenges. In this evolving environment, the actuarial profession will play an increasingly vital role in shaping resilient institutions, sustainable businesses, and informed public policy.

- A Personal Reflection**

Serving as President of the Institute of Actuaries of India has been one of the greatest privileges of my professional journey. This role has given me the opportunity to witness first-hand the remarkable dedication, talent and integrity that define our profession. It has also reaffirmed my belief that the true strength of our Institute lies not only in its achievements, but in its people.

Over the course of this journey, I have had the privilege of working alongside an exceptional Council, committed volunteers, distinguished members, students, partners and the Institute of Actuaries of India team. Every milestone we have achieved has been the result of collective effort, shared purpose and an unwavering commitment to advancing the actuarial profession in India.

As my tenure as President draws to a close, I do so with confidence that the Institute is well positioned for the future. The foundations we continue to build today will empower the next generation of actuaries to lead with competence, integrity and innovation.

I extend my heartfelt gratitude to every member of the Institute, the Council, our Committees and Advisory Groups, our volunteers, our staff led by the Dr. Ruchita Verma, Executive Director IAI, our regulators, industry partners and all our stakeholders for their encouragement, support and trust throughout this journey.

The Institute's story is one of continuous progress, and I am proud to have been part of this chapter. While leadership changes, our purpose remains constant, to serve the public interest, uphold the highest professional standards and strengthen the actuarial profession for generations to come.

I leave this office with optimism, gratitude and confidence that the best chapters of the Institute of Actuaries of India are yet to be written.

Preeti Chandrashekhar
President,
Institute of Actuaries of India

“The future depends on what we do in the present.”

— Mahatma Gandhi

2. MEMBERSHIP DATA

2.1 Membership Statistics

Member Category	Membership as on 31 st March 2026														
	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	2024	2025	2026
Fellows	246	259	278	290	324	344	379	439	464	473	515	569	654	758	891
Affiliates	21	18	19	15	12	10	15	9	7	8	6	3	3	3	3
Associates	134	124	151	158	159	160	160	153	165	184	210	231	254	269	281
Students other than Associates	7864	8161	8804	9846	10140	9183	8628	8569	8148	8653	8184	7409	7186	8723	11005
Total	8265	8562	9252	10309	10635	9696	9182	9170	8784	9318	8915	8212	8097	9753	12180
Hon. Fellows	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6
Grand Total	8271	8568	9258	10315	10641	9702	9188	9176	8790	9324	8921	8218	8103	9759	12186

2.2 Members-Age wise Data (other than Honorary Fellows) till 31st March 2026

	Fellows	Associates	Affiliates	Student	Grand Total
less than 20	0	0	0	984	984
20-24	2	9	0	3272	3283
25-29	158	74	0	2553	2785
30-34	149	58	0	1697	1904
35-39	173	33	0	952	1158
40-44	153	24	0	720	897
45-49	73	7	1	371	452
50-54	70	23	1	226	320
55-59	51	33	1	185	270
60-64	16	6	0	27	49
65-69	5	4	0	11	20
70-74	4	4	0	1	9
75-79	8	3	0	3	14
80-84	10	0	0	1	11
85-90	11	2	0	1	14
>90	8	1	0	1	10
Grand Total	891	281	3	11005	12180

*Hon. fellows are not included in the count.

23 Members deceased during the year

The Institute reports with regret, death of following of their members who came to notice of the April 2025 to March 2026.

No Members expired during this period

24 Members admitted as Fellow

67 members, with following member ID's were admitted as Fellow member through Exam route from the period 1st April 2025 to 31st March 2026.

Sr.No.	Member ID	Name	Date of Admission
1	23774	Mr. Ankit Kumar	14 April 2025
2	33230	Ms. Bharti Singla	30 April 2025
3	37143	Mr. Saransh Garg	02 May 2025
4	33039	Mr. Sanjay Kanha	06 May 2025
5	20285	Mr. Udit Agarwal	15 May 2025
6	31571	Mr. Nitesh Kumar Kansara	15 May 2025
7	34174	Mr. Umang Kanodia	13 June 2025
8	30603	Ms. Aanchal Agarwal Dhanuka	15 June 2025
9	1244	Ms. Neha Birla	15 July 2025
10	30794	Mr. Divyanshu Rastogi	09 August 2025
11	23702	Mr. Gunjan Gupta	09 August 2025
12	2603	Mr. Prasad Subramanian	09 August 2025
13	27284	Mr. Nitin Poddar	09 August 2025
14	24444	Ms. Manali Kirit Udani	09 August 2025
15	30894	Mr. Harsh Borar	06 September 2025
16	36527	Mr. Gulshan Baid	06 September 2025
17	27427	Mr. Akshay Ajay Dande	06 September 2025
18	38896	Mr. Shubham Jiten Dedhia	06 September 2025
19	29256	Ms. Rashi Agarwal	06 September 2025
20	33112	Mr. Harshvardhan Gupta	16 September 2025
21	35438	Ms. Harshita Manish Goel	16 September 2025
22	245	Ms. Kishori Shailesh Dhuri	16 September 2025
23	27198	Mr. Sumeet Gaurishankar Heda	16 September 2025
24	32516	Ms. Shreya Goel	16 September 2025
25	30494	Ms. Shruti Kumar	16 September 2025
26	40678	Ms. Aashi Gupta	16 September 2025
27	11183	Mr. Sahil Kataria	16 September 2025
28	33738	Mr. Parshwa Gada	16 September 2025
29	20430	Mr. Ayush Sharma	30 September 2025
30	30721	Ms. Monal Chhabra	30 September 2025

Sr.No.	Member ID	Name	Date of Admission
31	35631	Ms. Ayushi Murarka	30 September 2025
32	21970	Ms. Jhanani Mahalingam	30 September 2025
33	6009	Mr. Vikas Ramjanm Singh	30 September 2025
34	22169	Mr. Satya Narayan Yadaw	30 September 2025
35	30941	Mr. Akshay Vijay More	30 September 2025
36	34915	Mr. Kriya Jignesh Koradia	17 October 2025
37	35579	Mr. Bhaskar Virmani	17 October 2025
38	33667	Mr. Sahil Anil Advani	17 October 2025
39	31301	Mr. Abhishek Mittal	17 October 2025
40	19372	Mr. Hitesh Jain	17 October 2025
41	32859	Ms. Nidhi Manikandan Nair	17 October 2025
42	28341	Mr. Swargesh Kant Tripathi	17 October 2025
43	36005	Mr. Anmol Pratap Singh Hira	17 October 2025
44	30496	Ms. Shruti Jain	17 October 2025
45	32745	Mr. Satish Thuwal	17 October 2025
46	30443	Mr. Shubham Goel	17 October 2025
47	34714	Mr. Shamoil Aunali Loliwala	17 October 2025
48	34976	Ms. Surbhi Handa	29 October 2025
49	33684	Mr. Vinayak Rawat	29 October 2025
50	35358	Mr. Daksh Sanjay Vikmani	29 October 2025
51	34207	Mr. Apoorv Charupa	17 November 2025
52	34265	Ms. Nidhi Yugal Somani	17 November 2025
53	37673	Ms. Siddhi Jain	17 November 2025
54	35203	Mr. Mohit Agrawal	03 December 2025
55	25394	Mr. Sivaram Ganeshan	03 December 2025
56	39161	Mr. Rishabh Chauhan	03 December 2025
57	34794	Mr. Dewanshu Goyal	25 December 2025
58	8320	Ms. Subani Goel	25 December 2025
59	28504	Ms. Poorva Bhutoria	25 December 2025
60	34451	Mr. Aman Brajesh Loharuka	06 January 2026
61	34621	Mr. Ajay Agarwal	06 January 2026
62	19999	Ms. Richa Churiwal	06 January 2026
63	38723	Mr. Divas Thareja	06 January 2026
64	31909	Mr. Nikhil Sandeep Mudbidri	06 January 2026
65	8884	Mr. Rohit Kumar Jaiswal	17 March 2026
66	9790	Ms. Pooja Mohta	28 March 2026
67	32162	Ms. Payal Ghanshyam Asawa	28 March 2026

25 Members admitted as Fellow (MRA Route)

The following 61 members were admitted as fellow members of the Institute through MRA route from the period 1st April 2025 to 31st March 2026.

Sr.No.	Member ID	Name	Date of Admission
1	28074	Mr. Amarnath Rajkumar	06 May 2025
2	37700	Ms. Naga Sai Shivanee Mudigonda	15 May 2025
3	34954	Ms. Srishti Gupta	15 May 2025
4	27616	Ms. Priya Jhunjunwala	28 May 2025
5	10460	Ms. Atreyee Bhattacharya	10 June 2025
6	8422	Mr. Avnit Anand	15 June 2025
7	31892	Ms. Aastha Banka	15 June 2025
8	9008	Ms. Akanksha Jain	15 June 2025
9	23987	Ms. Akanasha Singhal	15 June 2025
10	34240	Mr. Tanujbir Singh	15 June 2025
11	31711	Mr. Rajul Dilip Shah	24 June 2025
12	37121	Ms. Drishti Goel	25 June 2025
13	24957	Mr. Sahil Parekh	25 June 2025
14	1475	Mr. Venkata Yagneshwara Hanumantha Kumara Datta Goparaju	09 August 2025
15	10175	Ms. Paulami Goon	09 August 2025
16	35869	Mr. Nishil Nirav Shah	06 September 2025
17	29467	Mr. Mahendra Malviya	16 September 2025
18	30809	Mr. Prashanth Muralidhar	16 September 2025
19	35581	Mr. Sanidhya Bahety	16 September 2025
20	43237	Mr. Soham Subodh Shah	30 September 2025
21	33399	Mr. Sarvagya Bachhuka	30 September 2025
22	23829	Mr. Aman Khaitan	30 September 2025
23	23648	Mr. Shilpan Ashish Shah	30 September 2025
24	29335	Ms. Riddhi Barfiwala	17 October 2025
25	11857	Mr. Ankur Jain	17 October 2025
26	46143	Mr. Hrithik Singhal	17 October 2025
27	36337	Ms. Vanshika Agarwal	17 October 2025
28	26994	Ms. Snigdha Chaturvedi	17 October 2025
29	30906	Mr. Tarun Agarwal	29 October 2025
30	46051	Mr. Akshay Bhutani	29 October 2025
31	45953	Mr. Rishabh Jalan	29 October 2025
32	34891	Ms. Megha Gulati	29 October 2025

Sr.No.	Member ID	Name	Date of Admission
33	32891	Ms. Anisha Singla	17 November 2025
34	33816	Mr. Harshil Rustagi	17 November 2025
35	31130	Mr. Rishabh Nagori	17 November 2025
36	23333	Mr. Zeel Manish Shah	17 November 2025
37	38916	Mr. Chalsi Agarwal	17 November 2025
38	25295	Mr. Vinit Girish Dedhia	03 December 2025
39	19598	Mr. Kashish Taneja	25 December 2025
40	30303	Mr. Raghav Agarwala	25 December 2025
41	46332	Mr. Vatsal Gomber	25 December 2025
42	19274	Ms. Heena Arora	25 December 2025
43	47353	Ms. Siddhi K Maru	25 December 2025
44	27531	Ms. Anchal Narwani	25 December 2025
45	23713	Ms. Shikha Bhardwaj	25 December 2025
46	39770	Ms. Simran Jindal	25 December 2025
47	30428	Mr. Slok Agarwal	25 December 2025
48	35592	Mr. Sahil Shinghal	06 January 2026
49	2724	Mr. Rahul Jain	06 January 2026
50	47454	Mr. Keyi Li	06 January 2026
51	3165	Mr. Praveen Kumar Kavala	06 January 2026
52	47458	Mr. Arjun K Vyas	06 January 2026
53	34960	Ms. Aashi Gupta	30 January 2026
54	46315	Ms. Arushi Mittal	30 January 2026
55	38534	Ms. Disha Nihar Popawala	30 January 2026
56	30475	Ms. Vedangini Singh	30 January 2026
57	30347	Ms. Poorva Godbole	30 January 2026
58	37706	Ms. Annie Kakkar	17 March 2026
59	35983	Mr. Apoorva Gupta	17 March 2026
60	38535	Ms. Jaini Alpesh Tamboli	17 March 2026
61	2771	Mr. Yashvant Mangal Jain	17 March 2026

26 Members admitted as Fellow from Affiliate

No Member was admitted as Fellow from the period 1st April 2025 to 31st March 2026

27 Members admitted as Affiliates

No Member was admitted as Affiliates from the period 1st April 2025 to 31st March 2026

28 Members re-admitted as Fellows

The following 44 members were re-admitted as from the period 1st April 2025 to 31st March 2026.

Sr No	Member Id	Name of the member	Date of Admission
1	28315	Mr. Ayush Agarwala	13th April 2025
2	12602	Mr. Rahul Gupta	13th April 2025
3	3767	Ms. Shagun Malhotra	13th April 2025
4	11706	Mr. Rahul Sehgal	13th April 2025
5	10557	Ms. Khushboo Hamirbasia	13th April 2025
6	596	Mr. Aditya Ajmani	13th April 2025
7	20859	Ms. Manasi Pant	13th April 2025
8	36189	Mr. Raman Mangla	8th May 2025
9	2891	Ms. Akshada Madhav Joshi	24th June 2025
10	5392	Mr. Prasun kumar Sarkar	24th June 2025
11	337	Mr. Gautam Rajnikant Shah	24th June 2025
12	4	Ms. Anuradha Sriram	25th June 2025
13	5486	Ms. Anuradha Sehgal	25th June 2025
14	4451	Mr. Abhijit Pal	25th June 2025
15	650	Mr. Amruth Krishnan	25th June 2025
16	22465	Mr. Neliuz Bezuidenhout	25th June 2025
17	5509	Mr. Manish Sen	25th June 2025
18	24869	Mr. Shreyans Baid	25th June 2025
19	3838	Mr. Manoj Kumar	25th June 2025
20	30920	Ms. Sakshi Rawat	3rd July 2025
21	12325	Mr. Sunny Aggarwal	16th July 2025
22	3571	Mr. Aseem Kiron Kumta	16th July 2025
23	32990	Ms. Neetika Manchanda	25th July 2025
24	34734	Mr. Anuj Mehta	29th July 2025
25	1157	Ms. Sonam S Bhatia	9th August 2025
26	25141	Mr. Sarthak Gupta	9th August 2025
27	31762	Mr. Sunit Subhodh Kolabkar	9th August 2025
28	8868	Mr. Pradeep Kumar G	9th August 2025
29	3915	Mr. Amit Mehra	16th September 2025
30	3714	Mr. Pranshu Maheshwari	27th September 2025
31	2633	Mr. Aditya Jain	29th October 2025
32	21763	Mr. Arun Vijay S	16th November 2025
33	37029	Ms. Dhriti Dharmesh Vador	16th November 2025
34	31758	Ms. Shaurya Bhalla	16th November 2025
35	30695	Mr. Arthito Roy	16th November 2025
36	6	Ms. Vibha S Bagaria	24th December 2025

Sr No	Member Id	Name of the member	Date of Admission
37	634	Mr. Vamsidhar Ambatipudi	24th December 2025
38	2356	Ms. Nancy Gupta	24th December 2025
39	37708	Mr. Naman Gupta	24th December 2025
40	4349	Mr. Gaurav Nautiyal	24th December 2025
41	23892	Mr. Jishnu Bhatia	24th December 2025
42	29068	Ms. Srividya Chandrasekhar	24th December 2025
43	22300	Ms. Radhika Bijlani	24th December 2025
44	33098	Mr. Lasil Jacint Dias	30th January 2026

29 Members admitted as Associates

The following 56 members were admitted as associates from the period 1st April 2025 to 31st March 2026.

Sr No	Member Id	Name of the member	Date of Admission
1	19576	Ms. Mansi Malik	02 May 2025
2	37190	Ms. Divyani Mehta	06 May 2025
3	28751	Mr. Kaushik Ramesh	06 May 2025
4	36118	Mr. Chirag	06 May 2025
5	480	Ms. Vinita Agarwal	15 May 2025
6	6544	Ms. Garima Rathi	06 June 2025
7	30852	Mr. Ujjawal Gupta	06 June 2025
8	39994	Ms. Shivani Tuli	06 June 2025
9	3999	Mr. Santosh Kumar Mishra	06 June 2025
10	23185	Mr. Ashok Darak	06 June 2025
11	6481	Ms. Neha Ramdas Tiwari	15 June 2025
12	32031	Ms. Anisha Kedia	06 September 2025
13	30477	Mr. Prakhar Kala	06 September 2025
14	35840	Mr. Korounganba Phuritshabam	06 September 2025
15	34617	Mr. Abhishek Kumar Shukla	16 September 2025
16	27698	Ms. Hansa Gupta	16 September 2025
17	43616	Mr. Aryan Ghanshyam Jambavlikar	16 September 2025
18	35747	Mr. Aayush Gupta	16 September 2025
19	28090	Ms. Kumudini Jawaharbhai Doshi	16 September 2025
20	34658	Mr. Aniket Gupta	16 September 2025
21	40191	Ms. Deepika	30 September 2025
22	5520	Ms. Soumya Sengupta	30 September 2025
23	40261	Mr. Harshit Jain	30 September 2025
24	34887	Ms. Shweta Gupta	30 September 2025

Sr No	Member Id	Name of the member	Date of Admission
25	32997	Mr. Kunj Bharat Jain	30 September 2025
26	28433	Ms. Simran Kaur	30 September 2025
27	32997	Mr. Kunj Jain	30 September 2025
28	42174	Mr. Rohan Parasrampur	17 October 2025
29	39816	Ms. Samridhi Narula	17 October 2025
30	35026	Mr. Ayush Singhal	17 October 2025
31	6863	Mr. Sunil Yadav	17 October 2025
32	40515	Ms. Vandita Sarda	17 October 2025
33	43070	Mr. Kshitij Gopal Roy	29 October 2025
34	35976	Ms. Sapan Gupta	17 November 2025
35	29589	Ms. Sidhi Kharkia	17 November 2025
36	36854	Mr. Siladitya Basu	03 December 2025
37	43581	Ms. Ritika Goel	22 December 2025
38	36066	Ms. Aanchal Agarwal	25 December 2025
39	29179	Ms. Shivangi	25 December 2025
40	35907	Mr. Anurag Gupta	25 December 2025
41	32685	Mr. Pranchal Mittal	06 January 2026
42	25662	Mr. Shubham Sinha	06 January 2026
43	36892	Ms. Vidhi Vinesh Shah	06 January 2026
44	30532	Ms. Ridhima Vij	30 January 2026
45	817	Mr. Ashish Prakash	30 January 2026
46	38855	Ms. Gavika Taneja	30 January 2026
47	39699	Ms. Shikha Jain	17 March 2026
48	26041	Ms. Sonakshi Bansal	17 March 2026
49	42265	Mr. Ashutosh Goyal	17 March 2026
50	28278	Ms. Nivita Ravindranath Shetty	17 March 2026
51	4676	Mr. Pavan Kumar M P S	17 March 2026
52	26313	Mr. Rahul Kumar	17 March 2026
53	33658	Mr. Bhagat Singh	17 March 2026
54	39357	Mr. Aakash Sahu	17 March 2026
55	4065	Mr. Mittal Bhavesh Modi	28 March 2026
56	9332	Mr. Gaurav Joshi	28 March 2026

2.10 Members re-admitted as Associates

The following 13 members were re-admitted as associates from the period 1st April 2025 to 31st March 2026.

Sr No	Member Id	Name of the member	Date of Admission
1	27549	Ms. Aishwarya Khandelwal	30th April 2025
2	30645	Mr. Rajat Jain	24th June 2025
3	38224	Ms. Nimisha Lal	9th August 2025
4	273	Ms. Teesta Joshi	29th November 2025
5	27052	Ms. Aishwarya Vipul Shah	9th August 2025
6	314	Mr. Raghava Rao K.V.S. Kattumuri	9th August 2025
7	35592	Mr. Sahil Shinghal	3rd September 2025
8	34794	Mr. Dewanshu Goyal	16th November 2025
9	331	Mr. Vidyadhar S Sawant	24th December 2025
10	28159	Mr. Ravi Teja Guduguntla	24th December 2025
11	294	Mr. Pramod Kumar Mohanty	28th March 2026
12	1113	Ms. Smriti Bhargava	28th February 2026
13	29664	Ms. Raashi Pasari	30th January 2026

2.11 Members re-admitted as Affiliates

No members were re-admitted as affiliates from the period 1st April 2025 to 31st March 2026.

3. THE COUNCIL

3.1 COUNCIL MEMBERS



Preeti Chandrasekhar President



Anurag Rastogi Vice-President



Asha Murali
Honorary Secretary



Kartikey Kandoi
Member



K S Gopalakrishnan Member



R Arunachalam Member



Richard Holloway
Member



Ashish
Ranjan
Member



Khushwant Pahwa
Member



Pravir Chandra
Member



Yogita Arora Member



Raunak
Jha
Member



Ms. Girija
Subramanian
Member - Nominated
as per Govt. of India
- Notification dated
19/08/2025



Shri. R. Doraiswamy
Member - Nominated
as per Govt. of India
- Notification dated
19/08/2025



P K Arora
Member - Nominated as
per Govt. of India
- Notification dated
04/01/2024

3.2 Functions of the Council

1. The duty of carrying out the functions under the provisions of this Act shall be vested in the Council
2. In particular and without prejudice to the generality of the foregoing power, the functions of the Council shall include:
 - a. the holding of examination of the candidates for enrolment and specifying fees therefor;
 - b. the specifying of qualifications for entry in the register;
 - c. the recognition of foreign qualifications and training for the purposes of enrolment;
 - d. the granting of or refusal to grant the certificate of practice under this Act;
 - e. the maintenance and publication of a register of persons qualified to practice as Actuaries;
 - f. the levy and collection of fees from members, students, examinees and other persons;
 - g. the removal of names from the register and the restoration to the register of names which have been removed;
 - h. the regulation and maintenance of the status and standard of professional qualifications of members of the Institute;
 - i. to issue guidelines for the observance of the members, including the student members;
 - j. to receive gifts, grants, donations or benefactions from the Central or State Governments and to receive bequests, donations and transfer of movable or immovable properties from testators, donors or transferors, as the case may be;
 - k. co-operating with educational or other institutions in any part of the world having objects wholly or partly similar to those of the Institute by exchange of members and generally in such manner as may be conducive to the achievement of their common objects;
 - l. instituting and awarding fellowships, scholarships, prizes and medals;
 - m. giving gifts, grants, donations or benefactions to other institutions or bodies having objects similar to those of the Institute;
 - n. the carrying out, by granting financial assistance to persons other than members of the Council, or in any other manner, of research in actuarial science;
 - o. the maintenance of a library and publication of books, journals and periodicals relating to actuarial science;
 - p. the exercise of disciplinary powers conferred by this Act;
 - q. establishing such regional council or councils as may be decided from time to time and fixing their headquarters;
 - r. doing all such things as may be necessary, incidental or conducive to the attainment of all or any of the objects of the Institute.

3.3 Council Meetings

The Council met Seven times on the following dates for the period April 2025 to March 2026.

- 3rd May 2025
- 21st June 2025
- 21st August 2025
- 4th September 2025
- 28th November 2025
- 17th January 2026
- 28th March 2026

3.4 Committees (under Sec 21)

3.4.1 Research and Innovation Committee

Members

Sr.No.	Name	Member
1	Ms. Raunak Jha	Chairperson
2	Mr. R Arunachalam	Member
3	Mr. Richard Holloway	Member
4	Ms. Yogita Arora	Member
5	Mr. Mayur Ankolekar	Member
6	Mr. Khushwant Pahwa	Member

Functions

1. Serve as the research and innovation arm of the IAI.
2. Interact with other professional and industrial bodies to identify areas of collaboration to combine actuarial skills with data driven research in order to address larger business needs of the industries
3. Collaborate with statutory/ regulatory bodies and industry stakeholders to shape policies that enable using actuarial skills in forward-looking areas to address macro issues at national and international level.
4. Suggest ways of making the profession more relevant in changing times.
5. Other functions that may be assigned to this Committee from time to time by the Council.

Reporting: The Committee shall report to the Council.

3.4.2. Professionalism Committee

Members

Sr. No.	Name	Office
1	Ms. Asha Murali	Chairperson
2	Mr. R Arunachalam	Member
3	Ms. Raunak Jha	Member
4	Mr. Vaibhav Manek (CA)	External Member
5	Mr. Ishwar Nankani	External Member
6	Mr. Khushwant Pahwa	Member

Functions

1. Set up of Actuarial Standards and monitoring compliance.
2. Set up of Criterion for and Issuance of Certificate of Practice (CoP).
3. Set up of criterion for Continuing Professional Development (CPD) and monitoring compliance.
4. Conduct of CPD/ Professionalism/ Ethics courses/seminars.
5. Other functions that may be assigned to this Committee from time to time by the Council. Reporting: The Committee shall report to the Council.

3.4.3. Audit Committee

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. K S Gopalakrishnan	Chairperson
2	Mr. Kartikey Kandoi	Member
3	Mr. Richard Holloway	Member
4	CA. Viren H Mehta	External Member
5	CA. Shilpa Mehta	External Member

Functions

The functions of the Audit Committee is to assist the Council in the following matters:

1. Recommend appointments of internal and external auditors to the Council.
2. Prepare an internal audit plan for every financial year in consultation with the internal auditor.
3. Discuss audit findings with the internal auditor and statutory auditor.
4. Liaise with IAI management to ensure closure of all audit items.
5. Recommend process improvements to the Council based on the Audit findings.
6. Ensure all other statutory audits are completed.
7. Recommend annual audited accounts and financial statements to the Council.
8. Review all tax compliances and recommend appropriate steps to the Council.
9. Review statutory compliances related to filing of any statutory returns and any statutory payments.
10. Other functions that may be assigned to this Committee from time to time by the Council.

Reporting: The Committee shall report to the Council.

3.4.4. Finance and Admin Committee

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Ms. Preeti Chandrashekhar	Chairperson
2	Mr. K S Gopalakrishnan	Member
3	Ms. Asha Murali	Member
4	Mr. Ashish Ranjan	Member
5	Mr. Pravir Chandra	Member
6	Mr. Jutti Bhaskar	External Member

Functions

1. Oversee development of financial and operational budget for upcoming year and estimated budgets for the succeeding three years and recommend the same to the Council before end of February every year.
2. Quarterly review of actuals vs budgets within six weeks of every quarter end and recommend the same to the Council for its consideration.

3. Recommend revised budgets for the current year to the Council if such a revision is warranted.
4. Liaise with Committees, Advisory Groups and other such groups as far as it relates to finances of the Institute.
5. Oversee development, implementation and review of Policies and SoPs in the areas of Finance & Accounts, Taxation, HR matters, Investment, and office administration. Recommend these Policies and SoPs, including periodical reviews, to the Council for approval. All such Policies and SoPs must be reviewed periodically, and not more than 24 months shall elapse between two reviews.
6. Management of financial condition including Tax matters of the Institute.
7. Development and implementation of financial controls and accounting policies of the Institute.
8. Develop an investment policy and take decisions on investments in line with the policy.
9. Oversee development, implementation and review of policies and SOPs in Finance, Accounts, Taxation, administration, member service delivery, and HR practices.
10. Implement the student support scheme or other similar schemes meant for welfare of the members of the Institute.
11. Approval of Performance Appraisal, Salary Revisions, Bonuses and Promotions for employees in line with approved Policies.
12. Approval of filling of vacancies for existing or new positions of employees, consultants and the like, within approved Budget by the Council.
13. Other functions that may be assigned to this Committee from time to time by the Council.

Reporting: The Committee shall report to the Council.

3.4.5. Education Committee

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. Anurag Rastogi	Chairperson
2	Mr. Ashish Ranjan	Member
3	Mr. Kartikey Kandoi	Member
4	Mr. K Sriram	Member
5	Mr. Pravir Chandra	Member
6	Ms. Yogita Arora	Member

Functions

1. Review of the Education policy from time to time.
2. Enter into and manage Exemption /mutual recognition arrangements with overseas professional bodies, universities etc.
3. Conduct examination Coaching / Counseling for students.
4. All matters relating to the conduct of examinations such as creating policy on honorarium, declaration of results, etc. (excluding administrative matters which are part of the Finance and Admin Committee).
5. Conduct Capacity building and Current issues Seminars/Conferences.

6. Other functions that may be assigned to this Committee from time to time by the Council.

Reporting: The Committee shall report to the Council.

3.4.6. Membership Approval Committee

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Ms. Preeti Chandrasekhar (President)	Chairperson
2	Mr. Anurag Rastogi (Vice President)	Member
3	Ms. Asha Murali (Honorary Secretary)	Member

Functions

1. To review and approve all admission related cases such as of Associate, Affiliate, Fellow etc.
2. Removal of names of the members from the register and the restoration to the register of names which have been removed.

Reporting: The Committee shall report to the Council.

3.4.7. Disciplinary Committee

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. Anurag Rastogi	Presiding Officer
2	Ms. Asha Murali	Member
3	Mr. Richard Holloway	Member
4	Mr. Debasish Prusty	Govt Nominee
5	Mr. Nihar N Jambusaria	Govt Nominee

Functions

1. As per Actuaries Act 2006 and the Actuaries (Procedure for Enquiry of Professional and Other Misconduct) Rules, 2008.

3.4.8. Quality Review Board (under Sec 43)

In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 43 of the Actuaries Act, 2006 (35 of 2006), the Central Government, hereby, constitutes a Quality Review Board, consisting of the following persons, namely:—

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. Supratim Bandyopadhyay	Chairperson (Nominated by the Central Government via Notification dated 6th May 2025)
2	Mr. Sanjeev Kumar Pujari	(Nominated by the Central Government)
3	Mr. G. Ramaswamy	(Nominated by the Central Government)

Sr.No.	Name	Office
4	Mr. Gopal Kumar Vishwanath Roy	Member (Nominated by the Council)
5	Ms. Padmaja Raghunathan	Member (Nominated by the Council)

Functions

1. to fix standards for the services provided by the members of the Institute;
2. to review the quality of services provided by the members of the Institute including actuarial audit services; and
3. to guide the members of the Institute to improve the quality of services and adherence to the various statutory and other regulatory requirements.

Mentioned posts are part-time in nature and tenure of the Chairperson and members shall be three years from the date of assumption of charge, or until further orders, whichever is earlier. The procedure of the meetings of the Quality Review Board and terms and conditions of service of the Chairperson and the Members of the said Board and their remuneration and allowances shall be as per the Actuaries Quality Review Board (Procedure for Meetings and the Terms and Conditions of Service and Allowances of the Chairperson and Members) Rules, 2008.

3.5 Advisory Groups

3.5.1 Advisory Group on Examination

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. Bikash Chaudhary	Chairperson
2	Mr. Saddam Hossain	Secretary
3	Mr. Ajay Shekhar	Member
4	Mr. Anand Prakash	Member
5	Mr. Rohit Ajgaonkar	Member
6	Ms. Rajeshwari VS	Member
7	Mr. Dhruv Gavde	Member
8	Mr. Nirav Hasmukhbhai	Member
9	Mr. Ritobrata Sarkar	Member

Functions

1. Review examination infrastructure and ensure high level of integrity.
2. Explore broad basing, using external alliances and technology, if necessary.
3. Explore various examination formats as per changing times while ensuring quality and to suggest mitigation of all the issues related to conduct of examinations in such formats
4. Out of the box thinking on pool of papers and examiners, creating staff actuary system and oversight of examinations delivery.
5. Ensure question papers and marking are of high standards within the laid down framework of the Education Policy.

6. Explore and recommend on the frequency of examination to be conducted, cut off marks. question and examination format, paper s.
7. Recommend on accreditation with any other academic institution.
8. Conduct periodic meets of paper s, examiners and markers with a view to ensuring that all stakeholders are on the same page with respect to what is expected of them.
9. Work in collaboration with the Education AG and the Education Committee (Section 21) and have joint meetings with them atleast once a quarter.
10. Other functions that may be assigned to this advisory group from time to time.

The Work plan and Timelines will be:

1. This Advisory Group will have at least eight meetings in a year including joint meetings with Education AG and the Education Committee (Section 21) atleast one per quarter either through conference call or face to face meeting.
2. This Advisory Group will report to the Education Committee and/ or to the President and also discuss potential areas of improvement in an open and transparent manner.

3.5.2 Advisory Group on Education

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. K Sriram	Chairperson
2	Mr. B N Rangarajan	Secretary
3	Mr. Kunj Maheshwari	Member
4	Mr. Mayur Ankolekar	Member
5	Mr. Sharad Ramnarayan	Member
6	Mr. Akhter Mohiuddin	External Member
7	Mr. Sankarshan Basu	External Member

Functions

1. Implementation of New Education Strategy.
2. Review of Education policy from time to time
3. Review and updation of IAI Syllabus objectives from time to time.
4. Conduct examination Coaching/Counselling.
5. Development of IAI Study material.
6. Collaborate with Academic or Other Credible Institutes.
7. Global recognition for IAI qualification.
8. Work in collaboration with the Examination AG and the Education Committee (Section 21) and have joint meetings with them atleast once a quarter.
9. Work in collaboration with “Actuarial working group” Working Group
10. Other functions that may be assigned to this Advisory Group from time to time.

The Work plan and Timelines will be:

1. This Advisory Group will have at least eight meetings in an year including joint meetings with Education AG and the Education Committee (Section 21) at least one per quarter either through conference call or face to face meeting.
2. This Advisory Group will report to the Education Committee and / or to the President.

3.5.3. Advisory Group on Professionalism, Ethics & Conduct

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. Rajesh Dalmia	Chairperson
2	Ms. Vandana Baluni	Secretary
3	Mr. Supriyo Chaki	Member
4	Mr. B N Rangarajan	Member
5	Mr. D Sai Srinivas	Member
6	Mr. Pankaj Tiwari	Member
7	Mr. Sanket Kawatkar	Member
8	Mr. Vivek Jalan	Member

Functions

1. Inculcate high level of Professionalism amongst members through delivery mechanism that is effective.
2. Develop a robust code of conduct, Actuarial Practice Standards and its compliance mechanism.
3. Encourage, motivate and incentivize compliance with code of conduct and Actuarial Practice Standards.
4. Advise on implementation of Disciplinary provisions within the framework of Actuaries Act 2006, that is just, fair and meets the ends of justice within the requirements of principles of public interest.
5. Conduct courses, seminars, workshops on various subjects in so far as these relate to the core mission of the group.
6. Educate the members on matters affecting the profession.
7. Other functions that may be assigned to this Advisory Group from time to time

The Work plan and Timelines will be:

1. This Advisory Group will have at least one meeting per quarter either through concall or face to face.
2. This Advisory Group will submit report to Professionalism committee and /or to the President.

3.5.4. Advisory Group on Life Insurance

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. Prithesh Kumar Chaubay	Chairperson
2	Ms. Nancy Gupta	Secretary
3	Mr. Anshul Garg	Member
4	Mr. Keyur Parekh	Member
5	Ms. Sunayana Mahansaria	Member

Sr.No.	Name	Office
6	Ms. Riddhi Shah	Member
7	Mr. Ranabir Ghosh	Member
8	Mr. Souvik Jash	Member
9	Mr. Vivek Jalan	Member
10	Mr. Varun Gupta	Member

Functions

1. Issues in respect of life insurance that are referred to it or the Group considers appropriate to address and advise/ recommend to the Institute for appropriate action.
2. Putting in place and reviewing Actuarial Practice standards (Guidance Notes) that are required for members of the institute who work in life insurance including but not limited to the Appointed Actuaries.
3. Work on emerging business and industry issues affecting life insurance industry in India including Technical and academic developments relating to life insurance in actuarial or other relevant fields, at local or international level.
4. Work with other AGs and Cross Functional Working group of Climate, IFRS 17, AI, Actuarial job placements to identify related emerging issues and create capacity building, conduct seminars etc.
5. Conduct two Big Impact Research Projects that impact the lives of the people and government
6. Review of APS/ GNs from time to time
7. Work with Education Committee/ Education Task Force to review/ produce/ recommend syllabus for subject SA2 - Life Insurance
8. Design and carry out Continuing Professional Development Programmes including seminars and workshops for enhancement of skills of members working in life insurance area
9. Other functions that may be assigned to this advisory group from time to time.

The Work plan and Timelines will be:

1. This Advisory Group will have at least eight meetings in a year with atleast two meetings in collaboration with Cross Functional Working group of Climate, IFRS 17, AI, Actuarial job placements either through conference call or face to face.
2. This Advisory Group will report to the Professionalism committee and/ or to the President.

3.5.5. Advisory Group on General Insurance

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. Hiten Kothari	Chairperson
2	Mr. Sourav Roy	Secretary
3	Ms. Ruchika Sangwan	Member
4	Mr. Gopalan Varadarajan Subasree Nigamma	Member
5	Mr. Prasun Sarkar	Member

Sr.No.	Name	Office
6	Mr. Sharad Ramnarayan	Member
7	Ms. Suruchi Bhargava	Member
8	Mr. Vishnuvardhan Pal Reddy	Member
9	Mr. Rochak Garg	Member

Functions

1. Advise on the issues in respect of General Insurance that are referred to it or the Group considers appropriate to address.
2. Review and advise on matters related to the Actuarial Practice Standards/ Guidance that are required for members of the Institute who work in General Insurance including Appointed Actuaries
3. Design and carry out Training and the Continuous Professional Development (CPD) programs including Seminars and Workshops for enhancement of skills of members and students working in General Insurance area.
4. To be in the knowledge of and advise the Institute on emerging professional issues affecting the profession in the General Insurance area.
5. Advise on any regulatory or market issues that potentially may affect the status of the profession.
6. Work with Education Committee/ Education Task Force to review/ produce/ recommend syllabus for subject SA3 - General Insurance
7. Work with other AGs and Cross Functional Working group of Climate, IFRS 17, AI, Actuarial job placements to identify related emerging issues and create capacity building, conduct seminars etc.
8. Conduct big Impact Research Projects that impact the lives of the people and government
9. Other functions that may be assigned to this advisory group from time to time.

The Work plan and Timelines will be:

1. This Advisory Group will have at least eight meetings in a year with atleast two meetings in collaboration with Cross Functional Working group of Climate, IFRS 17, AI, Actuarial job placements either through conference call or face to face.
2. This Advisory Group will report to the Professionalism Committee and/ or to the President.

3.5.6. Advisory Group on Health Care Insurance

Members

Sr. No.	Name	Office
1	Mr. Manish Sen	Chairperson
2	Mr. Krishna Singla	Secretary
3	Mr. Chandrashekhar Dwivedi	Member
4	Mr. Sumit Ramani	Member
5	Mr. Nirav Shah	Member
6	Mr. Ramnath Bhagavath	Member
7	Mr. S Sabareesh	Member
8	Ms. Sipika Tandon	Member

Functions

1. Responsible for addressing issues in respect of Health Care Insurance that are referred to it or the Group considers appropriate to address and advise the President/Council for appropriate action.
2. Responsible for putting in place and reviewing Actuarial Practice standards (Guidance Notes) that are required for members of the institute who work in Health Care Insurance.
3. Design and conduct the training programs in the area of Health & Care Insurance.
4. Understanding and advise on emerging issues affecting Health Care Insurance industry within and outside India
5. Advise the Institute on any regulatory or market issues that potentially may affect the status of the profession
6. Work with other AGs and Cross Functional Working group of Climate, IFRS 17, AI, Actuarial job placements to identify related emerging issues and create capacity building, conduct seminars etc
7. Engage with Govt. Health agencies to support policy making in schemes like PM Ayushman Bharat and / or awareness campaigns, liaising with global health bodies like WHO through Govt. to improve overall health indices for the population.
8. Work with Education Committee/ Education Task Force to review/ produce/ recommend syllabus for subject SA1 - Health and Care
9. Conduct Big Impact Research Projects that impact the lives of the people and government
10. Design and carry out Continuing Professional Development Programs including seminars and workshops for enhancement of skills of members of the profession in Health Care Insurance.
11. Other functions that may be assigned to this advisory group from time to time.

The Work plan and Timelines will be:

1. This Advisory Group will have at least eight meetings in a year with atleast two meetings in collaboration with Cross Functional Working group of Climate, IFRS 17, AI, Actuarial job placements either through conference call or face to face. meeting.
2. This Advisory Group will report to the Professionalism Committee and/ or to the President.

3.5.7. Advisory Group on Pensions, Other Employee Benefits & Social Security**Members**

Sr. No.	Name	Office
1	Ms. Chitra Jaisimha	Chairperson
2	Mr. Hemanshu Jain	Secretary
3	Mr. K Sriram	Member
4	Mr. Jayesh Pandit	Member
5	Mr. Vichitra Malhotra	Member
6	Mr. Kathan Jain	Member
7	Mr. Ritobrata Sarkar	Member
8	Mr. Arpan Begdai	Member
9	Mr. Harshit Agarwal	Member

Functions

1. Create more visibility for the practice through continuous public engagement
2. Strengthen Public Image for the Practice by setting communication standards and creating mechanisms for information sharing
3. Recommending to the Council an appropriate Certificate of Practice Mechanism and Standardized Valuation Reporting Formats for Consulting Actuaries.
4. Support Consulting Actuaries in the context of information clarity and communication issues
5. Build Quality by updating Course Syllabus and Course Material; and issuing Actuarial Practice Standards and Guidance Notes relevant to Pensions, Employee Benefits and Social Security
6. Build capability by conducting Pensions, Employee Benefits and Social Security specific seminars / workshops.
7. Keeping abreast of matters relating to area of Pension, Employee Benefits and Social Security, with regards to development globally in general, at level of IAA in particular and advising the council and members appropriately.
8. Work with Education Committee/ Education Task Force to review/ produce/ recommend syllabus for subject SA4 - Pension and Other benefits
9. Create / find new and more areas of work for consulting actuaries.
10. Design and carry out Continuing Professional Development Programmes including seminar/ webinars and workshops for enhancement of skills of members working in related area
11. Conduct big Impact Research Projects that impact the lives of the people and government
12. Other functions that may be assigned to this advisory group from time to time.

The Work plan and Timelines will be:

1. This Advisory Group will have at least eight meetings in an year either through conference call or face to face.
2. This Advisory Group will report to the Professionalism Committee and/ or to the President.

35.8. Advisory Group on Sustainable Development and Microinsurance**Members**

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. Bharat Venkataramani	Chairperson
2	Mr. Mayur Ankolekar	Secretary
3	Mr. A V Karthikeyan	Member
4	Mr. Kamlesh Gupta	Member
5	Mr. Kushwant Pahwa	Member
6	Ms. Malvika Nath	Member
7	Ms. Ritu Kotnala	Member
8	Ms. Shilpi Jain	Member
9	Ms. Tania Chakrabarti	Member

Functions

1. To be responsible for addressing issues in respect of Sustainable Development and Microinsurance (SDMI) that are referred to it or the Group considers appropriate to address and advise the President/Council for appropriate action.
2. To contribute to knowledge, Research and evidence in the matters of issues around sustainable development e.g., social insurance, climate change adaptation, public policy etc.
3. To contribute to knowledge, Research and evidence in the matters of issues around Microinsurance e.g., low ticket insurance, agricultural insurance etc.
4. To design and carry out Continuing Professional Development Programs including seminars and workshops for enhancement of skills of members of the profession in SDMI.
5. To be in know of and advise the Institute on emerging professional issues affecting SDMI industry within and outside India.
6. To be in know of and advise the Institute on emerging business and industry issues affecting SDMI within and outside India.
7. To advise the Institute on any regulatory or market issues that potentially may affect the status of the profession.

The Work plan and Timelines will be:

1. This Advisory Group will have at least one meeting per quarter either through concall or face to face.
2. This Advisory Group will report to the President.

3.5.9. Advisory Group on Risk Management

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. Kailash Mittal	Chairperson
2	Mr. Tanay Chandra	Secretary
3	Mr. Adeep Jain	Member
4	Mr. Ashok Lahoti	Member
5	Mr. Bikash Chaudhary	Member
6	Mr. Ankur Saraf	Member
7	Mr. Kshitij Sharma	Member
8	Ms. Megha Garg	Member
9	Mr. Sateesh Bhat	Member
10	Mr. Manish Sen	Member
11	Ms. Suruchi Bhargava	Member
12	Mr. Anuj Budhia	Member

Functions

1. Identify new and emerging technical and practice needs of members in risk manager
2. Preparing public policy submissions on technical issues affecting risk management

on matters of broader public interest, including research activities.

3. Identify potential issues for research and development. Propose a set of projects, relevant to the profession, which may be picked up by students under the guidance of seasoned actuaries and facilitate appropriate support and recognition towards the same.
4. Facilitate research papers and developing intellectual property for IAI. Actively liaise with other functional AGs, life, general, health, pensions and propose common projects and topics.
5. Review and develop relevant Actuarial Practice Standards and Guidance Notes.
6. Other functions that may be assigned to this advisory group from time.

The Work plan and Timelines will be:

1. This Advisory Group will have at least six meetings per year (preferably one meeting per quarter) either through concall or face to face.
2. This Advisory Group will report to the Innovation and Risk Committee and/ or to the President.

3.5.10. Advisory Group on Banking, Finance and Investments

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. Yash Ratanpal	Chairperson
2	Mr. Vighnesh Mehta	Secretary
3	Mr. Chinnaraja Chendur Pandian	Member
4	Ms. Perna Nagpal	Member
5	Mr. Mrigank Agarwal	Member

Functions

1. Spread awareness about the role of actuaries across Banking, finance and investment (BFI) covering areas such as Banking, financial lending, investment banking, asset management, investments, trading, equity research etc.
2. Create case studies to demonstrate practical value addition by actuaries in BFI.
3. Assist in generating employment for actuarial professions in BFI.
4. Participate in BFI related seminars / events representing IAI.
5. Work with Education Committee/Education Task Force to produce the syllabus, exam content and specific certification courses related to BFI
6. Design and conduct Continuing Professional Development Programmes including seminars/Webinars and workshops related to BFI for enhancement of skills of members
7. Prepare article for the Actuary India magazine Work with other AGs and Cross Functional Working group of Climate, AI, Actuarial job placements to identify related emerging issues and create capacity building, conduct seminars etc.
8. Design and carry out Continuing Professional Development Programmes including seminars/ Webinars and workshops for enhancement of skills of members working in related area.
9. Other functions that may be assigned to this advisory group from time to time.

The Work plan and Timelines will be:

1. This Advisory Group will convene at least once in a quarter to meet the above functions and for specific tasks such as formulating a framework for Pilot/Joint studies in the Banking- Actuarial domain and complete follow through in a time frame as is reasonable and agreeable to the group duly concurred by the President.
2. This Advisory Group will report to the President.

35.11. Advisory Group on AI and Data Science**Members**

Sr.No.	Name	Office
1	Ms. Arunima Sinha	Chairperson
2	Mr. Mayank Sharma	Mentor
3	Mr. Venkataraghavan Krishnaswamy	Mentor
4	Mr. Vipul Aggarwal	Member
5	Mr. Varun Jain	Member
6	Mr. Vamsidhar Ambatipudi	Member
7	Mr. Sunil Srivathsa Padasala Gopikrishna	Member
8	Mr. Vinay Dwivedi	Member
9	Ms. Jasika Singh	Member
10	Mr. Shubham Rawat	Member
11	Mr. Kamal Sardana	Member
12	Mr. Shailesh Dhuri	Member
13	Mr. Sayandeep Majumder	Member

Functions

1. Enhance the role of actuaries in the field of data analytics, inculcating the new data management tools/software in the curriculum/training
2. Create case studies and conduct research activity in collaboration with corporates and universities
3. Help in generating employment for actuarial profession particularly student members in data science area within the insurance industry and beyond
4. Work with the Education Committee/Education Task Force to produce the syllabus and contents for certification course in Data Science and Analytics
5. Work with other AGs of GI/Life/Health/Banking to identify related emerging issues and design and conduct CPD programs, including seminars, webinars, and workshops, aimed at enhancing data and AI related skills of actuarial professionals.
6. Other functions that may be assigned to this working group from time to time

The Work plan and Timelines will be:

1. This Working Group will meet periodically (atleast four times a year) with atleast 2 meetings collaborating with AGs of GI/Life/Health/Banking either through conference call or face to face
2. This Working Group will report to the Research and Innovation Committee and/ or to the President.

3.5.12 Advisory Group on IFRS 17 (IND AS 117)**Members**

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. Kunj Behari Maheshwari	Chairperson
2	Ms. Harshada Shringarpure	Secretary
3	Mr. Avdhesh Gupta	Member
4	Mr. Hiten Kothari	Member
5	Mr. Kailash Mittal	Member
6	Ms. N Kalpana	Member
7	Mr. Kshitij Sharma	Member
8	Mr. Philip Jackson	Member
9	Mr. Rajiv Mukherjee	Member
10	Ms. Saigeeta Bhargava	Member
11	Mr. Sai D Srinivas	Member
12	Ms. Shivali Chopra	Member
13	Mr. Piyush Jain	Member
14	Ms. Tanmeet Kaua	Member

Functions

1. Identify the role of actuaries in preparation of financial statements by insurers in India under IFRS 17 and advising the Institute for way ahead
2. Work on addressing the matters related to the actuarial profession on IFRS 17 reporting standards as applicable to insurers in India
3. Responsible for putting in place and reviewing relevant Actuarial Practice standards and Guidance Notes that are required for members of the institute who would be responsible for preparation of (parts of or whole of) financial statements for insurance companies including Appointed Actuaries
4. To be in know of and advise the institute on emerging business and industry issues affecting the insurance industry, arising as a result of transition to a global IFRS 17 standard.
5. To be in the know of and advise the Institute on useful technical and academic developments relating to IFRS 17
6. Conduct Big Impact Research Projects that impact the lives of the people and government
7. Work with Examination/Education Committee/ Education Task Force to produce the syllabus and content for certification course in IFRS 17
8. Work with other AGs of GI/Life/Health/Banking to identify related emerging issues and design and conduct CPD programs, including seminars, webinars, and workshops, aimed at enhancing skills of members working in related area
9. Create APS / GN on Ind AS 117
10. Other functions that may be assigned to this working group from time to time.

The Work plan and Timelines will be:

1. This Working Group will meet periodically (atleast four times a year) either through conference call or face to face with atleast 2 meetings collaborating with AGs of GI/ Life/ Health/Banking.
2. This Working Group will report to the Research and Innovation Committee and/or to the President.

3.5.13. Advisory Group on Communication**Members**

Sr.No.	NAME	OFFICE
1	Mr. Gopal V. Kumar	Chairperson
2	Mr. Sateesh Bhat	Secretary
3	Mr. Ajay Shekhar	Member
4	Ms. Arunima Sinha	Member
5	Ms. Bhavna Verma	Member
6	Mr. Bharat Venkataramani	Member
7	Mr. Bikash Chaudhary	Member
8	Ms. Chitra Jaisimha	Member
9	Mr. Hiten Kothari	Member
10	Mr. Irvinder Singh Kohli	Member
11	Mr. K Sriram	Member
12	Mr. Kailash Mittal	Member
13	Mr. Kunj Behari Maheshwari	Member
14	Mr. Manish Sen	Member
15	Ms. Padmaja R	Member
16	Mr. Prasun Sarkar	Member
17	Mr. Prithesh Chaubey	Member
18	Mr. Rajesh Dalmia	Member
19	Mr. Ritobrata Sarkar	Member
20	Ms. Saigeeta Bhargava	Member
21	Ms. Sana Kannur	Member
22	Mr. Siddesh Ramasubramanian	Member
23	Ms. Tania Chakrabarti	Member
24	Mr. Yash Ratan Pal	Member

Functions

1. Maintaining two-way communication with Members by seeking their views, delivering messages and opinion surveys (relating to Communication).
2. Optimum usage of digital and print Media to enhance the visibility of the Profession within Actuarial Community as well as amongst non-actuaries.
3. Help growing the profession through print, electronic and online media Digital marketing, social media and PR Agency, if any.

4. Review and Publicise content-based material generated by different stakeholders
5. To create awareness amongst public and government about the value add by the actuarial profession
6. Design and implement the plan to have presence across universities
7. To help media coverage of IAI events and press releases
8. Other functions that may be assigned to this advisory group from time to time

The Work plan and Timelines will be:

1. This Advisory Group will have at least three meeting per quarter (preferably one meeting per month) either through conference call or face to face.
2. This Advisory Group will report to External Affairs and Research Committee and/or to the President.

3.5.14 Advisory Group on Actuarial Job Placement (AG-AJP)

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. Ajay Shekhar	Chairperson
2	Mr. Prabhakar Veer	Secretary
3	Mr. Prasham Rambhia	Member
4	Ms. Saigeeta Bhargava	Member
5	Mr. Santosh Dumpa	Member
6	Ms. Tanmeet Kaur	Member
7	Mr. Vignesh Mehta	Member

Functions

1. Determine and utilize the ways to connect the Actuarial candidates (with more emphasis on unemployed students) with the potential employers.
2. Enhance awareness about the actuarial skills among employers through face to face meetings, seminars or webinars etc.
3. Increase the numbers of active employers on IAI Job Portal and maximize number of Jobs available to students
4. Enhance number of active Profiles of members on Job Portal by proper communication to students
5. Co-ordinate with other advisory groups to enhance the employability of the students by initiating/recommending certification/training
6. Consider and provide suggestive solution to the problems relating to career planning and other related matters
7. Engage with prospective employers to explore and develop fresh avenues of employment for Fellow/Associate/Student Members
8. Other functions that may be assigned to this Working group from time to time

The Work plan and Timelines will be:

1. The Working Group will have at least eight meetings per year (preferably one meeting per quarter) with atleast 4 meetings in collaboration with other AGs either through conference-call or face to face.

2. This Working Group will report to the Finance and Admin Committee and / or to the President.

3.5.15. Apex Accreditation Steering Group

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Dr. N. Jayasankaran	Chairperson
2	Mr. Pradip Tapadar	Member
3	Mr. Saddam Hossain	Member
4	Mr. Prasham Rambhia	Member
5	Mr. J Senthil Ramanan	Member
6	Mr. Santosh Dumpa	Member
7	Mr. Varun Gupta	Member

Functions

1. Evaluate, accreditation & exemption to Universities, Institutes and Colleges as per Accreditation framework & amendments thereof duly approved by the Council from time to time.
2. Based on accreditation experience, recommend changes in accreditation framework, procedures, criteria, fees, application templates and scoring method to the Council as deemed necessary.
3. Appoint Independent Examiner/Expert for Accreditation purpose.
4. Collaborate with Institutions/Universities/Colleges in spreading awareness about the profession and available job opportunities in actuarial domain.
5. Identify and recommend support services which may include avenues for coaching, mentoring, teaching, curating syllabus, curriculum likely to be requisitioned by applying institutions/ bodies.
6. The group can invite expert views and co-opt members as deemed pertinent for the purpose of expeditious timelines and unambiguous compliance with terms of reference.
7. Other functions that may be assigned to this group from time to time.

The Work plan and Timelines will be:

1. The group will work in close collaboration with the Education Committee (Under Section 21 of the Act), Examination Advisory Group and Education Advisory Group.
2. The group will meet at least 6 times a year (including the joint meetings with the above Advisory Groups and Committee).
3. The Group shall report to the President.

3.5.16. Working Group on Climate Risk & Sustainable Finance

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. Piyush Jain	Chairperson
2	Mr. Praveen Gupta	Mentor
3	Mr. Avanish Bankar	Mentor

Sr.No.	Name	Office
4	Mr. Abhishek Rastogi	Member
5	Mr. Ravi Shankar Lal	Member
6	Ms. Aishwarya Agarwal	Member
7	Mr. Siddesh Ramasubramanian	Member
8	Ms. Saigeeta Bhargava	Member
9	Ms. Srishti Grover	Member
10	Mr. Kevin Punmiya	Member
11	Ms. Siddhi Kedia	Member

Functions

- Promote Actuaries' Role in Climate Risk:** Enhance the role of actuaries in the field of climate risk by integrating the latest developments into actuarial training and curriculum and fostering collaborations between corporates and universities for research and case studies
- Develop Syllabus and Certification Courses:** Work with the Education/Examination Committees to design and produce syllabi and content for certification courses on climate risk, incorporating climate risk modules in actuarial exams and continuing education programs.
- Generate Employment Opportunities:** Support the creation of employment avenues for actuarial students and professionals, particularly in data science, insurance, and other industries impacted by climate risk.
- Conduct Research and Publish Findings:** Create case studies and engage in research activities in collaboration with industry stakeholders.
- Offer Continuing Professional Development (CPD):** Work with other AGs of GI/Life/Health/Banking to identify related emerging issues and design and conduct CPD programs, including seminars, webinars, and workshops, aimed at enhancing the climate risk-related skills of actuarial professionals.
- Develop Climate Risk Methodologies and Tools:** Create tools and methodologies for assessing and quantifying climate risks specific to the insurance and financial sectors.
- Collaborate with Regulatory Bodies:** Work with regulatory authorities to establish and refine climate risk disclosure standards for actuarial work and integrate it into traditional actuarial work.
- Establish Best Practices and Standards:** Set guidelines for climate risk analysis, including ESG factors and data collection standard.
- Advise on Climate-Related Insurance Products:** Provide guidance on developing new insurance products to address climate-related risks and opportunities.
- Facilitate Knowledge Exchange:** Foster knowledge-sharing between actuaries and climate scientists to improve climate risk modeling techniques and offer insights on how climate change affects mortality, longevity, and other key actuarial assumptions.

The Work plan and Timelines will be:

- This Working Group will meet periodically (atleast four times a year) with atleast 2 meetings collaborating with AGs of GI/Life/Health/Banking either through conference call or face to face.
- This Working Group will report to the Research and Innovation Committee and/ or to the President.

3.5.17. Advisory Group on Agriculture and Rural Risk Management

Members

Sr.No.	Name	Office
1	Mr. Siddesh Ramasubramanian	Chairperson
2	Mr. Ankur Subhash Gupta	Member
3	Mr. Aarvit Singhal	Member
4	Mr. Apoorva Tatia	Member
5	Mr. Amit Shah	Member

Functions

- Partnerships for Research and Policy Development:** Actively partner with Government bodies and research institutions to inform product development and policy recommendations.
- Innovative Insurance Products:** Each year, develop and file three new insurance products, catering to underpenetrated agriculture and rural market segments with the regulator.
- Pilot Projects and Distribution:** Implement pilot projects for these products and strategize their distribution to the intended segments.
- Performance Analysis and Feedback:** Monitor and analyse the performance of these products, providing feedback for improvements.
- White Paper:** Publish a white paper annually on the outcomes and insights gained from the development and deployment of each of these products.

The Work plan and Timelines will be:

- This Advisory Group will have at least three meetings per quarter (preferably one meeting per month) either through concall or face to face.
- This Advisory Group will report directly to the President.

4. EXAMINATION

4.1 May 2025 Examination-Data summary

Sr.No.	Subject	Candidates Registered	Candidates appeared	Candidates passed	Percentage
1	CS1	600	486	226	46.50%
2	CS2	382	326	30	9.20%
3	CM1	758	644	147	22.83%
4	CM2	330	283	180	63.60%
5	CB1	814	713	470	65.92%
6	CB2	791	708	309	43.64%
7	CB3	444	419	393	93.79%
8	CP1	244	219	67	30.59%
9	CP2	343	308	60	19.48%
10	CP3	434	414	156	37.68%
11	SP1	170	153	38	24.84%
12	SP2	211	188	53	28.19%

Sr.No.	Subject	Candidates Registered	Candidates appeared	Candidates passed	Percentage
13	SP4	27	23	12	52.17%
14	SP5	44	43	15	34.88%
15	SP6	10	7	1	14.29%
16	SP7	107	101	23	22.77%
17	SP8	80	71	48	67.61%
18	SP9	25	19	2	10.53%
19	SA1	58	50	11	22.00%
20	SA2	105	96	21	21.88%
21	SA3	86	84	9	10.71%
22	SA4	21	20	4	20.00%
23	SA7	24	22	12	54.55%
Grand Total		6108	5397	2287	42.38%

42 November 2025 Examination-Data summary

Sr.No.	Subject	Candidates Registered	Candidates appeared	Candidates passed	Percentage
1	CS1	794	644	187	29.04%
2	CS2	426	345	138	40.00%
3	CM1	963	782	81	10.36%
4	CM2	399	313	176	56.23%
5	CB1	837	720	153	21.25%
6	CB2	941	831	497	59.81%
7	CB3	428	401	246	61.35%
8	CP1	295	265	143	53.96%
9	CP2	433	385	92	23.90%
10	CP3	528	501	320	63.87%
11	SP1	185	171	53	30.99%
12	SP2	248	223	34	15.25%
13	SP4	20	19	9	47.37%
14	SP5	57	48	8	16.67%
15	SP6	13	10	2	20.00%
16	SP7	115	105	24	22.86%
17	SP8	81	70	20	28.57%
18	SP9	19	17	6	35.29%
19	SA1	64	58	17	29.31%
20	SA2	121	104	34	32.69%
21	SA3	111	108	11	10.19%

Sr.No.	Subject	Candidates Registered	Candidates appeared	Candidates passed	Percentage
22	SA4	17	16	1	6.25%
23	SA7	25	22	4	18.18%
Grand Total		7120	6158	2256	36.64%

4.3 ACET DATA FOR 2025-26

Sr.No.	Qualification-wise Data	Candidate Registered	Candidate Appeared	Candidate Pass	Percentage
1	ACET August 2025	1682	1557	1360	87.35%
2	ACET January 2026	1242	1099	965	87.81%
Grand Total		2924	2656	2325	87.54%

The Education and Seminars

1. The Institute of Actuaries of India (IAI) conducted its examinations in a home-based online format, enabling members to appear for the examinations from anywhere in the world.
2. IAI conducted multiple mock examinations prior to the actual examinations to familiarize candidates with the examination platform and enhance their time management skills.
3. IAI conducted an Examiner's Webinar on the Question Paper Setting Process for the Actuarial Examinations.
4. IAI discontinued the Solution Challenge and Re-evaluation processes with effect from the November 2025 Actuarial Examination.
5. IAI introduced a structured Appeal Process from the November 2025 Actuarial Examination to ensure a systematic and transparent post-result review mechanism.
6. IAI successfully conducted the May 2025 and November 2025 Actuarial Examinations, along with the Actuarial Common Entrance Test (ACET) in August 2025 and January 2026.
7. A total of 2,656 candidates appeared for the ACET examinations conducted in August 2025 and January 2026, of whom 2,325 qualified, resulting in an overall pass percentage of 87.54%.
8. For the Actuarial Examinations, 5,397 candidates appeared in May 2025, of whom 2,287 qualified, resulting in a pass percentage of 42.38%. In November 2025, 6,158 candidates appeared, of whom 2,256 qualified, resulting in a pass percentage of 36.64%.
9. IAI conducted orientation sessions to guide candidates appearing for the Actuarial Examinations and familiarize them with the examination process.
10. IAI conducted feedback sessions with candidates following the Actuarial Examinations to gather insights and identify opportunities for continuous improvement.

5. PRIZES AND AWARDS

5.1 Academic Excellence Award

Based on the highest marks secured in the examinations following Academic Excellence Awards were awarded during the Global Conference of Actuaries (GCA2025). The Prize consists of Personalized Trophy and cash prize of Rs.10,000 each.

Note: The November examination awardees are not included in this list, as the examination results were announced after the conference. Their awards will be presented at the next GCA.

Sr.	Award Name/ Sponsors	Subject	Name & Member ID Winner– May 2025
1	Late Shri Mukul Chandra Chakravarti Memorial Academic Excellence Award	CS1 - Actuarial Statistics	Ms. Vishakha Agarwal
2	TATA AIA Life Insurance Co. Academic Excellence Award	CP1 - Actuarial Practice	Ms. Kriti Mathur
3	Aditya Birla Sun Life Academic Excellence Award	CP2 – Actuarial Modelling	Mr. Mohit Agarwal
4	“Partners” Fund in Memory of Late Mr. Akshay D. Pandit	CP3 – Communication Practice	Ms. Mehak Ahuja
5	Milliman Academic Excellence Award	SP1 – Health Insurance	Mr. Anshul Kumar
6	Kotak Life Academic Excellence Award	SP2 – Life Insurance	Ms. Riddhi Samit Parekh
7	Mercer Consultancy Academic Excellence Award	SP4 - Pensions and Other Benefits	Mr. Neel Nitin Thakkar
8	Mercer Consultancy Academic Excellence Award	SP5 – Investment and Finance	Mr. Rajbir Singh
9	Mercer Consultancy Academic Excellence Award	SP6 – Financial Derivatives	Mr. Someshwar Jain
10	Insurtech Actuary Academic Excellence Award	SP7 – General Insurance Reserving and Capital Modelling	Mr. Lakshay Mody
11	Krishna Kumar Tewari Memorial Academic Excellence Award	SP8 – General Insurance Pricing	Ms. Disha Agarwal
12	LIC of India Academic Excellence Award	SA1 – Health and Care	Mr. Dharmil Rashmin Mehta
13	RGA Reinsurance Academic Excellence Award	SA2 – Life Insurance	Mr. Nitin Raturi
14	Munich Re India Academic Excellence Award	SA3 – General Insurance	Ms. Nivita Ravindranath Shetty
15	K A Pandit Consulting Actuary Memorial Academic Excellence Award	SA4 – Pensions and Other Benefits	Ms. Simanti Thakur
16	Gen Re Academic Excellence Award	SA7 – Investment and Finance	Ms. Mehak Ahuja

52 Prize Fund for Students Scoring Highest Marks

The Prize fund for highest marks is instituted by contributions given by various donors to Institute of Actuaries of India. These Prize funds has been constituted for students scoring highest marks in May / November examinations each year. The Award consists of prize money of Rs. 5000/-.

Subject	Name of the Donor	Name & Member ID Winner – May 2025	Name & Member ID Winner - November 2025
CS1 - Actuarial Statistics	Shri. H V Krishnamurthy Prize	Ms. Vishakha Agarwal	Ms. Sanya Sarin
CS2 - Risk Modelling and Survival	Shri. R. Krishnaswamy Prize	Mr. Rishabh Sharma	Mr. Suryoday Sethi
CM1 - Actuarial Mathematics	Smt. Vidhya Wati and Smt. Santosh Kumari Memorial Scholarship Prize	Ms. Mahek Poddar Mr. Utsav Gupta Mr. Kush Gupta	Mr. Yogesh Fageriya
CM2 - Financial Engineering and Loss Reserving	Shri. G S Diwan Centenary Commemoration Prize	Mr. Harsh Agarwal	Mr. Sourav Sandhu
CB1 - Business Finance	Shri. Atma Ram, Shri Chhaju Ram and Smt. Parvati Devi Memorial Scholarship Prize	Mr. Nikhil G Dongare Ms. Geetha K P Ms. Sanya Sarin Mr. Sunny Mr. Yash Rooplani	Ms. Nirmitt Pujari
CB2 - Business Economics	Shri. R M Joshi Prize	Ms. Sudipa Ray Mr. Trikshit Damodar Alva Mr. Rishie Satish Nagda	Ms. L. Kuhana
CP1- Actuarial Practice	The Future Actuary Prize	Ms. Kriti Mathur	Mr. Rishabh Sharma
CP2 - Actuarial Modelling	Shri R. Krishnaswamy Memorial Prize	Mr. Mohit Agarwal	Mr. Abhik Saha
CP3 - Communication Practice	J R Joshi Prize	Ms. Mehak Ahuja	Ms. Riddhi Samit Parekh
SP1-Health and Care	Shri. G S Diwan 100 th Birth Anniversary Memorial Education Prize	Mr. Anshul Kumar	Mr. Dharmil Rashmin Mehta
SP2 – Life Insurance	Late Shri. Janardan Pundalik Nerurkar Prize	Ms. Riddhi Samit Parekh	Mr. Mayank Bindra
SP4 – Pensions and Other Benefits	Shri. K A Pandit Memorial Prize	Mr. Neel Nitin Thakkar	Mr. Prakhar Kala

Subject	Name of the Donor	Name & Member ID Winner – May 2025	Name & Member ID Winner - November 2025
SP5 – Investment and Finance	Shri. Kamal Kumar Noranglal Podar Prize	Mr. Rajbir Singh	Mr. Ashish Singhal
SP6 – Financial Derivatives	Late Shri. D Basu Prize	Mr. Someshwar Jain	Mr. Abhay Chaudhary
SP8 – General Insurance: Pricing	Krishna Kumar Tewari Memorial Academic Excellence Prize	Ms. Disha Agarwal	Mr. Anmol Bansal
SA1 – Health and care	Shri. G S Diwan 100th Birth Anniversary Memorial Education Prize	Mr. Dharmil Rashmin Mehta	Ms. Apeksha Singhal
SA2 – Life Insurance	Shri. G S Diwan Memorial Prize	Mr. Nitin Raturi	Mr. Yash Gupta
SA3 – General Insurance	Late Shri K P Sarma Memorial Prize for the General Insurance	Ms. Nivita Ravindranath Shetty	Ms. Anisha Kedia Ms. Mahak Agarwal
SA4 – Pensions and Other Benefits	Canada Life Scholarship Endowment Prize	Ms. Simanti Thakur	Ms. Saloni Rajesh Dedhia
SA7 – Investment and Finance	Shri. G S Diwan Memorial Scholarship Prize	Ms. Mehak Ahuja	Mr. Manan Agarwal

5.3 ACET (Actuarial Common Entrance Test) Award

There are two awards in this category. The award for August 2025 and January 2026 ACET Exam is sponsored from Late A S Gupta Prize Fund and Award for March 2025 Exam is sponsored from Parikh Parivar Prize Fund. The Award consists of a personalized trophy along with a cheque of 10,000 for students scoring highest marks in March 2025, August 2025 and January 2026 Examination.

Late A S Gupta Prize for ACET exam

1. Ms. Sneha Singhal (IAIEE-AUG25-1370)-ACET August 2025
2. Ms. Divyanka Yatish Bansal (IAIEE-AUG25-30)-ACET August 2025
3. Ms. Nikita Sanjay Machale (IAIEE-JAN26-345)-ACET January 2026

Parikh Parivar Prize for ACET exam

1. Ms. Devanshi Tandon (IAIEE-MAR25-740)- ACET March 2025
2. Mr. Harbeen Singh Gill (IAIEE-MAR25-728)- ACET March 2025

5.4 Principal Financial Group Award - For Associateship

This Award is for Students who complete Associateship within 3 years. The price consists of Gold Medallion worth Rs 25,000.

For the exams conducted during the year 2025, there were no candidates eligible for this award.

5.5 Meena Sidhwani Award for Fellowship

This Award is for the student who completes fellowship within 4.5 years from the date of joining. The student will receive a Gold Medallion worth Rs 25,000. For the exams conducted during the year.

For the exams conducted during the year 2025, there were no candidates eligible for this award.

6. REPORT ON EDUCATIONAL SUPPORT AND TRAINING

6.1 Actuarial Orientation Session – Guiding Future Actuaries from the very beginning

IAI organized Actuarial Orientation Sessions for candidates who successfully qualified the Actuarial Common Entrance Test (ACET). The sessions were designed to provide aspiring actuaries with a comprehensive introduction to the profession and to help them confidently embark on their actuarial journey.

Conducted as an interactive online webinar, the programme covered key aspects of the actuarial profession, including the role of an actuary, the benefits of pursuing an actuarial career, the qualification pathway, the admission process, and career opportunities available to actuarial professionals. A dedicated Question & Answer segment provided participants with an opportunity to interact with experts and seek guidance on their academic and professional aspirations.

The sessions aimed to equip new entrants with a clear understanding of the profession, the examination structure, membership processes, and the diverse career pathways available both in India and globally. By offering practical insights and addressing participants' queries, the initiative enabled candidates to make informed decisions and begin their actuarial journey with confidence. Through such orientation programmes, IAI continues to support aspiring actuaries by providing timely guidance, fostering awareness of the profession, and facilitating a smooth transition from entry into the profession to the commencement of their actuarial education.

6.2 Online Guidance & Support for Examinations

IAI conducts an Online Guidance & Support program to help students prepare for actuarial exams. The program covers every technical subject. Besides teaching, we also guide students how to tackle exams strategically, covering techniques like time management, question handling, and effective revision. Our focus is on the three foundational modules:

- **Core Statistics (CS)**
- **Core Mathematics (CM)**
- **Core Business (CB)**

For these, we offer:

- Step-by-step lessons.
- Practice exercises.

Live and interactive Q&A sessions.

This ensures students understand the “why” and “how” behind each topic.

For higher-level actuarial subjects, we run short, intensive crash courses (Last Minute Guidance and Tips). These concentrate on crucial ideas and exam-solving strategies, giving students a compact boost in confidence and knowledge. We held two exam periods, featuring:

- Interactive online classes.
- Access to all recorded sessions.

Students could revisit sessions whenever they wanted, great for those with busy schedules or living in different time zones. This flexibility helped them balance studying with work or other commitments and learn at a pace that worked for them. Our program supports students at every stage: From learning essential technical concepts to sharpening exam strategies for advanced topics. It gives them confidence and skills to succeed in their actuarial exams.

6.3 One-To-One Exam Counselling for Students

IAI conducts a One-to-One Exam Counselling initiative to help students identify improvement areas and prepare effectively for their upcoming actuarial examinations. The goal of this initiative was to give each student a personal mentor to help them understand where they went wrong and how to improve. Counselling was done online via Microsoft Teams. Each student had a one-hour private session with an experienced faculty member. During the session, counsellors:

- Went through the student's exam papers and marks.
- Answered their questions and concerns.
- Suggested ways to study better and avoid repeating mistakes.

20 expert faculty members guided them, offering individualized support and strategies. Students gained a clearer understanding of their errors. They received tailored advice, which helped boost both confidence and skills. This personalized approach prepared the students better for future exams and set them up for success.

6.4 Last Minute Doubt Solving Sessions

As part of its continued commitment to enhancing the examination experience and supporting student success, IAI introduced the Last-Minute Doubt Solving Sessions for candidates appearing for the Actuarial Examinations.

Launched for the first time, this initiative was designed to provide candidates with a dedicated platform to clarify subject-specific conceptual doubts during the crucial final stage of their examination preparation. Conducted as live and interactive online sessions, the programme enabled direct engagement with experienced faculty members, allowing participants to seek clarification on challenging topics and strengthen their understanding of key concepts.

The sessions were well received by students, who appreciated the opportunity to resolve their remaining queries, reinforce their preparation, and approach the examinations with greater clarity and confidence. The initiative reflects IAI's ongoing efforts to provide meaningful academic support and create learning opportunities that contribute to improved examination readiness and student success.

6.5 Skill Development and Capacity Building Trainings

IAI conducts training programs to boost the skills and capabilities of both IAI members and others in the insurance and related industries. These aimed to help participants stay up to date with industry changes, improve job readiness, and strengthen their professional abilities. The training included a wide range of advanced topics relevant to actuaries and other professionals, such as:

- Data tools like R, Python, SQL.
- Machine Learning.
- Industry standards like IFRS 17.
- Financial tools including Excel Macros & VBA.
- Soft skills, including communication and presentation.

Most sessions were offered online in the form of pre-recorded videos. Participants gained: Deeper understanding of important topics, modern tools and best practices, stronger career prospects.

This initiative shows our commitment to both our community and the wider industry. By offering these programs, we helped individuals: Keep pace with new industry demands, become more employable and professionally capable, contribute to a stronger, more skilled workforce overall.

7. CONFERENCES / SEMINARS / WEBINARS

FY 2025–26 stands out as a year of scale, ambition, and institutional pride for the Institute of Actuaries of India. The Silver Jubilee edition of the Global Conference of Actuaries, the 8th Actuaries Day, and a packed calendar of seminars, webinars, and thought leadership initiatives together painted a vivid picture of a profession in confident stride - deepening its expertise, widening its influence, and strengthening its bonds with India's evolving economic and regulatory landscape. Beyond technical actuarial topics, the Institute also convened timely roundtable webinars on the implications of proposed GST reforms for the insurance sector and the Labor Codes on employee benefits, equipping members with insights into significant policy and regulatory developments impacting the profession.

7.1 Actuaries Day 2025: Then. Now. Next. – Celebrating Actuarial Excellence Across Time

Institute of Actuaries of India (IAI) celebrated the 8th Actuaries Day on 21 August 2025 at Hotel Fairfield by Marriott, Mumbai, in a hybrid format, commemorating the birth anniversary of Late Shri L. S. Vaidyanathan, India's first Actuary.

Held under the theme “Then. Now. Next. – Celebrating Actuarial Excellence Across Time”, the event brought together members, students, senior actuaries, industry leaders, regulators and policymakers to celebrate the profession's rich heritage, reflect on its present achievements and deliberate on the opportunities that lie ahead.

The celebrations commenced with a traditional lamp lighting ceremony in the presence of distinguished dignitaries including Ms. Preeti Chandrashekhar, President, IAI; Dr. Parshant Kumar Goyal, Joint Secretary, Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India; Mr. P. K. Arora, Member (Actuary), IRDAI; Mr. G. N. Agarwal, Past President, IAI; Mr. A. K. Garg and Mr. Sambasiva Rao - Senior actuaries; and Mr. Abhay Tiwari, CEO & Managing Director, Star Union Dai-ichi Life Insurance, the event partner.

In her Presidential Address, Ms. Preeti Chandrashekhar reflected on the profession's journey through the lens of the event theme. She described the past as the foundation built by pioneering actuaries whose unwavering ethics and technical excellence established public trust; the present as an era of transformation shaped by artificial intelligence, climate risks, demographic shifts and changing societal expectations; and the future as one demanding courage, continuous learning and innovation. Emphasizing that actuarial excellence extends beyond technical precision, she encouraged members - particularly students and young professionals - to remain curious, adaptable and purpose-driven while upholding the highest standards of professionalism and ethics.

The audience was then addressed by Mr. Abhay Tiwari, Chief Executive Officer & Managing Director of Star Union Dai-ichi Life Insurance, who shared his perspective on the future of the profession. He urged actuaries to embrace artificial intelligence, machine learning and advanced analytics as enablers rather than competitors, highlighting that actuaries have always been the original data scientists. He encouraged members to expand beyond traditional domains such as insurance and pensions into emerging areas including climate risk, healthcare, infrastructure, defence and space analytics. Stressing the need for original research, entrepreneurial thinking and leadership, he called upon actuaries to create

greater value for society while maintaining the profession's hallmark of integrity.

A special pre-recorded message from Ms. Bozena Hinton, President, International Actuarial Association (IAA) conveyed greetings to the Indian actuarial community. Congratulating the Institute on celebrating the legacy of Late Shri L. S. Vaidyanathan, she acknowledged the growing global contribution of Indian actuaries and highlighted the IAA's recent initiatives in artificial intelligence and climate sustainability. She encouraged Indian actuaries to continue contributing innovative solutions to global challenges and reaffirmed the importance of international collaboration in advancing the profession.

The Chief Guest, Dr. Parshant Kumar Goyal, Joint Secretary, Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India, delivered an insightful keynote address outlining the expanding role of actuaries in India's financial ecosystem. He observed that actuaries are integral to the design of affordable and sustainable insurance and pension products and noted that the profession is poised for significant growth as India advances towards the vision of "Insurance for All by 2047."

Dr. Goyal highlighted several emerging opportunities for actuaries arising from the proposed reforms to the Insurance Act, increased foreign investment in the insurance sector, expanding pension coverage and the growing demand for social security solutions. He also emphasized the profession's potential contribution in banking, infrastructure financing, public policy, government welfare schemes and financial risk management. Encouraging students to look beyond traditional career pathways, he expressed confidence that the profession would witness both organic and inorganic growth and shared that discussions were underway regarding reforms that could create additional professional pathways and opportunities for aspiring actuaries.

During the programme, Ms. Preeti Chandrashekhar also announced a generous contribution of Rs. 1 crore by Mr. Sambasiva Rao, Senior Actuary, advancing actuarial research and creating greater opportunities for students and members, a significant milestone in strengthening the Institute's research ecosystem.

One of the highlights of the celebrations was the engaging panel discussion titled "Then. Now. Next. – Celebrating Actuarial Excellence Across Time" Moderated by Ms. Riddhi Barfiwala, Student Member, IAI and Mr. Vinit Dedhia, Student Member, IAI the discussion featured Mr. G. N. Agarwal, Past President, IAI, and Ms. Preeti Chandrashekhar, President, IAI.

Designed as an intergenerational dialogue, the session explored the evolution of the actuarial profession through personal experiences spanning several decades. The panelists reflected on the challenges of pursuing actuarial examinations in earlier years, the technological transformation of actuarial practice, and the profession's increasing recognition across industries. They encouraged young members to continuously upgrade their skills, embrace technological advancements such as artificial intelligence, remain adaptable in an era of rapid change and focus on solving business problems rather than merely applying technical models.

The discussion was highly interactive, with students and young professionals engaging directly with the panelists on topics ranging from career opportunities beyond insurance to the future impact of AI on actuarial work. The session reinforced that while technology will continue to transform the profession, the actuarial principles of sound judgement, ethical conduct and analytical rigor will remain timeless.

The event also featured an interactive Actuaries Day Quiz, fostering enthusiastic participation and strengthening engagement among members and students.

The celebrations concluded with the felicitation of senior actuaries – Mr. A. K. Garg, Mr. G. N. Agarwal and Mr. Sambasiva Rao, recognizing their lifelong dedication and invaluable contribution to the development of the actuarial profession in India. This was followed

by closing remarks by Ms. Asha Murali, Honorary Secretary, IAI. A ceremonial cake cutting marked the occasion, followed by networking over high tea, providing members across generations an opportunity to reconnect, exchange ideas and celebrate the enduring spirit of the profession.

Key Moments from Actuaries Day 2025



Picture 1 – Lamp Lighting Ceremony (from left to right): Mr. G. N. Agarwal, Past President, Institute of Actuaries of India (IAI); Mr. Sambasiva Rao, Senior Actuary; Mr. P. K. Arora, Member (Actuary), IRDAI; Ms. Preeti Chandrashekhar, President, Institute of Actuaries of India; Dr. Parshant Kumar Goyal, Joint Secretary, Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India; Mr. A. K. Garg, Senior Actuary; and Mr. Abhay Tiwari, Chief Executive Officer & Managing Director, Star Union Dai-ichi Life Insurance.



Picture 3 - Panel Discussion on "Then. Now. Next. – Celebrating Actuarial Excellence Across Time" (from left to right): Mr. Vinit Dedhia, Student Member, IAI; Mr. G. N. Agarwal, Past President, IAI; Ms. Preeti Chandrashekhar, President, IAI; and Ms. Riddhi Barfiwala, Student Member, IAI.

Picture 2 – Felicitation of Chief Guest - Dr. Parshant Kumar Goyal, Joint Secretary, Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India by Ms. Preeti Chandrashekhar, President, Institute of Actuaries of India.



Picture 4 - Mr. Sambashiv Rao presenting a cheque of `1 crore towards advancing actuarial research and creating greater opportunities for students and members, received by Ms. Preeti Chandrashekhar, President, Institute of Actuaries of India (IAI).



Picture 5 - Felicitation of Senior Actuary - Mr. A. K. Garg



Picture 6 - Felicitation of Senior Actuary and Past President, IAI – Mr. G. N. Agarwal



Picture 7 - Felicitation of Senior Actuary - Mr. Sambasiva Rao



Picture 8 - Vote of thanks by Ms. Asha Murali, Honorary Secretary, IAI.

7.2 25th Global Conference of Actuaries (GCA): Marking a Silver Jubilee of Knowledge and Collaboration



**Actuarial Pathways to Viksit Bharat
Managing Risks for Inclusive Social and Economic Growth**



25th Global Conference of Actuaries (GCA) and Actuarial Gala Function & Awards (AGFA) 2026 were held from 22nd to 24th February 2026 at Jio World Convention Centre, Mumbai, marking the Silver Jubilee edition of the Institute of Actuaries of India's flagship annual conference. The conference continued the legacy of the GCA as a premier platform for professional dialogue, knowledge sharing, thought leadership and global collaboration among actuaries, regulators, industry leaders, policymakers, academicians and students.

The conference was organized under the theme **“Actuarial Pathways to Viksit Bharat: Managing Risks for Inclusive Social and Economic Growth”**, reflecting the profession's growing role in supporting India's long-term development priorities through sound risk management, financial resilience and inclusive decision-making. The theme provided a strong foundation for discussions across insurance, reinsurance, health, social security, climate risk, artificial intelligence, regulatory change and the evolving contribution of actuaries in a rapidly transforming economy.

The Silver Jubilee edition received an encouraging response from the actuarial and wider financial services community, with 1,726 overall registrations, 1,458 unique attendees, and 3,230 total attendee footfalls across three days. The event brought together 61 speakers, featured 3 keynote sessions, 14 plenary sessions and 2 signature sessions, and reflected international participation across 17 nations, including India, Australia, France, Hong Kong, Japan, Malaysia, Nepal, Saudi Arabia, Singapore, South Africa, Spain, Switzerland, UAE, UK, USA, Philippines and Canada.

The conference also reflected strong industry confidence and stakeholder participation. A total of 47 partners supported the event across 11 partnership categories. The partnership base represented a broad mix of life insurance, general insurance, health insurance, reinsurance, broking, consulting, technology and academic institutions, thereby strengthening the overall scale and impact of the conference.

Beyond its technical programme, the 25th GCA placed emphasis on enhancing delegate experience and widening engagement. Several initiatives were introduced, including a dedicated Future Talent Patron Partnership category, partnerships with educational institutions, a joint cross-professional session with ICAI and ICSI, experiential installations such as the entrance tunnel and journey wall, a memorabilia book, diversified plenary

themes and an AI-based photo tracking tool for delegates. These initiatives contributed to broader participation, stronger industry-academia engagement and improved conference experience.

The conference was complemented by the Actuarial Gala Function & Awards (AGFA), which was held on two evenings following Day 1 and Day 2 of the GCA. AGFA provided a formal platform to recognize professional milestones, academic achievements, contributions of volunteers and partners, and the continued growth of the actuarial community. The event included cultural performances, felicitation ceremonies, partner recognition and award presentations, thereby adding a celebratory and community-oriented dimension to the Silver Jubilee conference.

Day-wise summary



Day 1 – 22nd February 2026: Inaugural Sessions, Industry Priorities and AGFA Recognition

The first day of the 25th Global Conference of Actuaries commenced with the inaugural session and traditional lamp lighting ceremony. The session included welcome and opening remarks by Mr. Subhendu Kumar Bal, Chairperson of the 25th GCA and AGFA Organizing Group, and Ms. Preeti Chandrashekhar, President of the Institute of Actuaries of India. Ms. Ruchita Verma, Executive Director of IAI, delivered the introductory address, setting the context for the Silver Jubilee edition of the conference.

The inaugural keynote address was delivered by Ms. Bozena Hinton, Immediate Past President of the International Actuarial Association. The session was followed by leadership insights from representatives of the Platinum Partners, including Ms. Girija Subramanian, Chairman and Managing Director, The New India Assurance Co. Ltd.; Mr. Sanjeeb Kumar, Chairman, Life and Health Reinsurance India, Gallagher Re; Mr. Ajay Srivastava, Appointed Actuary and Executive Director (Actuarial), LIC of India; and Mr. Hitesh Joshi, Executive Director with additional charge of Managing Director, GIC Re.

A key highlight of the day was the Chief Guest address by Padma Bhushan Dr. Devi Prasad Shetty, Chairman and Founder of Narayana Health, who brought a cross-sectoral perspective on healthcare, risk management and financial protection. The discussions during the day covered themes such as “Insuring Bharat’s Heartland: Strengthening Rural Lives & Livelihoods”, “Reinsurance as a Strategic Capital & Risk Management Tool for a

Volatile Future”, “Actuarial Intelligence in the Era of AI, Cyber Risk and Inclusive Growth”, and “Transforming Insurance & Financial Systems.”



The first evening of AGFA celebrated professional and academic accomplishments within the actuarial community. The programme began with a lamp lighting ceremony and an opening musical performance, followed by the welcome address by Ms. Preeti Chandrashekhar, President, IAI and remarks from the AGFA Partner. The ceremony included the felicitation of 11 Legacy Partners, conferment of certificates to 45 Associate Members, presentation of Academic Excellence Awards, recognition of IAI Advisory and Working Group members, and presentation of the Badge of Honour to Past Presidents.

Day 2 – 23rd February 2026: Digital Trust, Viksit Bharat and Professional Achievem



The second day commenced with a recap of the previous day's proceedings, followed by a virtual address by Shri M. Nagaraju, IAS, Secretary, Department of Financial Services, Ministry of Finance, India, who delivered the opening remarks. The day focused on digital transformation, cross-disciplinary collaboration, regulatory change and the future direction of the insurance and financial services sectors.

The first plenary session, "Digital Trust 360: Integrating AI Intelligence in Insurance," explored the growing influence of artificial intelligence, digital innovation and data-led approaches in reshaping the insurance landscape. This was followed by a roundtable discussion on "Collaborative and Multifaceted Approach towards Making India a Developed Nation by 2047," which brought together leaders from the Institute of Actuaries of India, Institute of Chartered Accountants of India and Institute of Company Secretaries of India to discuss the value of cross-professional collaboration in supporting India's long-term development vision.

The day also featured the keynote address "GIFT-IFSC: A Global Platform for Viksit Bharat @2047" by Shri K. Rajaraman, Chairperson of the International Financial Services Centres Authority. The session highlighted the role of international financial hubs in strengthening India's position in the global financial ecosystem. Subsequent panel discussions addressed "Term Assurance: Powering India's Journey to Viksit Bharat," "IFRS 17, RBC and Their Adoption Challenges," "The Changing Face of Risk: Ageing, Obesity, and the Next Frontier of Indian Insurance," and "Strategic Leadership: Scaling with Agility towards Insurance for All by 2047."



The second evening of AGFA recognized major professional milestones within the actuarial community. Certificates were awarded to 122 Fellows admitted to the Institute of Actuaries of India between March 2025 and January 2026, acknowledging their successful completion of the actuarial qualification process. The programme also included a performance by Math Stars, felicitation of the 25th GCA Organizing Group, recognition of IAI staff members, a stand-up comedy performance by Mr. Atul Khatri, a vote of thanks by Ms. Asha Murali, Honorary Secretary, IAI and a group photograph of newly admitted Fellows.

Day 3 – 24th February 2026: Global Collaboration, Social Security, Climate Resilience and Closing Session



The final day of the 25th GCA focused on forward-looking themes and international collaboration. The day began with a virtual opening address by Shri Ajay Seth, Chairman, IRDAI, followed by panel discussions on “The New Mandate: Driving Investment, Innovation and Risk Resilience” and “Universal Coverage by 2047.” These discussions reflected the profession’s continuing engagement with policy, protection, resilience and inclusive growth.

A major highlight of the final day was the Presidential Round Table titled “Blueprints for a Transformative Future,” which brought together presidents and leaders from global actuarial bodies. The discussion highlighted international perspectives on strengthening professional collaboration, advancing actuarial education and responding to emerging global risks.

The afternoon sessions continued with discussions on “The 2047 Vision: Building Sustainable Social Security Ecosystems through Collaborative Innovation” and “The Climate Adaptation Frontier: Designing Resilience for India’s Extreme Weather Future.” These sessions reinforced the importance of actuarial expertise in shaping long-term solutions for social security, sustainability and resilience in the face of demographic, economic and environmental change.

The conference also included a Partner Recognition segment to acknowledge the support and contributions of organizations associated with the 25th GCA. The final highlight was the Signature Session by Manny Anchan, titled “Living and Leading the Best Version of Life,” which addressed leadership, personal development and professional practice. The conference formally concluded with a vote of thanks by Ms. Asha Murali, Honorary Secretary and Council Member of the Institute of Actuaries of India.

The 25th Global Conference of Actuaries successfully demonstrated the growing relevance of actuarial science in addressing contemporary and future challenges across insurance, health, reinsurance, social security, climate risk, technology and financial systems. The scale of participation, quality of discussions, diversity of speakers and strong support from partners reflected the conference’s standing as one of the most important professional platforms for the actuarial community in India.

The introduction of student-focused participation initiatives, industry-academia partnerships, cross-professional collaboration, diversified content and enhanced delegate engagement elements further strengthened the conference experience. These initiatives helped broaden the reach of the event, support future talent development and reinforce IAI's role as a catalyst for professional advancement and collaborative dialogue.

AGFA 2026 added a celebratory dimension to the conference by recognizing Associates, Fellows, academic achievers, Legacy Partners, Past Presidents, Advisory and Working Group members, the Organizing Group and IAI staff. Through these recognitions, AGFA reinforced the spirit of contribution, achievement and collective pride within the actuarial community.

As the Silver Jubilee edition of the GCA, the 25th conference was both a commemoration of the Institute's journey and a statement of intent for the future. It reflected the actuarial profession's readiness to contribute to India's aspiration of Viksit Bharat by strengthening risk management, promoting inclusive growth and enabling informed decision-making across sectors.

7.3 Seminars & Webinars

During the financial year 2025–26, IAI continued its commitment to advancing professional knowledge and fostering continuous learning through a diverse range of seminars, webinars and round table discussions. These programmes served as valuable platforms for members, students and industry stakeholders to engage with current issues, emerging risks and evolving developments across the actuarial, financial and risk management landscape.

A total of **9 seminars and 13 webinars** were organised during the year, delivering **109.5 Continuing Professional Development (CPD) hours** and attracting **1,587 participants** across a diverse range of practice areas. The programmes were conceptualised and delivered through the collective efforts of the Institute's Advisory Groups, Working Groups, speakers and volunteers, ensuring the continued relevance and quality of professional learning opportunities available to members.

Summary Statistics (FY 2025–26)

Advisory Group / Working Group	No of Webinars	No of Seminars	Total CPD hours	Total delegates
AI & Data Science	1	–	2	49
Banking, Finance & Investments	1	–	2	56
Climate Risk & Sustainable Finance	3	–	5.5	138
Enterprise Risk Management	1	–	2	53
General Insurance	1	1	14	176
Health Insurance	2	2	16	205
IFRS 17 (IND AS 117)	1	1	8	271
Life Insurance	1	1	14	239
Pensions, Other Employee Benefits & Social Security	2	2	22	206
Professionalism, Ethics & Conduct	–	2	24	194
Total	13	9	109.5	1,587

The year's learning agenda reflected the expanding scope of actuarial practice and the increasing complexity of risks faced by organisations and society. Discussions covered

traditional actuarial domains such as life insurance, health insurance, pensions, employee benefits and general insurance, while also exploring emerging areas including climate risk, sustainability, artificial intelligence, data analytics, financial reporting, digital transformation and enterprise risk management. The sessions highlighted how actuarial skills are increasingly being applied to address evolving business, regulatory and societal challenges.

Among the key highlights during the year was the continued focus on **climate risk and sustainable finance**, with dedicated webinars examining the practical application of climate datasets, climate modelling techniques and the implications of changing weather patterns on insurance and risk management. Participants gained exposure to emerging methodologies for integrating climate intelligence into actuarial decision-making and risk assessment frameworks.

The Institute also facilitated important discussions on regulatory and policy developments through specialised roundtable webinars. Sessions on the proposed GST reforms for the insurance sector and the implementation of labour codes and their implications for employee benefits enabled participants to understand the potential impact of evolving regulations on insurers, employers, employees and policyholders. These forums encouraged cross-functional dialogue among actuaries, finance professionals, legal experts and business leaders.

To maximise accessibility and member engagement, the Institute continued to leverage virtual learning platforms alongside in-person events. Webinars enabled participants from across India and overseas to engage in technical discussions irrespective of geographical location, while physical seminars facilitated deeper interaction, networking and collaborative learning among participants. This blended approach strengthened knowledge dissemination and supported the Institute's commitment to lifelong learning and professional excellence.

The continuing success of the seminar and webinar programme reflects the profession's commitment to learning, innovation and collaboration. Through these initiatives, the Institute continued to support members in navigating an increasingly dynamic environment while strengthening the actuarial profession's ability to contribute meaningfully to business, public policy and society.

Acknowledgement of Speakers

The actuarial profession thrives on the exchange of ideas and collaboration across jurisdictions, disciplines and industries. The Institute gratefully acknowledges the contributions of all speakers, panellists and moderators who supported its seminars and webinars during FY 2025–26. Their expertise, insights and willingness to share knowledge significantly enriched the learning experience of participants and contributed to the success of the Institute's professional development initiatives.

The Institute extends its sincere appreciation to members, international experts, regulators, academicians and industry practitioners who generously contributed their time and knowledge towards strengthening actuarial education and professional practice.

In recognition of their efforts, we express our profound appreciation to:

Area of work	Speakers from Non-members and/or from Outside India
AI & Data Science	Mr. Shailesh Dhuri, CEO, Decimal Point Analytics
Banking, Finance & Investments	Mr. Iain Allan, Actuary & Independent Consultant; Mr. Steven Claxton, Actuary & Head of Treasury & Risk Vertical APAC, FIS; Mr. Mrigank Agarwal, Senior Associate, PwC UK; Mr. Vighnesh Mehta, Group Head – Risk Management, Motilal Oswal Financial Services Ltd

Area of work	Speakers from Non-members and/or from Outside India
Climate Risk & Sustainable Finance	Dr. Anil Kumar Singh, Remote Sensing and Climate Data Scientist; Mr. Nishanth Veerapaneni, Senior Manager, AXA XL.
Enterprise Risk Management	Mr. Chirag Tamak, Head – Bloomberg Buy Side Solutions.
General Insurance	Mr. Rambabu Gorli, Deputy General Manager, IFRS Team, IRDAI; Mr. Ashok Shetty, Head Advanced Data Science, Swiss Re; Mr. Shailendra Sapra, CEO, Reinsurance Solutions, AON India; Ms. Surabhi Nigam and Mr. Nishant Nigam, Co-founders, Dygnify Ventures Pvt. Ltd.; Ms. Mitali ChaGerjee, Vice President, Swiss Re Institute; Mr. Ankur Gupta, Head of Client Management, Munich Re India; Mr. Sudeep Pandey, Senior Underwriter, Munich Re India.
Health Insurance	Ms. Christine Fairall, Senior Consultant, Milliman UK; Ms. Jesse Song, Global Medical Pricing Actuary, Swiss Re; Mr. Prashant Rai, Senior Solution Manager – Pre sales, SAS; Mr. Parag Agarwal, Head Financial Planning & Analysis, Manipal Hospitals; Mr. Devang Mody, Chief Executive Officer, Bajaj Finserv Health; Mr. Anish Patra, National Manager – Risk & Pricing, Bajaj Finserv Health; Ms. Margot Brews, Health Risk Strategist, Momentum Group Limited; Mr. Rachin Aggarwal, Principal and Senior Consultant, Milliman
IFRS 17	Mr. Adeshwar Bhandari, VP Finance, ICICI Life Insurance Co. Ltd.; Mr. Hasmukh Raval, Partner, Deloitte India; Mr. Bhavik Mehta, Financial Controller, HDFC Life Insurance Co. Ltd.; Mr. Kamlesh Agrawal, Financial Controller, Ageas Federal Life Insurance Co. Ltd.; Mr. Pratik Haria, Finance Business Partner, Tata AIA Life Insurance Co. Ltd.
Life Insurance	Mr. Zhee Chong Koh, Head L&H Global Portfolio Steering, Swiss Re; Mr. Ivan Lee, Head L&H Pricing SEA & India, Swiss Re; Mr. Parmeshwar Shelke, Deputy General Manager, IRDAI; Dr Lakshmi Bansal, Head of Underwriting, HDFC Life Insurance; Mr. A.S. Venkata Krishnan, Senior Vice President, HDFC Securities; Mr. Avinash Singh, Equity Research Analyst, Emkay Global Financial Services Ltd.; Mr. Ansuman Deb, Lead Analyst, ICICI Securities; Ms. Shreya Shivani, Research Analyst, Nomura; Mr. Manas Agrawal, Research Analyst, Bernstein; Mr. Rishi Jhunjhunwala, Senior Vice President, IIFL Capital; Mr. Rahul Bhuskute, Chief Investment Officer, Bharti AXA Life Insurance; Mr. Gopikrishna Shenoy, Chief Investment Officer, SBI Life Insurance; Mr. Francesco Nagari, Global Head of IFRS 17, Deloitte; Mr. Henny Verheugen, IFRS 17 Subject Matter Expert, Milliman; Mr. Sarbvir Singh, Joint Group CEO, PB Fintech; Mr. Harshit Gangwar, Head – Risk Business, PB Fintech.
Pensions, Other Employee Benefits & Social Security	Mr. Adhish Verma, Senior Economist, CRISIL; Mr. Ravi Saraogi, Co-founder, Samasthiti Advisors; Ms. Sumeet Kaur Kapoor, Executive Director, PFRDA; CA Sumit Dhadda, Registered Valuer;
Professionalism & Conduct	Associate Prof. Mandar Oak, School of Economics and Public Policy, Faculty of Arts, Business, Law and Economics, The University of Adelaide, Australia; Dr. Devi Prasad Shetty, Founder and Chairman, Narayana Health.

Area of work	Speakers from Non-members and/or from Outside India
General Insurance	Mr. Rambabu Gorli, Deputy General Manager, IFRS Team, IRDAI; Mr. Ashok Shetty, Head Advanced Data Science, Swiss Re; Mr. Shailendra Sapra, CEO, Reinsurance Solutions, AON India; Ms. Surabhi Nigam and Mr. Nishant Nigam, Co-founders, Dygnify Ventures Pvt. Ltd.; Ms. Mitali ChaGerjee, Vice President, Swiss Re Institute; Mr. Ankur Gupta, Head of Client Management, Munich Re India; Mr. Sudeep Pandey, Senior Underwriter, Munich Re India.

8. LIBRARY AND PUBLICATION

Institute of Actuaries of India (IAI) provides library services for its members. Library is situated in the Institute's office, Seawoods, Navi Mumbai. Library has a good collection of many publications and books on Actuarial Science, mathematical statistics etc

8.1 Library - Rules

Members can borrow maximum two titles at a time. The duration for which a title can be kept is maximum 15 days for Mumbai based member and 21 days for outstation member. For requirement of any book, members can email at sheetal@actuariesindia.org

The documents which are for reference only can be accessed and photocopies of required part can be requested.

Members need to ensure safe return of the title to the library, failing which they will be required to bear the cost of the title or provide another fresh copy of same title to the library.

8.2 Actuary India magazine

Institute of Actuaries of India publishes its in-house monthly magazine 'the Actuary India'. For the past issues of magazine, kindly visit <https://www.actuariesindia.org/magazine> – Research and Publication – Actuary India'.

9. ACCREDITATION: STRENGTHENING ACADEMIC PATHWAYS

The Institute of Actuaries of India (IAI) remains committed to advancing actuarial education through its Accreditation Framework, a landmark initiative launched in 2024 under Category A Accreditation for higher educational institutions offering programmes in Actuarial Science and allied disciplines.

The framework is designed to:

- Enhance academic standards across higher educational institutions.
- Foster excellence in teaching, learning, and assessment.
- Create structured academic pathways that inspire and prepare students for the globally recognised actuarial profession.

During its inaugural year, IAI successfully accredited four pioneering institutions across India, establishing robust academic pathways that enable students to seamlessly integrate into the actuarial profession. Each accredited programme has been comprehensively mapped to the IAI curriculum, ensuring academic rigour, quality assurance, and alignment with professional standards.

Accredited Institutions:

Institution	Location	Programme(s)	Accredited Subjects
Institute of Insurance and Risk Management (IIRM)	Telangana	PGD Min Actuarial Science	CS1, CB2
		PG Diploma in Actuarial Science	CS1, CS2, CM1, CM2, CB1, CB2, CB3
Bishop Heber College	Tamil Nadu	M. Sc. in Actuarial Science	CS1, CB1
R.A. Podar College	Maharashtra	B. Com in Actuarial Studies	CS1, CS2, CM1, CM2, CB1, CB2, CB3
Mar Athanasius College	Kerala	M. Sc. in Actuarial Science	CS1

More than 150 students are currently pursuing their studies through IAI-accredited programmes and actively participating in accreditation-related academic initiatives, strengthening their pathway towards the actuarial profession.

Phase II: Scaling the Accreditation Framework

Building on the success of the inaugural phase, IAI has commenced Phase II of its Accreditation Framework. The Institute is currently in the process of onboarding six additional higher educational institutions, significantly expanding the reach and impact of accredited actuarial education across India.

Expanding Horizons

As part of its long-term vision, IAI is broadening the scope of its Accreditation Framework to create new pathways for aspiring actuaries across diverse academic ecosystems.

Category B – Institutions of National Importance

IAI is extending accreditation opportunities to Institutions of National Importance, including IITs, IIMs, Central Universities, and other premier institutions, with the objective of embedding actuarial science within multidisciplinary academic environments.

Category C – Professional Body Accreditation

IAI is also engaging with leading professional bodies to establish Category C Accreditation, enabling learners from allied professional disciplines to gain an early introduction to actuarial education. Potential collaborations include:

- The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI)
- The Institute of Company Secretaries of India (ICSI)
- The Institute of Cost Accountants of India (ICMAI)
- Insurance Institute of India (III)

Through these strategic initiatives, IAI is strengthening academic-industry linkages, expanding access to actuarial education, and nurturing a future-ready talent pipeline. The Accreditation Framework represents a significant step towards making the actuarial profession more accessible, multidisciplinary, and attractive to the brightest minds across the country.

10. INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To,

**The Council,
The Institute of Actuaries of India
Report on the Audit of Financial Statements**

Opinion

We have audited the accompanying financial statements of **Institute of Actuaries of India ("the Institute")** which comprise the Balance Sheet as at 31st March, 2026, the Statement of Income and Expenditure and Cashflow Statement for the year then ended, and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies and other explanatory information. **(hereinafter referred to as "Financial Statements")**.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the **Actuaries Act, 2006**, and in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India of the state of affairs of the Institute as at **31 March 2026**, its surplus and its cash flows for the year ended on that date.

Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). Our responsibilities under those standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Institute in accordance with the ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements, and we have fulfilled our ethical responsibilities in accordance with these requirements. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Information other than the Financial Statements and Auditors' Report thereon

The Institute's Management is responsible for the other information. The other information comprises the information included in the Institute's annual report but does not include the financial statements and our auditor's report thereon.

Our opinion on the standalone financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information and, in doing so, consider whether the other information is materially inconsistent with the standalone financial statements or our knowledge obtained in the audit or otherwise appears to be materially misstated. If, based on the work we have performed, we conclude that there is a material misstatement of this other information, we are required to report that fact. We have nothing to report in this regard.

Responsibilities of Management and those Charged with Governance for the Financial State

The Institute's Management and those Charged with Governance is responsible for the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards issued by ICAI.

This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding the assets of the Institute and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate

accounting policies; making judgements and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, the management is responsible for assessing the Institute's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Institute or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Those charged with governance are also responsible for overseeing the Institute's financial reporting process.

Auditors' Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditors' report that includes our opinion.

Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal controls.
- Obtain an understanding of internal controls relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of the Institute's internal control.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Institute's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditors' report. However, future events or conditions may cause the Institute to cease to continue as a going concern.
- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

Materiality is the magnitude of misstatements in the financial statements that, individually or in aggregate, makes it probable that the economic decisions of a reasonably knowledgeable

user of the financial statements may be influenced. We consider quantitative materiality and qualitative factors in (i) planning the scope of our audit work and in evaluating the results of our work; and (ii) to evaluate the effect of any identified misstatements in the financial statements.

We communicate with those charged with governance, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide management with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

Further, we report that:

- a) We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
- b) In our opinion, proper books of accounts have been maintained by the Institute so far as appears from our examination of those books.
- c) The financial statements disclose the financial impact of pending litigations on the financial position of the institute.
- d) The institute does not have any long-term contracts including derivative contracts for which there were any material foreseeable losses.
- e) The Balance Sheet, Statement of Income and Expenditure and Cashflow Statement dealt with by this report are in agreement with the books of account and
- f) In our opinion, the Balance Sheet the Income and Expenditure Account and Cash Flow Statement comply with the applicable Accounting Standards issued by Institute of Chartered Accountants of India;

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards

**For Jain Jagawat Kamdar &
Co. Chartered Accountants
ICAI FRN: 122530W**

Sd/-

CA Basant

Jain

Partner

Membership No. 122463

UDIN:

26122463CJOPAP2962

Date: 07th August, 2026

Place: Mumbai

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2026

Particulars	Note No	31-3-2026 Amt. in Rs.	31-3-2025 Amt. in Rs.
I. SOURCES OF FUNDS			
(1) SURPLUS AND EARMARKED FUNDS			
(a) Capital & Reserves	2	₹ 315,958,211	₹ 312,112,526
(b) Prize & Scholarship Fund	3	₹ 16,422,373	₹ 15,327,668
(c) Earmarked Endowment Fund	4	₹ 870,107,642	₹ 740,243,192
(d) Other Earmarked Fund	5	₹ 12,955,346	₹ 12,538,307
(2) NON - CURRENT LIABILITIES			
(a) Other long-term liabilities		₹ -	₹ -
(b) Long-term provisions		₹ -	₹ -
(3) CURRENT LIABILITIES			
(a) Trade payables		₹ 1,749,772	₹ 929,784
(b) Other current liabilities	6	₹ 60,885,050	₹ 48,352,204
(c) Short-term provisions			
Total		₹ 1,278,078,394	₹ 1,129,503,681
II.APPLICATION OF FUNDS			
(1) NON - CURRENT ASSETS			
(a) Fixed Assets & Work in Progress	7	₹ 101,490,355	₹ 105,156,308
(b) Other non-current assets		₹ -	₹ -
(2) INVESTMENTS	8	₹ 925,357,974	₹ 796,023,808
(3) CURRENT ASSETS AND LOANS & ADVANCES			
(a) Cash and Bank Balances	9	₹ 64,293,012	₹ 62,455,276
(b) Trade Receivables	10	₹ 21,039,150	₹ 15,009,883
(c) Loans and Advances	11	₹ 44,786,065	₹ 38,167,151
(d) Interest Accrued on Investment	12	₹ 121,111,837	₹ 112,691,255
Total		₹ 1,278,078,394	₹ 1,129,503,681

Notes to Accounts and Significant Accounting Policies "Note-1"

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE

For Jain Jagawat Kamdar & Co.
Chartered AccountantsSd/-
CA Basant Jain
Partner
Membership No.: 122463
Registration No.:
122530W Date: 7th
August 2026 Place: Navi
Mumbai

For INSTITUTE OF ACTUARIES OF INDIA

Sd/-
Preeti Chandrashekhar
PresidentSd/-
Asha Murali
Honorary SecretarySd/-
Anurag Rastogi
Vice President

STATEMENT OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED MARCH 31,

Particulars	Note No	31-3-2026 Amt. in Rs.	31-3-2025 Amt. in Rs.
I. INCOME FROM FEES & SEMINARS			
(a) Educational Services & Exam Fees	13	₹ 158,735,346	₹ 111,963,450
(b) Online Coaching & Training	14	₹ 8,091,052	₹ 4,430,070
(c) Members Contribution	15	₹ 37,795,103	₹ 23,848,510
(d) Seminar Fees (GCA)	16	₹ 68,551,721	₹ 41,609,968
(e) Seminar Fees (Others)	17	₹ 7,401,000	₹ 6,078,499
II. INVESTMENT INCOME			
(a) Interest	18	₹ 60,529,057	₹ 57,379,539
(b) Profit/(Loss) on sale of Investment	19	₹ -	₹ -
(c) Less: Transfer to specific fund	20	₹ -44,815,236	₹ -41,808,457
III. OTHER INCOME	21	₹ 9,564,892	₹ 7,516,024
TOTAL INCOME (1)		₹ 305,852,935	₹ 211,017,602
IV. EXPENSES			
(a) Expenses of Institute	22	₹ 211,175,393	₹ 176,367,850
(b) Internal Audit Fees		₹ 150,000	₹ 150,000
(c) Statutory Audit Fees		₹ 50,000	₹ 50,000
(d) Depreciation	7	₹ 13,801,179	₹ 10,549,857
TOTAL EXPENSES (2)		₹ 225,176,573	₹ 187,117,708
V. NET SURPLUS (1-2)		₹ 80,676,362	₹ 23,899,895
VI. APPROPRIATION TO/FROM FUNDS/RESERVES			
(a) Transfer to Development Reserve Fund		₹ 149,930,677	₹ 109,799,131
(b) Transfer From General Reserve Fund		₹ 73,100,000	₹ 64,974,708
(c) Transfer From/(To) General Reserve Fund		₹ -3,845,685	₹ 20,924,528

Notes to Accounts and Significant Accounting Policies "Note-1"

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE

For Jain Jagawat Kamdar & Co.
Chartered AccountantsSd/-
CA Basant Jain
Partner
Membership No.: 122463
Registration No.:
122530W Date: 7th
August 2026 Place: Navi
Mumbai

For INSTITUTE OF ACTUARIES OF INDIA

Sd/-
Preeti Chandrashekhar
PresidentSd/-
Anurag Rastogi
Vice PresidentSd/-
Asha Murali
Honorary Secretary

CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 2026

Particulars	31-3-2026 Amt. in Rs.	31-3-2025 Amt. in Rs.
A Cash Flow From Operating Activity		
Net Profit before tax	8,06,76,362	2,38,99,895
Add: <u>Adjustment for</u> Depreciation	1,38,01,179	1,05,49,857
	1,38,01,179	1,05,49,857
Less: <u>Adjustment for:</u> Appropriations	8,06,76,362	2,38,99,895
	8,06,76,362	2,38,99,895
Operating profit before working capital changes	1,38,01,179	1,05,49,857
Add: <u>Adjustment for</u>		
Increase in capital, funds and liabilities	14,85,74,713	7,86,65,085
Decrease in Trade Receivables	-60,29,268	-96,94,433
Decrease in Investment	-	-
	14,25,45,446	6,89,70,652
Less: <u>Adjustment for</u>		
Increase in Loans & Advances	66,18,914	44,33,082
Increase in accrued interest	84,20,582	(1,85,44,116)
Decrease in Short Term Borrowings	-	-
Increase in Other Current Assets	-	-
	1,50,39,496	(1,41,11,033)
Cash generated from operation	14,13,07,130	9,36,31,543
Less: Provision for tax	-	-
Net cash from Operating Activities (a)	14,13,07,130	9,36,31,543
B CASH FROM INVESTING ACTIVITIES		
Add: <u>Adjustment for:</u> Decrease in Investment	-	-
	-	-
Less: <u>Adjustment for:</u>		
Increase in Capital WIP	-	-
Increase in Investment	12,93,34,166	9,30,00,000
Adjustment Of Fixed Assets	1,01,35,226	1,32,33,186
	13,94,69,392	10,62,33,186
Net cash used in Investing Activities (b)	(13,94,69,392)	(10,62,33,186)
C CASH FROM FINANCING ACTIVITIES		
Add: <u>Adjustment for:</u> Increase in capital	-	-
	-	-
Less: <u>Adjustment for:</u> Expense on increase in capital	-	-
	-	-
Net cash used in Financing Activities (c)	-	-
Net increase in cash & cash equivalents ((a)+(b)+(c))	18,37,738	(1,26,01,643)
Cash and cash Equivalents at beginning of period	6,24,55,276	7,50,56,919
Cash and cash Equivalent at end of period	6,42,93,012	6,24,55,276

Notes to Accounts and Significant Accounting Policies "S"

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE

For Jain Jagawat Kamdar & Co.
Chartered Accountants
Sd/-
CA Basant Jain
Partner
Membership No.: 122463
Registration No.:
122530W Date: 7th
August 2026 Place: Navi
Mumbai

For INSTITUTE OF ACTUARIES OF INDIA

Sd/-
Preeti Chandrashekhar
President
Sd/-
Asha Murali
Honorary Secretary

Sd/-
Anurag Rastogi
Vice President

As at 31.03.25 Amt. in Rs.	Particulars	As at 31.03.26 Amt. in Rs.	As at 31.03.26 Amt. in Rs.
----------------------------------	-------------	----------------------------------	----------------------------------

Note 2 CAPITAL AND RESERVES

a) Capital

Capital Donated by:

3,25,000	i) Chairman Executive Committee of General Insurance Council	3,25,000	
5,00,000	ii) General Insurance Corporation of India	5,00,000	
1,51,270	iii) Other Funds (Trust Fund)	1,51,270	
9,76,270	Balance as at 31st March 2024 <-----> 31st March 2025	9,76,270	
	b) General Reserves:		
33,20,60,784	Balance as at 1st April 2024 <-----> 1st April 2025	31,11,36,256	
-2,09,24,528	Add: Tfrd from Income and Expenditure Account	38,45,685	
0	Less: Tfrd from General Fund.	0	
31,11,36,256	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026	31,49,81,941	
31,21,12,526	Total Rs.	31,59,58,211	

Date	Name	Amount
12-08-95	M/s Thanawala Consultancy Service	50,000
13-12-95	Mr. D. Basu	1,000
27-12-95	Mr. M.C. Chakravarty	10,000
17-01-96	Mr. S.V. Ramaswamy	1,000
23-01-96	Mr. M.S. Venkataraman	2,000
01-02-96	Mr. S.P. Subhedar	2,500
23-02-96	Mr. D.K. Lodaya	1,000
26-02-96	Mr. J.L. Smith	2,500
03-03-96	Mr. D. Basu	100
19-03-96	Mr. H.L. Bhatia	10,000
19-03-96	Mr. B.P. Gupta	6,550
31-03-96	Mr. A.R. Prabhu	1,000
08-05-96	Mr. K.V.Y. Sastry	1,000
15-05-96	Mr. T. S. Swaminathan	25,000
16-05-96	Ms. Archana Tripathy	300
21-05-96	Mr. S. N. Narayanan	3,320
25-06-96	M/s Thanawala Consultancy Service	7,500
08-07-96	Mr. D.K. Pandit	10,000
21-08-96	Mr. M. Veerabadrian	1,000
05-12-96	Mr. V.L. Sapre	5,000
13-12-96	Mr. B.P. Gupta (L.M.)	10,500
	Total Rs.	1,51,270

As at 31.03.25 Amt. in Rs.	Particulars	As at 31.03.26 Amt. in Rs.	As at 31.03.26 Amt. in Rs.
NOTE 3 PRIZE AND SCHOLARSHIP FUNDS:			
a) Prof. G.S. Diwan Memorial/Prize/Award Fund: (Subject SA2)			
2,91,924	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	2,99,806	
17,882	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	17,492	
10,000	Less: Prize paid during the year	5,000	
2,99,806	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		3,12,298
b) Prof. (Late) G.S. Diwan 100th Birth Anniversary Memorial Education Fund (Donated by R.M. Mehta for SP1 & SA1)			
2,54,835	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	2,50,445	
15,610	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	14,612	
0	Add: Addition during Year	0	
20,000	Less: Paid during the year	10,000	
2,50,445	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		2,55,057
c) K A Pandit Academic Excl Award SA4			
7,88,668	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	8,14,277	
48,309	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	47,508	
22,700	Less: Paid during the year	10,000	
8,14,277	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		8,51,785
d) Prof. G.S. Diwan Memorial Scholarship Fund: (SA7) (For Research Project)			
4,50,359	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	4,67,945	
27,586	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	27,302	
10,000	Less: Prize paid during the year	5,000	
4,67,945	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		4,90,247
e) Prof. Diwan Birth Centenary Education Fund (For Subject CM2)			
2,88,660	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	2,86,342	
17,682	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	16,706	
20,000	Less: Prize paid during year	5,000	
2,86,342	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		2,98,048
f) K.R. Talpade Memorial Scholarship Endowment Fund:			
32,686	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	34,688	
2,002	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	2,024	
34,688	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		36,712
g) H.V. Krishnamurthy Prize Fund: (For Subject CS1)			
1,03,003	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	89,312	
6,309	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	5,211	
20,000	Less: Prize paid during the year	5,000	
89,312	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		89,523
h) Shanti Trust Endowment Fund: (For Best Research/Article by Member) Actuary India			
11,635	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	12,348	
0	Add: Contribution during Year (Note (20) (a))	0	
713	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	720	
0	Less: Prize paid during the year	0	
12,348	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		13,068

As at 31.03.25 Amt. in Rs.	Particulars	As at 31.03.26 Amt. in Rs.	As at 31.03.26 Amt. in Rs.
i) Canada Life Scholarship Endowment Fund: (For Subject SA4)			
7,43,427	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	7,78,965	
45,538	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	45,448	
10,000	Less: Prize paid during the year	5,000	
7,78,965	Balance as at 31st March 2025 <---> 31st March 2026		8,19,413
j) K. A. Pandit Memorial Prize Fund: (For Subject SP4)			
1,32,316	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	1,30,421	
8,105	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	7,609	
10,000	Less: Prize paid during the year	5,000	
1,30,421	Balance as at 31st March 2025 <---> 31st March 2026		1,33,030
k) Janardhan Pundlik Nerurkar Prize Fund: (For Sub. SP2)			
1,69,605	Balance as at 31st March 2024 <--> 31st March 2025		
	1,64,994 10,389 Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	9,626	
15,000	Less: Prize paid during the year	5,000	
1,64,994	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		1,69,620
l) Prof. R. M. Joshi Prize Fund: (For Subject CB2)			
1,33,791	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	1,26,986	
8,195	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	7,409	
15,000	Less: Prize paid during the year	15,000	
1,26,986	Balance as at 31st March 2025 <---> 31st March 2026		1,19,395
m) Peter Akers Research Fund: (For Life Insurance)			
55,201	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	58,582	
3,381	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	3,418	
58,582	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		62,000
n) Peter Akers Prize Fund (For Subject SP7)			
3,792	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	4,024	
232	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	235	
0	Less: Prize paid during the year	0	
4,024	Balance as at 31st March 2025 <--> 31st March 2026		4,259
o) J. R. Joshi Prize Fund: (For Subject CP3)			
78,631	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	68,447	
4,816	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	3,993	
15,000	Less: Prize paid during the year	5,000	
68,447	Balance as at 31st March 2025 <---> 31st March 2026		67,440
p) Late Meena Sidhwani Act. Edu. Fund			
(Award for completing fellowship within 4.5 years)			
5,98,441	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	5,85,098	
3,012	Add: Received during the year	0	
36,657	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	34,137	
53,012	Less: Paid during the year	0	
5,85,098	Balance as at 31st March 2025 <---> 31st March 2026		6,19,235
q) Late R. M. Mehta Memorial Fund			
2,01,222	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	2,13,548	
12,326	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	12,459	
2,13,548	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		2,26,007

As at 31.03.25 Amt. in Rs.	Particulars	As at 31.03.26 Amt. in Rs.	As at 31.03.26 Amt. in Rs.
r) Late A S Gupta Prize Fund (For ACET Exam Topper June/July batch)			
1,02,574	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	82,215	
6,283	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	4,797	
26,642	Less: Prize paid during the year	20,000	
82,215	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		67,012
s) Principal PNB Life Insurance Co. Ltd (For Completion Associateship within 3 year)			
59,33,666	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	62,97,127	
3,63,461	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	3,67,402	
0	Less: Paid during the year	0	
62,97,127	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026	66,64,529	
t) Kamal Kumar Noranglal Podar Prize Fund (For Subject SP5)			
1,61,301	Balance as at 1st April.2024 <---> 1st April 2025	1,61,181	
9,880	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	9,404	
10,000	Less: Prize paid during the year	5,000	
1,61,181	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		1,65,585
u) Late D. Basu Prize Fund (SP6)			
1,58,070	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	1,57,752	
9,682	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	9,204	
10,000	Less: Prize paid during the year	5,000	
1,57,752	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		1,61,956
v) Late Sushil Dev Chatterjee Fund (SP8 - Academic Excellence)			
11,471	Balance as at 1st April.2024 <---> 1st April 2025	12,174	
0	Add: Contribution during Year (Note (20) (a))	0	
703	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	710	
0	Less: Prize paid during the year	0	
12,174	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		12,884
w) Atma Ram, Chhaju Ram, Parvati Devi Mem Sch Fund CB1			
1,52,428	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	1,31,765	
9,337	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	7,688	
30,000	Less: Prize paid during the year	25,000	
1,31,765	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		1,14,453
x) The Future Actuary Prize Fund (CP1)			
1,46,511	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	1,45,485	
8,974	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	8,488	
10,000	Less: Paid during the year	5,000	
1,45,485	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025		1,48,973
y) Late Mrs. Jaya & Miss. Kalpa N Parikh (For ACET Exam Topper Dec/Jan batch)			
94,619	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	90,415	
5,796	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	5,275	
10,000	Less: Paid during the year	30,000	
90,415	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		65,690
z) Shri R Krishnaswamy Prize Fund - CP2			
3,80,442	Balance as at 1st April.2024 <---> 1st April 2025	3,93,746	
23,304	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	22,973	
10,000	Less: Prize paid during the year	5,000	
3,93,746	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		4,11,719

As at 31.03.25 Amt. in Rs.	Particulars	As at 31.03.26 Amt. in Rs.	As at 31.03.26 Amt. in Rs.
aa) Shri R Krishnaswamy Prize Fund - CS2			
4,21,278	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	4,32,083	
25,805	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	25,210	
15,000	Less: Prize paid during the year	5,000	
4,32,083	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		4,52,293
ab) Smt. Vidhyawati & Smt. Santosh Kumari Mem Sch. Fund (CM1)			
1,10,936	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	1,02,731	
6,795	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	5,994	
15,000	Less: Prize paid during the year	15,000	
1,02,731	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		93,725
ac) TATA AIA Life Academic Exell Award for CP1			
6,39,793	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	6,56,283	
0	Add: Received during the year	0	
39,190	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	38,290	
22,700	Less: Prize paid during the year	10,000	
6,56,283	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		6,84,573
ad) Late Shri K. P. Sharma Memorial Prize Fund (SA3)			
7,34,853	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	7,64,866	
45,013	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	44,626	
15,000	Less: Prize paid during the year	5,000	
7,64,866	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		8,04,492
ae) Partners Fund in Mem of Late Mr. Akshay Pandit CP3			
5,33,461	Balance as at 1st April 2024 <-----> 1st April 2025	5,32,088	
0	Add: Addition during the year	0	
32,677	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	31,044	
34,050	Less: Prize paid during the year	10,000	
5,32,088	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		5,53,132
af) Kerishna Kumar Tewari Memorial Academic Excellence (SP8)			
7,367	Balance as at 1st April 2024 <----> 1st April 2025	25,562	
50,000	Add: Received during the year	0	
896	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	1,915	
32,700	Less: Prize paid during the year	15,000	
25,562	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		12,477
ag) InsurTech Actuary Academic Execlence Award (SP7)			
1,90,695	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	1,89,676	
10,000	Add: Received during the year	0	
11,681	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	11,067	
22,700	Less: Prize paid during the year	10,000	
1,89,676	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		1,90,743
ah) Canara HSBC Life Ins Award (Digital Actuary India)			
2,72,832	Balance as at 1st April 2024 <----> 1st April 2025	2,64,544	
5,000	Add: Received during the year	0	
16,712	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a)	15,435	
30,000	Less: Prize paid during the year	30,000	
2,64,544	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		2,49,979

As at 31.03.25 Amt. in Rs.	Particulars	As at 31.03.26 Amt. in Rs.	As at 31.03.26 Amt. in Rs.
	ai) Late Shri Mukul Chandra Chakravarti Memorial Academic Excellence Award CS1		
4,94,177	Balance as at 1st April 2024 <----> 1st April 2025	5,01,747	
0	Add: Received during the year	0	
30,270	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	29,274	
22,700	Less: Prize paid during the year	30,000	
5,01,747	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		5,01,021
	aj) General Insurance Reserving & Capital Modelling Prize Fund SP7		
0	Balance as at 1st April 2024 <-----> 1st April 2025	0	
0	Add: Received during the year	5,00,000	
0	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (a))	0	
0	Less: Prize paid during the year	0	
0	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		5,00,000
1,53,27,668	Total Rs.		1,64,22,373

NOTE 4 EARMARKED ENDOWMENT FUNDS:

	a) Swiss Re:		
4,21,444	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	4,47,259	
25,815	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (b))	26,095	
4,47,259	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		4,73,354
	b) Swiss Re: (Furniture)		
11,91,710	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	12,64,707	
72,997	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (b))	73,788	
12,64,707	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		13,38,495
	c) Standard Life: (UK)		
4,75,975	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	5,05,130	
29,155	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (b))	29,471	
0	Less: Purchase of Library Books	0	
5,05,130	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		5,34,602
	d) Standard Life: (Furniture)		
20,66,890	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	21,93,496	
1,26,606	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (b))	1,27,978	
21,93,496	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026	23,21,474	
	e) Prudential Corporation Asia Ltd. (Highest Mark in a Year-EAAC Conference)		
62,09,580	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	64,50,837	
3,80,363	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (b))	3,76,370	
1,39,106	Less: Highest mark in SA2 for the year	1,55,219	
64,50,837	Balance as at 31st March 2025 <----> 31st March 2026		66,71,988
	f) HDFC:		
40,683	Balance as at 1st April.2024 <----> 1st April 2025	43,175	
2,492	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (b))	2,519	
43,175	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		45,694

As at 31.03.25 Amt. in Rs.	Particulars	As at 31.03.26 Amt. in Rs.	As at 31.03.26 Amt. in Rs.
	g) CPD / Research:		
31,07,980	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	32,98,357	
1,90,377	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (b))	1,92,440	
32,98,357	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		34,90,797
	h) GCA & Research Fund:		
3,23,75,640	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	3,43,58,785	
19,83,145	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (b))	20,04,640	
3,43,58,785	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		3,63,63,425
	i) Building Fund:		
1,91,02,833	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	2,02,72,963	
11,70,130	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (b))	11,82,812	
0	Less: Transferred to General Reserve on utilisation	0	
2,02,72,963	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		2,14,55,775
	j) Development Reserve Fund:		
59,04,18,428	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	67,14,08,483	
10,97,99,131	Add: Set aside during the year	14,99,30,677	
3,61,65,632	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (b))	3,91,72,877	
0	Less: Utilized directly from development reserve fund	0	
6,49,74,708	Less: Transferred to General Reserve on utilisation	7,31,00,000	
67,14,08,483	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		78,74,12,037
	k) Research in Life Insurance:		
0	Balance as at 1st April.2024 <-----> 1st April 2025	0	
0	Add: Addition made during the year	1,00,00,000	
0	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (b))	0	
0	Less: Transferred to General Reserve on utilisation	0	
0	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		1,00,00,000
74,02,43,192	Total Rs.		87,01,07,642

NOTE 5**a) Life Insurance Corporation of India**

34,84,409	Balance as at 1st April 2024 <-----> 1st April 2025	36,97,844	
2,13,435	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (c))	2,15,748	
36,97,844	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		39,13,592
	b) ICICI:		
27,60,083	Balance as at 1st April 2024 <-----> 1st April 2025	29,29,150	
1,69,067	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (c))	1,70,899	
29,29,150	Balance as at 1st April 2025 <-----> 1st April 2026		31,00,049
	c) Employees Relief Fund:		
8,14,631	Balance as at 1st April 2024 <-----> 1st April 2025	8,64,531	
49,900	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (c))	50,440	
8,64,531	Balance as at 31st March 2025 <-----> 31st March 2026		9,14,971

As at 31.03.25 Amt. in Rs.	Particulars	As at 31.03.26 Amt. in Rs.	As at 31.03.26 Amt. in Rs.
d) Students Support Scheme			
51,77,630	Balance as at 1st April 2024 <----> 1st April 2025	50,46,782	
0	Add: Addition during the year	0	
3,17,152	Add: Interest allocated during Year (Note (20) (c))	2,94,451	
4,48,000	Less: Amount paid during the year	3,14,500	
50,46,782	Balance as at 31st March 2025 <---> 31st March 2026		50,26,733
1,25,38,307	Total Rs.		1,29,55,346
NOTE 6 CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS			
Trade Payables			
9,29,784	Sundry Creditors	17,49,772	
0	Amount Recd. In Advance	0	17,49,772
Other Current Liabilities & Provisions			
Duties & Taxes			
40,34,438	TDS Payable	84,65,340	
17,60,652	GST	10,33,716	
5,600	Profession Tax	0	94,99,056
Other Liability			
7,01,262	Deposit Refundable	6,51,262	
1,05,74,471	Gratuity Liability	1,03,31,433	
75,71,340	Leave Encashment Liability	59,38,128	
1,23,504	Insurance Information Bureau	1,23,504	
4,87,836	Contribution to Provident Fund (Staff)	5,34,773	
75,845	Axis Bank Credit Card	4,00,649	
4,06,662	IAI Staff Payable	11,790	
2,26,10,595	Outstanding Liability	3,33,94,455	5,13,85,994
4,92,81,989	Total Rs.		6,26,34,822

NOTE 7

FIXED ASSETS

SR NO.	PARTICULARS	RATE OF DEPRE. %	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
			AS AT 01.04.2025	ADDITIONS DURING THE YEAR	SALE/ ADJUST-MENT	AS AT 31.03.2026	UP TO 01.04.2025	FOR the YEAR	SALE/ ADJUST-MENT	UP TO 31.03.2026	AS AT 31.03.2025	AS AT 31.03.2026
1	AUDIO CONFERENCING SYSTEM	15	51,757	—	—	51,757	51,031	109	—	51,140	616	725
2	CASH BOX	15	4,728	—	—	4,728	4,625	15	—	4,640	88	103
3	COMPUTER	60	1,40,60,225	73,93,026	—	2,14,53,251	1,25,64,373	38,92,296	—	1,64,56,669	49,96,582	14,95,852
4	SAFE LOCKER	15	24,789	—	—	24,789	23,511	192	—	23,703	1,086	1,278
5	WEIGHT MACHINE	15	9,384	—	—	9,384	7,826	234	—	8,060	1,324	1,558
6	OFFICE EQUIPMENT	15	7,92,736	1,24,279	—	9,17,015	4,32,408	63,332	—	4,95,740	4,21,275	3,60,328
7	BUSINESS PROJECTOR	15	1,24,789	—	—	1,24,789	77,555	7,085	—	84,640	40,149	47,234
8	Building Office Premises	10	16,96,41,485	—	—	16,96,41,485	9,45,64,647	75,07,684	—	10,20,72,331	6,75,69,154	7,50,76,838
9	Furniture & Fixture	15	2,45,22,657	—	—	2,45,22,657	1,73,08,218	10,82,166	—	1,83,90,384	61,32,272	72,14,438
10	Video Conference System	15	7,77,890	1,15,717	—	8,93,607	4,75,049	46,282.00	—	5,21,331	3,72,276	3,02,841
11	Intangible Asstes – MTS (System) – IT	SLM	—	65,60,266	—	65,60,266	—	9,99,317	—	9,99,317	55,60,949	—
12	Intangible Asstes – Education Content– C2	SLM	—	33,59,109	—	33,59,109	—	2,02,467.00	—	2,02,467	31,56,642	—
	TOTAL		21,00,10,439	1,75,52,397	—	22,75,62,836	12,55,09,243	1,38,01,179	—	13,93,10,422	8,82,52,414	8,45,01,196
	Previous Year		20,84,67,253	15,43,186	—	21,00,10,439	11,49,59,386	1,05,49,857	—	12,55,09,243	8,45,01,196	9,35,07,867
Work in Progress												
1	Website Development	—	89,65,112	—	89,65,112	—	—	—	—	—	—	89,65,112
2	Study Material	—	1,16,90,000	49,07,050	33,59,109	1,32,37,941	—	—	—	—	1,32,37,941	1,16,90,000
	TOTAL	—	2,06,55,112	49,07,050	1,23,24,221	1,32,37,941	—	—	—	—	1,32,37,941	2,06,55,112
	GRAND TOTAL		23,06,65,551	2,24,59,447	1,23,24,221	24,08,00,777	12,55,09,243	1,38,01,179	—	13,93,10,422	10,14,90,355	10,51,56,308

As at 31.03.25 Amt. in Rs.	Particulars	As at 31.03.26 Amt. in Rs.	As at 31.03.26 Amt. in Rs.
NOTE 8 INVESTMENTS			
	a) In Bonds of (Long Term Investments)		
1,43,36,680	Investment in 6.54% GS 2032 FV 1.50 Cr	1,43,36,680	
1,49,01,820	Investment in 7.85% MP SDL2032 FV 1.48 Cr	1,49,01,820	
1,89,71,180	Investment in 6.54% GS 2032 FV 2 Cr	1,89,71,180	
3,91,68,000	Investment in 6.54% GS 2032 FV 4 Cr	3,91,68,000	
2,45,91,340	Investment in 7.54% GS 2036 2.46 Cr	2,45,91,340	
2,88,42,005	Investment 7.26% GS 2033 FV 2.85 Crore	2,88,42,005	
5,97,11,000	Investment 7.57% GS 2033 FV 5.80 Crore	5,97,11,000	
20,05,22,025			20,05,22,025
	b) In Fixed Deposit with (Long Term Investments)		
96,42,985	Karnataka Bank Ltd.	0	
4,00,00,000	LIC Housing Finance Ltd	4,00,00,000	
5,40,00,000	Canara Bank	5,40,00,000	
1,25,50,000	Bank of Maharashtra	0	
3,00,00,000	Union Bank of India	6,00,00,000	
80,00,000	State Bank of Hyderabad	80,00,000	
21,50,000	PNB Hosing finance Ltd	0	
3,00,00,000	ICICI Home Finance	4,00,00,000	
0	Punjab National Bank	8,00,00,000	
3,00,00,000	Yes Bank	3,00,00,000	
6,05,00,000	Axis Bank Ltd	6,05,00,000	
6,80,00,000	Bank of Baroda	7,16,77,151	
5,40,00,000	HDFC Bank	5,40,00,000	
1,00,00,000	HDFC Limited	1,00,00,000	
3,50,00,000	State Bank of India	3,50,00,000	
3,00,00,000	IDFC First Bank	6,00,00,000	
5,50,00,000	IndusInd Bank	5,50,00,000	
52,88,42,985			65,81,77,151
	c) In Mutual Funds (Short Term Investments are stated at cost as per AS-13)		
8,79,405	LIC Liquid Plus Fund - Growth Option	8,79,405	
6,42,79,393	SBI Saving Fund	6,42,79,393	
	(Market Value - Rs. 9,14,80,254.52/- & Cost Rs.6,51,58,798/- as per AS-13 consider market value or cost whichever is low)		
	d) Investment in section 8 company		
14,99,990	Investment in 1,49,999 equity share of IAIAERO at Rs.10 per share	14,99,990	
10	Investment on behalf of President in 1 equity share of IAIAERO at Rs.10 per share	10	
6,66,58,798			6,66,58,798
79,60,23,808	Total Rs.		92,53,57,974

As at 31.03.25 Amt. in Rs.	Particulars	As at 31.03.26 Amt. in Rs.	As at 31.03.26 Amt. in Rs.
NOTE 9 CASH AND BANK BALANCES			
a) Cash Balances			
1,651	Cash on Hand	1,666	
1,651			1,666

c) Bank Balances in Saving Account with			
53,096	State Bank of India	54,460	
6,22,64,371	Axis Bank Ltd	6,28,84,026	
			6,29,38,486
d) Bank Balances in Current Account with			
1,15,827	Axis Bank Ltd	13,17,636	
20,331	Axis Bank Ltd - Smart Card	35,224	

6,24,53,625		13,52,860
6,24,55,276	Total Rs.	6,42,93,012
NOTE 10 SUNDRY DEBTORS		
1,50,09,883 Debtors		2,10,39,150
1,50,09,883	Total Rs.	2,10,39,150

As at 31.03.25 Amt. in Rs.	Particulars	As at 31.03.26 Amt. in Rs.	As at 31.03.26 Amt. in Rs.
NOTE 11 LOANS & ADVANCES			
	a) LOANS AND ADVANCES:		
	Tax deducted at Source Receivable		
1,27,439	Assessment Year 2006-2007	1,27,439	
3,88,807	Assessment Year 2007-2008	3,88,807	
6,42,158	Assessment Year 2008-2009	6,42,158	
5,43,485	Assessment Year 2009-2010	5,43,485	
21,21,492	Assessment Year 2013-2014	21,21,492	
14,79,044	Assessment Year 2015-2016	14,79,044	
13,21,180	Assessment Year 2016-2017	13,21,180	
19,09,735	Assessment Year 2017-2018	19,09,735	
20,27,867	Assessment Year 2018-2019	20,27,867	
30,49,239	Assessment Year 2019-2020	30,49,239	
9,00,052	Assessment Year 2020-2021	9,00,052	
17,09,183	Assessment Year 2021-2022	17,09,183	
43,92,993	Assessment Year 2022-2023	43,92,993	
51,42,902	Assessment Year 2023-2024	51,42,902	
66,31,157	Assessment Year 2024-2025	66,31,157	
38,00,043	Assessment Year 2025-2026	38,87,703	
0	Assessment Year 2026-2027	56,95,304	4,19,69,739
1,13,301	Tax collected at source receivable A.Y. 2023-24	1,13,301	
89,506	Tax collected at source receivable A.Y. 2024-25	89,506	2,02,807
50,000	Deposit with Bill Desk	50,000	
1,78,541	Deposit With Electricity	1,78,541	
7,48,823	Service tax paid in dispute	9,44,512	
6,99,084	Prepaid Expenses / Advance	13,49,346	
81,120	Bulk SMS	81,120	
10,000	Advance Salary	0	
10,000	Netco Converge Pvt Ltd Deposit	10,000	26,13,519
3,81,67,151	Total Rs.		4,47,86,065
NOTE 12 INTEREST ACCURED ON INVESTMENT			
11,26,91,255	Accrued Interest		12,11,11,837
11,26,91,255	Total Rs.		12,11,11,837

Previous Year Ended 31.03.25	Particulars	Current Year Ended 31.03.26	Current Year Ended 31.03.26
NOTE 22 EXPENSES OF THE INSTITUTE			
4,96,68,675	Salaries (Includes Bonus/Gratuity/Leave encashment)	4,56,61,143	
18,21,404	Sub-contract Salary	35,82,197	
4,74,355	Staff Welfare	2,98,378	
23,11,172	Electricity Charges	17,93,630	
2,05,66,036	Examination Expenses	3,03,23,468	
35,76,057	Study Material Expenses	42,31,420	
3,58,62,893	Royalty for UK, London	3,90,12,731	
1,98,19,271	GCA/VAC Expenses	3,84,24,838	
26,83,994	Seminar Expenses	29,81,758	
25,00,000	Actuary India Magazine Expenses	32,50,000	
15,60,401	Meeting Expenses including accommodation	60,15,450	
6,80,581	Insurance Premium	6,29,540	
71,96,896	Legal & Professional Charges	66,88,977	
7,43,361	Printing and Stationary	11,97,481	
6,72,408	Postage, Courier & Telephone Charges	7,00,876	
1,81,749	Travelling & Conveyance	2,10,806	
31,71,591	Repairs & Maintenance	28,30,016	
70,390	Bank Charges	93,701	
17,78,061	Membership & Subscription Fees	14,34,947	
1,21,133	Office & General Expenses	2,43,559	
29,501	Staff Recruitment Fees	15,51,376	
16,26,401	Education Promotion & Marketing	24,86,320	
57,75,594	Coaching Classes & Training Exps	15,29,062	
0	Interest charges	4,443	
20,98,812	Common Area Maintenance (CAM Charges)	20,91,596	
4,93,276	Property Tax	4,93,276	
5,70,873	Transaction Charges & Difference in Foreign exchange	3,87,546	
23,750	Miscellaneous Expenses	46,600	
30,000	Election Exps.	25,000	
83,51,395	Input GST expense out	1,21,55,307	
0	Write Off	11,129	
2,700	Library Book Expenses	0	
12,30,500	IT audit	3,95,000	
6,900	IT Misc. Services	2,650	
878	Placement Cost	0	
6,66,843	Accreditation	3,91,173	
17,63,67,850			21,11,75,393
Audit Fees			
1,50,000	Internal Audit Fees	1,50,000	
50,000	Statutory Audit Fees	50,000	
2,00,000			2,00,000
17,65,67,850	Total Rs.		21,13,75,393

Previous Year Ended 31.03.25	Particulars	Current Year Ended 31.03.26	Current Year Ended 31.03.26
NOTE 20 INTEREST ALLOCATED TO SPECIFIC FUNDS			
17,882	Prof. G.S. Diwan Prize Memorial/Prize/Award Fund - SA2	17,492	
15,610	Prof.(Late) G. S.Diwan 100th Birth Anniversary Memorial Edu.Fund (Donated by R.M. Mehta)	14,612	
27,586	Prof. G.S. Diwan Memorial Scholarship Fund (For Research Project)	27,302	
17,682	Prof. G.S.Diwan Birth Centenary Education Fund (For Subject CM2)	16,706	
2,002	K.R.Talpade Memorial Scholarship Endowment Fund(For Subject CT1)	2,024	
6,309	H.V. Krishnamurthy Prize Fund (For Subjct CS1)	5,211	
713	Shanti Trust Endowment Fund (For Best Research / Article by Member)	720	
45,538	Canada Life Scholarship Endowment Fund (For Successful Associates & Fellows)	45,448	
8,105	K.A. Pandit Prize Fund (For Subject SP4)	7,609	
48,309	K A Pandit Academic Excl Award- SA4	47,508	
10,389	Janardhan Pundlik Nerulkar Prize Fund (For Subject SP2)	9,626	
8,195	Prof. R.M. Joshi Prize Fund (For Subject CB2)	7,409	
3,381	Peter Aker Research Prize Fund (For Life Insurance)	3,418	
232	Peter Aker Prize Fund (For Subject SP7)	235	
4,816	J.R. Joshi Prize Fund (For Subject CP3)	3,993	
36,657	Late Meena Sidhwani Actuarial Education Fund	34,137	
12,326	Late R.M. Mehta Memorial Fund	12,459	
6,283	Late A S Gupta Prize Fund	4,797	
3,63,461	Principal PNB Life Insurance Co. Ltd	3,67,402	
9,880	Kamal Kumar Noranglal Podar Prize Fund for SP5	9,404	
9,682	Late D. Basu Prize Fund	9,204	
703	Late Sushil Dev Charterjee Fund	710	
896	Kerishna Kumar Tewari Memorial Academic Excellence (SP8)	1,915	
9,337	Aatmaram, Chajuram & Parvati Devi Memorial Scholarship Fund	7,688	
8,974	The Future Actuary Prize Fund	8,488	
5,796	Late Mrs. Jaya & Miss Kalpa N. Parikh	5,275	
25,805	R Krishnaswamy Prize Fund - CS2	25,210	
23,304	R Krishnaswamy Prize Fund - CP3	22,973	
6,795	Smt. Vidhyawati & Smt. Santosh Kumari Memorial Scholarship Fund	5,994	
25,815	Swiss Re (Library Infrastructure)	26,095	
72,997	Swiss Re (Furniture)	73,788	
29,155	Standard Life Fund	29,471	
1,26,606	Standard Life (Furniture)	1,27,978	
3,80,363	Prudential Corporation Asia Ltd Fund (Coaching Classes & Examiners Seminar)	3,76,370	
2,492	HDFC (Actuarial Directory)	2,519	
1,90,377	CPD / Research Fund	1,92,440	
19,83,145	GCA & Research Fund	20,04,640	
11,70,130	Building Fund	11,82,812	
3,61,65,632	Development Reserve Fund	3,91,72,877	
2,13,435	LIC of India (Promotion & Prizes)	2,15,748	
1,69,067	ICICI	1,70,899	
49,900	Employees Relief Fund	50,440	
3,17,152	Student Support Scheme	2,94,451	
32,677	Partners Fund in Mem of Late Mr. Akshay Pandit CP3	31,044	
39,190	TATA AIA Life Academic Exell Award for CP1	38,290	
11,681	Academic Excellence Prize (SP7)	11,067	
45,013	Late Shri K P Sarma Memorial Prize Fund	44,626	
16,712	Canara HSBC Life Ins Award (Digital Actuary India)	15,435	
30,270	Late Shri Mukul Chandra Chakravarti Memorial Academic Excellence Award CS1	29,274	
4,18,08,457	Total Rs.	4,48,15,236	

Previous Year Ended 31.03.25	Particulars	Current Year Ended 31.03.26	Current Year Ended 31.03.26
NOTE 18 INVESTMENT INCOME			
A) INTEREST ON SAVINGS BANK ACCOUNTS			
29,73,529	Axis Bank	31,29,885	
<u>1,408</u>	State Bank of India	<u>1,364</u>	
29,74,937			31,31,249
B) INTEREST ON FIXED DEPOSITS WITH BANKS			
41,65,414	Axis Bank	43,94,689	
15,11,055	Bank of Baroda (Dena bank was merged with BoB)	50,72,317	
22,11,089	SBI	23,20,812	
42,50,656	HDFC Bank and HDFC Ltd	41,07,672	
16,39,352	Karnataka Bank	4,43,454	
11,20,447	State Bank of Hyderabad	12,01,121	
34,69,875	Canara Bank	36,44,853	
30,47,471	Union Bank of India	36,86,077	
21,16,796	Bank of Maharashtra	6,23,564	
19,60,198	RBL Bank	0	
34,16,393	YES Bank	36,10,399	
19,37,981	IDFC First Bank	24,69,700	
8,45,192	IndusInd Bank	45,23,564	
<u>0</u>	Punjab National Bank	<u>10,85,452</u>	
3,16,91,919			3,71,83,674
C) INTEREST/DIVIDEND FROM OTHER INVESTMENTS			
82,81,796	Interest on Fixed Deposits with NBFCs/HFCs	58,32,794	
<u>1,44,30,887</u>	Interest on Govt Security Bond	<u>1,43,81,340</u>	
2,27,12,683			2,02,14,134
5,73,79,539	Total Rs. (A+B+C)		6,05,29,057

NOTE 19 INCOME ON SALE OF INVESTMENTS

<u>0</u>	Income on SBI MF Income Plus Fund (Dividend)	<u>0</u>
<u>0</u>		<u>0</u>

Previous Year Ended 31.03.25	Particulars	Current Year Ended 31.03.26	Current Year Ended 31.03.26
NOTE 13 EDUCATIONAL SERVICES & EXAMINATION FEES			
5,01,14,050	Examination Fees	7,18,45,393	
5,27,30,400	Study Course and Tutition Material Fees	6,64,94,951	
59,56,000	Exemption Fees	1,28,05,000	
28,22,000	Admission Fees	61,80,502	
3,41,000	Actuary India Magazine & Website Income	14,09,500	
11,19,63,450		15,87,35,346	
NOTE 14 ONLINE COACHING & TRAINING			
15,26,570	Coaching	65,73,552	
29,03,500	Counselling / Training	15,17,500	
44,30,070		Total Rs.	80,91,052
NOTE 15 MEMBERS CONTRIBUTION			
2,38,48,510	Subscription Fees	3,77,95,103	
2,38,48,510		Total Rs.	3,77,95,103
NOTE 16 SEMINARS FEES			
4,16,09,968	GCA/VAC related income	6,85,51,721	
4,16,09,968		Total Rs.	6,85,51,721
NOTE 17 SEMINARS FEES			
60,78,499	Seminar & Webinars	74,01,000	
60,78,499		Total Rs.	74,01,000
NOTE 21 OTHER INCOME			
30,36,000	COP Fees (Renewal & New Issuance)	33,92,000	
12,38,000	Admission Change in Category	21,05,500	
18,29,356	CPD	25,04,550	
84,123	Sundry Balance Written Back	79,487	
26,000	Student Verification	0	
2,73,357	Other Income	15,293	
10,29,188	Accreditation income	14,68,062	
75,16,024		Total Rs.	95,64,892

NOTE - 1**NOTES TO ACCOUNTS****A) Significant Accounting Policies:****1. ACCOUNTING CONVENTION**

These accounts are drawn up on historical cost basis and have been prepared in accordance with the applicable Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India and are on accrual basis unless otherwise stated.

2. REVENUE RECOGNITION

- a) Admission Fee:
The Admission Fee is recognised as income in the year of admission of students.
- b) Subscription Fee:
Subscription Fees for the year is recognised as income on actual receipt basis.
- c) Examination Fees:
Examination Fee is recognised on the basis of conduct of examinations.
- d) Study Course and Tuition Material Fees:
Revenue from Sale of Study Course & Tuition Material Fee is recognised in the year Sale of Study Material.
- e) Seminar Fees:
Seminar Fee is recognised on the basis of conduct of Seminar.
- f) Income on Interest bearing securities and fixed deposits is recognised on accrual basis at the rates applicable to such investments.

3. ALLOCATION / TRANSFER TO EARMARKED FUNDS

Income from investments of Earmarked Funds is allocated to Earmarked Funds proportionately on the basis of Weighted Average Method.

4. FIXED ASSETS AND DEPRECIATION

- a) Fixed Assets are stated at historical cost less depreciation.
- b) Depreciation is provided on the written down value method at the following rates as approved by the Institute, based on the useful life of the respective assets:

Type of Asset	Rate of Depreciation
Computer	60%
Plant & Machinery	15%
Furniture & Fixtures	15%

- c) Depreciation on additions is provided on pro-rata basis. Depreciation on intangible assets, namely MTS (System) - IT and Education Content - C2, is charged using the Straight-Line Method (SLM), based on the assessment and opinion of the Statutory Auditor.
- d) During the financial year 2025-26, the Institute of Actuaries of India (IAI) capitalise Capital Work-in-Progress relating to the MTS System (Website Development) under Intangible Assets - MTS (System) - IT, upon receipt of completion and readiness-for-use confirmations from the concerned department and based on the opinion of the Statutory Auditor.
- e) During the financial year 2025-26, the Institute of Actuaries of India (IAI)

capitalised Capital Work-in-Progress pertaining to the development of study material for Education Content - C2 under Intangible Assets - Education Content - C2, upon receipt of completion and readiness-for-use confirmations from the concerned department, and based on the opinion of the Statutory Auditor.

- f) As of March 31, 2026, the development of study materials, classified as Capital Work-in-Progress (WIP) amounting to Rs. 1,32,37,941/-, reflects varied progress across subjects.

5. IN VESTMENTS

Current investments are carried at lower of cost and fair value. The Long-term investments are carried at cost.

Market Value of Mutual Fund (Current Investment) is Rs. 9,14,80,254.52/- & Cost is Rs.6,51,58,798/-. Therefore, as per AS-13 current investments are valued at market value or cost whichever is low.

At each balance sheet date, current investments are carried at lower of cost and fair value. The fair value is determined on an individual basis. The long-term investments are usually carried at cost and decline in the value of long-term investment other than temporary is not reduced from the investment value and carried at cost value. The premium paid at the time of purchase is amortised over the remaining maturity of investments. Valuation of the investment at the end of each balance sheet date is not in practice of the Institute.

6. PROVISIONS

A provision is recognised when an enterprise has a present obligation as a result of past events: it is probable that an outflow of resources will be required to settle the obligation, in respect of which a reliable estimate can be made. Provisions are not discounted to its present value and are determined based on best estimates required to settle the obligations at the Balance Sheet Date. These are reviewed at each Balance Sheet Date and adjusted to reflect the current best estimates.

B) Notes to Accounts:

1. CONTINGENT LIABILITIES AND CONTINGENT ASSETS

Contingent liability is a possible obligation that arises from past events and the existence of which will be confirmed only by the occurrence or non-occurrence of one or more uncertain future events not wholly within the control of the Institute, or is a present obligations that arises from past event but is not recognised because either it is not probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation, or a reliable estimate of the amount of the obligation cannot be made. Contingent liabilities are disclosed and not recognised. Contingent assets are neither recognised nor disclosed.

Contingent liabilities and commitments	as at	as at
	March 31, 2026	March 31, 2025
a) Traces TDS Demand	3,13,680.00	10,42,920.00
b) Service Tax Demand	94,06,141.00	94,06,141.00
c) IT demand u/s 143(1) A.Y.2015-16/	4,72,67,297.00	4,72,67,297.00
d) IT demand u/s 143(1) A.Y.2016-17	4,89,37,996.00	4,89,37,996.00
e) IT demand u/s 143(1) A.Y.2018-19	-	7,71,04,880.00
f) IT demand u/s 143(1) A.Y.2023-24	1,79,63,820.00	1,79,63,820.00

For AY 2018-19, the Hon'ble Bombay High Court has passed an order in favour of IAI, resulting in the deletion of the demand, and the effect of the said order has been duly

given by the Income Tax Department. With respect to income tax matters for Assessment Years (AY) 2015-16 and 2016-17, the Hon'ble Income Tax Appellate Tribunal (ITAT), Mumbai, has allowed the appeals filed by the Institute of Actuaries of India (IAI). The consequential orders giving effect to the ITAT's decisions are presently pending before the jurisdictional Assessing Officer. For AY 2023-24, IAI has filed a rectification application under Section 154 of the Income-tax Act, 1961, before the jurisdictional Assessing Officer, seeking rectification of mistakes apparent from the record in the order passed under Section 143(1).

2. EMPLOYEE BENEFITS

a) Gratuity:

The Institute provides for Gratuity Liability based on Actuarial Valuation report and as per applicable accounting standard.

	Current Period	Previous Period
Type of Benefit	Gratuity	Gratuity
Country	India	India
Reporting Currency	INR	INR
Reporting Standard	Accounting Standard 15 Revised (AS 15R)	Accounting Standard 15 Revised (AS 15R)
Funding Status	Unfunded	Unfunded
Starting Period	01-Apr-25	01-Apr-24
Date of Reporting	31-Mar-26	31-Mar-25
Period of Reporting	12 Months	12 Months

Assumptions (Opening Period)		
Expected Return on Plan Assets	N.A.	N.A.
Rate of Discounting	6.65%	7.19%
Rate of Salary Increase	10.00%	10.00%
Rate of Employee Turnover	10.00%	10.00%
Mortality Rate During Employment	Indian Assured Lives Mortality 2012-14 (Urban)	Indian Assured Lives Mortality 2012-14 (Urban)

Table Showing Change in the Present Value of Defined Benefit Obligation		
	Current Period	Previous Period
Present Value of Benefit Obligation at the Beginning of the Period	10,574,471	13,380,998
Interest Cost	703,202	962,094
Current Service Cost	715,845	924,234
Past Service Cost - Non-Vested Benefit Incurred During the Period	-	-
Past Service Cost - Vested Benefit Incurred During the Period	-	-
Liability Transferred In/ Acquisitions	-	-
(Liability Transferred Out/ Divestments)	-	-
(Gains)/ Losses on Curtailment	-	-
(Liabilities Extinguished on Settlement)	-	-

(Benefit Paid Directly by the Employer)	(2,000,000)	(4,357,538)
(Benefit Paid Directly by the Employer)	(2,000,000)	(4,357,538)
(Benefit Paid From the Fund)	-	-
The Effect Of Changes in Foreign Exchange Rates	-	-
Actuarial (Gains)/Losses on Obligations - Due to Change in Demographic Assumptions	-	-
Actuarial (Gains)/Losses on Obligations - Due to Change in Financial Assumptions	(358,398)	268,114
Actuarial (Gains)/Losses on Obligations - Due to Experience	696,313	(603,431)
Present Value of Benefit Obligation at the End of the Period	10,331,433	10,574,471

b) Leave Encashment:

The Institute has provided for accumulated Privilege & Sick Leave based on actuarial valuation.

C) Other Notes:

- 1) Actuarial Society of India registered under Societies Registration Act, 1860 and the Bombay Public Trust Act, 1950 was dissolved on 09-11-2006 and all the assets and liabilities of ASI were transferred to “Institute of Actuaries of India” which is constituted by an Act of Parliament viz. “The Actuaries Act, 2006”.
- 2) Stock of Study Materials, Publications and Stationery etc. are written off in the year of purchase under respective expenses heads of accounts.
- 3) No provision for income tax has been made, as the Institute is exempt from income tax under Section 10(23C)(vi) of the Income Tax Act, 1961, pursuant to the order dated 31 December 2021 (No. AAATA0145QC20212) issued by the Principal Commissioner of Income Tax/Commissioner of Income Tax. This exemption applies from Assessment Year 2022-23 to Assessment Year 2026-27.
- 4) Allocation of Investment Income has been done as computed and certified by the Management.
- 5) Previous year's figures have been regrouped, rearranged and reclassified wherever necessary.

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE**For INSTITUTE OF ACTUARIES OF INDIA**

For Jain Jagawat Kamdar & Co.
Chartered Accountants

Sd/-
Preeti Chandrashekhar
President

Sd/-
Anurag Rastogi
Vice President

Sd/-
CA Basant Jain
Partner
Membership No.: 122463
Registration No.: 122530W
Place: Navi Mumbai
Date: 7th August 2026

Sd/-
Asha Murali
Honorary Secretary

PREETI CHANDRASEKHAR, President
[ADVT.-III/4/Exty./336/2026-27]